कृषि सूचना तथा सञ्चार केन्द्र

### व्यक्तिगत विवरण

नाम :	
पद :	
कार्यालयको नाम :	
ठेगाना :	
फोन :	
फ्याक्स :	
इमेल :	
वेभसाईट :	
मोबाइल :	
स्थायी ठेगाना :	
फोन :	
कर्मचारी संचयकोष नं. :	
नागरिक लगानी कोष नं. :	
चालक अनुमति पत्र नं. :	
राहदानी नं. :	
सावधिक जीवन बीमा कोष नं. :	
जीवन बीमा नं. :	
रक्त समूह :	
क्नै दुर्घटना भएमा खबर गरिदिनुहोस् :	
6 . 3	

(WORK PLAN)

### **वैशाख - १०७१** APR/MAY- 2014

आइतबार SUN	सोमबार MON	मंगलबार TUE	बुधबार WED	बिहीबार THU	शुऋबार FRI	शनिबार SAT
	٩	ģ	3	8	Ą	Ę
	14	15	16	17	18	19
6	τ	ę	90	99	99	93
20	21	22	23	24	25	26
98	дЯ	98	96	90	99	90
27	28	29	30	1	2	3
ρq	ģģ	93	98	ģΆ	ЭĘ	96
4	5	6	7	8	9	10
9C	эę	30				
11	12	13				

### **ាំចេ** - **२០७৭** MAY/JUN- 2014

आइतबार SUN	सोमबार MON	मंगलबार TUE	बुधबार WED	बिहीबार THU	शुऋबार FRI	शनिबार SAT
				<b>9</b> 15	<b>ə</b> 16	<b>3</b> 17
<b>8</b> 18	<b>y</b> 19	<b>٤</b> 20	<b>6</b> 21	τ 22	ę 23	<b>90</b> 24
<b>99</b> 25	<b>ๆจ</b> 26	<b>93</b> 27	<b>98</b> 28	<b>ๆม</b> 29	<b>9६</b> 30	<b>96</b> 31
90	99	90	PĢ	99	93	98
1	2	3	4	5	6	7
ģΆ	ρĘ	96	ЭС	96	30	39
8	9	10	11	12	13	14

(WORK PLAN)

#### आषाढ - २०७१

JUN/JUL- 2014

	तबार UN		ाबार ON	मंगल TL			बार ED	बिही Th	बार IU		ज्बार RI	शनि S <i>F</i>	
٩	15	ą	16	3	17	8	18	Ą	19	Ę	20	6	21
τ	22	ę	23	90	24	99	25	qə	26	93	27	98	28
ďΆ	29	98	30	96	1	90	2	99	3	90	4	PÇ	5
ģģ	6	93	7	98	8	ΰĄ	9	ЭĘ	10	96	11	ЭT	12
ર્વ	13	30	14	39	15	39	16						

#### शावण - २०७१

JUL/AUG-2014

आइतबार SUN	सोमबार MON	मंगलबार TUE	बुधबार WED	बिहीबार THU	शुऋबार FRI	शनिबार SAT
				<b>9</b> 17	<b>ə</b> 18	<b>3</b> 19
8 20	<b>y</b> 21	દ 22	<b>6</b> 23	τ 24	<b>९</b> 25	<b>90</b> 26
<b>99</b> 27	<b>ๆ</b> จ 28	<b>93</b> 29	<b>98</b> 30	<b>ๆ</b> ย 31	<b>१६</b> 1	<b>96</b> 2
<b>9</b> C 3	99 4	<b>२०</b> 5	<b>२१</b> 6	<b>əə</b> 7	<b>93</b>	<b>98</b>
<b>១</b> ៛ 10	<b>२६</b> 11	<b>२७</b> 12	<b>२८</b> 13	<b>३९</b> 14	<b>30</b> 15	<b>३१</b> 16

(WORK PLAN)

### **भाद्र - १०७१** AUG/SEP- 2014

	तबार UN		ाबार ON	मंगल TL			बार ED	बिर्ही Th	बार IU	शुत्र Fl	ब्बार RI	शनि S <i>P</i>	
٩		ą		3		8		Ą		Ę		6	
	17		18		19		20		21		22		23
τ		ę		90		99		٩ş		93		98	
	24		25		26		27		28		29		30
٩¥		98		96		90		99		90		PĢ	
	31		1		2		3		4		5		6
ЭŞ		23		98		ąμ		ЭĘ		96		Эζ	
	7		8		9		10		11		12		13
9¢		30		39	ĺ								
	14		15		16								

### **असोज - १०७१** SEP/OCT- 2014

आइतबार SUN	सोमबार MON	मंगलबार TUE	बुधबार WED	बिहीबार THU	शुऋबार FRI	शनिबार SAT
			<b>9</b> 17	<b>ə</b> 18	<b>3</b> 19	8 20
â	Ę	6	τ	ę	90	99
21	22	23	24	25	26	27
qə	93	98	٩ų	98	96	9℃
28	29	30	1	2	3	4
99	90	ρq	эə	93	98	ģή
5	6	7	8	9	10	11
ЭĘ	96	JC	96	30	39	
12	13	14	15	16	17	

(WORK PLAN)

### **ಹាर्तिक - ୧០७৭** OCT/NOV- 2014

आइतबार SUN	सोमबार MON	मंगलबार TUE	बुधबार WED	बिहीबार THU	शुऋबार FRI	शनिबार SAT
						<b>9</b> 18
<b>ə</b> 19	<b>3</b> 20	<b>8</b> 21	<b>y</b> 22	ε 23	<b>6</b> 24	τ 25
9	90	99	99	93	98	9¥
26	27	28	29	30	31	1
98	96	90	99	90	ρq	ρp
2	3	4	5	6	7	8
<b>9</b> 3	98	ρķ	ρĘ	96	JC	эę
9	10	11	12	13	14	15

### **मंसिर - १०७१** NOV/DEC- 2014

आइतबार SUN	सोमबार MON	मंगलबार TUE	बुधबार WED	बिहीबार THU	शुऋबार FRI	शनिबार SAT
	<b>9</b> 17	<b>ə</b> 18	<b>3</b> 19	8 20	<b>y</b> 21	<b>દ</b> 22
<b>6</b> 23	τ 24	<b>९</b> 25	<b>90</b> 26	<b>99</b> 27	<b>จจ</b> 28	<b>93</b> 29
<b>98</b> 30	<b>ๆ</b> ย 1	<b>ባ</b> ६ 2	<b>96</b> 3	<b>ዓ</b> ፓ 4	<b>99</b> 5	<b>२0</b> 6
<b>२१</b> 7	<b>99</b>	<b>9</b>	<b>२४</b> 10	<b>จุ</b> ย 11	<b>२६</b> 12	<b>२७</b> 13
<b>भट</b> 14	<b>३९</b> 15					

(WORK PLAN)

### **បាំ - 20៤ DEC**/JAN- 2015

आइतबार SUN	सोमबार MON	मंगलबार TUE	बुधबार WED	बिहीबार THU	शुऋबार FRI	शनिबार SAT
		٩	ą	3	8	Ą
		16	17	18	19	20
Ę	6	τ	ę	90	99	٩ə
21	22	23	24	25	26	27
93	98	٩¥	98	96	90	99
28	29	30	31	1	2	3
90	ρq	ρp	93	98	វា	ąε
4	5	6	7	8	9	10
96	ЭС	ЭÇ	30			
11	12	13	14			

### **माद्य - १०७१** JAN/FEB- 2015

आइतबार SUN	सोमबार MON	मंगलबार TUE	बुधबार WED	बिहीबार THU	शुऋबार FRI	शनिबार SAT
				<b>9</b> 15	<b>ə</b> 16	<b>3</b> 17
				13	10	17
8	Ą	Ę	6	τ	ę	90
18	19	20	21	22	23	24
99	99	93	98	٩ų	9६	96
25	26	27	28	29	30	31
90	98	90	ρq	эə	<b>9</b> 3	98
1	2	3	4	5	6	7
ρģ	ЭĘ	56	JC	96		
8	9	10	11	12		

(WORK PLAN)

### फागुन - २०७१

FEB/MAR - 2015

आइतबा SUN	सोम MC		मंगल TL			बार ED	ਕਿਵੀ Th	बार IU		ब्बार RI	शनि S <i>F</i>	
									٩	13	ą	14
3	8		Ą		Ę		6		τ		ę	
15		16		17		18		19		20		21
90	99		qә		93		98		٩¥		98	
22		23		24		25		26		27		28
96	90		99		θO		ρĢ		эə		93	
1		2		3		4		5		6		7
98	ąμ		ЭÇ		96		Эζ		9¢		30	
8		9		10		11		12		13		14

#### चैत्र - २०७१

#### MAR/APR- 2015

आइत SL			ाबार ON	मंगल TL		_	बार ED	बिही Th	बार IU		ब्बार RI	शनि S <i>P</i>	
9		ģ		3		8		Ą		Ę		6	
	15		16		17		18		19		20		21
τ		Q		90		99		٩ą		93		98	
	22		23		24		25		26		27		28
٩ų		98		96		90		99		90		PĢ	
	29		30		31		1		2		3		4
ģ		ŞŞ		98		ģģ		ЭĘ		96		Эζ	
	5		6		7		8		9		10		11
96		30											
	12		13										

### विषय सूची

	विवरण			
٩.	नेपालको कृ	र्शेष तथ्याङ्क	99	
٦.	विभिन्न बा	ली क्षेत्रफल र उत्पादन	१३	
₹.	विभिन्न का	र्यालयका फोन, फ्याक्स, ईमेल र वेवसाईट	ঀ७	
	₹.9	मन्त्रालयहरु	१७	
	३.२	संवैधाकिन निकायहरु	95	
	₹. ₹	कृषि विकास मन्त्रालय	95	
	₹. ४	कृषि विभाग	२०	
	३.५	पशु सेवा विभाग	२८	
	३.६	खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग	38	
	३.७	नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद्	३५	
	३.८	कृषिसँग सम्बन्धित बोर्ड/संस्थान/कम्पनी/समिति	३९	
	३.९	नेपाल सरकारका विभागहरुको टेलिफोन नम्बरहरु	88	
	३.१०	नेपाल सरकारका क्षेत्रीय प्रशासन कार्यालयहरुको टेलिफोन	४६	
	३.११	प्रमुख टेलिभिजन प्रसारण संस्थाहरु	४६	
	३.१२	प्रमुख राष्ट्रिय दैनिक पत्रिकाहरुको विवरण	४७	
	३.१३	कृषि सम्बन्धी पत्रिका विवरण	४७	
	३.१४	कृषि गैह्रसरकारी संस्थाहरु	४८	
	३.१५	जिल्ला कृषि विकास कार्यालयहरु	५०	
	३.१६	जिल्ला पशु सेवा कार्यालयहरु	५३	
४	. कृषिसँग स	म्बन्धित नीति तथा ऐन नियमहरु	४८	
ሂ.	तेह्रौं योजन	ाको आधारपत्रमा उल्लेखित कृषि क्षेत्रका नीतिहरु	६१	
€.	बाली तथा	पशुपंक्षी बीमा	દ્દ દ્દ	
<u>.</u>	बीउ बिजन	ī	৩৭	
	૭.૧	विभिन्न बाली सिफारिश जातहरु	૭૧	
	<u> ૭</u> . ૨	गुणस्तरीय बीउका विशेषताहरु एवं नेपालमा बीउको		
		गणस्तर कायम गर्ने तरिका	306	

ҕ.	माटो		१०९ ११२					
	5.٩	· •						
	5.7							
		माटोमाकृषि चूनको प्रयोग कायम गर्ने तरिका	११४					
	८.३	कम्पोप्ट	११६					
٩.	मत्स्यपाल	ान	११७					
90.	फलफूल	खेती	१२४					
99.	कफि तथ	चिया	१३३					
<b>9</b> २.	तरकारी रं	बेती प्रविधि तालिका	१३४					
<b>१</b> ३.	मसला बा	ली उत्पादन प्रविधि तालिका	१४६					
98.	बाली संर	क्षण	१४८					
	98.9	विभिन्न बालीका रोग तथा कीराहरु र तिनको व्यवस्थापन	१४८					
	98.9.9	अन्नवाली	१४८					
	98.9.2	कोसेबाली : चना, मास, भटमास, मुङ्ग, चना र रहर	१६१					
	१४.१.३	आलु बाली	१६४					
	98.9.8	तरकारी बालीका रोग र कीराहरु	१६७					
	१४.१.५	फलफूलका कीरा तथा रोगहरुको व्यवस्थापन	१७७					
	१४.१.६	अन्य बालीका रोगहरु र तिनको व्यवस्थापन	955					
	१४.२	नेपालमा प्रतिबन्धित विषादीहरु	१९३					
	१४.३	एकीकृत शत्रु जीव व्यवस्थापन कार्यक्रम (आइ.पि.एम)	१९५					
9ሂ.	व्यवसायि	क किट	२०१					
	<b>9</b> ¥.9	मौरीपालन	२०१					
	१५.२	च्याउ खेती	२०४					
१६.	पोष्टहार्भेष	ε	२०८					
૧૭	कृषि इन्जि	ानियरिङ <u>्</u> ग	२१०					

٩८.	५. कृषि बजार						
१९.	बेमौसमी तरकारी उत्पादनको लागि प्लाष्टिक घर						
२०.	p. प्लाप्टिक पोखरी निर्माण						
ર૧.	पशु स्वास्थ्य २१.१	गाई-भैंसी	२२४ २२५				
		कुखुराका प्रमुख रोगहरु	२३५				
	२१.३	बाखाको जातहरु	२३८				
	२१.४	पशुपंक्षीबाट मानिसमा सर्नसक्ने रोगहरु	२४२				
	२१.५	पशु नश्ल सुघार राष्ट्रिय अभियान कार्यक्रम	२४८				
	२१.६	पश् आहारा विकास राष्ट्रिय अभियान					
		कार्यक्रम (फरेज मिसन)	२५१				
२२.	खाद्य प्रविधि	त्र तथा गुण नियन्त्रण विभाग	२५५				
२३.	Some Imp	ortant Formulae	२५८				
२४.	४. फलफूल विरुवाहरुको सरकारी मूल्य सूची २६४						
२५.	सरकारी फ	गर्म∕केन्द्रमा उत्पादित तरकारी बीउको मूल्य-सूची	२६८				
२६.	. टिपोट						

### **१. नेपालको कृषि तथ्या**ङ्

٩.	अवस्थिति उत्तरी अक्षांस पूर्वी देशान्तर	२६ <sup>°</sup> २२ <sup>"</sup> देखि ८०° ४ <sup>"</sup> देखि	
₹.	नेपालको कुल क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.) क) हिमाली क्षेत्र ख) पहाडी क्षेत्र ग) तराई क्षेत्र		ঀ,४७,ঀ <b>⊏</b> ঀ ४ঀ, <b>⊏</b> ঀ७ ६ঀ,३४४ ३४,०ঀ९
₹.	भू-उपयोग (हेक्टर) क) खेती गरिएको जिमन ख) खेती नगरिएको खेती योग्य जिमन ग) वनजंगल घ) चरन ङ) पानी च) अन्य		₹0,९९,००० १०,₹0,००० ५८,२८,००० १७,६६,००० ३,८३,००० २६,२०,०००
४.	कुल गार्हस्थ उत्पादन मूल्यमा (रु. दश लाखम् क) कृषि क्षेत्र ख) गैह्न कृषि क्षेत्र कूल	गा), २० <b>१</b> १ ∕१२	प्रवप्र७६७ ९प्र२⊏५० १४६⊏६१७
乂.	जनसंख्या क) पुरुष ख) महिला ग) जनसंख्या वृद्धिदर प्रतिशत घ) जनघनत्व प्रति वर्ग कि.मि. ङ) कृषिमा संलग्न जनसंख्या प्रतिशत च) कोरा जन्मदर (हजारमा) छ) कोरा मृत्युदर (हजारमा) ज) घर परिवार संख्या भ) शिशु मृत्यु दर व) औषत आयु		२,६४,९४,५०४ १,२८,४९,०४१ १,३६,४५,४६३ १.३५ ९८,६ ६४.६ २४.३ ८.३ ४४,२७,३०२ ४४ ६४.१
€.	सिंचित क्षेत्रफल (हेक्टर),		<b>१३,३१,</b> ५२१

७. पश संख्या, २०११/१२

૭.	पशु सख्या, २०११/१२	
	प्रकार	संख्या
	क) गाई	७२,७४,०२२
	ख) भैंसी	प्र२,४१,≂२३
	ग) भेडा	८,०९,५३६
	घ) बाखा	९७, <del>८</del> ६,३५४
	ङ) बंगुर	११,६०,०३५
	च) कुंखुरा	४,७९,४९,२३९
	छ) हाँस	३,७४,९७४
	ज) दूधिदने गाई	१०,२४,४९१
	भा) दूधिदिने भैंसी	<b>१३,६९,७</b> ९६
	<ul><li>अण्डादिने कुखुरा</li></ul>	<del>5</del> 2,३३,६१६
	ट) अण्डादिने हाँस	ঀ,७४,७१४
5.	दूध उत्पादन (मे.टन), २०११/१२	१६,८०,८१२
	क) गाईको दूध	४,९२,३७९
	ख) भैंसीको दूध	११,८८,४३३
٩.	मासु उत्पादन (मे.टन) २०११/२०१२	२,९५,१६७
	क) राँगा/भैंसी	१,७५,१३२
	ख) भेडा	२,७२१
	ग) खसी∕बोका	५५,५७ <del>८</del>
	घ) बंगुर	१ <del>८</del> ,७०९
	ङ) कुखुरा	४२,८१०
	च) हाँस	२१७
90.	अण्डा उत्पादन (हजारमा)	८,८७,२४०
	क) कुखुरा	८,७४,१९४
	ख) हाँस	१३,०४६
99.	ऊन उत्पादन (के.जि.)	५,८७,८३४
92.	माछा उत्पादन (मे.टन)	५७,५२०

कृषि डायरी २०७१

### **२. विभिन्न बालीको क्षेत्रफल र उत्पादन**

<b></b>	बाली २०१० / २०११			२०११/२०१२		२०१२/१३	
सं.		क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (मे.टन)	क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (मे.टन)	क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (मे.टन)
٩.	अन्न बाली	३४,६८,५०९	८६,०६,७४२	३४८४५३१	९४५७७२२	३३३९०७७	<b>८</b> ५८०२८५
	क. धान	१४,९६,४७६	४४,६०,२७८	१५३१४९३	५०७२२४८	9४२० <u>५७</u> 0	ξοχνοχν
	ख. मकै	९,०६,२५३	२०,६७,७२२	८७१३८७	२१७९४१४	८४९६३५	१९९९०१०
	ग. कोदो	२,६९,८२०	३,०२,६९१	२७८०३०	३१५०६७	२७४३५०	३०५५८८
	घ. गहुँ	७,६७,४९९	१७,४४,८११	७६५ ३१७	१७४६१४२	७५४२४३	१७२७३४६
	ङ. जौ	२८,४६१	३०,२४०	२७९६६	३४८३०	२९४९८	३३७८२
	च. फापर			१०३३९	१००२१	१०६८१	१००५६
٦.	नगदेबाली	४,७०,९९८	<b>५४,१</b> ८,११२				
	क. तेलबाली	२,१३,७०६	१,७६,१८६	२,१४८३५	१७९१४५	२१४६००	१७९०००
	ख. आलु	१,८२,६००	२४,०८,०४४	१९०२५०	२५८४३०१	१९७२३४	२६९०४२१
	ग. सुर्ती	११३४	१,२३८	१८९३	२५५७	१८००	२४३०
	घ. उखु	६२,९९८	२७,१८,२२६	६४४७२	२९३००४७	६४४८३	२९३०००
	ङ. जुट	१०,४४९	१४,४१८	१०५४०	२९३००४७	99300	१४४००
	च. कपास			१३५	१३३	ঀ७५	१५०
	घ. रबर					२००	२००
₩.	दालबाली	₹,₹४,₹⊏0	३,१८,३६२	<b>\$\$</b> \$\$\$\$	३१९७७०	३३३४३६	३५६७४३
	क. मुसुरो	२,०७,४९१	२०६,८६९	२०७६३०	२०८२०१	२०६५२२	२२६९३१
	ख. चना	९,१२४	८,१३०	९१५४	<b>59</b> 99	९७८२	९६९६
	ग. रहर	१७,४६९	१४,१०७	ঀ७४७ঀ	१४०८२	१७४५९	१६४४९

•								
	घ. मास	२७,४१८	२२,५३०	२७४९६	२२४८२	२५२२७	२१३६४	
	ङ. खेसरी	९,२१३	८,६७४	९१७६	<u> </u>	११५१७	१३९३६	
	च. गहत	७,९०१	४,५०५	७८६७	४८४४	६३६२	५४४५	
	छ, भटमास	२,९३,१७३	२८,३१८	२९२८२	२८२७०	२४९३४	२९२२१	
	ज. अन्य	२६,२४८	२३,९२४	२६२४७	२४०१८	३१६३३	३३६९२	
٧.	फलफूल बाली	७९,१८४	७,९४,१८४	१०१२३३	१०२९७५४	१०१४८०	९३८७३१	
¥.	तरकारी बाली	२,४४,१०२	३२,०३,४६३	२४५०३७	३२९८८१६	२४६३९२	३३०१६८४	
<b>Ę</b> .	कपास बाली	934	१३४		१८७२६			
<u>ه</u> .	कफी		४०२		४२५		३६६	
ፍ.	चिया		१७,४३८		१८७२६		१८७२६	
٩.	अलैंची		१२,५८४		६०२६		६०२६	
90.	खुर्सानी		२७,२०३		२७२०३		२७२०३	
99.	अदुवा		२,१६,२८९		२४४२०८		२५५२०८	
93.	लसुन		३९,४६६		४११८३		४११८३	
٩٦.	बेसार		३४,२९४		३४२९४		३४२९४	
98.	रेशम कोया		२६.१०		३१.४		<b>ર</b> ૭ ૬	
٩٤.	मह		१३६४		१५००		१६२५	
98.	स्याउ						१६५०	
अन्य					२०११/१२ (मे.टन)		२०१२/१३ (मे.टन)	
<ol> <li>रसायनीक मल वितरण</li> <li>कृषि सामग्री कम्पनी लिमिटेड</li> <li>प्राइभेट सेक्टर</li> </ol>					१४४८१३	१७६९९३		
२. उन	नत बीउ वितर ष्ट्रिय बीउ कम्प		३३९५	३७४७				

### ३. विभिन्न कार्यालयका फोन, फ्याक्स, ईमेल र वेवसाईट

कार्यालय	फोन	इमेल ⁄ वेवसाईट
राष्ट्रपतिको कार्यालय	४४१६०५६,	
	४४१६३१७,	
	४४१७१७५	
उपराष्ट्रपतिको कार्यालय	४२२८२९१,	
	४२१२०४०,	
	४२२८११२	

प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्	४२११००५,	info@pmo.gov.np
<b>कार्यालय</b>	४२११०५५	www.pmo.gov.np

#### ३.१ मन्त्रालयहरू

कार्यालय	फोन	इमेल ⁄ वेवसाईट
अर्थ मन्त्रालय	४२११८०९, ४२१११६१	www.mof.gov.np
उर्जा मन्त्रालय	४२११५१३, ४२११५१६	www.momen.gov.np
उद्योग मन्त्रालय	४२११६८६, ४२११५७९	www.moi.gov.np
कानून, न्याय, संविधानसभा तथा संसदिय मामिला	४२११९७४, ४२११९८७	www.moljpa.gov.np
कृषि विकास मन्त्रालय	४२११९२९, ४२११८०८	memoac@moac.gov.np, www.moac.gov.np
गृह मन्त्रालय	४२११२२९, ४२११२०३	www.moha.gov.np
परराष्ट्र मन्त्रालय	४२००१९६, ४२०१९३	adm@mofa.gov.np, www.mofa.gov.np
भूमिसुधार तथा व्यवस्था मन्त्रालय	४२११७६०, ४२११६६६	www.molrm.gov.np, infomolrm@most.gov.np
भौतिक पूर्वाघार तथा यातायात मन्त्रालय	४२११६७०, ४२११८८०	info@moppw.gov.np, www.moppw.gov.np

कृषि डायरा २०७१		
महिला, बालबालिका तथा समाज	४२४१८१६,	mail@mowcsw.gov.np,
कल्याण मन्त्रालय	४२४०४०८	www.mowcsw.gov.np
युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय	४४१६४५०,	www.moys.gov.np
	४४१६५०७	
रक्षा मन्त्रालय	४२११६२७,	www.mod.gov.np
	४२११२८९	mod@rna.mil.np
वन तथा भू-संरक्षण मन्त्रालय	४२११६६०,	www.mod.gov.np/
•	४२११५६७	mod@rna.mil.np
वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय	४२११६०२,	www.moics.gov.np
	४२११४४६	www.mores.gov.mp
	0711004	
विज्ञान प्रविधि तथा वातावरण	४२११६४१	www.moenv.gov.np
मन्त्रालय		
शान्ति तथा पूनर्निर्माण मन्त्रालय	४२११०८९,	info@peace.gov.np,
	४२१११८९	www.peace.gov.np
शिक्षा मन्त्रालय	४२००३७३,	www.moe.gov.np
	४२००३५४	infomoe@most.gov.np
श्रम तथा रोजगार	४२११७९४,	infomoltm@most.gov.np,
	४२११९९१	www.moltm.gov.np
संस्कृति पर्यटन तथा नागरिक	४२११८७९,	www.tourism.gov.np
उड्डयन मन्त्रालय	४२२५८७०	motca@ntc.net.np
संघिय मामिला तथा स्थानीय	४२००३०७,	www.mld.gov.np
विकास मन्त्रालय	820000	ipd@mld.gov.np
सहकारी तथा गरीबि निवारण	४२११८६०	
सहरी विकास मन्त्रालय	४२११६७३	
सामान्य प्रशासन मन्त्रालय	४२००९१,	www.moga.gov.np
	४२००० द६	mogasecretary@yahoo.com
सिंचाई मन्त्रालय	४२११५२१,	info@moir.gov.np,
	४२११४२६	www.moir.gov.gov.np
सूचना तथा संचार मन्त्रालय	४२११५५५,	www.moic.gov.np
	४२११६५०	moicpl@ccsl.com.np
		moichmg@ntc.net.np
स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय	४२६२५३४,	
	४२६२५९०	
	1	

### ३.१ संवैधानिक निकायहरू

#### सर्वोच्च अदालत

कार्यालय	फोन	फ्याक्स	इमेल/वेवसाईट
सर्वोच्च अदालत	४२६२५४६	४२६२८७९	www.supremecourt.gov.np
	४२६२८९५,		info@supremecourt.gov.np
	Ext. २१०१		
संसद ⁄ संविधानसभा	४२२८४५९,		
	४२२०३२७,		
	४२२८०२१		
अख्तियार दुरुपयोग	४४२९६८८,	४४४०१०४,	www.ciaa.gov.np
अनुसन्धान आयोग	४४३२७०८	४४४०१२८	
निर्वाचन आयोग	४२६५१९२	४२२५५८०	www.electioncommission.org.np,
महान्यायाधिवक्ताक <u>ो</u>	४२६२३९४	>>> > > > > > > > > > > > > > > > > >	election@mos.com.np www.attorneygeneral.gov.np
कार्यालय कार्यालय		४२६२५ <i>८</i> २,	info@attornerygeneral.gov.np
	४२६२६९५	४२१८०५१	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
महालेखा	४२६२९५८	४२६२७९८	www.oagnep.gov.np infoag@most.gov.np
परीक्षकको कार्यालय	४२६२६८२		imoag@most.gov.np
लोकसेवा आयोग	४४१०९१०,	४७७१४९०	www.psc.gov.np
44444	४७७१५१३	1 226/2 /2	info@psc.gov.np
राष्ट्रिय मानव	<b>४</b> ४२४६४९	<u> ४</u> ४४७९७३	www.nhrcnepal.org;
अधिकार आयोग	५०१००१५		info@nhrc.nepal.org.np
राष्ट्रिय योजना	४२२९०७०,		
आयोगको	४२२५८७९		
सचिवालय			
विशेष अदालत	४२२८८३६,	४२१६६५१	
	४२१२२४०		

## कृषि डायरी २०७१ ३.३ कृषि विकास मन्त्रालय

### कृषि विकास मन्त्रालय अन्तर्गतका महाशाखा तथा शाखाहरु

	टेलिफोन	एक्सचेन्ज	फ्याक्स
मन्त्री	४२११९२९	२०१	
राज्य मन्त्री	४२११६३९	२११	
सचिव	४२११८०८	३०१	४२११९३५
योजना महाशाखा	•	•	•
सह-सचिव (प्रा.)	४२११६६५	४१६	
बजेट तथा कार्यक्रम शाखा	४२११८४१	४०८	
मानव संशाधन विकास शाखा	४२११६६५		
कृषि सहकारी तथा गैर सरकारी			
संस्था समन्वय शाखा			
दैवी प्रकोप तथा राहत व्यवस्थापन			
शाखा			
अनुगमन तथा मूल्यांकन महाशाखा	\\20000\	1 226	V200 70
सह-सचिव (प्रा.)	४२११९१५	३२०	8299538
	"		me_moac@yahoo.com
कार्यक्रम अनुगमन मू.शाखा	"		
वैदेशिक आयोजन अनु तथा	"		
मूल्याङ्गन			
बोर्ड, संस्थान, समिति समन्वय	४२११९१५	३११	
शाखा			
कृषि रणनीति अनुगमन तथा	"		
विश्लेषण शाखा कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा तथ्याङ्ग म			
कृषि व्यवसाय प्रवद्धन तथा तव्याङ्ग न	।रु।रा।खा		
सह-सचिव (प्रा.)	४२११६८७	२२१	
कृषि तथ्याङ्ग शाखा	४२११६८७		
कृषि भौगोलिक सूचना तथा सूचना	४२११८३२	४१८	
प्रविधि शाखा			
कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन शाखा	४२११६८७	२१९	
	agribusiness@	moac.gov.np	
प्रशासन महाशाखा			
सह-सचिव (प्र.)	४२११९३२	308	
कर्मचारी प्रशासन शाखा	४२११९८१	१०५	
आन्तरिक व्यवस्थापन शाखा	४२०००४६		
ऐन, नियम परामर्श शाखा	४२११६९७	२१८	

आर्थिक प्रशासन शाखा	४२११६९७	११६	
नीति तथा अन्तर्राष्ट्रिय सहयोग	४२११७०६		
समन्वय महाशाखा			
कृषि नीति अनुसन्धान तथा	"		
विश्लेषण शाखा			
कृषि विकास तथा समन्वय शाखा	"		
बहुपक्षीय वैदेशिक सहयोग शाखा	"		
खाद्य सुरक्षा तथा वातावरण	४२११९४०		
महाशाखा			
खाद्य तथा पोषण सुरक्षा शाखा			
कृषि सामाग्री व्यवस्थापन शाखा			
वातावरण तथा जलवायु परिवर्तन			
शाखा			
लैङ्गिक समता तथा सामाजिक			
समावेशीकरण शाखा			
कृषि जैविक विविधता शाखा			

### कृषि विकास मन्त्रालय अन्तर्गतका केन्द्रीय निकायहरु

कृषि सूचना तथा सञ्चार केन्द्र	<b>५५२५६</b> १७	<b>४</b> ४२२२४८	
(AICC), हरिहरभवन	<b>५५२२४</b> ८		
	agroinfo@wlink.com.np		
	www.aicc.gov.np		
बीउ विजन गुणस्तर नियन्त्रण केन्द्र	<b>५५२</b> १३५९	५५ २६ २७६	
(SQCC), हरिहरभवन	<b>५५३४२५</b> ८		
	sqcc@vianet.com.np; www.sqcc.gov.np		
राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान तथा विकास	४२६५०८१	४२१६८०४	
कोष (NARDF), सिंहदरबार प्लाजा	enquiries@nardf.org.np		
	www.nardf.org.np		

#### मन्त्रालय अन्तर्गतका आयोजनाहरू

कार्यालय	फोन	फ्याक्स			
व्यावसायिक कृषि तथा व्यापार	०१-४०१७७६५	०१-४३७३२३६			
आयोजना	mail@pact.gov.np,				
(PACT)	www.pact.gov.np				
<b>कार्यक्रम लागू भएका जिल्लाहरू:</b> नेपालका	। ७५ वटै जिल्लामा संचालन				
उच्चमूल्य कृषिवस्तु विकास आयोजना	oद३-५२००३ <del>८</del>	०८३-४२४४०३			
(HVAP): आयोजना व्यवस्थापन	www.hvap.gov.np				
कार्यालय सुर्खेत	info@hvap.gov.np				
किसानका लागि उन्नत बीउ बिजन	०७१-४६२३३६,	०७१-४६२८४७			
<b>कार्यकम</b> (KUBK): कार्यक्रम	०७१-५५२२०६७				
व्यवस्थापन कार्यालय , शंकरनगर,					
रुपन्देही					
सम्पर्क कार्यालयः कुमारीपाटी, ललितपुर	०१-५५२२०६७				
कार्यक्रम लागू भएका जिल्लाहरु					
पश्चिमाञ्चलः गुल्मी र अर्घाखाँची मध्य-प	श्चिमाञ्चल: रुकुम, रोल्पा, सल्यान र प्यू	ठान			

### ३.८ कृषि विभाग

कार्यालय	टेलिफोन	पयाक्स	
महा-निर्देशक	<b>५५२</b> १३२३	५५२४०९३	
उपमहा-निर्देशक (अ/मू/ब्य)	५०१०१२४		
उपमहा-निर्देशक (योजना तथा	<b>५५२</b> ११२७		
जनशक्ति)			
उपमहा-निर्देशक (प्र.वि.तथा समन्वय)	<b>४</b> ४ २१३ ४ ६		
प्रविधि विस्तार तथा समन्वय शाखा	५०१०००३		
	doa@vianet.com.np		
	www.doanepal.gov.np		
योजना तथा जनशक्ति विकास शाखा	५५२४२२९ (P/F)		
	doaplanning@yahoo.com		
छात्रवृत्ति शाखा	५५२२४४९		
अनुगमन तथा मूल्यांकन शाखा	<u>५५२४२२६ (P/F)</u>		
	anugaman@yahoo.com		
आर्थिक प्रशासन शाखा	<u> </u>		
प्रशासन शाखा	५५२१६४८, ५५२१०७६		

#### कार्यक्रम निर्देशनालय तथा अन्तर्गतका कार्यालयहरु

ऋ.सं	कार्यालय	फोन	प्याक्स		
٩	कृषि प्रसार निर्देशनालय,	<b>५५२४९१४</b> , ५५२३६०२	५०१००२७		
	हरिहरभवन	info@agriextention.gov.np	•		
		www.agriextension.gov.np			
२	बाली विकास निर्देशनालय,	<u> </u>	५०१०१४१		
	हरिहरभवन	cropdev@vianet.com.np			
		cddnepal2013@gmail.com			
	राष्ट्रिय औद्योगिक बाली विकास	५०१०२०६, ५५३०९५०	५०३०९५०		
	कार्यक्रम, हरिहरभवन	nicdep@ntc.net.np			
ą	माटो व्यवस्थापन निर्देशनालय,	५५२०३१४	<b>४</b> ४५३७९१		
	हरिहरभवन				
8	फलफूल विकास निर्देशनालय,	४३३१६१९	४३३०७७१		
	कीर्तिपुर	fdd.gov@gmail.com www.fdd.gov.np			
	राष्ट्रिय सुन्तला जात बाली विकास	४३३६६०९	४३३०८७०		
	कार्यक्रम, कीर्तिपुर	citrusdev.pro@wlink.com.np			
	कफी तथा चिया विकास शाखा, कीर्तिपुर	४३३१३८२	४३३०७७१		
ሂ	तरकारी विकास निर्देशनालय,	५५२३७०१	<b>५५४०९९३</b>		
	खुमलटार कार्यक्रम निर्देशक	vdd.gov.np@gmail.com, w	ww.vdd.gov.np		
	राष्ट्रिय आलु बाली विकास	<i>५</i> ५२६२४९	<b>४</b> ४२ <b>४</b> ४१३		
	कार्यक्रम, खुमलटार	www.npdp.gov.np; info@npdp.gov.np			
	राष्ट्रिय मसलाबाली विकास कार्यक्रम, खुमलटार	<u>५५२०३४६</u>	<u> ५५२१६१९</u>		
Ę	मत्स्य विकास निर्देशनालय, बालाजु	४३५०८३३, ४३८५६४६	४३५०८३३		
		dofnep@yahoocom www.dofd.gov.np			
	राष्ट्रिय प्राकृतिक तथा कृत्रिम जलाशय मत्स्य विकास कार्यक्रम,	४३५०६६२, ४३८०५६१	४३५०८३३		
	बालाजु	nifadp@mail.com.np			
	केन्द्रीय मत्स्य प्रयोगशाला, बालाजु	४३५०६०९, ४३८५८५४	४३५०८३३		
10	- <del></del>	cfh@mail.com.np	1112×2210		
૭	कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा बजार	प्रस्वरुष्ठ प्रस्वरुष्ठ			
	विकास निर्देशनालय, हरिहरभवन	<u> </u>			
		abpmdd@vianet.com.np, in	nfo@agribiz.gov.np		

	1	T		
		www.agribiz.gov.np	1	
	कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन कार्यक्रम,	५०१०२९३, ५०१००२६	५०१००२६	
	हरिहरभवन	app@agribiz.gov.np		
	बजार अनुसन्धान तथा तथ्याङ्ग	<b>५५२४२३</b> ०		
	व्यवस्थापन कार्यक्रम, हरिहरभवन	mrsp@agribiz.gov.np;ww		
		w.agribiz.gov.np		
	कृषि वस्तु निर्यात प्रवर्द्धन कार्यक्रम,	४४४२९ <i>७</i> १, ४०१०१०८	५०१०१०८	
	हरिहरभवन	mail@acepp.gov.np,		
		www.acepp.gov.np		
5	कृषि तालिम निर्देशनालय,	५५२२०३२/०४२	<b>५५२</b> ५१९०	
	हरिहरभवन	<b>५५२५</b> १९१		
		catc@wlink.com.np,		
		www.dat.gov.np		
9	बाली संरक्षण निर्देशनालय,	<u>५५२१५९७</u> /	५०१०११२/	
	हरिहरभवन	<b>५५३५८४४</b>	<i>५५३</i> ५८४५	
		director@ppdnepal.gov.np		
		www.ppdnepal.gov.np		
	राष्ट्रिय प्लान्ट क्वारेन्टीन कार्यक्रम, हरिहरभवन	<b>५५२४३५२</b>	<i>५५५३७९</i> ८	
	****	plqs@wlink.com.np		
	विषादी पञ्जिकरण तथा व्यवस्थापन	५५४१६०१, ५०१०१११	<b>५५४</b> १६०१	
	शाखा, हरिहरभवन	www.prmd.gov.np		
90	पोष्टहार्भेष्ट व्यवस्थापन	<b>५५२</b> ११५१	<b>५५५०२२६</b>	
	निर्देशनालय, श्रीमहल	postharvest@wlink.com.np		
		www.phmd.gov.np		
99	व्यवसायिक कीट विकास	५५२४२२५ (P/F)		
	निर्देशनालय, हरिहरभवन	५०१००९०		
		info@doiednepal.gov.np		
	रेशम खेती विकास शाखा, खोपासी,	०११-४४०३१४		
	काभ्रे			
	मौरी विकास शाखा, गोदावरी	<b>ΧΧξΟΧΧ</b> (P/F)		
		bgodawari@gmail.com		
	मौरीपालन विकास कार्यालय,	०५६-५२७८२४		
	भण्डारा, चितवन			
92	कृषि इन्जिनियरिङ्ग निर्देशनालय,	४०१००८८	५५२२०८२	
	हरिहरभवन,	info@doaengg.gov.np		
		www.doaengg.gov.np		

#### कषि विभाग अन्तर्गतका आयोजनाहरू

कृषि विकास योजना	०४१-६२०८३	४			
(GADP), नक्टािफज,					
जनकपुर					
सेवा पुऱ्याएका जिल्लाहरू: धन्	<sub>]</sub> षा, महोत्तरी, सल	ांही, सि	रहा, सप्तरी	, सुनसरी	
बाली विविधिकरण	५०१०२२१		<b>५५२३२</b> ९	र्९	
आयोजना					
सिंचाइ तथा जलस्रोत	०१-५५५३५३३	},	०१-५५)	४९२८५	
व्यवस्थापन आयोजना (IWRMP)	<b>४</b> ४४३४३२				
(IVV KIVII')	iwrm@wlink.	com.np	)		•
	www.iwrm.go	ov.np			
कार्यकम लागू भएका जिल्लाह					
पुर्वाञ्चल: भापा, सूनसरी					
मध्यमाञ्चल: बारा, पर्सा					
पश्चिमाञ्चल, मध्यपश्चिमाञ्च		वमाञ्चर	त्र विकास १	भेत्रका सबै	जिल्लाहरु
	साना तथा मभौला कृषक आयस्तर वृद्धि				
आयोजना (RISMFP)					
हरिहरभवन		०१-५०१०२२१			०१-५५२३२६९,
		O		०१४४४४४४१	
नेपालगंज		०८१-५२२२१९			<b>०</b> ८१५२८३०६
		info@	gov.np	np	
www.rismfp.gov.np					
आयोजना लागू भएका जिल्ला					
मध्य-पश्चिमाञ्चलः बाँके, बर्वि	मध्य-पश्चिमाञ्चल: बाँके, बर्दिया, दाङ्ग, सुर्खेत र दैलेख ।				
सुदूर-पश्चिमः कैलाली, डोटी, डडेलधुरा, बैतडी र दार्चुला ।					
समुदाय व्यवस्थित सिंचित कृ	समुदाय व्यवस्थित सिंचित कृषि क्षेत्र आयोजना (CMIASP)			४४२४९	.१४
	आयोजना लागू भएका जिल्लाहरू: पूर्वाञ्चल र मध्यम			<b>५५२३</b> ६	०२
सबै जिल्लाहरू					

### क्षेत्रीय कृषि निर्देशनालयहरू

क्र.स	कार्यलय	फोन	प्याक्स	ईमेल ⁄ वेभसाइट
٩	पूर्वाञ्चल, विराटनगर	०२१- ४७०२५८, ४७०१५८	०२१-४७०१४८	radagribrt@gmail.com
२	मध्यमाञ्चल, हरिहरभवन	०१-५५२११४५	०१-५५२८७४९	info@crad.gov.np, www.crad.gov.np

¥	पश्चिमाञ्चल, पोखरा	०६१-५२०२७३, ५४०८९५	०६१-५२०२६३	radpokhara@yahoo.com www.radpokhara.gov.np
8	मध्यपश्चिमाञ्च ल, सुर्खेत	०८३- ५२००८२, ५२०२७२र७३	०८३-४२०२७३	rad_skt@yahoo.com
x	सुदूरपश्चिमाञ्च ल, दिपायल	०९४- ४४०१८७/ ४४००१०	०९४-४४०४१४	raddipayal@yahoo.com www.raddipayal.gov.np

#### क्षेत्रीय कृषि तालिम केन्द्रहरू

ऋ.स	क्षेत्र	फोन	फ्याक्स	इमेल
٩.	भुम्का, सुनसरी	०२५-५६२००४	०२४-४६२०२२	
٦.	नक्टाभिज, धनुषा	०४१-५४०१०८	०४१-५४०१०८	ratc.naktajhij@yahoo.com
₹.	पोखरा, कास्की	०६१-५२५४४८	०६१-५२५४४८	ratc.pokhara@yahoo.com
٧.	खजुरा, बाँके	०८१-६२१२२१	०८१-६२१२२८	ratc_khujara@yahoo.com
ሂ.	सुन्दर, कञ्चनपुर	०९९-६९०९४३	०९९-६९०९४३	ratcsundarpur@yahoo.com

#### क्षेत्रीय बीउ विजन प्रयोगशालाहरू

कसं	क्षेत्र	फोन	फ्याक्स	इमेल
٩.	भुम्का, सुनसरी	०२५-५६२१२४	०२५-५६२१२४	
٦.	हेटौंडा, मकवानपुर	०५७-५२०६५१	०५७-५२०६५१	seedlabhetauda@yahoo.com
<b>ą</b> .	भैरहवा, रुपन्देही	०७१-५२१७६९	०७१-५२१७६९	rstlbhw@yahoo.com
٧.	खजुरा, बाँके	०८१-६२१२३४		khajuraseedlab@yahoo.com
<b>X</b> .	सुन्दरपुर, कञ्चनपुर	०९९-६९१६१४	०९९-५२२१८३	rstlseed@yahoo.com.

#### क्षेत्रीय माटो परीक्षण प्रयोगशालाहरू

कसं	क्षेत्र	फोन	फ्याक्स	इमेल
٩.	भुम्का, सुनसरी	०२५-५६२०९९	५६२०९९	
٦.	हेटौडा, मकवानपुर	०५७-५२४५३५		
₹.	पोखरा, कास्की	०६१-४६०१८७	०६१-४६०१८७	soillab.pokhara@yahoo.com
٧.	खजुरा, बाँके	०८१-६२१२३६	०८१-५६०२४३	banka_soil@yahoo.com
<b>X</b> .	सुन्दरपुर, कञ्चनपुर	०९९-६९०६८९		

€.	भापा, सुरुङ्गा	०२३-५५००६४		
----	----------------	------------	--	--

#### क्षेत्रीय बाली संरक्षण प्रयोगशालाहरू

ऋ.स	क्षेत्र	फोन	फ्याक्स	इमेल
٩.	विराटनगर, मोरङ्ग	०२१-५२८९५६	०२१-५२८९५६	
٦.	हरिहरभवन, ललितपुर	०१-५५३६४६२	०१-५५३६४६२	
₹.	पोखरा पार्दी, कास्की	०६१-४६१५४५	०६१-४६१५४५	rpplpkr@ntc.np
٧.	खजुरा, बाँके	०८१-६२१२१६	०८१-४२१७८४	rpplkhajura@gmail.com
<b>X</b> .	सुन्दरपुर, कञ्चनपुर	०९९-६९०९२५		

### फलफूल विकास केन्द्रहरू

ऋ.सं	केन्द्र	फोन ⁄ इमेल
٩	केन्द्रीय बागवानी केन्द्र, कीर्तिपुर, काठमाडौं	०१-४३३०४०४ <sub>,</sub> ४३३०७७१ (F)
२	सुन्तलाजात फलफूल विकास केन्द्र, पाल्पा	०७५-५२०१४७
		cdcpalpa@yahoo.com
Ę	उष्ण प्रदेशीय बागवानी केन्द्र, नवलपुर,	०४६-५०११०१ (P/F)
	सर्लाही	tropicalhorticulture@yahoo.com
8	बागवानी केन्द्र, सोलुखुम्बु	0३ <i>द-</i> ५२०११६ (P/F)
x	शितोष्ण फलफूल रुटस्टक विकास केन्द्र,	०४९-४२१२३४
	बोच, दोलखा	boanch.gov@gmail.com
Ę	सुक्खा फलफूल विकास केन्द्र, सतबाँभ्फ,	०९५-६९०५७१
	बैतडी	dfdcbaitadi@yahoo.com
9	शितोष्ण बागवानी विकास केन्द्र, मुस्ताङ्ग	०६९-४०००३४
5	पुष्प विकास केन्द्र, गोदावरी, ललितपुर	०१-५५६०५६०
9	उपोष्ण प्रदेशीय बागवानी विकास केन्द्र, त्रिशुली	०१०-५६००६८/६९
90	शितोष्ण बागवानी नर्सरी केन्द्र, दामन,	०५७-६२०४४९
	मकवानपुर	
99	कफी विकास केन्द्र, आँपचौर, गुल्मी	०७९-६९११९६
9२	उष्ण प्रदेशीय बागवानी केन्द्र, जनकपुर	०४१-५२०२४७

#### कृषि डायरी २०७१ तरकारी विकास केन्द्रहरू

ऋ.सं.	केन्द्र	फोन	फोन/फ्याक्स	इमेल
٩	केन्द्रीय तरकारी बीउ उत्पादन केन्द्र,	०१-५५२३१४१		
	खुमलटार			
२	समशितोष्ण तरकारी बीउ उत्पादन केन्द्र,	०८८-४९०१०७		
	चाँपा, रुकुम			
३	तरकारी बीउ उत्पादन केन्द्र, डडेल्धुरा	०९६-४२०१७५		
४	न्यूक्लियस बीउ आलु केन्द्र, निगाले,	०११-६६३११३		
	सिन्धुपाल्चोक			
x	शितोष्ण तरकारी बीउ उत्पादन केन्द्र,	०८७-६८०४३४		
	जुफाल, डोल्पा			
६	कन्दमुल तरकारी विकास केन्द्र, सिन्धुली	०४७-५२०१२२		
૭	मसला बाली विकास केन्द्र, पाँचखाल,	०११-६६३०३४		
	काभ्रे			
5	अलैंची विकास केन्द्र, फिक्कल, ईलाम	०२७-५४०१३२	०२७५४०४००	
		alacgubikash033@	gmail.com	
9	आलु बाली विकास केन्द्र दार्मा, हुम्ला			

#### मत्स्य विकास केन्द्रहरू

क्र.सं.	केन्द्र	फोन / फ्याक्स	इमेल
٩	फत्तेपुर, सप्तरी	०३१-५५००९२/	
		<b>४</b> ४०२१८	
२	लाहान, सिराहा	०३३-५६०५१४	
ą	इन्द्रसरोवर, कुलेखानी	०५७-६२०२३७	rfdckulekhani@hotmail.com
У	हेटौडा, मकवानपुर	०५७-५२०५६७	
X	भण्डारा, चितवन	०५६-५५००८५	
Ę	भैरहवा, रुपन्देही	०७१-४२९१४८,	fdcbhairahawa@yahoo.com
		०७१-४२९३१६	
		४२९३१६(F)	
و	महादेवपुरी, बाँके,	०८१-५२९२२०	
5	धनगढी गेंटा, कैलाली	०९१-५७५१२०,	
		५७५०३७,	
		પ્ર <b>૭</b> ૫૧૧९(F)	

9	चिसापानी मत्स्य विकास केन्द्र, मिर्मी, स्याङ्गजा	०६३-४०३००६	
90	मत्स्य विकास तथा तालिम केन्द्र, जनकपुर	०४१-५२०१५६, ५२०३९६ (F)	fdtc@gmail.com

#### क्षेत्रीय प्लान्ट क्वारेन्टीन कार्यालय तथा चेकपोष्टहरू

क्र.सं.	कार्यालय/चेकपोष्टहरू	फोन	प्याक्स
٩	क्षेत्रीय प्लान्ट क्वारेन्टिन कार्यालय	०२३–५६५०५७	०२३-५६३६२१
	काँकडभिट्टा, भापा	rpqo_kkvt@gmail.com	
२	क्षेत्रीय प्लान्ट क्वारेन्टिन कार्यालय,	०५१-५२२९९६	०५१-५२२९९६
	वीरगञ्ज		
¥	क्षेत्रीय प्लान्ट क्वारेन्टिन कार्यालय,	071-520371	०७१-५२०३७१
	भैरहवा	rpqobhw@softtech.com.np	
8	क्षेत्रीय प्लान्ट क्वारेन्टिन कार्यालय,	०८१-५२०३२३	०८१-५२०३२३
	नेपालगन्ज		
ሂ	क्षेत्रीय प्लान्ट क्वारेन्टिन कार्यालय,	०९९-५२५३९८	०९९-५२५३९८
	गड्डाचौकी, कञ्चनपुर		
Ę	प्लान्ट क्वारेन्टिन चेकपोष्ट, विराटनगर,	०२१-४३५३०९	०२१-४३५३०९
	मोरङ्ग		
૭	प्लान्ट क्वारेन्टिन चेकपोष्ट, भण्टावारी,	०२५-४६००३४	
	सुनसरी		
5	प्लान्ट क्वारेन्टिन चेकपोष्ट, जलेश्वर,	०४४-५२०२२३	०४४-५२०२२३
	महोत्तरी		
९	प्लान्ट क्वारेन्टिन चेकपोष्ट, मलङ्गवा,	०४६-५२१५१२	०४६-५२१५१२
	सर्लाही		
90	प्लान्ट क्वारेन्टिन चेकपोष्ट, एअरपोर्ट,	०१-४११२३८१	०१-४११२३८१
	काठमाडौं		
99	प्लान्ट क्वारेन्टिन चेकपोष्ट, तातोपानी,	०११-४८०१४१	
	सिन्धुपाल्चोक		
१२	प्लान्ट क्वारेन्टिन चेकपोष्ट, टिमुरे, रसुवा	०१०-६९२४९४	
१३	प्लान्ट क्वारेन्टिन चेकपोष्ट, कृष्णनगर,	०७६-५२०८४५	
	कपिलवस्तु		
98	प्लान्ट क्वारेन्टिन चेकपोष्ट, लोमान्थाङ्ग,		069-440188
	मुस्ताङ		(जि.प्र.)
<b>9</b> ¥	प्लान्ट क्वारेन्टिन चेकपोष्ट, भुलाघाट,	०९९५२५३९८	
	बैतडी		

#### कृषि डायरी २०७१ रेशम खेती विकास कार्यालयहरू

क्र.सं.	कार्यालयहरू	फोन
٩	रेशम प्रशोधन केन्द्र, इटहरी, सुनसरी	
२	रेशम विकास कार्यक्रम, धनकुटा	०२६-५२०२९४
ş	किम्बु नर्सरी व्यवस्थापन केन्द्र, भण्डारा, चितवन	०५६-५५००९१
8	प्रजनन् पिंढी बीजकोया श्रोत केन्द्र, धुनीबेसी, धादिङ्ग	०११-५२९१८५
x	प्रजनन् पिंढी बीजकोया श्रोत केन्द्र, बन्दीपुर, तनहुँ	०६५-५२०१०४
Ę	रेशम विकास कार्यक्रम, पोखरा	०६१-५२२०२९
<sub>9</sub>	रेशम विकास कार्यक्रम, स्याङ्गजा	०६३–४४०१३०
5	व्यवसायिक ग्रेनेज केन्द्र, चितापोल, भक्तपुर	०१-६२२४७०२

### ३.५ पशु सेवा विभाग

कार्यलय	फोन	फ्याक्स	इमेल ⁄ वेभसाइट
महा-निर्देशक	<u> ५५२२०५६</u>	<u> </u>	nbraajwar@dls.gov.np info@dls.gov.np
उपमहा-निर्देशक, योजना	४४२१६१०, ४४३९६१	<u> </u>	rkkhatiwada@dls.gov.np; planning@dls.gov.np
उपमहा-निर्देशक, प्रशासन	४४५३९६, ४५२१६०	<u> </u>	ucthakur@dls.gov.np
बजेट तथा कार्यक्रम शाखा	<u> ५५२५४७८</u>	४४४२९१४	budget@dls.gov.np
अनुगमन तथा मूल्यांकन शाखा	५५३०९४४	<u> </u>	monitering@dls.gov.np
वैदेशिक समन्वय शाखा	<u> ५५२५४७८</u>	<u> </u>	foreign@dls.gov.np
तथ्याङ्ग शाखा	<u> ५५२५४७८</u>	<u> ५५४४२९१५</u>	stat@dls.gov.np
आर्थिक प्रशासन शाखा	<u>५५२५७</u> ३३		finance@dls.gov.np
प्रशासन शाखा	५५२५४७९,		admin@dls.gov.np
	<i>५५४४७</i> २६		
ऐन नियम शाखा	<i>५५४५७</i> ६४		acts@dls.gov.np

#### कार्यक्रम निर्देशनालय

क.सं	निर्देशनालय	फोन	फ्याक्स	ईमेल
٩.	पशु स्वास्थ्य	४२६११६५	४२६१५२१	info@ahd.gov.np
	निर्देशनालय,			
	त्रिपुरेश्वर			
२	पशु उत्पादन	५५२२०३१,	५५४२०१६	info@dolp.gov.np

	निर्देशनालय, हरिहरभवन	<u>५</u> ५४२९१४,		
m	पशुसेवा तालिम तथा प्रसार निर्देशनालय, हरिहरभवन	४४२२०४९, ४४४६६४९	प्रप्र४६६४९	info@dlstraining.gov.np
8	पशुपंक्षी बजार प्रवर्द्धन निर्देशनालय, हरिहरभवन	४४५४११० ⁄११२	४४४२८०७	info@dlmp.gov.np

#### राष्ट्रिय/केन्द्रीय प्रयोगशालाहरू

奪.	प्रयोगशालाहरू	फोन	फ्याक्स	ईमेल
सं				
٩	केन्द्रीय जैविकी	४२५२३४८	४२१५७०३	biolab_tripureshwor@dls.gov.np
	उत्पादन प्रयोगशाला,			
	त्रिपुरेश्वर			
2	राष्ट्रिय पंक्षी रोग	०५६-	०५६_	avianlab_chitwan@dls.gov.np
	अन्वेषण प्रयोगशाला,	५२७५४१	६९३४६४	
	चितवन			
n.	राष्ट्रिय खोरेत तथा	४३७०६५७	४३७२५७८	fmdlab_budanilakantha@dls.gov.np
	महामारी रोग			
	प्रयोशाला,			
	बूढानिलकण्ठ			
γ	केन्द्रीय पशु रोग	४२१२१४३	४२६१८६७	cldelab_tripureshwor@dls.gov.np
	अन्वेषण प्रयोगशाला,			/cvlaboratory@gmail.com
	त्रिपुरेश्वर			
X	रेविज भ्याक्सिन	४२१२३७६		rabiesvaccine_tripureshwor@dls.gov
	उत्पादन प्रयोगशाला,			.np
	त्रिपुरेश्वर			
Ę	लाइभष्टक गुण	५०१००५९		lqmlab_hariharbhawan@dls.gov.np
	व्यवस्थापन			
	प्रयोगशाला,			
	हरिहरभवन			

#### राष्ट्रिय/केन्द्रीय कार्यालयहरू

क.सं	कार्यालय	फोन	फ्याक्स	ईमेल
٩.	राष्ट्रिय चरन तथा	५०१००५६	५०१००६३	info@npafc.gov.np
	पशु आहारा विकास			www.npafc.gov.np
	केन्द्र, हरिहरभवन			

#### किं डायरी २०७१

२	केन्द्रीय पशु चिकित्सालय,	४२६१३८२		cvh@dls.gov.np
	त्रिपुरेश्वर			
₹.	भेटेरीनरी गुणस्तर तथा औषधी	४२६८२४३		vsdao@dls.gov.np
	व्यवस्थापन कार्यालय, त्रिपुरेश्वर			
४.	केन्द्रीय पशु क्वारेन्टाईन, कार्यालय, बुढानिलकण्ठ	४६५०२११	४६५०२८६	caq@dls.gov.np
<b>X</b> .	भेटेरीनरी ईपिडेमियोलोजी केन्द्र, त्रिपुरेश्वर	४२५०७१७	४२५०७१७	vec@dls.gov.np
<sup>ε</sup> γ.	भेटेरीनरी जनस्वास्थ्य कार्यालय, त्रिपुरेश्वर	४२१२३७६		vph@dls.gov.np
<u>.</u>	केन्द्रीय गाईभैसी प्रवर्द्धन कार्यालय, हरिहरभवन	<u>५५३८९०२,</u>	<u>४</u> ४३८९०२	ccbpo@dls.gov.np
ς.	केन्द्रीय भेडा-बाखा प्रवर्द्धन कार्यालय, हरिहरभवन	<u> ५५५४४९०६</u>	<u>५५५४९०६</u>	info@sheepgoat.gov.np
٩.	केन्द्रीय बंगुर, कुखुरा प्रवर्द्धन कार्यालय, हरिहरभवन	<i>५५४३</i> ०९०	<i>५५४४३</i> ०९०	pigpoultry@dls.gov.np
90.	राष्ट्रिय पशु प्रजनन् केन्द्र, पोखरा	०६१- ६२२२ <b>८</b> ४	४३०४८९	info@nlbc.gov.np

#### आयोजनाहरू

समुदायिक पशु विकास	<i>५</i> ५२६२३४,	cldp@dls.gov.np
आयोजना (CLDP), हरिहरभवन	५५३१००७,	
	५५३१००६	

कार्यक्रम लाग् भएका जिल्लाहरूः

सघन पशु उत्पादनः तनहुँ, लमजुङ्ग, वाग्लुङ्ग, गुल्मी, अर्घाखाँची, पाल्पा, नवलपरासी, रुकुम, रोल्पा, सल्यान, प्यूठान, दैलेख, जाजरकोट, सुर्खेत, बाँके, बाँदिया, डोटी, अछाम र बैतडी

प्रशोधन, बजारीकरण र व्यापारीकरणः भाषा, मोरङ्ग, सुनसरी, सप्तरी, सिराहा, धनुषा, महोत्तरी, सर्लाही, काभ्रे, काठमाडौ, कास्की, लिलतपुर, चितवन, मकवानपुर, पर्सा, बारा, रौतहट, रुपन्देही, किपलवस्तु र दाङ

जन्य पहाड़ी जीविकोपार्जन सधार नमना कार्यकम : जम्ला मग हम्ला बकाड़ र दार्चला

ज । त्याचा नाताना सुनार	1311 411411	3 111) 339 3 1	n, 1 111 <b>3</b>	
कबुलियति वन तथा पशु विकास	५०१००५६	५०१००६२	lflp@dls.gov.np	
कार्यक्रम (LFLP)				
लाईभस्टक कोओर्डिनेटर				

बर्ड फ्लू (Avian Influenza) आयोजना, बुढानिलकण्ठ आयोजना प्रमुख	४६५०१२७	४६५०१२८	aicp@dls.gov.np
हिमाली प्रोजेक्ट (HIMALI), हरिहरभवन	४४२४८३१, १६६०००११ ४५००	<u>४</u> ४२८६७०	info@himali.gov.np www.himali.gov.np
जुनोसिस नियन्त्रण आयोजना	४६५०१२७, ४३७०१५१, ४६५०४९१, ४६५०४९२	४६५०१२८	aicpnep@gmail.com

### क्षेत्रीय पशु सेवा निर्देशनालय

ऋ.सं	कार्यालय	फोन	फ्याक्स	इमेल / वेभसाइट
٩	पूर्वाञ्चल, विराटनर	०२१-४७०९२४	०२१–४७१००१	erdls@dls.gov.np
२	मध्यमाञ्चल, हरिहरभवन	०१-५५२२०५७, ५०१०० <i>⊏</i> २	<i>५५४५३९</i> ८	crdls@dls.gov.np
ą	पश्चिमाञ्चल, पोखरा	०६१-५२०४५४	<b>५२७</b> ५८५	wrdls@dls.gov.np
8	मध्यपश्चिमाञ्चल, सुर्खेत	०८३-५२०९३७,		mwrdls@dls.gov.np
X	सुदूरपश्चिमाञ्चल, दिपायल	०९४-४४०१४६	४४००६३	fwrdls@dls.gov.np

#### क्षेत्रीय पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशालाहरू

क्र.सं.	कार्यालय	फोन	ईमेल
٩	विराटनगर, मोरङ्ग	०२१-४७०२०८	edrvl@gov.np
२	जनकपुर	०४१–५२१७२४	cdrvl@gov.np
æ	पोखरा	०६१-५२०४१९	wdrvl@gov.np
8	सुर्खेत	०८३-४२०२५०	mwrvl@gov.np
X	धनगढी, कैलाली	०९१-५२२१८२	fwdrvl@gov.np

#### क्षेत्रीय पशु सेवा तालिम केन्द्रहरू

क्र.सं	कार्यालय	फोन	फ्याक्स	ईमेल
٩	दुहवी, सुनसरी	०२५-५४०७०८	०२५-५४०७०८	edrtc@dls.gov.np
२	जनकपुर, धनुषा	०४१-५२०३४२	०४१-५२०३४२	cdrtc@dls.gov.np
ą	पोखरा, कास्की	०६१-५२४१९५	०६१–५२४१९५	wdrtc@dls.gov.np
४	नेपालगञ्ज, बाँके	०८१-४२०३०४	०८१-५२०३०४	mwdrtc@dls.gov.np

x	धनगढी, कैलाली	०९१-५२१९३९	०९१-५२१९३९	fwdrtc@dls.gov.np

### पशु प्रजनन् कार्यालयहरू

ऋ.सं.	कार्यालय	फोन	फ्याक्स	ईमेल
٩	नेपालगंज, बाँके	०८१-४२१०२०	०८१-४२१०२०	breed_banke@dls.gov.np
२	लाहान, सिराहा	०३३-५६०२७३	०३३-५६०२७३	breed_siraha@dls.gov.np

#### पशु क्वारेण्टिन कार्यालय तथा चेकपोष्टहरू

ऋ.सं	कार्यालय	फोन	पयाक्स	ईमेल
٩.	पशु क्वारेन्टिन कार्यालय,	०२३-५६२१४७	073-	quatantine_jhapa@dls.gov.np
	काकडभिट्टा,		४६२९८७	checkpost_pasupatinagar@dls.gov.n
क)	भापा			p shookmost soomisymi@dls.cov.m
<b>ख</b> )	चेकपोष्ट, पशुपतिनगर			checkpost_gaurigunj@dls.gov.np
	चेकपोष्ट गौरीगंज			
٦.	पशु क्वारेन्टिन कार्यालय,	०२१-४३५५०१	079-	quarantine_morang@dls.gov.np
क)	विराट्नगर, मोरङ्ग		४३५५०१	shookmost roni@dls.cov.nn
<b>ख</b> )	चेकपोष्ट, रानी	०३३–५२०३६५		checkpost_rani@dls.gov.np checkpost_sunsani@dls.gov.np
ग)	चेकपोष्ट, भन्टाबारी,			checkpost_madar@dls.gov.np
	सुनसरी			envenposi_maaar e aisigs imp
	माडर, सिराहा			
₹.	पशु क्वारेन्टिन कार्यालय,	०४१-५२६३९२६		quarantine_dhanusha@dls.gov.np
<b>क</b> )	जनकपुर	०४४-५२०२२८		
<b>ख</b> )	चेकपोष्ट, जठही	०४६-५२०४३६		checkpost_jathhi@dls.gov.np
ग)	चेकपोष्ट, भिष्ठामोड,			checkpost_bhitthamode@dls.gov.np
	महोत्तरी			checkpost_malangawa@dls.gov.np
	चेकपोष्ट, मलंगवा	-110 110 110-	-110	d
٧	पशु क्वारेन्टिन कार्यालय,	०५१-५२८५२०	0X9-	quarantine_parsa@dls.gov.np
<b>क</b> )	वीरगञ्ज, पर्सा	०४१-४२८९७०	६२१३४०	checkpost_ouraya@dls.gov.np
<b>ख</b> )	चेकपोष्ट, औरया	०५३-५२०९८३		checkpost_rautahat@dls.gov.np
ग) म)	चेकपोष्ट, रिसिया, रौतहट चेकपोष्ट, पथलैया, बारा	०५३-५२०४०४		1
<b>घ</b> )	चकपाष्ट, पथलया, बारा चेकपोष्ट, जीतपुर			checkpost_bara@dls.gov.np
	. ,			checkpost_jitpur@dls.gov.np
<b>X</b> .	पशु क्वारेन्टिन कार्यालय,	०७१-५२०३०६		quarantine_rupandehi@dls.gov.np
क)	भैरहवा, रुपन्देही	०७१-५२३०१३		checkpost_belhiya@dls.gov.np
<b>ख</b> )	चेकपोष्ट, बेलहिया	०७६-५२०५७६		checkpost_krishnanagar@dls.gov.np checkpost_triveni@dls.gov.np
ग)	चेकपोष्ट, कृष्णनगर			checkpost_urvein@uis.gov.np
	चेकपोष्ट, त्रिवेणी			
€.	पशु क्वारेन्टिन कार्यालय,	०८१-५२६९५४	०८१-	aqpnepalgunj@gmail.com
<b>क</b> )	भन्साररोड, नेपालगंज	०८१-५२२१२४	प्र२६९५४	

<b>ख</b> )	भन्सार रोड, नेपालगंज चेकपोष्ट, गुलरिया	०८४-४२०४९१		checkpost_nepalgunj@dls.gov.np checkpost_gulriya@dls.gov.np
७. क) ख) ग)	पशु क्यारेन्टिन कार्यालय, गड्डाचौकी, कन्चनपुर चेकपोप्ट, धनगढी चेकपोप्ट, गड्डाचौकी चेकपोप्ट, दार्चुला	०९९-५२२४७० ०९१-५२००१४ ०९९-५२२४७ ०९३-४२०२०६	०९९- ५२५२९७	quarantine_kanchanpur@dls.gov.np checkpost_dhangadi@dls.gov.np checkpost_gaddachowk@dls.gov.np checkpost_darchula@dls.gov.np
ड. क) ख) ग)	पशु क्वारेन्टिन कार्यालय, काठमाडौं चेकपोप्ट, तातोपानी त्रि.अ.वि. काठमाडौं चेकपोप्ट, रामनगर	०१-४४८७३५६ ०११-४८०२१८ ०१-४४६८१५६	०१- ४११०५५६	quarantine_kathmandu@dls.gov.np  checkpost_tatopani@dls.gov.np checkpost_kathmandu@dls.gov.np checkpost_ramnagar@dls.gov.np

### पशु विकास फार्महरू

ऋ.सं	क्षेत्र	फोन	प्याक्स	ईमेल
٩	बाखा विकास फार्म, बुढीतोला, कैलाली	०९१–६२१३४२	०९१ ४४०१११	gdfkailali@dls.gov.np
२	बाखा विकास फार्म, चितलांग, मकवानपुर	०५७-६२०४५६	०५७ - ५२४३७१	gdfchitlang@dls.gov.np
n <del>v</del>	पशु विकास फार्म, जिरी	०४९-४०००६६	०४९- ४०००६६	adfjiri@dls.gov.np
४	भेडा विकास फार्म, पानसयखोला, नुवकोट	०१०-४६०४६२	०१०-५६०४६२	sdfnuwakot@dls.gov.np
x	याक विकास फार्म, स्याँगबोचे, सोलुखुम्बु	०३८-५४०१२४	०३८ ४४०१२३	ydfsolukhumbu@dls.gov.np
L9V	चरन तथा घाँसेबाली बीउ बृद्धि फार्म, जनकपुर, धन्षा	०४१-५२०१९०	०४१ <u>-</u> ५२०१९०	info@charandhanusa.gov.np
9	चरन तथा घाँसेवाली बीउ बृद्धि फार्म, रॉजतपुर, सर्लाही	०४६-५०११०८, ५०११ <i>७</i> ६	०४६- ५०११०८	charansarlahi@dls.gov.np
5	पशु विकास फार्म, लामापाटन, पोखरा, कास्की	०६१–४३०३७३ ldfarm@ntc.net. np	०६१ ४३०४८९	adfkaski@dls.gov.np
9	चरन तथा घाँसेबाली बीउ बृद्धि	०८१-४२४२८७		

	फार्म, गौघाट, बाँके			
90	कुखुरा विकास	०८१-६२१२१८,	०८१-६२१२४५	hdfbanke@dls.gov.np
	फार्म, खजुरा, बाँके	६२४२४५		
99	राइजोवियम तथा	०४१-५२१६८३	०४१-५२१६८३	seeddhanusa@dls.gov.np
	बीउ विजन			
	प्रयोगशाला,			
	जनकपुर, धनुषा			
92	नारायणहिटी पशु	०१-४४४३८५१	०१–५५४२०१६	adfkathmandu@dls.gov.np
	विकास फार्म,			
	काठमाण्डौ			

### ३.६ खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग

	फोन	फ्याक्स	ईमेल ⁄ वेभसाइट
महानिर्देशक	४२४७⊏५२	४२६२३३७	dgdftqc@mail.com.np www.dftqc.gov.np
उप-महानिर्देशक (खाद्य गुण नियन्त्रण महाशाखा	४२६२४३०		dftqc@mail.com.np
उप-महानिर्देशक (खा.प्र.वि.तथा ता. महाशाखा)	४२६२७३९		dftqc@mail.com.np
उप-महानिर्देशक (केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला)	४२५८७५३		dftqc@mail.com.np
एस.पि.एस. इनक्वाइरी प्वाईन्ट	४२४६९४७		spsnepal@ntc.net.np www.spsenquiry.gov.np

#### क्षेत्रीय खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण कार्यालयहरू

ऋ.सं.	कार्यालय	फोन	फ्याक्स	ईमेल ⁄ वेभसाइट
٩.	विराटनगर, मोरङ्ग	०२१-५२१२२१		
٦.	हेटौडा, मकवानपुर	०५७-५२०३१९	<u>५२६५४०</u>	rftqcohtd@gmail.com
₹.	भैरहवा, रुपन्देही	०७१-५२०१५७		
٧.	नेपालगन्ज, बाँके	०८१-५२१५३७		
<b>X</b> .	धनगढी, कैलाली	०९१-५२२९७२		rfpqc@ntc.net.np

### खाद्य क्वारेन्टाइन प्रयोगशालाहरू

क्र.सं.	कार्यालय	फोन	फ्याक्स	ईमेल ⁄ वेभसाइट
٩.	काँकडभिट्टा, भापा	०२३-४६२९६४		
٦.	वीरगन्ज, पर्सा	०५१-५३४१६९		
₹.	तातोपानी, सिन्धुपाल्चोक			
٧.	महेन्द्रनगर, कञ्चनपुर	०९९-५२२३७९		

#### स्याउ प्रशोधन केन्द्र

क.सं	कार्यालय	फोन	फ्याक्स	ईमेल / वेभसाइट
٩	जुम्ला	०८७५२००४३		

### खाद्य निरीक्षण इकाई, त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल, काठमाण्डौं

क.सं	कार्यालय	फोन	फ्याक्स	ईमेल ⁄ वेभसाइट
٩	काठमाण्डौं			

## ३.७ नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद्

	फोन	फ्याक्स	इमेल ⁄ वेभसाइट
कार्यकारी निर्देशक	४२५६८३७ ४२६२६५०	४२६२५००	ednarc@ntc.net.np
निर्देशक, योजना तथा समन्वय	४२६२५६७		pcdnarc@ntc.net.np
निर्देशक, बाली तथा बागबानी अनुसन्धान	४२६२४४०		chdnarc@ntc.net.np
निर्देशक, पश्रु तथा मत्स्य अनुसन्धान	४२६२५७०		livefish@ntc.net.np
निर्देशक, कर्मचारी प्रशासन	४२६२५०४		
निर्देशक, आर्थिक प्रशासन	४२६२५८५		fadnarc@ntc.net.np
प्रमुख, योजना महाशाखा	४२६२५६७ ४२६२७९९		hirakaji@gmail.com

### योजना तथा समन्वय, सिंहदरबार प्लाजा

संचार, प्रकाशन तथा अभिलेख महाशाखा	५५२३०४१	<u> </u>	cpdd@narc.org.np www.narc.org.np
सामाजिक-आर्थिक तथा कृषि अनुसन्धान नीति महाशाखा	<u>४</u> ४४०८१८		sarpod@narc.gov.np
बाह्य अनुसन्धान महाशाखा	५५४०८१७	<i>५५२७६९५</i>	ord@narc.gov.np
कृषि वातावरण महाशाखा	<b>५५३५९</b> ८९		env@narc.gov.np

			2010.6
राष्ट्रिय कृषि आनुवाशीक	५००३१२५	५००३३३१	narc2010@yahoo.com
٠			-
केन्द्र (जीन बेंक)			

### बाली तथा वागवानी अनुसन्धान कार्यक्रम

क्र.सं	कार्यक्रम	फोन	ईमेल
٩	धान बाली अनुसन्धान	०४१-६२०८९५,	nrrpjnk@yahoo.com
	कार्यक्रम, वनिनिया, धनुषा	६२०१८४	
२	मकैबाली अनुसन्धान	०५६-५९१००१	nmrprampur2005@yahoo.com
	कार्यक्रम, रामपुर, चितवन		
₹	गहुँ बाली अनुसन्धान	०७१-५२०२२६,	nwrp@nec.com.np
	कार्यक्रम, भैरहवा, रुपन्देही	५२२१९६,	
		५२०४३१	
8	कोशेबाली अनुसन्धान	०५६-५९१००९	nglrp_rampur@hotmail.com
	कार्यक्रम, रामपुर, चितवन		
ሂ	तेलबाली अनुसन्धान	०४६-५७०००२	oilseed_sarlahi@yahoo.com
	कार्यक्रम, नवलपुर, सर्लाही		
६	पहाडीबाली अनुसन्धान	०४९-६९००३७	hcrpkabre@ntc.net.np
	कार्यक्रम, काब्रे, दोलखा		
૭	उखुबाली अनुसन्धान	०५१-६९०४८९	srp@atcmail.com.np
	कार्यक्रम, जीतपुर, बारा		
5	आलुबाली अनुसन्धान	०१-५५२२११४	prp@narc.gov.np
	कार्यक्रम, खुमलटार		
9	अदुवाबाली अनुसन्धान	०८८-६३०११४	
	कार्यक्रम, सल्यान		
90	सुन्तला जात अनुसन्धान	०२६-५२००५५	citrus@ntc.net.np
	कार्यक्रम, धनकुटा		
99	जुटबाली अनुसन्धान	०२५-५८१०१८	chybedanand@yahoo.com
	कार्यक्रम, इटहरी, सुनसरी		
9२	राष्ट्रिय व्यवसायिक कृषि	०२६-५४०३८१	
	अनुसन्धान कार्यक्रम,		
	पाखीबास, धनकुटा	ĺ	

### पशु तथा मत्स्य अनुसन्धान कार्यक्रम

गाईभैंसी अनुसन्धान कार्यक्रम, खुमलटार	<b>५५२</b> १४२३
	brp@narc.gov.np
बंगुर तथा कुखुरा अनुसन्धान कार्यक्रम, खुमलटार	<b>५५ २</b> १६५०
	sarp@narc.gov.np
भेडाबाखा अनुसन्धान कार्यक्रम, जुम्ला	०८७-४२०१४०

## राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान प्रतिष्ठान, खुमलटार

निर्देशक	५५२५७०३, ५५४०८१३ (Fax)		
बाली विज्ञान महाशाखा	<u> ४</u> ४२११६९, ४४२७७४८		
	agronomy@narc.gov.np		
बाली रोग विज्ञान महाशाखा	प्रप्रदेश ४३, प्रप्रदेशह७२		
	ppd@narc.gov.np		
कीट विज्ञान महाशाखा	<u>५५२</u> ११४१, ५५३६२२४		
	ento@narc.gov.np		
माटो विज्ञान महाशाखा	५५२११४९, ५५२३१६१		
	ssd@narc.gov.np		
कृषि ईन्जिनियरिङ्ग महाशाखा	५५२४३५१, ५५२१३०७		
	aednarc@wlink.com.np		
कृषि वनस्पति महाशाखा	४४२१६१४, ४४२१६१४, ४४४४४८४ (Fax)		
	isccnepal@wlink.com.np		
बागवानी अनुसन्धान महाशाखा	५५४१९४४		
	hrdn@narc.gov.np		
खाद्य अनुसन्धान महाशाखा	<b>५५४४४५९</b>		
	fru@narc.gov.np		
बायो टेक्नोलोजी महाशाखा	<b>५५३९६५</b> ८		
	biotech@narc.gov.np		
व्यवसायिक बाली महाशाखा	<i>५५४५</i> ९२१		
	ccdnarc@gmail.com		
बीउ विज्ञान तथा प्रविधि अनुसन्धान शाखा	<i>५५२३०४०</i>		
	seedtech@wlink.com.np		

### राष्ट्रिय पशु विज्ञान अनुसन्धान प्रतिष्ठान

निर्देशक	५५२४०४०, ५५४९३००, ५५२११९७ (Fax)
	nasri@narc.gov.np
पशु स्वास्थ्य अनुसन्धान महाशाखा, खुमलटार	५५५१≂५५, ५५५१२९२
प्रमुख	

पशु आहारा महाशाखा, खुमलटार	५५२३०३९
प्रमुख	aand@narc.gov.np
पशु प्रजनन् महाशाखा, खुमलटार	४४२३१६०, ४४४०४११, ४४३२९२२ (Fax)
प्रमुख	biodiversitynarcanbd@wlink.com.np
चरन तथा घाँसेबाली अनुसन्धान महाशाखा	<u>५५४२९०३, ५५२३०३८</u>
	pfrdl@wlink.com.np
मत्स्य अनुसन्धान महाशाखा, गोदावरी	५५६०१५५, ५५६०५६३, ५५६०१४६ (Fax)
	frd@wlink.com.np

## क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र र अन्तर्गतका कार्यालयहरू

## १. क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, नेपालगञ्ज

क्षेत्रीय निर्देशक	०८१-६२१२२६, ६२१२२७	rarskhajura@radiffmail.com
कृषि अनुसन्धान केन्द्र, सुर्खेत	०८३-६२०१२३	
कृषि अनुसन्धान केन्द्र, डोटी	०९४-४४०१६२	arsdoti@ntc.net.np
कृषि अनुसन्धान केन्द्र,	०८७-४२००२३,	
विजयनगर, जुम्ला	६९०१५९	
कृषि अनुसन्धान केन्द्र, दैलेख	०८९-६९०३८६,	arsdailekh@ntc.net.np
	४२०१५६ (Fax)	
कृषि अनुसन्धान केन्द्र,	०८७-६९००२८,	
राजीकोट, जुम्ला	६९०३४९	

## २. क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, लुम्ले

क्षेत्रीय निर्देशक	०६१-६२२१७४ <sub>,</sub> ६२२३९९, ५२२६५३ (Fax)	rarslumle@yahoo.com
कृषि अनुसन्धान केन्द्र, वैदाम, पोखरा (मत्स्य)	०६१-५२२००४, ५२२६५३ (Fax)	fishres@fewamail.com.np
कृषि अनुसन्धान केन्द्र, वेगनाथ, पोखरा (मत्स्य)	०६१-५६००८९	fishres@fewanet.com.np
कृषि अनुसन्धान केन्द्र, मालेपाटन, पोखरा (वागवानी)	०६१-५२०२२०, ५२०३८५	arspkr@fewanet.com.np
कृषि अनुसन्धान केन्द्र, तनहुँ ( बोका, बाखा)	०६५-६२०१६२	

### ३. क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, परवानीपुर

क्षेत्रीय निर्देशक	०५१-६२०३७६, ६२०३७९	raspar@yahoo.com
कृषि अनुसन्धान केन्द्र, रसुवा (	०१०-५४०१३७,	
चरन)	५४०१३८	
कृषि अनुसन्धान केन्द्र, रानीघाट,	०५१-५२२२३०	
वीरगंज, पर्सा		
(कृषि औजार)		
कृषि अनुसन्धान केन्द्र, त्रिशुली (	०१०-५६०२२६	asala@mos.com.np
मत्स्य)		
कृषि अनुसन्धान केन्द्र, वेलाचापी	०४१-५४००२३	
(धनुषा)		

### ४. क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, तरहरा

क्षेत्रीय निर्देशक	०२५-४०५०९८,	rarst@sailung.com.np
	४०५१०३,४०५०९८ (Fax)	
कृषि अनुसन्धान केन्द्र,	०२६-६२०५०३, ६२०५०४,	arspakh@gmail.com
पाखिबास, धनकुटा	५४०३८१ (Fax)	
कृषि अनुसन्धान केन्द्र,	०२५-५८०५१०	
तरहरा (मत्स्य)		

## ३.८ कृषिसँग सम्बन्धित बोर्ड/संस्थान/कम्पनी/समिति

### बोर्ड

क.सं		फोन	फ्याक्स	इमेल ⁄ वेभसाइट
٩	राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड, हरिहरभवन कार्यकारी निर्देशक	५५४४७४७ ५५४२७४१ १५२५४००	<i>५५३२०९६</i>	nddb.gov.np
२	राष्ट्रिय चिया तथा कफी विकास बोर्ड, बानेश्वर कार्यकारी निर्देशक	४४९९७८६ ४४९०३७१ ४४९५७९२	४४९७९४१	ntcdboard@ wlink.com.np www.teacoffee. gov.np
	क्षेत्रीय कार्यालय, विर्तामोड, भापा	०२३-५४०५९२ (P/F)		
	क्षेत्रीय कार्यालय, पोखरा, कास्की	०६१-५५०४२२		

-	• •		
	चिया विस्तार योजना, फिक्कल, ईलाम	०२७-५४०१५८	
	चिया विस्तार योजना, जसविरे, ईलाम	०२७-६९०१४६	
	चिया विस्तार योजना, हिले, धनकुटा	०२७-५४०११२	
	चिया विस्तार योजना, रानीपौवा, नुवाकोट	०१०-६२११३२३	
	चिया विस्तार योजना, सोल्मा, तेह्रथुम	०२६-६८००८६	
	चिया विस्तार योजना, लाली खर्क पाँचथर	०२४-६९०३०८	

### दुग्ध विकास संस्थान

कार्यालय	फोन	फ्याक्स		ईमेल /वेभस	ाइट
केन्द्रीय कार्यालय	४४११७१०,	०१–४४१७२१५		dairydev@mos.com.np	
	४४१४८४१,			www.dairyc	lev.com.np
	४४१०४८९,				
	४४१२६९६,				
	४४१३६९६				
संस्थान अन्तर्गत आयेजनाहरू					
काठमाडौं दुग्ध वितरण आयोज	ाना, बालाजु		४३५००	) १	
दुग्ध पदार्थ बिक्री वितरण आय			४३२६२	(8	
विराटनगर दुग्ध वितरण आयो	जना, कंचनबारी, विर	ाटनगर	०२१-४	१२०१०५	
जनकपुर दुग्ध वितरण आयोज	ना, ढल्केवर, धनुषा		०४१-५६००२०		
हेटौडा दुग्ध वितरण आयोजना	, हेटौंडा, मकवानपुर		०५७-५२१८१२		
लुम्बिनी दुग्ध वितरण आयोजन	ा, बुटवल, रुपन्देही		०७१-५४०५४३		
नेपालगंज दुग्ध वितरण आयोज	ाना, कोहलपुर, बाँके		०८१-५४००८३		
धनगढी दुग्ध वितरण आयोजन	ा, अत्तरिया, कैलाली		०९१-५५११८६		
चिज उत्पादन केन्द्रहरू					
नगरकोट चिज कारखाना			६६८००	४७४	
पशुपतिनगर चिज उत्पादन केन्द्र		_	०२७-५	५००४२	
गोसाँइकुण्ड चिज उत्पादन केन्द्र			90805	R99	
राँके चिज उत्पादन केन्द्र			०२४-५	२९१०२	

जिरी चिज उत्पादन केन्द्र	०४९-५२०१९०	
--------------------------	------------	--

## कृषि सामाग्री कम्पनी लिमिटेड

### कृषि सामग्री कम्पनी लि. केन्द्रीय कार्यालय, टेक्, कुलेश्वर, काठमाडौ

	फोन नं.
प्रबन्ध संचालक	४२७९७१५
महाशाखा प्रमुख, प्रशासन तथा योजना	४२७९३६१
महाशाखा प्रबन्धक, आर्थिक	४२७९७१९
महाशाखा प्रमुख, खरिद	४२७९७१६
महाशाखा प्रबन्धक, बिक्री वितरण	४२७९३६२
महाशाखा प्रबन्धक, स.व्य. तथा सा. सेवा	४२७९७१७
शाखा प्रबन्धक आ.ले.प. शाखा	४२७९४९७

### क्षेत्रीय कार्यालयहरू

सि.नं.	कार्यालय	टेलिफोन नं.
<b>क</b> )	पूर्वाञ्चल क्षेत्रिय कार्यालय, विराटनगर	०२१-५२५४२८
٩	उपशाखा कार्यालय, धनकुटा	०२६-५२०२४९
२	उपशाखा कार्यालय, विर्तामोड	०२३-५४०००५
ą	उपशाखा कार्यालय, इलाम	०२७-५२००१७
8	उपशाखा कार्यालय, इटहरी	०२५-५८३२३१
¥	उपशाखा कार्यालय, लहान	०३३-५६०२८४
Ę	उपशाखा कार्यालय, राजविराज	०३१-५२०२९७
9	बिक्री केन्द्र, दमक	०२३-५८०१०५
5	बिक्री केन्द्र, गाईघाट	०३५-५२०१०३
9	गोदाम ईकाई, सिरहा	०३३-५२००२२
90	गोदाम ईकाई, इनरुवा	०२५-५६०११२
<b>ख</b> )	मध्यमाञ्चल क्षेत्रीय कार्यालय, वीरगञ्ज	०५१-५२२०३०
٩	मुख्य शाखा, काठमाडौँ	०१-४२७९७२१
२	शाखा कार्यालय, जनकपुर	०४१-५२०४०७
ą	शाखा कार्यालय, धुलिखेल	०११-४९०३०६
γ	उपशाखा कार्यालय, ढल्केबर	०४१-५६०००८
ሂ	उपशाखा कार्यालय, हटौंडा	०५७-५२०३८६
Ę	उपशाखा कार्यालय, भरतपुर	०५६-५२०११३
૭	उपशाखा कार्यालय, त्रिशुली	०१०-५६०११४

च्याच जावर	4001	
2	उपशाखा कार्यालय, मलंगवा, सर्लाही	०४६-५२०११०
9	उपशाखा कार्यालय, चन्द्रनिगाहपुर	०५५-५४०२२५
90	उपशाखा कार्यालय, गजुरी	०१०-६९०५८४
99	विक्री केन्द्र, सिन्धुली	०४७-५२०११७
92	गोदाम इकाइ, कलैया	०५३-५५००२२
ग)	पश्चिमाञ्चल क्षेत्रिय कार्यालय, पोखरा	०६१-५२०४१६
٩	शाखा कार्यालय, भैरहवा	०७१-५२०१४०
२	उपशाखा कार्यालय, दमौली	०६५-५६०१९३
ą	उपशाखा कार्यालय, परासी	०७८-५२०१२०
8	प्रशाखा कार्यालय, पर्वत	०७६-४२०१४३
ሂ	उपशाखा कार्यालय, वहादुरगञ्ज	०७६-५२००४९
Ę	प्रशाखा कार्यालय, पाल्पा	०७४-४२०१३८
9	प्रशाखा कार्यालय, स्याङ्गजा	०६२-४२०१३६
5	प्रशाखा कार्यालय, तौलिहवा	०७६-५६००२२
		०७८-५४०११९ (
9	गोदाम इकाइ, कावासोती	पि.शि.ओ.)
घ)	मध्य-पश्चिमाञ्चल क्षेत्रिय कार्यालय, नेपालगञ्ज	०८१-५२०३४२
٩	उपशाखा कार्यालय, सुर्खेत	०८३-४२०२८२
२	उपशाखा कार्यालय, दाङ्ग/घोराही	०८२-४६००४०
m	प्रशाखा कार्यालय, गुलरिया	०८४-४२०१०८
X	प्रशाखा कार्यालय, लमही	०८२-५४०१२०
¥	बिक्री केन्द्र, तुल्सीपुर	०८२-५२००१०
ङ)	सुदूर-पश्चिमाञ्चल क्षेत्रीय कार्यालय, धनगढी	०९१-५२१३१०
٩	उपशाखा कार्यालय, महेन्द्रनगर	०९९-५२१३४३
२	प्रशाखा कार्यालय, डोटी, दिपायल	०९४-४४०२८०

## राष्ट्रिय बीउ विजन कम्पनी लि.

	फोन	फ्याक्स	इमेल
प्रबन्ध संचालक	४२७९५८७		
नायब प्रबन्धक संचालक	४२७९५८७	×2100 U = 10	
प्रमुख, आर्थिक महाशाखा	४२७२०७	- ४२७९५८७	nscltd@ntc.net.np
प्रमुख, योजना तथा प्रशासन महाशाखा	४२७८४५३		
प्रमुख, अनुगमन इकाई तथा आ.ले.प.शाखा	४२७९२०७		
प्रमुख, बजार व्यवस्थापन महाशाखा	४२७९२०७		
प्रमुख, उत्पादन व्यवस्थापन महाशाखा	४२७९२०७		

# जिल्ला स्थित मुख्यशाखा तथा शाखा कार्यालयहरू

कार्यालय	फोन	फ्याक्स
केन्द्रीय कार्यालय, काठमाण्डौ	४२७९५८७, ४२७९२०७	४४२७९५८७
मुख्यशाखा कार्यालय, ईटहरी	०२५-५८१०२२	<b>५८१०२२</b>
मुख्यशाखा कार्यालय, हेटौंडा	०५७-५२०३५७	५२०३५७
मुख्यशाखा कार्यालय, भैरहवा	०७१-५२०६२३	५२०६२३
शखा कार्यालय, जनकपुर	०४१-५२०१४७	५२०१४७
शखा कार्यालय, नेपालगञ्ज	०८१-५२०२२२	५२०२२२
शखा कार्यालय, धनगढी	०९१-५२१४१०	५२१४१०
बीउ विजन उत्पादन फार्म, भुम्का	०२५-५६२१५२	<b>४६२</b> १४२

### समिति

क.सं		फोन	फ्याक्स	इमेल / वेभसाइट
٩	कालीमाटी फलफूल तथा तरकारी थोक	५१२३०८६		
	बजार विकास समिति कार्यकारी निर्देशक	info@kalimat www.kalimat		
२	कपास विकास समिति			
nv	पशु आहार उत्पादन विकास सिमिति, हेटौडा क्षेत्रीय कार्यालय, त्रिपुरेश्वर, काठमाडौ	०५७- ५२०३ <b>८५</b> ४२६११७१		
8	चन्द्र डाँगी बीउ विजन तथा दुग्ध विकास समिति, चन्द्र डाँगी भापा	०२३- ५२९५४४		
x	नेपाल उखु तथा चिनी विकास समिति			

#### अध्ययन संस्थान

कार्यालय	फोन	फ्याक्स	इमेल ⁄ वेभसाइट
कृषि तथा पशु विज्ञान अध्ययन संस्थान, रामपुर, चितवन	०५६-५८१००२ /००३, ५८११४१, ५९११४१	V4-V 210 / 1	www.iaas.edu.np admin@iaas.edu.np

हिमालयन कलेज अफ एग्रीकल्चर साईन्सेस एण्ड टेक्नोलोजी कार्यकारी निर्देशक	६६३२२९६, ६६३६०४७, ६६३०७६२	६६३०७६२	hicast@wlink.com.np www.hicast.edu.np
प्राविधिक शिक्षा तथा व्यवसायिक तालिम परिषद, सानोठिमी, भक्तपुर	६६३१४४८/९, ६६३०४०८, ६६३००६९,	६६३०२९४	ctevt@admin- wlink.com.np www.ctevt.org.np

## ३.८ नेपाल सरकारका विभागहरूको टेलिफोन नम्बरहरू

विभाग	टेलिफोन	फ्याक्स	इमेल वेभसाइट
आयुर्वेद विभाग	४४१२८२०	४४१२८२०	
अध्यागमन विभाग	४२२३५९०	४२२३१२७	www.immi.gov.np/ eptimi@ntc.net.np
उद्योग विभाग	४२६१२०३	४२६१११२	www.doin.gov.np/ info@doin.gov.np
आवास तथा शहरी विकास विभाग	४२६२९२७	४२६२४३९	
औषधी व्यवस्था विभाग	४७८०२२७ ४७८०४३२	४७८०५७२	www.dinon.org.np/ dda@health.net.org.np
कर विभाग	κκροέκο	४४११७८८	
कारागार व्यवस्था विभाग	४४४४४५२	४४४४४५३	
केन्द्रीय तथ्यांक विभाग	४२२९४०६		www.cbs.gov.np/ env@stat.wlink.com.np
खानेपानी तथा ढल निकास विभाग	४४१३७४४	४४१९८०२	www.dwss.gov.np/ dwss@most.gov.np
खानी तथा भूगर्भ विभाग	४४१४७४०	४४१४८०६	www.dmgnepal.gov.np /dmg- plan@infoclub.com.np
घरेलु तथा साना उद्योग विभाग	४२५९८७५		www.dcsi.gov.np
जल तथा मौसम विज्ञान विभाग	४२६२४११		www.dhm.gov.np
जल उत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण विभाग	<u>५५३५५०२</u>	<u>५५३५</u> ४०७	
नापी विभाग (खगोल तथा भूमापन महाशाखा)	४४८२७१३		www.dos.gov.np

	४४७९४१६		
निजामती किताबखाना	५०१०२९८		www.docpr.gov.np
पाठ्यक्रम विकास केन्द्र	६६३४११९		
पुरातत्व विभाग	४२५०६८३	४२६२८५६	www.doa.gov.np/ info@doa.gov.np
वन विभाग	४२२७५७४	४२२७३७४	www.dof.gov.np
राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्र	४२२७०९६	४२१६७०६	
भन्सार विभाग	४२५९७९३ ४२५९८०८		
भूमिसुधार व्यवस्थापन विभाग	४२२००२ <i>८</i> र४२२३०४९	४२३०५८५	www.landdepartment.gov .np/ tgtlr@wlink.com.np
महालेखा नियन्त्रकको कार्यालय	४४३८५४४		
मुद्रण विभाग	४२४४५२५		
राजस्व प्रशासन तालिम केन्द्र	५५२३१७०	<u> </u>	
राष्ट्रिय निकुन्ज तथा वन्यजयन्तु संरक्षण वभाग	४२२७९२६	४२२७६७५	www.southasia.com/dnp wc@bdcin. wlink.com.np
राजस्व अनुसन्धान विभाग	<u> </u>		
राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग	४२६२५९२		
सडक विभाग	४२६२६९३	४२६२९९३	
सिंचाई विभाग	५५३७१३६	<u>५५३७</u> १६९	www.doi.gov.np/ irrigation@wlink.np
हुलाक सेवा विभाग	४४१०२२४	४४१४६८८	www.nepalpost.gov.np
सूचना विभाग	४११२७१७ <del>र</del> ४११२५५१	४११२६५२	www.doinepal.gov.np/ info@doinepal.gov.np
स्वास्थ्य सेवा विभाग	४२६१४३६	४२६२२८०	
श्रम विभाग	४४७७६७१		
त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल कार्यालय (आन्तरिक)	४११३१५५ ४११३०३४		
सहकारी विभाग	४४६५३६२ ४४६११७७		

### ३.१० नेपाल सरकारका क्षेत्रीय प्रशासन कार्यालयहरूको टेलिफोन

कार्यालय	टेलिफोन	फ्याक्स
क्षेत्रीय प्रशासन कार्यालय, धनकुटा	०२६-५२०७८५	
	<u> ५२०५८</u> ४	
क्षेत्रीय प्रशासन कार्यालय, हेटौडा	०५७-५२३७९९	प्र२३४५१
क्षेत्रीय प्रशासन कार्यालय, पोखरा	०६१-५३३०६८	
क्षेत्रीय प्रशासन कार्यालय, सुर्खेत	०८३-४२१३४२	
	४२१८८४	
क्षेत्रीय प्रशासन कार्यालय, डोटी	०९४-४४०१०२	

## ३.११ प्रमुख टेलिभिजन प्रसारण संस्थाहरू

क्र.स.	नाम	फोन नं.	पयाक्स नं.	ईमेल	वेबसाइट
٩	नेपाल टि.भी.	४२००३४८	४२००३४८	info@ntv.org.np	ntv.org.np
२	कान्तिपुर टि.भी.	४१३४०४०	<u>५</u> १३५०५४	news@kantipurtv.com	kantipurtv.com
m	ईमेज च्यानल	४४३३१४१	४४३६८७३	imchannel@wlink.com.np	
४	एभिन्युज टि.भी.	४२२७२२२	४२५१०५५	evenews007@gmail.com	evenews.tv.com
X	सगरमाथा टि.भी.	४२३३०७१/७२	४२३३०७३	info@sagarmatha.tv	sagarmatha.tv
ve	तराई टि.भि.	४१०६१९९	४१०६२१३		
૭	ए.बि.सी. टि.भी.	४४३९२३२	४४४५२३१	abctvnews@gmail.com	abctvnepal.com
5	माउन्टेन टि.भी.	५०१०७९६	५०१०७९७	info@mounttv.com mtvmauntain@gmail.com	
9	हिमालय टि.भी.	४४७६६८४	४४९७७११	info@himalayatv.com	himalayatv.com
90	न्यूज २४	४४४६१९९	४००२६५५	nbc@nws24nepal.tv	news24nepal.com

## ३.११ प्रमुख राष्ट्रिय दैनिक पत्रिकाहरूको विवरण

	1			1	T =
क.	नाम	फोन नं.	फ्याक्स नं.	ईमेल	वेबसाइट
स.					
٩	गोरखापत्र	४२२७४९३	४२२६५२९	gopa@mos.com.np	gorkhapatraonline.com
२	कान्तिपुर	५१३५०००	५१३५००१		ekantipur.com
m ·	अन्नपूर्ण	४४८२३०५	४४८२१९९	annapurna@annapost. com	annapost.com
8	कारोबार	४७८५०००	४७⊏४६६४	mail@karobardaily.co m	karobardaily.com
X	नयाँ	८८८४९४	४४८४४३६	letter@nayapatrika.co	nayapatrika.com
	पत्रिका	8		m	
દ્	नागरिक	४२६५१००	४२५२२६२	nagarik@nagariknews	nagariknews.com
	दैनिक			.com	
9	अभियान	४२७७१७	४२६८७२६	editorial@abhiyan.co	abhiyan.com.np
				m.np	
5	राजधानी	<i>५५४६</i> ३००	५०११५९४	rajdhaninews@gmail.	rajdhani.com.np
				com	
9	कमाण्डर	४४४०३५०	४४२००२८	copstnepal@gmail.co	commanderpost.com
				m	
90	नेपाल	४२६११७९	४२१८९९०	news@newsofnepal.c	newsofnepall.com
	समाचारप			om	
	त्र				
99	द	४७७।३५८	४७७०७०१	editorial@thehimalaya	thehimalayantimes.com
	हिमालयन			ntimes.com	

## ३.१३ कृषि सम्बन्धी पत्रिका विवरण

<b></b> 表.	पत्रिका / म्याग ाजिनको नाम	फोन नं.	ईमेल	वेवसाइट
٩	कृषि टाइम्स मासिक	४२२४५७२	evtmedia@gmail.com	
२	आरसी टाइम्स साप्ताहिक, पोखरा	०६१- ५४०६२२	arsi.times@gmail.com	
m	कृषि साप्ताहिक		sajnepal@gmail.com	www.krishionline.com.np

8	कृषक मासिक	४४६०२६६	krishakmasik@gmail.com	
¥	कृषक र प्रविधि मासिक	४७८५८४२	togetherforagriculture@gmail. com info@agrinepal.com.np	www.rndinnovative.com.np www.agrinepal.com.np
Ę	हिपात कृषक मासिक		hipatmasik@gmail.com	
9	एग्रो टाइम्स मासिक		info@agro.com.np	
5	कृषि जर्नल मासिक	४२८८७४३	krishijournal@yahoo.com	www.krishijournal.com.np
९	हाम्रो सम्पदा मासिक	४७७०२०६ ४७७९७४	info@hamrosampada.com.np shyam1sampada@gmail.com	www.hamrosampada.com.np

## ३.९८ कृषि गैहसरकारी संस्थाहरू

Name of Organization	Phone	Fax	Email/Website
Action Aid International Nepal	4436377	4419718	www.actionaid.org/nepal mail.nepal@actionaid.org
Agriculture Enterprise Center	4262245/260		
Agriculture Technology Center	5525956		
APERION (Italy)	4443520		aperion@subisu.net
Asian Development Bank	4227784/779		
BATTI	061-5211254		krishnabaral@fewamail.com.np
Care International Nepal	5522153	5521202	SBT@carenep.mos.com.np
CARE-Nepal	5522143/153		care@carenep.mos.com.np
CEAPRED	5546542, 5520272		info@ceapred.wlink.com.np
CEDA	4331721		ceda@wlink.com.np
CIMMYT	4269564	5548826	
FAO	5523990, 5523239		www.fao.org
FORWARD Nepal	056 527623	056 521523	ctwforward@wlink.com.
GTZ	5523228	5521982	gtz-nepal@gtz.de
Heifer Project International	5250554, 5250841	5250873	heifer.nepal@heifer.org, www.heifernepal.org

Helvetas	5531109, 5522013		www.hevetasnepal.rog.np
ICIMOD	5525313	5524509	icimod@icimod.org.np
			www.icimod.org
IDE/Nepal	5524461, 5548826		ide@ide.wlink.com.np
JICA	5552269, 5552199	5552229	
LI-Bird	061-526834		libird@mos.com.np
Luthern World Federation	4721271	4720225	www.lwfnepal.org
Natural Resources and Agriculture Management Center (NaRAM Center)	01-4880324		naramcenter@yahoo.com
Nepal Agricultural Technicians Association (NATA)	5544174		nata2064@gmail.com
Nepal Permaculture Group	01-4252597		ngp@earthcare.wlink.com.np www.npg.org.np
OXFAM	5530574, 5542881, 5544308		oxnepal@oxfam.org.uk nshakya@oxfam.org.uk www.oxfam.org.uk
Plan International	5535560, 5536431		
Practical Action	4446015		www.practicalaction.org
Royal Everest Coffee	4413959	4410925	
NAST	5543406, 5543416		
RRN	4415418	4418296	rrn@mos.com.np
SAARC	4221785	4226350	
SEAN	4252314	4313805	
SIMI Nepal	5535565, 5521170		simi@wlink.com.np
SNV	5523444,5522915		
SSMP	5543591	5526890	psussmp@wlink.com.np
UNDP	5523200/986		www.undp.org
WHO	5523993, 5523637		registry@who.int
Winrock International	4467087	4476109	winrocknepal@winrock.org.np
World Bank	4226792	4225112	
World Food Programme	5543420		wfp.kathmandu@wfp.org

# ३.१५ जिल्ला कृषि विकास कार्यालयहरू

जिल्ला	जिल्लाको	फोन	टोल फ्रि. नं.	फ्याक्स	ईमेल ⁄ वेभसाइट
	कोड नं.				
ताप्लेजुङ्ग	०२४	४६०१३०/४६०६९९		०२४४६०६९९	dadotpj@gmail.com
पाँचथर	०२४	<u> </u>	<b>१६६०२४५२०००</b>	०२४५२०१३०	dado5thar@gmail.com
ईलाम	०२७	५२००४६, ५२००४७	१६६०२७५२०००	५२००४६	dadoilam@gmail.com
भापा	०२३	४५५०५६/४५५५४६	१६६०२३४४५५५	०२३४५५५४६	dadojhapa@hotmail.com
संखुवासभा	०२९	<u> १६०१३०/४८७</u>	१६६०२९४६४४४	०२९५६०४८७	dado7412@gmail.com
तेह्रंथुम	०२६	४६०१३०/४६०५१३	१६६०२६४६०००	४६०१३०	dadotthum@gmail.com
धनकुटा	०२६	५२०४७ <b>८</b> ∕ २२६		०२६४५२०२२६	dado_dhankuta@yahoo.com
भोजपुर	०२९	४२०१३०/४२०६३०	१६६०२९४२१११	४२०१३०	dadobhojpur@gmail.com
मोरङ्ग	०२१	४२१३४८, ४२६४६८		<i>५२</i> ६५६८	dadomorang@yahoo.com www.dadomorang.gov.np
सुनसरी	०२५	प्र६०१२४/१०६	१६६०२५५६०००	५६०१०६	dadosunsari3@gmail.com
सोलुखुम्बु	०३८	५२०१३०,५२००१५	१६६०३८५२०००	५२०१३०	dadosolu@yahoo.com
ओखलढुङ्गा	०३७	<u> </u>	१६६०३७४,२०००	५२०६०६	dadookhal@yahoo.com www.dadookhaldhunga.gov.np
खोटाङ्ग	०३६	४२०१३०/४२०६२९	१६६०३६४२५५५	४२०१३०	dadokhotang@gmail.com
उदयपुर	०३५	४२०१३०,४२०२६३			dadoudayapur@gmail.com
सप्तरी	०३१	χγοοχο		५२००५०	dadosaptari@gmail.com
सिराहा	033	५२००५०/४९		५२००४९	dadosiraha@yahoo.com
दोलखा	०४९	४२११३०	१६६०४९४२१११	४२११३०	krishidolakha@gmail.com
रामेछाप	०४८	१४००६३	१६६०१०५२४१९	५४०३०८	ramechapdado@gmail.com
सिन्धुली	०४७	<u> ५२०</u> १६६	१६६०४७५२०००	५२०१६६	dadosindhuli@gmail.com
धनुषा	०४१	५ २३७३९	१६६०४१५२२२२	<u>५२२८३९</u>	dadodhanusha@gmail.com

महोत्तरी	oxx	५२०१०३		५२०९६४	
सर्लाही	०४६	५२०१३०	<b>१६६०४६</b> ४२०००	५२००३०	dadosarlai@yahoo.com
रसुवा	oqo	५४०१६३	१६६०१०५४०००	५४०१२८	dadorasuwa@gmail.com
धादिङ्ग	oqo	<b>४२०</b> १२८	<b>१६६०१०५२४</b> १९	५२०४११९	dadodhading@gmail.com
नुवाकोट	oqo	<b>४६०</b> १२८	१६६०१०५६६६६	०१०५६०२१६	dadonuwakot@gmail.com
सिन्धुपाल्चोक	099	६२०१२४	<b>१६६०</b> ११६२०००	६२०३४७	dadosindhu@gmail.com www.dadosindhupalchowk.g ov.np
काभ्रेपलान्चोक	୦୩୩	४९०२०१	<b>१६६०४८</b> ५४३३३	४९०२०१	dadokavre@gmail.com
काठमाण्डौ	09	४८२३६९७	१६६००१८४३८१		agrikath@gmail.com
भक्तपुर	09	५०९२०५४	१६६००१९२२१७	५०९२२१७	bktdado@gmail.com
ललितपुर	09	<u> </u>	१६६००१३४६१६	प्रप्र३४६१६	dadolalitpur@gmail.com
चितवन	०५६	प्र२०११प्र, प्र२६२२६	<b>१६६०</b> ५६५२११५	५२२५३४	dadochitwan@gmail.com
मकवानपुर	०५७	५२११०४,	<b>१६६००५७५२२२</b> २	०५७५२०४६६	dadomakawanpur@gmail.com
पर्सा	०५१	५२२३०४	<b>१६६०५१५२०००</b>	<i>५२</i> १८७९	dadoparsa@yahoo.com
बारा	०५३	५५००१७	<b>१६६०५३५५००</b> ०	<u>५</u> ५१२१७,५५०७५९	dado.bara@yahoo.com
रौतहट	οχχ	५२०००१,	१६६०५५५२१११	५२०३७०,५२०९९	dadorautahat@gmail.com
गोरखा	०६४	४२०११३	१६६०-६४-४२११३	४२१५९४	gorkhadado@yahoo.com
तनहुँ	०६५	५६०१३०	१६६०-६५-६०१३०	५६०१३०	dadotanahun@yahoo.com
मनाङ्ग	०६६	४४०२१३	१६६०-६६- ४४१११	४४०२१३	dadomanang@yahoo.com
लमजुङ्ग	०६६	५२०१३०,५२०१००	१६६०-६६-५२०१३	५२०३१५	dadolamjung@gmail.com
कास्की	०६१	४६१०७४,४६१२५०	१६६०-६१-५२०००	४६१०७४	dadokaski@yahoo.com
स्याङ्गजा	०६३	४२०१३०	<b>१६६०६३४२०००</b>	४२०१३०	dadosyangja@yahoo.com
पर्वत	०६७	४२०१३०, ४२०५२३	१६६०-६७-४२०१३०	४२०५२३	dadoparbat@gmail.com
म्याग्दी	०६९	४२०१३०, ४२०६३०	१६६०-६९-५२०००	५२०६३०	dadomyagdi@gmail.com

मुस्ताङ्ग	०६९	४४०१३०	१६६०-६९-४४०००	४४०१३०	dadomustang@gmail.com
वाग्लुङ्ग	०६८	४२०१३०, ४२०२९०	१६६०-६ <b>८</b> - ५२०००	५२०११९	dadobaglung@gmail.com
गुल्मी	०७९	<u> ५२०</u> १२६	<b>१६६०७९</b> ४२००	५२०४३३	dadogulmi@gmail.com
अर्घाखाँची	000	<b>გ</b> 8 <b>0 %</b> 3 \$	१६६०-७७- ४२०००	४२०१२६	dadoarghakhanchi@gmail.com
पाल्पा	०७४	५२०१४४	<b>१६६०७</b> ४४२००	५२०२९४	dadoplpa@gmail.com
नवलपरासी	०७ <del>८</del>	<u> </u>	१६६०-७८-५२१०६	५२०१०६	dadonawalparasi@gmail.com
रुपन्देही	०७१	<u> </u>	१६६०-७१-५२०००	५२०९१७	dadorup@gmail.com
कपिलवस्तु	०७६	५६००२३, ५६००६३	<b>१६६०-७६-५६०००</b>	५६००६३	dadokapilvastu@yahoo.com
रुकुम	055	५३००१९		५३००१९	dadorukum@gmail.com
रोल्पा	०८६	४४०११८	<b>१६६०६८४४४४४</b>	४४०३०२	dadorolpa@yahoo.com
सल्यान	055	५२०१३०	१६६०८८५२०००	५२०१३०	
प्यूठान	०८६	४२००५२	१६६०=६४२०००	४२००५२	dadopyuthan@yahoo.com
दाङ्ग	०८२	<b>५६००२</b> ५	<b>१६६०८२</b> ४६३३३	५६०१३०	dadodang@gmail.com
दैलेख	०८९	४२०१४५	१६६०८९४२०००	४२०१८६	dado.dailekh@gmail.com
जाजरकोट	०८९	४३०१२५		४३०१२५	dadojajarkot121@gmail.com
सुर्खेत	०८३	<u> </u>	१६६०८३४२०००	५२०३०५	giribkskt@yahoo.com
बाँके	०८१	५२००२७	<b>१६६०८१</b> ४२०००	५२००४५	dadobanke@gmail.com
वर्दिया	०८४	४२०१०७	१६६०८४४२०००	४२०९४६	dado_bardiya@yahoo.com www.dadobardiya.gov.np
जुम्ला	०८७	५२००२७	<b>१६६०८७</b> ५२००		dadojumla2013@gmail.com
डोल्पा	०८७	५५००९९		५५००९९	dadodolpa@gmail.com
कालीकोट	০ৢৢৢ	४४०११८	१६६०८७४४४४४	४४०२०९	kharelyp@gmail.com
मुगु	০ৢৢৢ	४६००८६		४६००८६	braham_sah@yahoo.com
हुम्ला	০ৢৢৢ	६८००११			
बभाङ्ग	०९२	४२१०४५		४२१०४५	dado.bajhang@yahoo.com

बाजुरा	०९७	<u>५४१०१४/५४२२१४</u>		५४१०१४	bajuradado@yahoo.com
डोटी	०९४	४२०१२६		४२०१२६	dadodoti80@gmail.com
अछाम	०९७	६२०१४१/६२०१८७		६२०१४१	dadoacham@rocketmail.com
कैलाली	०९१	५२११२४	<b>१६६०९१</b> ४२११२	प्र२१२२७	dadokailali@gmail.com
दार्चुला	०९३	४२०४४७	<b>१६६०९३४२०००</b>	४२०१४१	dadodarchula@yahoo.com
डडेल्धुरा	०९६	४२०६८१		४२०४८१	dadodadeldhura@yahoo.com www.dadodadeldhura.gov.np
बैतडी	०९५	५२०१५४		४२००५४	dadobaitadi2027@gmail.com
कन्चनपुर	०९९	४२२१८३/ ४२१२४२	१६६०९९५२३०	४२२१८३	dadokanchanpur@gmail.com www.dadokanchanpur.gov.np

## ३.१६ जिल्ला पशु सेवा कार्यालयहरू

जिल्ला	जिल्लाको	फोन	फ्याक्स	ईमेल
	कोड नं.			
ताप्लेजुङ्ग		४६०१७६		dlso_taplejung@dls.gov.np
पाँचथर	०२४	५२०१२७/४६९		dlso_panchthar@dls.gov.np
ईलाम	०२७	५२००४३		dlso_ilam@dls.gov.np
भापा	०२३	<u>४२००८७</u>		dlso_jhapa@dls.gov.np
संखुवासभा	०२९	५६०१५९		dlso_sankuwasabha@dls.gov.np
तेह्रंथुम	०२६	४६०१२७		dlso_terhathum@dls.gov.np
धनकुटा	०२६	५२०२८३/२८०		dlso_dhankuta@dls.gov.np
भोजपुर	०२९	४२०१२९		dlso_bhojpur@dls.gov.np
मोरङ्ग	०२१	४७१९५८		dlso_morang@dls.gov.np
सुनसरी	०२५	<u> ५६०१६२</u>		dlso_sunsari@dls.gov.np
सोलुखुम्बु	०३८	५२०१०३		dlso_solukhumbu@dls.gov.np

प्राण जायरा श्र			
ओखलढुङ्गा	०३७	५२०२१०	dlso_okhaldhunga@dls.gov.np
खोटाङ्ग	०३६	४२०१०७	dlso_khotang@dls.gov.np
उदयपुर	०३५	४२०१२९	dlso_udayapur@dls.gov.np
सप्तरी	०३१	५२०३०८/१४२	dlso_saptari@dls.gov.np
सिराहा	033	४२०००८/०५८	dlso_siraha@dls.gov.np
दोलखा	०४९	४२१११५	dlso_dolakha@dls.gov.np
रामेछाप	०४८	१४००३२	dlso_ramechhap@dls.gov.np dlsoramechhap48@gmail.com
सिन्धुली	०४७	<b>५२०</b> १८५	dlso_sindhuli@dls.gov.np
धनुषा	०४१	५२०१७९	dlso_dhanusa@dls.gov.np vetjnk@yahoo.com
महोत्तरी	OXX	५२००७३	dlso_mahottari@dls.gov.np dlsomahottari@gmail.com
सर्लाही	०४६	५२०१४५	dlso_sarlahi@dls.gov.np dlsosarlahi@yahoo.com
रसुवा	090	५४०१२९ (P/F)	dlso_rasuwa@dls.gov.np
धादिङ्ग	090	५२०१०७	dlso_dhading@dls.gov.np
नुवाकोट	090	<b>४६००</b> १२	dlso_nuwakot@dls.gov.np
सिन्धुपाल्चोक	୦୩୩	६२०११४	dlso_sindhupalchowk@dls.gov.n p
काभ्रे	०११	४९०२६६	dlso_kavre@dls.gov.np dr.samjhana@yahoo.com
काठमाण्डौ	09	४०३२२०१ ४०३२१३७ <sub>-</sub> F	dlso_kathmandu@dls.gov.np
भक्तपुर	09	६६१००२२	dlso_bhaktapur@dls.gov.np dlsobhaktapur@yahoo.com
ललितपुर	09	प्रप्र ४७३७७ (P/F)	dlso_lalitpur@dls.gov.np
चितवन	०५६	५२०१७६	dlso_chitwan@dls.gov.np dlsochitwan1@yahoo.com
मकवानपुर	०५७	<u> ५२०७२८</u>	dlso_makwanpur@dls.gov.np
.14.11.13.	3,3	7 /3 5 /4	

	1	1		1
पर्सा	०५१	<b>५२२</b> ५५१		dlso_parsa@dls.gov.np dlsoparsa@yahoo.com
बारा	охз	५५००४१		dlso_bara@dls.gov.np
रौतहट	०५५	<u> </u>		dlso_rautahat@dls.gov.np
गोरखा	०६४	४२०२७३		dlso_gorkha@dls.gov.np
तनहुँ	०६४	प्र६०२०५,प्र६०१३० F)		dlso_tanahu@dls.gov.np
मनाङ्ग	०६६	४४०११३		dlso_manang@dls.gov.np
लमजुङ्ग	०६६	५२०१३१ / ५२१२३१ /		dlso_lamjung@dls.gov.np
कास्की	०६१	५२००८२		dlso_kaski@dls.gov.np
स्याङ्गजा	०६३	४२०१०८		dlso_syangja@dls.gov.np
पर्वत	०६७	४२०१२३		dlso_parwat@dls.gov.np
म्याग्दी	०६९	५२०१२१ (P/F)		dlso_myagdi@dls.gov.np
मुस्ताङ्ग	०६९	४४०१२१		dlso_mustang@dls.gov.np
वाग्लुङ्ग	०६८	५२०१२१ (P/F)		dlso_baglung@dls.gov.np
गुल्मी	०७९	५२०२२७ (P/F)		dlso_gulmi@dls.gov.np
अर्घाखाँची	099	४२००६२, ४२००७२(F)		dlso_arghakhanchi@dls.gov.np
पाल्पा	०७४	ሂ२୦१४ <b>ሂ</b> (P/F)		dlso_palpa@dls.gov.np
नवलपरासी	०७८	५२०१४९, ५२०८८७ (F)		dlso_nawalparasi@dls.gov.np
रुपन्देही	०७१	५२०२०६		dlso_rupandehi@dls.gov.np
कपिलवस्तु	०७६	<u> ५६००२१</u>		dlso_kapilvastu@dls.gov.np
रुकुम	055	५३००१०	५३००१०	dlso_rukum@dls.gov.np dlsorukum@yahoo.com
रोल्पा	०८६	४४००५६	४४००५६	dlso_rolpa@dls.gov.np dlsorolpa@yahoo.com
सल्यान	०८८	प्र२००६२	५२००६२	dlso_salyan@dls.gov.np

				dlsosalyan@yahoo.com
प्यूठान	०८६	४२००१४	४२००७३	dlso_pyuthan@dls.gov.np pyuthandlso@yahoo.com
दाङ्ग	०८२	५६००२१	५६३३०४	dlso_dang@dls.gov.np dlsodang@yahoo.com
दैलेख	०८९	४२०१४८	४२०५८५	dlso_dailekh@dls.gov.np dlsodailekh148@gmail.com
जाजरकोट	०८९	830030	¥30030	dlso_jajarkot@dls.gov.np dlsojajarkot@gmail.com
सुर्खेत	೦೯३	<u> ५२०२८८</u>	५२३६४७	dlso_surkhet@dls.gov.np dlsosurkhet@yahoo.com
बाँके	०८१	<i>५२०२५४</i>	५२०२५४	dlso_ banke@dls.gov.np dlsobanke@gmail.com
बर्दिया	०८४	४२१०८२	४२०२२९	dlso_bardiya@dls.gov.np dlso_bardiya@yahoo.com
जुम्ला	०८७	५२००२८	५२००२८	dlso_jumla@dls.gov.np dlsojumla@yahoo.com
डोल्पा	०८७	<u> ५५००५२</u>	४५००५२	dlso_dolpa@dls.gov.np dolpadlso@gmail.com
कालीकोट	०८७	४४००२३	४४००२७	dlso_kalikot@dls.gov.np dlsokalikot@yahoo.com
मुगु	०८७	४६००७६	४६००७६	dlso_mugu@dls.gov.np dlsomugu@yahoo.com
हुम्ला	०८७	६८००१०	६८००१०	dlso_humla@dls.gov.np dlsohumla@yahoo.com
बभाङ्ग	०९२	४२१०५०,५२८९२ ८ (F)		dlso_bajhang@dls.gov.np
बाजुरा	०९७	५४१०६४		dlso_bajura@dls.gov.np
डोटी	०९४	४२०११४		dlso_doti@dls.gov.np
अछाम	०९७	६२०१०२ (P/F)		dlso_aacham@dls.gov.np
कैलाली	०९१	<u>५५२</u> ११४		dlso_kailali@dls.gov.np
दार्चुला	०९३	४२०१०४		dlso_darchula@dls.gov.np

डडेल्धुरा	०९६	४२०११४	dlso_dadeldhura@dls.gov.np
बैतडी	०९५	५२९३०६	dlso_baitadi@dls.gov.np
कञ्चनपुर	०९९	५२११ <i>७</i> ६	dlso_kanchanpur@dls.gov.np

### 8. कृषिसँग सम्बन्धित नीति तथा ऐन नियमहरू

कृषि विकासको गतिलाई सहज बनाउन कृषि सम्बन्धी नीति, नियमहरुको महत्वपूर्ण स्थान रहेको हुन्छ । सरकारको प्रथमिकता, प्रतिवद्धता र नियमन गर्ने कार्यलाई व्यवस्थित गर्न कृषिका विभिन्न नीति ऐन र नियमहरुले समेटेका हुन्छन् । हालसम्म तर्जुमा भएका यस्ता नीति ऐन र नियमहरु निम्न छन् । यी समाग्रीहरु कृषि विकास मन्त्रालय र अन्तर्गतका सम्बन्धित निकायहरुको प्रकाशन/वेवसाइटहरुमा उपलब्ध छन् ।

#### नीतिहरु

- १. राष्ट्रिय कृषि नीति, २०६१
- २. कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन नीति, २०६३
- ३. कृषि जैविक विविधता नीति, २०६३
- ४. राष्ट्रिय चिया नीति, २०५७
- ५. राष्ट्रिय कफि नीति, २०५७
- ६. द्ग्ध विकास नीति, २०६४
- ७. राष्ट्रिय बीउ बिजन नीति, २०५६
- त. राष्ट्रिय मल नीति, २०५८
- ९. सिँचाइ नीति, २०६०
- १०. पन्छीपालन नीति, २०६८
- ११. खर्क नीति, २०६८
- १२. पुष्प प्रवर्द्धन नीति, २०६९
- १३. राष्ट्रिय भू-उपयोग नीति, २०६९
- १४. राष्ट्रिय सहकारी नीति, २०६९
- १५. वाणिज्य नीति, २०६५
- १६. जलवाय परिवर्तन नीति, २०६७
- १७. औद्योगिक नीति, २०६७
- १८. आपूर्ति नीति, २०६९
- १९. विज्ञान तथा प्रविधि नीति, २०६१
- २०. जैविक प्रविधि नीति, २०६३

#### ऐनहरु

- १. खाद्य ऐन, २०२३
- २. आमाको दुधलाई प्रतिस्थापन गर्ने वस्तु (विक्री वितरण नियन्त्रण) ऐन, २०४९
- ३. आयोडिनय्क्त नून (उत्पादन तथा विक्री वितरण) ऐन, २०५५
- ४. दाना पदार्थ ऐन, २०३३
- ५. पेटेन्ट डिजायन र टेडमार्क ऐन, २०२२
- ६. जलचर संरक्षण ऐन, २०१७
- ७. करार ऐन, २०५६
- बीउ विजन ऐन, २०४५
- ९. जीवनाशक विषादी ऐन, २०४८
- १०. बिरुवा संरक्षण ऐन, २०६४
- ११. पशु स्वास्थ्य तथा पशु सेवा ऐन, २०५५
- १२. पश् वधशाला र मास् जाँच ऐन, २०५५
- १३. सहकारी ऐन, २०४८
- १४. नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद ऐन, २०४८
- १४. नेपाल पश् चिकित्सा परिषद ऐन, २०४४
- १६. राष्ट्रिय चिया तथा किफ विकास बोर्ड ऐन, २०४९
- १७. राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड ऐन, २०४८
- १८. राष्ट्रिय सहकारी विकास वोर्ड ऐन, २०४९

#### नियमावलीहरु

- १. खाद्य नियमावली, २०२७
- २. दाना पदार्थ नियमावली, २०४१
- ३. बीउ बिजन नियमावली, २०५४
- ४. जीवनाषक विषादी नियमावली, २०५०
- ५. सिँचाई नियमावली, २०५६
- ६. पशु स्वास्थ्य तथा पशु सेवा नियमावली, २०५६
- ७. पशु वधशाला र मासु जाँच नियमावली, २०५६
- सहकारी नियमावली, २०४९
- ९. नेपाल पश् चिकित्सा परिषद् नियमावली, २०५७

#### आदेशहरु

- १. रासायनिक मल नियन्त्रण आदेश, २०५५
- २. चन्द्रडाँगी बीउ बिजन तथा द्ग्ध विकास समिति (गठन) आदेश, २०५२
- ३. कालीमाटी फलफुल तथा तरकारी बजार विकास समिति (गठन) (तेस्रो संशोधन) आदेश, २०६३
- ४. कपास विकास समिति (गठन) आदेश, २०३७
- ५. पशु आहारा उत्पादन विकास समिति (गठन) आदेश, २०४१
- ६. बर्डफ्ल् रोग नियन्त्रण आदेश, २०६४

## ५. तेह्रौ योजनाको आधारपत्रमा उल्लेखित कृषि क्षेत्रका नीतिहरू

क्षि क्षेत्रमा भएका विगतका प्रयासहरुबाट केही हदसम्म उपलब्धि हाँसिल गरिएको छ । खाद्यान्न बालीको वार्षिक उत्पादन आ.व.२०६८/६९ मा ९४५८ हजार मे. टन उत्पादन भएको र आ.व. २०६९/७० मा ८७३८ हजार मे.टन मात्र उत्पादन भएको छ । फलफूल उत्पादनतर्फ आ.व.२०६८/६९ मा ८८६ हजार मे.टन उत्पादन भएको छ र आ.व. ६९/७० मा १०८७ हजार मे.टन उत्पादन भएको छ । दुध तथा मास् उत्पादनतर्फ आ.व. २०६९/७० मा ऋमश: १६८१ हजार मे.टन र २९५ हजार मे.टन वार्षिक उत्पादन भएको छ । कृषि क्षेत्रको समग्र विकासका लागि २० वर्षको लक्ष्य राखी कृषि विकास रणनीति तयार गर्ने कार्य अन्तिम अवस्थामा प्गेको छ । अन्तर्राष्ट्रियस्तरमा खाद्यान्न तथा खाद्य पदार्थमा भएको मुल्यवृद्धि तथा अपर्याप्त आपूर्ति, य्वावर्ग तथा आर्थिकरुपले सिक्रय जनशक्ति दिनान्दिन विदेशिने क्रम बहुदै जाँदा कृषि क्षेत्रमा बहुदै गएको श्रम शक्तिको अभाव, उर्वर कृषि भूमिको गैरकृषि प्रयोजनमा बढ्दो उपयोग, जलवाय परिवर्तनको नकारात्मक प्रभावले कृषि क्षेत्रमा आशातित उपलब्धि हासिल गर्न च्नौतीपूर्ण रहेको छ । त्यसैगरी उत्पादनका सामग्रीहरूको पर्याप्त आपूर्ति नहुनु, ग्रामीण तथा भौतिक पूर्वाधारहरुको अपर्याप्तता, साना, खण्डित र अव्यवस्थित भू उपयोगको अबस्था, आवश्यक ज्ञान, प्रविधि तथा श्रमशक्ति सर्वसलभ नहन्, उत्पादनको उपयक्त बजार तथा मुल्य पाउन नसक्न्, उत्पादनमा विविधिकरण, प्रतिस्पर्धी र बजारम्खी हुन नसक्न्, जीवनाशक विषादी र भेटेरिनरी औषधीको सुरक्षित प्रयोगबारे पर्याप्त जानकारी नहन्, अनुसन्धान, शिक्षा र प्रसारबीचको त्रिपक्षीय सम्बन्धलाई मजब्त त्ल्याई अन्सन्धानबाट विकास भएका प्रविधिहरु पर्याप्त मात्रामा विस्तार हुन नसक्न जस्ता समस्याहरु विद्यमान छन्।

#### उद्देश्य

- कृषि तथा पशुपंक्षीजन्य वस्तुको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने ।
- २. कृषि तथा पशुपंक्षीजन्य उत्पादनलाई प्रतिस्पर्धी र व्यावसायिक बनाउने ।
- जलवायु परिवर्तनकानकारात्मक असर न्यूनीकरण गर्ने वातावरणमैत्री कृषि प्रविधिहरुको विकास र विस्तार गर्ने ।
- ४. कृषि जैविक विविधताको संरक्षण, सम्वर्धन एवम् सदुपयोग गर्ने ।

#### रणनीति

- कृषिको व्यवसायीकरण, विविधीकरण, गुणस्तर प्रवर्द्धन र ग्रामीण पूर्वाधारहरुको विकास र यान्त्रीकरणको माध्यमवाट कृषि र पशुजन्य वस्तुहरुको उत्पादन गरी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित गर्ने ।
- २. कृषि तथा पश्पंक्षीजन्य उत्पादनको लागत कमगरी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता

बहाउने ।

- कृषि तथा पशुपंक्षीजन्य उत्पादनलाई अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा प्रतिस्पर्धी बनाउन गुणस्तर निर्धारण गर्ने ।
- ४. संभाव्य र उपयुक्त क्षेत्रहरुमा कृषकहरुलाई कम आयातन तर उच्च मूल्यका बाली वस्तु उत्पादन गर्न प्रोत्साहन गरी मूल्य अभिवृद्धि हुने प्रशोधनमा आधारित कृषि तथा पशजन्य उद्योगको विकासमा जोड दिने ।
- ५. गुणस्तर परीक्षण, प्रशोधन, अनुगमन र नियमनलाई स्थानीय स्तरका जनताको पहुँच हुने गरी प्रभावकारी बनाउदै बजारीकरणलाई प्रवर्द्धन गर्ने ।
- ६. कृषिजन्य जैविक विविधताको संरक्षण सम्बर्द्धन तथा सदुपयोग गर्दै जलवायु परिवर्तनका नकरात्मक असर न्यूनीकरण गर्न अनुसन्धानमा आधारित वातावरणमैत्री कृषि प्रविधिहरुको विकास एवम् विस्तार गर्ने ।
- ७. कृषिलाई सम्मानजनक र आकर्षक पेशाको रुपमा विकास गरी युवाजनशिक्तिलाई व्यावसायिक कृषितर्फ आकर्षण गर्ने ।
- अनुसन्धानबाट विकास भएका प्रविधिहरुको विस्तारमा कृषि क्षेत्रमा कार्यरत सम्पूर्ण सरकारी, गैरसरकारी तथा शैक्षिक संस्थाहरुबीच अन्तरिनकाय समन्वय र सहकार्य कायम गर्दै कार्यान्वयनपक्षलाई नितजाउन्मुख बनाउने ।

#### कार्यनीति

- 9. कृषि क्षेत्रको व्यावसायीकरण, गुणस्तर परीक्षण, अनुगमनका क्षेत्रमा उपयुक्त प्रविधिको उपयोग गर्न सक्ने कृषक, युवा, उद्यमी तथा विज्ञहरुको क्षमता विकास गर्दै लिगिनेछ ।(१)
- २. सम्भाव्य क्षेत्रहरुमा कम आयतन भएका उच्च मूल्यका उपजहरुको छनौट गरी उत्पादन वृद्धि गर्न प्रोत्साहित गरिनेछ ॥१)
- ३. युवामैत्री आधुनिक प्रविधिको प्रयोगद्वारा व्यावसायिक उत्पादनमा जोड दिइनेछ । (१)
- ४. कृषि क्षेत्रमा रहेको श्रम शक्तिको अभावलाई सम्बोधन गर्न यान्त्रीकरणसम्बन्धी नीति निर्माण गरी कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । (१)
- प्र. युवा तथा कृषक उद्यमीहरुलाई आवश्यक पर्ने ज्ञान, सीप र लगानीको वातावरण सिर्जना गरी ग्रामीण कृषि पर्यटनको विकासमा युवा तथा कृषक उद्यमीहरुलाई आकर्षित गरी लगानीको वातावरण मिलाइनेछ।(१)
- सतह तथा भूमिगत सिँचाइ र वर्षाको पानी सङ्कलन तथा सिँचाइका उपयुक्त
  प्रविधिहरुको प्रयोग गरी वर्षेभिर सिँचाइ सुविधा उपलब्ध गराउने प्रक्रिया अगाडि
  बढाइनेछ ।(१)
- ७. ग्रामीण क्षेत्रमा कृषि तथा पशुजन्य वस्तु उत्पादन अभिवृद्धि गर्न थोक बजार, कृषि सडक, विद्युत्, सञ्चार, गोदाम घर, शीतघर, सङ्कलन केन्द्र, पशु हाट बजारजस्ता आवश्यक पर्वाधारहरुको विकास गरिनेछ।(१)

- म्ह. खाद्यान्त उत्पादन न्यून हुने तथा खाद्य पोषण असुरक्षित क्षेत्रमा स्थानीय स्तरमै स्थानीय, स्रोत, साधन, श्रम र प्रविधिको प्रयोग भई उत्पादन गर्न सिकने कृषि र पशुपंक्षीजन्य उत्पादन प्रवर्द्धन तथा उपयोगमा जोड दिई सुरक्षित खानिपन र पौष्टिक तत्वको उपयोग वढाउन विशेष चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।(१)
- ९. कृषि तथा पशुपंक्षीजन्य विकासका कार्यक्रमहरु तर्जुमा गर्दा भू-उपयोग नीतिको आधारमा उपलब्ध जीमनको अधिकतम उपयोग हुने गरी उत्पादन वृद्धिका कार्यक्रमहरु तर्जमा गरिनेछ । (१)
- तर्जुमाको क्रममा रहेको २० वर्षे कृषि विकास रणनीति क्रिमिकरुपमा कार्यान्वयन गर्दे लिगिनेछ ।
- ११. कृत्रिम गर्भाधान तथा घाँसेबाली अभियानजस्ता कार्यक्रमलाई व्यापक बनाइनेछ । (२)
- १२. स्रोत तथा प्रमाणित बीउ र उन्नत नश्लका पशुपंक्षी उत्पादन गर्ने सरकारी तथा निजी फार्म केन्द्रहरुको सुदृढीकरण गरी स्तरीय बीउ र नश्ल उत्पादनलाई प्राथिमकता दिइनेछ ।(२)
- १३. उत्पादन सामग्रीहरुको सहज आपूर्तिको व्यवस्था गरी कृषि तथा पशु बीमा, सहुलियतपूर्ण कृषि ऋण, कृषि तथा पशुजन्य उद्योगको उपकरणमा अनुदानको व्यवस्थागरी व्यापारमा कर सुविधा उपलब्ध गराई प्रतिस्पर्धी बनाइनेछ । (२)
- 9४. सङ्क्रामक पशुपंक्षी रोगबाट हुने नोक्सानीलाई न्यूनीकरण गरी पशुजन्य उत्पादनको लागत घटाउन आवश्यक खोप स्वदेशमानै उत्पादन गरी अभियानमुखी खोप कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । (२)
- १५. कृषि बजार ऐन तर्ज्मा गरी लागू गरिनेछ । (२)
- १६. साना तथा सीमान्तकृत कृषकलगायत वन उद्यमी तथा व्यवसायीका लागि सरल ढङ्गवाट ऋण सुविधा उपलब्ध गराईनेछ । (२)
- १७. कृषि तथा पशुजन्य उत्पादनहरुको माग र आपूर्तिवीच सामञ्जस्यता ल्याउन मूल्य अभिवृद्धि शृङ्खलाको अवधारणा अङ्गिकारगरी उपभोक्ता, कृषक र सरोकारवाला मध्यस्थकर्ताहरुको सामूहिक हित प्रवर्द्धन गर्ने कार्यमा जोड दिइनेछ । (२)
- १८. विगतका कृषि तथा पशुपालनसम्बन्धी अनुभवका आधारमा स्पष्ट मापदण्ड तयार गरी कृषि र पशुपंक्षीजन्य उत्पादनको गुणस्तर निर्धारण गरिनेछ । (३)
- १९. राष्ट्रिय व्यापार एकीकरण रणनीति, २०१० ले निर्धारण गरेका निर्यातयोग्य बाली/वस्तुहरुको प्रवर्द्धन गरिनेछ। (३)
- २०. तुलनात्मक लाभका आधारमा उच्च उत्पादन सम्भाव्य कृषि उपजहरुको छनौट एवम् उत्पादन वृद्धिमा जोड दिइ त्यस्ता वस्तुहरुको 'पेटेन्ट राइट' सुरक्षित गरी प्रतिस्पर्धी बनाइनेछ।(४)

#### किं डायरी २०७१

- २१. अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा खपत हुने उच्च मूल्यका वस्तु र बालीहरुको प्राङ्गारिक खेतीलाई प्रोत्साहित गर्न उत्पादनको ब्रान्ड प्रवर्द्धन तथा प्रमाणीकरणको व्यवस्था मिलाइनेछ । (४)
- २२. स्वदेशमा पाइने जडीबुटीहरुको उपयोग गरी बोटबिरुवा तथा पशुपंक्षीहरुको उपचार गर्ने प्रविधि विकास गरिनेछ ।(४)
- २३. निजी उद्यमी र सहकारी क्षेत्रको संलग्नता बढाउँदै करार खेती तथा सहकारी खेतीलाई प्राथमिकता दिईनेछ ।(४)
- २४. खाद्य प्रशोधन उद्योगलाई लक्षित गरी गुणस्तरलगायत प्राविधिक समस्या समाधानका लागि अध्ययन अनुसन्धान कार्यक्रम सञ्चालन गर्न जोड दिइनेछ।(४)
- २५. मत्स्य पालन कार्यक्रमलाई मध्य पहाडमा विस्तार गरिनुका साथै तराईमा उपलब्ध जलाशय, डोल क्षेत्र, पोखरीमा साना भूमिहीन तथा सीमान्तकृत कृषकहरुलाई लक्षित गरी सहकारीतामा आधारित मत्स्यपालनका कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । ( ४)
- २६. कृषि सडक, बिजुली, सञ्चार, गोदामघर, शीतभण्डार, सङ्कलन केन्द्र, थोक बजार र बाहय क्षेत्रमा बजार सञ्जाल विकास र विस्तार गरिनेछ ॥५)
- २७. आधुनिक सूचना प्रविधिको सञ्जाल विकास गरी स्थानीय स्तरसम्म कृषि तथा पश्पंक्षी बजारमा सूचनाको पँहच बढाइनेछ । (४)
- २८. बाली तथा वस्तुको व्यावसायिक उत्पादन हुने क्षेत्रलाई एकीकृत पकेट क्षेत्र घोषणा गरी कृषकलाई एकीकृत सेवा सर्वसुलभरुपमा प्रदान गरिनेछ । (४)
- २९. राष्ट्रिय केन्द्रियस्तरका खाद्य, पशुरोग, विउविजन, माटो परीक्षण र बाली संरक्षणजस्ता प्रयोगशालाको सुदृढीकरण गरिनेछ । (५)
- ३०. अन्तर्राष्ट्रिय ऐन, नियम, महासन्धि, सन्धिसँग सामञ्जस्यता कायम गरेर कृषि तथा पशुजन्य वस्तु एवम् सेवा सुविधा नियमनमा समसामयिक परिमार्जन गरी मापदण्ड तथा गणस्तरमा सधार ल्याइनेछ । (५)
- २१. जीवनाशक विषादि, भेटेरिनरी औषधी, एन्टिवायोटिक, रासायनिक हर्मोनको सही उपयोग गरिनेछ।(४)
- ३२. विषादीबाट मानव स्वास्थ्यमा हुने दुरगामी दुष्प्रभावलाई न्यून गर्न एकीकृत शत्रु जीव व्यवस्थापन प्रविधि अपनाई रासायनिक विषादीको प्रयोग कम गर्दे लगिनेछ ।(५)
- ३३. उपलब्ध प्रविधिको प्रयोग गर्दै जलवायु परिवर्तनबाट पर्ने नकारात्मक असर न्यूनीकरण र अनुकुलनका प्रविधि तथा अभ्यासहरुलाई प्रवर्द्धन गरिनेछ । (६)
- ३४. कृषि जैविक विविधताको संरक्षण तथा सम्वर्द्धन तथा उपयोग गरिनेछ। (६)
- ३५. स्वदेशी ज्ञान र आनुवंशिक /प्राकृतिक स्रोतको संरक्षण र सदुपयोग गर्न उपयुक्त प्रविधि तथा पूर्वाधारको विकास गरिनेछ । (६)
- ३६. युवा जनशक्तिलाई प्रविधि, सीप र पूँजी उपलब्ध गराई कृषि क्षेत्रमा आकर्षित गर्दै कृषि पेशालाई सम्मानित बनाईनेछ । (७)

- ३७. कृषि व्यवसाय सञ्चालन गर्न पूँजीगत अनुदान तथा सहुलियतपूर्ण ऋण उपलब्ध गराई कृषि उद्यम सञ्चालनको लागि आवश्यक उद्यम विकास र सीपमूलक तालिम दिने व्यवस्था मिलाईनेछ । (७)
- ३८. प्राविधिकहरु र कृषक ∕कृषि उद्यमी तथा सरोकारवालाहरुको क्षमता अभिवृद्धि गर्न जोड दिइनेछ । (७)
- ३९. बाँभो रहेको जिमन कृषि कार्यमा उपयोग गर्न तथा टुकिएका जिमनहरूको चक्लाबन्दी गरी व्यावसायिक कृषिकार्यमा प्रयोग गर्नका लागि कवुलियती भूमि बैङ्ग (Land Leasing Bank) स्थापना गरिनेछ । (७)
- ४०. कृषि क्षेत्रको आवश्यकता अनुसार आधारभूत, व्यावहारिक र अनुशरणीय अध्ययन, अनुसन्धानकार्यलाई प्राथमिकताका साथ अधि बढाइनेछ ।(८)
- ४९. स्वदेशमै वर्णशङ्कर बीउ (हाइब्रिड) अनुसन्धान तथा उत्पादन कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिइनेछ। (८)
- ४२. कृषि अनुसन्धान कार्यक्रमहरुलाई विश्व व्यापार सङ्गठन एवम् क्षेत्रीय स्तरका व्यापार सम्भौताहरुबाट प्राप्त अवसरको अधिकतम लाभ लिनेतर्फ उन्मुख गरिनेछ (८)
- ४३. कृषि अनुसन्धान परिषद् र मातहतका अनुसन्धान केन्द्रहरुबाट सिफारिस भएका नतिजाका आधारमा स्थानीय स्तरमा कृषि प्रसारका कार्यक्रमहरु समन्वयात्मक रुपमा सञ्चालन गरिनेछ । (८)
- ४४. स्थानीय निकाय मातहत रहने गरी प्रत्येक गाउँ विकास समितिमा कृषि तथा पशुसेवा प्रसार केन्द्र स्थापना गरिनेछ । यस्ता केन्द्रमा कृषि तथा पशुसेवा प्राविधिकको व्यवस्था गरिनेछ । (८)
- ४५. कृषि तथा पशु सेवासम्बन्धी कार्यक्रममा संलग्न राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी सङ्घसंस्था, विश्वविद्यालय तथा स्थानीय निकायहरुको आपसी समन्वय एवम् सहकार्यलाई प्रभावकारी बनाइनेछ । (८)
- ४६. खाद्य सम्प्रभुता ऐन जारी गरी कार्यान्वयन गरिनेछ।

#### अपेक्षित उपलब्धी

कृषि अनुसन्धान, प्रसार प्रविधि र सामग्रीको समन्वयात्मक प्रयास तथा व्यापक उपयोगवाट आवधिक योजनाको अन्तिम वर्षसम्म प्रतिव्यक्ति प्रति वर्ष उत्पादन खाद्यान्न बाली ३८९ के.जी., दलहन १६.५ के.जी., फलफूल ३४ के.जी., तरकारी १२३ के.जी., आलु ८६.६ के.जी., माछा २.७ के.जी., दूध ७२.१ के.जी. र मासु ११.८ के.जी. पुगेको हुनेछ ।

### ६. बाली तथा पशुपंक्षी बीमा

बीमा ऐन, २०४९ को दफा ८(घर) ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी बीमा समितिले कृषि विकास मन्त्रालयको सहयोग र समन्वयमा बाली तथा पश्पंक्षी बीमा निर्देशन, २०६९ जारी गरेको छ । यो निर्देशन वि.सं.२०६९ साल माघ १ गतेदेखि लाग भएको छ । निर्देशन जारी भएसँगै समितिले धान बाली, तरकारी खेती, फलफुल खेती, आल खेती. पशधन, पंक्षी र माछा बीमालेखको ढाँचा तथा अन्य व्यवस्था तोकिसकेको छ । बीमा शुल्कको पचास प्रतिशत रकम नेपाल सरकारले व्यहोर्ने व्यवस्था समेत भई सकेको छ । ईच्छक बीमा कम्पनी (बीमक) हरुले निर्देशनको अधिनमा रही बीमा समितिबाट स्वीकृति लिएर बाली तथा पश्पंक्षी सम्बन्धी बीमाको सेवा संचालन गर्न सक्नेछन् । बीमकले बाली तथा पशपन्छी बीमाको लागि प्रचलित कानुन बमोजिमको व्यक्ति, संगठित आदिलाई बीमा अभिकर्ताको रुपमा सक्तेछ । बाली तथा पश्पन्छी बीमामा कार्य गर्ने कर्मचारी तथा आफुले नियुक्त गरेका बाली तथा पशपन्छी बीमा सम्बन्धी कार्य गर्ने बीमा अभिकर्तालाई काममा लगाउन् पूर्व बीमा कम्पनी (बीमक) ले बाली तथा पशुपन्छी बीमा सञ्चालन, व्यवस्थापन, वितरण तथा दावी भुक्तानी प्रकृया सम्बन्धमा आधारभ्त तालिम दिन् पर्नेछ । कृषक (बीमित) हरुले अभिकर्ताको सहयोगमा माथि उल्लेखित बाली, पश्पंक्षी तथा माछापालन बीमालेखमा तोकिएको सर्त बमोजिम निर्धारित प्रस्ताव फारम भरी आफ्नो व्यवसायको बीमा गराउन सक्नेछन । बीमा अभिकर्ताले बीमा गराए वापत कमिशन पाउने व्यवस्था गरिएको छ । बीमा गर्दा प्रस्ताव फारमको साथ सम्बन्धित प्राविधिकको प्रमाणपत्र समेत पेश गर्न पर्दछ । प्राविधिक ब्यक्ति भन्नाले बाली बीमाको हकमा कषि सेवा केन्द वा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाबाट कृषि बिषयमा आधारभृत ज्ञान हासिल गरी सम्बन्धित निकायबाट सो सम्बन्धमा कार्य गर्ने इजाजत प्राप्त व्यक्ति र पश्पन्छी बीमाको हकमा पश् सेवा केन्द्र, उपकेन्द्रका प्राविधिक वा भेटेरीनरी जे.टि., जे.टि.ए.वा ग्रामीण पश्पन्छी स्वास्थ्य कार्यकर्ता वा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाबाट पशपन्छी चिकित्सा/पशपन्छी विज्ञान विषयमा ज्ञान हासिल गरी सम्बन्धित निकायबाट सो सम्बन्धमा कार्य गर्ने इजाजत प्राप्त व्यक्ति भनी परिभाषित गरिएको छ । बाली तथा पशपंक्षी बीमा निर्देशन, २०६९ र विभिन्न बाली, पशपंक्षी तथा माछा सम्बन्धी बीमालेखमा उल्लेख भएका केही मुख्य अंशहरु तपसिलमा दिईएको छ ।

### बाली तथा पशुपन्छी बीमाको बीमा शुल्क कमिशन सम्बन्धी व्यवस्था

क्र.सं.	बाली तथा पशुपन्छी बीमाको किसिम	बीमा शुल्क	कमिशन
٩.	बाली बीमा	बीमाङ्कको ५ प्रतिशत (प्रति बाली)	बीमाशुल्कको १५प्रतिशत
٦.	पशु बीमा	बीमाङ्गको ५ प्रतिशत (प्रति वर्ष)	बीमाशुल्कको १५ प्रतिशत

₹.	पन्छी	व्यवसायिक	बीमाङ्गको ६ प्रतिशत प्रति समूह (	बीमाशुल्कको १५
	बीमा		व्याच)	प्रतिशत
		घरपालुवा	बीमाङ्गको ५ प्रतिशतप्रति समूह (	
			व्याच)	

सदस्य संस्था मार्फत बीमा भएमा कूल बीमा श्ल्कमा १५ प्रतिशत छटको व्यवस्था छ।

#### माछाको बीमाशुल्क

- एक वर्ष वा सो भन्दा कम अवधिको लागि पालिने माछाको बीमाशुल्क बीमाङ्क रकमको दुई (२) प्रतिशत हुनेछ । तर बिषेश सघन प्रबिधि अनुसार माछा पालन गरिएको अवस्थामा बीमाशुल्कमा दश (१०) प्रतिशत छुट दिईनेछ ।
- माछाको बीमा अवधि न्यूनतम तीन(३) मिहनाको हुनेछ । पोखरी / रेसवेमा भुरा राखेको पन्ध (१४) दिन भित्र बीमा गरी सक्नुपर्नेछ ।
- बीमितले माछा पालनको लागि तयार गरिएको पोखरी/रेसवेको बीमा गर्न चाहेमा त्यस्तो
- पोखरी/रेसवेको बीमाङ्क रकमको एक(१) प्रतिशत बीमाशुल्क भुक्तानी गरी सम्पिष्ट द्वारा थप स्रक्षण लिन सिकनेछ ।

#### सुरक्षण हुने बालीको क्षेत्रफल र लागत

बालीको लागत:- वालीको वीमा गर्दा बाली लगाउँदादेखि वाली पाक्दासम्म लाग्ने लागत मूल्य कृषि विकास मन्त्रालय मार्फत उपलब्ध गराएको आधारभूत लागत विवरण वमोजिम हनेछ ।

न्यूनतम क्षेत्रफल:- प्रत्येक कृषकले सुरक्षण गर्न पाउने वालीको न्यूनतम क्षेत्रफल पहाडमा आठ आना (आधा रोपनी) र तराईमा एक कट्ठा हुनु पर्नेछ । सो भन्दा कम क्षेत्रफलमा लगाईएको वालीका लागि बीमालेख जारी गरिने छैन ।

#### सुरक्षण हुने पशुपन्छी धनको अधिकतम बीमाङ्कको सिमा र उमेर

अधिकतम बीमाङ्क:- बैंक वा वित्तीय संस्थाबाट ऋण लिई खरीद गरेको, आफ्नै गोठमा हुर्केको वा आफ्नै लगानीबाट खरीद गरेको पशुपन्छीधनहरुको स्थानिय मूल्यको आधारमा बीमाङ्क रकम देहाय बमोजिम हुनेछ :

### क) गाईभैसी

गाई	उन्नत	स्थानीय
बाच्छी (१ वर्षसम्मको)	रु.३०,०००/-	₹.90,000/-
बाच्छी (१ वर्षदेखि माथिको)	रु.७४,०००/-	रु.२५,०००/-
द्धाल्	रु.१,५०,०००/-	₹.५0,000/-

वा सोको वास्तविक मुल्य जुन कम हुन्छ सो सम्म ।

भैंसी	उन्नत	स्थानीय
पाडी (१८ महिनासम्मको)	रु.३०,०००/-	रु.१४,०००/-
पाडी (१८ महिना माथिको)	रु.६०,०००/-	रु.३०,०००/-
दुधालु	रु.१,२४,०००/-	रु.७०,०००/-

वा सोको वास्तविक मुल्य जुन कम हुन्छ सो सम्म।

# ख) प्रजननको लागि पालिएको प्रति राँगो तथा साँढेको बढीमा रु.७०,०००।- (सत्तरी हजार) वा सोको

वास्तविक मुल्य जून कम हुन्छ सो सम्म।

# ग) ढुवानी वा जोत्नको लागि प्रति गोरु वा राँगोको रु ४०.,०००।- (चालिस हजार) वा सोको वास्तविक मूल्य जून कम हुन्छ सो सम्म ।

#### घ) नाक/चौरी

<u> </u>	
बाच्छी	₹.9२,000/-
कोरेली	रु.२४,०००∕-
दुधालु	₹.40,000/-
वयस्क याक	₹.50,000/-

वा सोको वास्तविक मूल्य जून कम हुन्छ सो सम्म।

### ड) मासुको लागि पालिएका भेडा बाखा तथा बंगुरको आदिका पाठाहरुको उमेर अनुसार स्थानीय बजार मूल्य वा बढीमा रु.८,०००।- (आठ हजार) हुनेछ ।

#### च) पाठा पाठी उत्पादनका लागि पालिने माउको मूल्य बढीमा देहाय बमोजिम हुनेछ:

- बाखा र भेडा रु.१०,०००।-
- बंग्र रु.१०,०००।-

#### छ) मासु, चल्ला तथा अण्डाको लागि पालिने हाँस वा कुखुराको मूल्य देहाय बमोजिम हुनेछ :

ब्रोइलर (आठ हप्ताको)(मासु उत्पादन गर्ने)	₹.४००/-
लेयर्स (अण्डा पार्ने)	₹.७००।-
ह्याचरी (चल्ला पार्ने)	रु.१,२००।-
हाँस (अण्डा पार्ने)	रु.७००।-
हाँस (मासु उत्पादन गर्ने)	रु.६००।-

उमेर : पश्धनको बीमायोग्य उमेर (न्यूनतम र अधिकतम) देहाय बमोजिम हुनेछ :-

- स्थानीय तथा उन्नत जातको गाई २ वर्ष (अथवा पहिलो वेत भएको) देखि १० वर्षसम्म
- भैसी ३ बर्ष (अथवा पहिलो वेत भएको) देखि १२ वर्षसम्म
- स्थानीय तथा उन्नत नश्लको बाच्छी-कोरेली वा पाडीको ६ महिनादेखि २ वर्षसम्म
- प्रजननको लागि उन्नत नश्लको साँढे वा राँगाको ३ वर्षदेखि ७ वर्षसम्म
- ह्वानी वा जोत्नको लागि गोरु वा राँगा ३ वर्षदेखि १२ वर्षसम्म
- भेडा, बाखा र बंग्र ३ महिनादेखि बिकीका लागि तयार हुन्जेलसम्म ।

माछा पालनको लागि न्यूनतम २०० वर्ग मिटरको पोखरी र कम्तिमा तीन (३) फिट पानीको गिहराई भएको पोखरी हुनु पर्दछ तर ट्राउट माछाको हकमा प्राविधिकको सिफारिस अनुसारको संरचना भएको हुनु पर्नेछ ।

बाली तथा पशुपन्छीको बीमाङ्को हकमा प्रत्येक वर्ष तथ्याङ्क हेरी आवश्यक पुनरावलोकन गर्न सिकनेछ तथा निर्देशनमा समावेश नभएका बाली, पशुपन्छी तथा अन्यको बीमाङ्को हकमा सम्बन्धित मन्त्रालय मार्फत उपलब्ध भएको तथ्याङ्कलाई आधार मानी निर्धारण गर्न सिकनेछ।

- पशुपन्छीको मूल्य, जात र पालिने क्षेत्र अनुसार फरक फरक हुन सक्नेछ ।
- पशुपन्छीको मूल्याङ्गन गर्दा प्रस्तावित पशुपन्छीको उमेर, स्वास्थ्य स्थिति र उत्पादकत्वको आधारमा गर्न पर्नेछ ।
- तर यसरी निर्धारण गरिने मूल्य स्थानीय बजारमा चलेको मूल्य भन्दा बढी हुने छैन ।
- बीमा गरिएको बाली तथा पशुपन्छीको बीमा अवधिभित्र क्षित भएमा क्षितिको मूल्याङ्गन सम्विन्धित विशेषज्ञ / प्राविधिकबाट गराउनु पर्नेछ ।

#### बीमालेखले रक्षावरण गर्ने जोखिमहरू

देहायका कुनै कारणबाट धानबाली, तरकारी, फलफूल, आलु, पंक्षी र माछा बीमा अवधिभित्र हानी नोक्सानी भएमा बीमकले बीमाङ्ग रकमको ९० प्रतिशत रकम बीमितलाई भुक्तानी गर्नेछ :

- (धानबाली, तरकारी, फलफूल, आलु, पंक्षीको हकमा)
- (क) आगलागी, चट्याङ,
- (ख) भुकम्प,
- (ग) बाढी/ड्वान /खडेरी,
- (घ) पहिरो/भुस्खलन,
- (ङ) आँधिबेहरी, असिना, हिऊँ वा तुसारो,
- (च) आकस्मिक / दुर्घटनाजन्य बाह्य कारणहरु,
- (छ) किरा तथा रोगबाट हुने हानि-नोक्सानी
- (माछाको हकमा तलका थप ब्ँदा समेत)
- (ज) अक्सिजनको कमि, एमोनियाबाट हुने नोक्सानी,
- (भ्त) बिषाल पदार्थबाट मरेमा।

पशुधनको हकमा: बीमाको अवधिभित्र पशुधनको विवरण तालिकामा उल्लेख भए बमोजिमका पशुधनहरुको क्षति/हानिनोक्सानी भएमा देहाय बमोजिमको क्षतिपूर्ति रकम बीमकले सम्बन्धित पक्षलाई भक्तानी गर्नेछ ।

- क) मृत्य भएमा बीमाङ्क रकमको ९० प्रतिशत
- ख) पूर्ण स्थायी रुपमा अशक्त भएमा बीमाङ्क रकमको ५० प्रतिशत

### दाबी सम्बन्धी प्रकृया

बीमालेखले रक्षावरण गरेको जोखिमहरुका कारणबाट बीमित माछा र पंक्षीको हानी नोक्सानी भएमा सात (७) दिनिभित्र र धान, तरकारी, फलफूल, आलु र पशुधनको हकमा १५ दिनिभित्र वा सो अवधिभित्र संभव नभएमा सोको कारण सहित संभव हुनासाथ बैङ्क/सदस्य संस्था मार्फत देहायका कागजातहरु बीमक समक्ष पेश गर्नु पर्नेछ ।

- क) सक्कल बीमालेख
- ख) पूर्ण रुपले भरिएको दाबी फाराम,
- ग) सम्बन्धित प्राविधिकको प्रतिवेदन (पशु र पंक्षीको हकमा मृत्यु प्रमाण-पत्र)
- घ) न.पा./गा.वि.स./वडाको सर्जिमन मुचुल्का वा माछा, पशुधन र पंक्षीको हकमा कम्तिमा सबभन्दा नजिकको दुई (२) जना छिमेकीको सर्जिमन मुचुल्का

## ७. बीउ बिजन

## ७.९ विभिन्न बालीका सिफारिश जातहरू

# अन्न बाली क) चैते धान

ऋ.सं.	बालीको	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
	जात		दिन	क्षमता	
				(मे. टन ∕ हे)	
٩	सि.एच.४५	२०२३ (१९६६)	११८	₹.乂	तराई, भित्रीमधेश तथा मध्य
					पहाड
२	विन्देश्वरी	२०३८ (१९८१)	१२८	8.0	तराई र भित्रीमधेश
Ą	चैते २	२०४४ (१९८७)	१२५	४.5	तराईको सिञ्चित भूमि
8	चैते ४	२०४४ (१९८७)	995	8.8	तराईको सिञ्चित भूमि
ሂ	चैते ६	२०४८ (१९९२)	१२३	४.5	तराई र भित्रीमधेश (३००
					मिटरसम्मको उचाईको सिञ्चित
					भूमि)
Ę	हर्दिनाथ १	२०६० (२००४)	१२०	४.०३	तराई, भित्रीमधेश, रिभर बेसिन
					८०० मिटरसम्म

## ख) वर्षे धान

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता	सिफारिस क्षेत्र
				(मे. टन/हे)	
٩	ताईचुङ्ग १७६	२०२४ (१९६६)	१४४	<b>૭</b> .९	मध्यपहाड र उपत्यका
२	चाईनुङ्ग २४२	२०२४ (१९६६)	१४४	७.३	पहाड
¥	ताईनान १	२०२४ (१९६६)	१४४	६.६	पहाड
γ	चाइनान २	२०२४ (१९६६)	१४३	७.८	पहाड
X	मसुली	२०३० (१९७३)	१४४	₹.乂	तराई र भित्रीमधेश
Ę	जानकी	२०३६ (१९७९)	१३५	४.५	तराई र भित्रीमधेश
9	सावित्री	२०३६ (१९७९)	१४०	8.0	तराई र भित्रीमधेश
5	हिमाली	२०३९(१९८२)	१४९	६.४	पहाड

જાાબ કાર્ય ૧	कन्चन	२०३९(१९८२)	१४३	૭. રૂ	पहाड
90	खुमल ३	२०४१(१९८३)	930	६.५	मध्य पहाड
99	खुमल २	२०४४(१९८७)	१४२	४.६	काठमाडौं उपत्यका तथा समान हावापानी भएको ३००० फीटदेखि ४५०० फीटसम्म उचाइको मध्य पहाड
92	खुमल ४	२०४४ (१९८७)	988	€.3	काठमाडौँ उपत्यका तथा समान हावापानी भएको ३००० फीटदेखि ४५०० फीटसम्म उचाइको मध्य पहाड
93	मकवानपुर १	२०४४ (१९८७)	१५०	٧.३	ढुङ्ग्रे कीराको प्रकोप भएको तराई
98	घैया २	२०४४ (१९८७)	99३	₹. ४	तराईको असिंचित पाखा
9ሂ	पालुङ्ग २	२०४४ (१९८७)	१७२	Ę.q	शितोष्ण हावापानी भएका मकवानपुर जिल्लाको पालुङ्ग सरहका पहाडीक्षेत्र
१६	खुमल ४	२०४७ (१९९०)	१५४	Ę. O	9000 मिटरदेखि १४00 मिटरसम्म उचाइ भएका पश्चिमी मध्यपहाडी क्षेत्रहरु जस्तै पर्वत, वाग्लुङ्ग, म्याग्दी
ঀ७	खुमल ७	२०४७ (१९९०)	१४६	9.0	9000 मिटरदेखि १४00 मिटरसम्म उचाइ भएका पश्चिमी मध्यपहाडी क्षेत्रहरु जस्तै पर्वत, वाग्लुङ्ग, म्याग्दी
१८	खुमल ९	२०४७ (१९९०)	१४८	Ę. (9	9000 मिटरदेखि १४00 मिटरसम्म उचाइ भएका पश्चिमी मध्यपहाडी क्षेत्रहरु जस्तै पर्वत, वाग्लुङ्ग, म्याग्दी
98	छोमरोङ्ग	२०४७ (१९९१)	१६४	8.2	नेपालको पूर्वी एवं पश्चिमी क्षेत्रको ९४०० मिटरदेखि २००० मिटरसम्म उचाइ भएको उच्च पहाड र चिसो हावापानी भएको मध्यपहाड
२०	राधा ७	२०४८ (१९९२)	१४८	₹.¥	तराई, भित्रीमधेश र सोसरह हावापानी भएको अकाशे

					खेती गरिने क्षेत्र
२१	राधाकृष्ण ९	२०४८ (१९९२)	१५०	३.८	तराई, भित्रीमधेश र सो सरह हावापानी भएको सिञ्चित भूमि
२२	राधा ४	२०५२ (१९९५)	१२४	इ. २	मध्यपश्चिम र सुदूरपश्चिम तराई (कपिलवस्तु, दाङ्ग, वर्दिया, बाँके, कैलाली र कञ्चनपुर)
२३	राधा ११	२०५२ (१९९५)	१४८	8.0	मध्यतराई (पर्सा, वारा, रौतहट, सर्लाही, महोत्तरी र धनुषा)
२४	राधा १२	२०५२ (१९९५)	<b>9</b> ሂሂ	४.६	पूर्वी तराई
२५	माछापुच्छ्रे ३	२०५३ (१९९६)	१७४	¥.0	१४०० मिटरदेखि २००० मिटरसम्म उचाइको चिसो हावापानी भएको मध्यदेखि उच्च पहाडसम्म (लुम्ले, घान्दुक र छोमरोङ्ग क्षेत्र)
२६	खुमल ६	२०५६ (१९९९)	<b>੧</b> ሂሂ	७.८	काठमाडौ उपत्यका एवं सो सरहको हावापानी हुने ठाउँ
২৩	रामपुर मसुली	२०५६ (१९९९)	१३४	<b>у</b> . ७	तराई, भित्रीमधेश, बेंशी एवं मध्यपहाडको ९०० मिटर उचाईसम्म अथवा मसुली धान लगाउन सिकने सबै क्षेत्र
२८	चन्दननाथ १	२०५८ (२००२)	१९१	¥.0¥	जुम्ला वा सो सरहका हावापानी भएको क्षेत्र
२९	चन्दननाथ ३	२०५८ (२००२)	१९२	¥.\$	जुम्ला वा सो सरहको हावापानी भएको क्षेत्र
30	मन्जुश्री २	२०५८ (२००२)	१४९	१०.०८	काठमाडौं उपत्यका
39	खुमल ११	२०५८ (२००२)	१४४	<b>5</b> .٤	काठमाडौं उपत्यका
३२	लोकतन्त्र	२०६३ (२००६)	१२५- १३०	₹.६	तराई, भित्रीमधेश, तल्लो पहाड र मध्यपहाडका नदी किनारा
३३	मिथिला	२०६३ (२००६)	१४४ - १४०	₹.¥- ४.¥	तराई, भित्रीमधेश र मध्यपहाडको बेंसी

	रा २०७५				
×	राम	२०६३ (२००६)	१३०- १३७	४.०- ७.२	तराई, भित्रीमधेश (शिवालिक उपत्यका, मकवानपुर, चितवन र नवलपरासी)
₹ <b>X</b>	वर्षे ३००४	२०६३ (२००६)	ঀৼ७	₹.८	तराई र भित्रीमधेश
n u	पोखेली जेठोबुढो	२०६३ (२००६)	१८० - १८४	२.६	पोखरा उपत्यका र यस आसपासका क्षेत्रहरु (६०० देखि ९०० मिटर उचाई)
३७	खुमल ८	२०६३ (२००७)	१४८	૭.૭	मध्य पहाड र तल्लो पहाड
३८	सुनौलो सुगन्धा	२०६४(२००८)	949	३.८	तराई, भित्रीमधेश
३९	घैया १	२०६६ (२०१०)	994	२.४–३.४	असिंचित Upland तराई, टार तथा मध्यपहाडका उपत्यका
४०	लल्का बास्मित	२०६६ (२०१०)	१५०	२.५–३.५	मध्य तथा पूर्वी तराई
४१	हर्दीनाथ २	२०६६ (२०१०)	१२४	₹.9-४.२	तराई तथा भित्रीमधेश
४२	तरहरा १	२०६६ (२०१०)	११३- १२५	8.3	मध्य तथा पूर्वी तराई
४३	डि. वाई. १८ ( पञ्जीकरण मात्र ) F1	२०६६ (२०१०)	११८	९.१७	तराई तथा भित्रीमधेश
88	डि. वाई. २८ ( पञ्जीकरण मात्र ) F1	२०६६ (२०१०)	9२०	5.5 <sup>६</sup>	तराई तथा भित्रीमधेश
४४	डि. वाई. ६९ ( पञ्जीकरण मात्र ) F1	२०६६ (२०१०)	१२५	९.५२	तराई तथा भित्रीमधेश
γ. Υυ	खुमल-१०	२०६८ (२०११)	१३६ (१०७ - १७०)	४.७८	काठमाण्डौ उपत्यका र सो सरहको हावापानी भएका पहाडी क्षेत्र ।
४७	खुमल-१३	२०६८ (२०११)	१४४ (११७ - १८३)	४.१७	काठमाण्डौ उपत्यका र सो सरहको हावापानी भएका पहाडी क्षेत्र ।
४८	सुख्खा धान – १	२०६८ (२०११)	१२३- १२४	₹.२- ४.२	पुर्वि तथा पश्चिमी तराई, भित्री मधेश तथा मध्य पहाडको ५०० मिटरसम्मका बेसी तथा टार।
४९	सुख्खा धान – २	२०६८ (२०११)	१२२-	२.३–३.५	पूर्वि तथा पश्चिमी तराई,

					कृषि डावरा २००१
			१२४		भित्री मधेश तथा मध्य पहाडका ५०० मिटरसम्मका बेसी तथा टार
ХO	सुख्खाधान – ३	२०६८ (२०११)	१२२- १२४	२.५–३.६	पूर्वि तथा पश्चिमी तराई, भित्री मधेश तथा मध्य पहाडका ४०० मिटरसम्मका बेसी तथा टार
ধঀ	बर्षे – २०१४	२०६८ (२०११)	१३५- १४०	३.८	तराई
प्र२	स्वर्णा सब –१	२०६८ (२०११)	940 -944	<i>8-</i> Х	तराई, तथा भित्री मधेश र मध्य पहाडका ५०० मिटरसम्मका बेसीको सिंचित तथा घोल क्षेत्र ।
Χŧ	बर्षे – १०२७ ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	9 २9	₹.3	असिंचित तराई र मध्य पहाडका १००० मिटरसम्मका बेसी तथा टार अर्धिसिंचित तथा असिंचित क्षेत्र ।
Xx	साँवा मसुली सव –१	२०६८ (२०११)	98X - 9X0	₹.४-४	तराई, तथा भित्री मधेश र मध्य पहाडका ५०० मिटरसम्मका बेसीको सिंचित तथा घोल क्षेत्र ।
XX	तारा, F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	११६	ሂ.9	तराई र भित्रि मधेस
प्र६	सुरज , F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१२३	¥.99	तराई र भित्रि मधेस
५७	पृथ्वी , F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१२४	€.0	तराई र भित्रि मधेसको सिचित क्षेत्र
४८	एराईज – ६४४४, F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१२२	४.४३	तराई र भित्रि मधेसको सिचित क्षेत्र
५९	पि. एच. बी. – ७१ , F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१२९	प्र.२६	तराई ⁄ सिंचित
६०	यु. एस. – ३१२	२०६८ (२०११)	१३२	५.४६	सर्लाही देखि बांके सम्मको

#### किं डायरी २०७१

कृष्ण डाय	₹1 <b>₽</b> 001				
	, F1 ( पञ्जीकरण मात्र)				तराई र भित्रि मधेश
६१	च्याम्पीयन , F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१३६	¥.9¥	सर्लाही देखि बांके सम्मको तराई र भित्रि मधेश
६२	राजा , F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१२६	8.98	सर्लाही देखि बांके सम्मको तराई र भित्रि मधेश
६३	आर.एच२५७ , F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१२३	8.99	तराई र भित्रि मधेस
६४	गोरखनाथ - ५०९ , F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१२३	४.५२	तराई र भित्रि मधेस
¥X	लोकनाथ – ५०५, F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१२९	૪.હ૧	तराई र भित्रि मधेसको सिचित क्षेत्र
ધ્ધ	पि. ए. सि. – ८०१ , F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१२३	૭. ७९	तराई र भित्रि मधेसको सिचित क्षेत्र
و	रेश्मा — ७८६, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१२०	४.९१	पुर्वि तराईको सिन्चीत क्षेत्र
६८	बैशाली, F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	9 २9	६.३५	पुर्वि तराईको सिन्चीत क्षेत्र

## (ग) मकै

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
				क्षमता	
				(मे. टन/हे)	
٩	खुमल पहेलो	२०२२ (१९६५)	१२०-१३०	४.९	मध्यपहाड
२	रामपुर कम्पोजिट	२०३२ (१९७५)	११०-११४	8.8	तराई, भित्रीमधेश, बेंसी र
					मध्यपहाड

ą	अरुण २	२०३९ (१९८१)	<del>5</del> 0-90	२.२	तराई, मध्यपहाड
- Y	मनकामना १	२०४४(१९८७)	920-930	8.0	मध्यपहाड (हिउँदमा तराई क्षेत्रमा
	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	(13,77)			पनि लगाउन सिकने)
x	गणेश २	२०४६(१९८९)	१५०-१८०	₹.乂	उच्च पहाड (हिउँदमा तराई र भित्रीमधेशमा पनि लगाउन सकिने)
Ę	रामपुर २	२०४६(१९८९)	१०५-११०	8.0	तराई, भित्रीमधेश, बेंशी र टार
૭	अरुण १	२०५२ (१९९५)	९.०-१००	8.0	पश्चिमतराई र मध्य पहाड
5	गणेश १	२०५४(१९९७)	१७४	<b>لا.</b> ٥	उच्च पहाड
٩	मनकामना ३	२०४९(२००२)	१४२	<b>x.</b> x	पूर्वाञ्चल, मध्यमाञ्चल र पश्चिमाञ्चल विकास क्षेत्रका मध्य पहाडी क्षेत्र (१००० मिटरदेखि १७०० मिटरसम्मको उचाईको लागि)
90	गौरव हाईब्रिड मकै	२०६१ (२००३)	११०-१५०	द.१	तराई र भित्रीमधेस (हिउँदे खेतीको लागि)
99	देउती	२०६३ (२००६)	१३०-१३५	પ્ર.હ	मध्यपहाड
92	सितला	२०६३ (२००६)	१३०-१३५	६.०८	पहाड
93	मनकामना ४	२०६५ (२००८)	990	¥.\$	नेपालको पूर्व देखि पश्चिम सम्म मध्य पहाडको १६०० मिटर भन्दा तल
98	पोसिलो मकै १	२०६५ (२००८)	<b>1</b> 8X-9XX	¥. ₹	नेपालको पूर्व देखि पश्चिम सम्म मध्य पहाडको १६०० मिटर भन्दा तल
94	मनकामना ५	२०६६ (२०१०)	१४०-१४५	५.२७	कर्णाली पूर्वका मध्यपहाड
१६	मनकामना ६	२०६६ (२०१०)	१४०-१४५	४.३४	पूर्वी- मध्यपश्चिम पहाड
ঀ७	बायो ९६८१,F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०१०)	९०-११०	६.५-८	मध्यमाञ्चल षेत्रको मध्यपहाड- वर्षे मौसम पूर्वी तराइ- हिउँदे मौसम
१८	राजकुमार, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०१०)	900-990	5-9	मध्यमाञ्चल क्षेत्रको मध्य पहाड- वर्षे मौसम पुर्वी तथा मध्य तराई - हिउदे मौसम
१९	नुतन (के. एच. १०१, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०१०)	९०-९२	६.५-८	मध्यमाञ्चल क्षेत्रको मध्य पहाड – वर्षे मौसम

	171 8001				
२०	सुपर ९०० एम., F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०१०)	1२०-१६०	<u>५</u> –१२	मध्य तराई – हिउदे तथा वर्षे मौसम
२१	डिकेसी ९०८९, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०११)	१२०-१६०	१०-१२	मध्य तराई – हिउदे मौसम ( कार्तिक –माघ)
२२	अल राउण्डर, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०११)	१२०-१६०	9_90	तराई क्षेत्रमा – हिउदे तथा वर्षे मौसम
२३	डिकेसी ७०७४, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०११)	5X-9X	Ę- <u>-</u>	मध्यमाञ्चल क्षेत्रको मध्य पहाड – वर्षे मौसम मध्य तराईमा – बसन्ते मौसम
२४	३० पी ३०, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०११)	१००-१४४	Ę_O	मध्यमाञ्चल क्षेत्रको मध्य पहाड – वर्षे मौसम तराई – हिउदे मौसम
२५	३० बि ११, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०११)	१०५-१२०	<u>८</u> -९	मध्यमाञ्चल क्षेत्रको मध्य पहाड- वर्षे मौसम तराई – हिउदे मौसम
२६	बिस्को - ९४० F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१३४-१४०	७.१३	मध्य तराई र पहाड
२७	सि – १९२१, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१४०-१६७ (Winter) १०४-११० (Rainy)	४.१४- ७.५	पूर्वी तथा मध्य तराई र मध्य पहाडको बेसी तथा टार ।
२८	सि. पि505, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	¶₹0–¶४0 (Winter) ¶¶0–¶₹0 (Rainy)	९.९५	पूर्वी तथा मध्य तराई
२९	सि. पि६६६ , F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	190-970	६.९७	पूर्वी तथा मध्य तराई
₹0	गोदावरी -९८९, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०११)	१०४	७. ३६	पूर्वी तथा मध्य तराई, र मध्य पहाडको बेसी तथा टार ।
39	अर्ली - २, F1 (पञ्जीकरण	२०६८ (२०११)	१०५	प्र.६९	पूर्वी तथा मध्य तराई, र मध्य पहाडको बेसी तथा टार ।

				1	1
	मात्र)				
३२	टि. सि. एस	२०६८ (२०११)	990	<b>८.३</b> ४	मध्य तराई
	९६९६, F1			1	·
	(पञ्जीकरण				
	मात्र)				
	रामपुर हाईब्रिड	२०६९ (२०१२)	030 060 6-1	10.00	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
३३	- २	7047 (4014)	१३०-१६० <sub>हिउदे</sub>	9.0 <sub>हिउदे</sub>	तथा तराई
	- 4		१२ ४ वर्ष	३.५५ वर्ष	तथा तराइ
38	आर. एम. एल.–	२०६९ (२०१२)			नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
`	لا (Inbred line)				तथा तराई
<b>३</b> ४	एन. एम.	२०६९ (२०१२)			नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
7.	एल. – २ (	(- ( ) ( ( - ( ( )			तथा तराई
	Inbred line)				VI 21 71718
		२०६९ (२०१२)	0.20 (D t		नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
३६	आदित्य-९२९, F1	र०६८ (र०५२)	۹२۹ (Days to silking	૭. ૨	
	r। (पञ्जीकरण		BIIKIIIg		तथा तराई
<u> </u>	मात्र)		201: 4-		
३७	प्रोएग्रो– ४६४२,	२०६९ (२०१२)	ባባሂ (Days to	<b>८.२९</b>	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
	F1		silking		तथा तराई
	(पञ्जीकरण				
	मात्र)				
३८	बिस्को- ९४०	२०६९ (२०१२)	११९ (Days to	૭.૭૪	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
	नयाँ, F1		silking		तथा तराई
	(पञ्जीकरण				
	मात्र)				
३९	सि. पी ८३८,	२०६९ (२०१२)	११९ (Days to	૭.૧૧	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
` '	F1		silking		तथा तराई
	(पञ्जीकरण		-		
	मात्र)				
80	१० भि १०, F1	२०६९ (२०१२)	११६ (Days to	૭.૪૬	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
	(पञ्जीकरण	(-12 (/21/)	silking	7. 5 4	तथा तराई
	मात्र)				VI 21 71718
	डि. एम. एच	२०६९ (२०१२)	१२३ (Days to	६.६६	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
४१		4042 (4044)	१९२ (Days to silking	५.६६	नारायणा नदा पूवका भित्रा मधश तथा तरार्ड
	७३१४, F1 (		Silking		तथा तराइ
	पञ्जीकरण				
	मात्र)			1	
४२	डि. एम. एच	२०६९ (२०१२)	१९३ (Days to	६.८४	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
	588 F1(		silking		तथा तराई
	पञ्जीकरण				
	मात्र)				
४३	एम. एम	२०६९ (२०१२)	१२३ (Days to	९.०	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
	9909, F1		silking		तथा तराई
	(पञ्जीकरण				
	मात्र)				
88	डेकाल्ब डवल,	२०६९ (२०१२)	११८ (Days to	६.७९	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
1 "	Janes 2401,	1247 (12(1)	( i - , Louyo to	4.03	त्राचना नम् रूचना मना मनरा

	F1		silking		तथा तराई
	(पञ्जीकरण				
	मात्र)				
४४	बिग बोस, F1	२०६९ (२०१२)	૧૧६ (Days to	<b>५.३</b> ९	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
	(पञ्जीकरण		silking		तथा तराई
	मात्र)				
४६	एन. एम. एच	२०६९ (२०१२)	ባባ乂 (Days to	७.९२	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
	७३१ F1		silking		तथा तराई
	(पञ्जीकरण				
	मात्र)				
४७	पायोनियर–	२०६९ (२०१२)	१२२ (Days to	<del>८</del> .६४	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
	३४,२२, F1		silking		तथा तराई
	(पञ्जीकरण				
	मात्र)				
४८	पायोनियर–	२०६९ (२०१२)	१२४ (Days to	<del>८</del> .४४	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
	३७८४, F1		silking		तथा तराई
	(पञ्जीकरण				
	मात्र)				
४९	९२२०,F1	२०६९ (२०१२)	૧૧૭ (Days to	૭.૬૭	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
	(पञ्जीकरण		silking	,	तथा तराई
	मात्र)				
५०	टि. एक्स- ३६९,	२०६९ (२०१२)	१२४ (Days to	९.०	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
,	F1		silking		तथा तराई
	(पञ्जीकरण				,
	मात्र)				
ሂባ	सि१९४६, F1	२०६९ (२०१२)	११६ (Days to	९.७	नारायणी नदी पूर्वका भित्री मधेश
	(पञ्जीकरण		silking		तथा तराई
	मात्र)		- 3		

## (घ) गहुँ

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	लेर्मा ५२	२०१७ (१९६०)	१७६	¥.0	मध्यपहाड
२	आर.आर. २१	२०२७ (१९७१)	११६–१६०	8.0	तराई र पहाड
R	यु.पी. २६२	२०३५ (१९७८)	१२२	8.0	तराई
8	नेपाल २९७	२०४२ (१९८५)	११७	<b>х</b> .о	तराई
¥	अन्नपूर्ण १	२०४५ (१९८८)	१६८	<b>X.X</b>	१००० मिटर उचाइ भन्दा माथिको पहाड
Ę	अन्नपूर्ण ३	२०४७ (१९९१)	१६४	<b>X.</b> X	लुम्ले र पाखीवास क्षेत्रको ११०० मिटरदेखि १७०० मिटर

	1	1			
					उचाइसम्मको भूमि
૭	बी.एल. १०२२	२०४८ (१९९१)	१२०	<b>k</b> .0	नारायणी नदीदेखि पश्चिमको तराई, टार र १००० मिटरसम्म उचाई भएका उपत्यकाहरु
5	भृकुटी	२०५१ (१९९४)	१२०	<b>x.</b> 0	तराई, टार र १००० मिटरसम्म उचाइ भएका उपत्यकाहरु
९	अन्नपूर्ण ४	२०५१ (१९९४)	१६१	¥.0	मध्य र उच्च पहाड
90	बी.एल. ११३४	२०५१ (१९९४)	99%	χ.o	तराई, टार र १००० मिटरसम्म उँचाई भएका उपत्यकाहरु
99	अच्युत	२०५४ (१९९७)	१२४	¥.¥	टार, १००० मिटरभन्दा कम उचाइ भएका उपत्यकाको मध्यम तथा उच्च उर्वराभूमि
92	रोहिणी	२०५४ (१९९७)	११९	४.१	तराई, टार र १००० मिटरभन्दा कम उचाइ भएका उपत्यकाको सिञ्चित र मध्यम तथा उच्च उर्वराभूमि
93	पासाङ्गल्हामु	२०५४ (१९९७)	१७८	<del>ᢏ</del> .७	मध्यपहाड जस्तै काठमाडौं र जुम्ला सरहको समान हावापानी भएको उच्च पहाड
१४	कान्ति	२०५४ (१९९७)	ঀ७४	<b>X.X</b>	पहाडी क्षेत्रको मध्यम र उच्च उर्वरा भूमि
914	बी.एल. १४७३	२०५६ (१९९९)	991	8.0	तराई, टार र १००० मिटरभन्दा कम उचाइ भएका उपत्यकाको सिञ्चित र मध्यम तथा उच्च उर्वराभूमि
१६	गौतम	२०६१ (२००४)	999	₹.४	तराई, टार तथा ५०० मिटर भन्दा कम उचाई भएको उपत्यका
ঀ७	डब्लु के १२०४	२०६४ (२००७)	१७९	₹.४	मध्य पहाड र उच्च पहाड
१८	आदित्य	२०६६ (२०१०)	११८	४.७९	तराई, टार र ५०० मी. सम्मको उपत्यका
99	एन.एल. ९७१	२०६६ (२०१०)	122	४.५३	तराई, टार र ५०० मी. सम्मको उपत्यका
२०	विजय	२०६७ (२०११)	999-9२३	४.४५	तराई, टार र ५०० मी. सम्मको उपत्यका

•	-				
२१	गौरा (BL	२०६९ (२०१२)	१६०	४.२-	मध्य तथा उच्च पहाड
	3235)			<b>X.</b> 0	
२२	धौलागिरी (BL	२०६९ (२०१२)	१५६	३.६–४.९	मध्य तथा उच्च पहाड
	3503)				

#### (ङ) कोदो

<b></b> .	बालीको	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
सं.	जात			क्षमता	
				(मे. टन/हे)	
٩	ओख्ले १	२०३७ (१९८०)	१५४-१९४	₹.₹	मध्य र उच्च पहाड
2	डल्ले १	२०३७ (१९८०)	१२४-१४१	3.3	तराई, भित्रीमधेश र
					मध्यपहाड
ą	काब्रे कोदो	२०४७ (१९९०)	१६७_	२.३	९०० मिटरदेखि १९००
	٩				मिटर उचाइसम्मको
					मध्यपहाडी क्षेत्रको
					पाखोबारी

## (च) जौ

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता	सिफारिस क्षेत्र
				(मे. टन ∕ हे)	
9	बोनस	२०३० (१९७४)	१६२	A. F.	काठमाडौ उपत्यका र समान हावापानी भएको क्षेत्र
२	एच.बी.एल ५६	२०३० (१९७४)	१३४	₹.0	तराई र भित्रीमधेश
æ	गाल्ट	२०३० (१९७४)	१५७	₹.३	तराई, भित्रीमधेश र पालुङ्ग उपत्यका
४	सि.आई. १०४४८	२०३० (१९७४)	१२५	२.६	तराई र भित्रीमधेश
ሂ	केच	२०३१ (१९७५)	992	२.५	तराई र भित्रीमधेश
Ę	सोलुउवा	२०४७ (१९९०)	9 ७७	9.8	मुस्ताङ्ग, मनाङ्ग र डोल्पाका २००० मिटर देखि ३००० मिटरसम्म उचाईका लेकाली क्षेत्र

#### २. दलहन

#### (क) भटमास

ऋ.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
			दिन	क्षमता	
				(मे. टन∕हे)	
٩	हार्डी	२०३५ (१९७७)	१२४	۶.४	तराई र भित्रीमधेश
२	रान्सम	२०४४ (१९८७)	१४४	9.0	मध्यपहाड र उपत्यका
n	सेती	२०४६ (१९९०)	१५०	9.2	मध्यपहाड र उपत्यका
8	कब	२०४६ (१९९०)	१२३	२.५	तराई र भित्रीमधेश
X	लुम्ले	२०५३ (१९९६)	<b>१३</b> ८-	٩.७	४०० मिटरदेखि १६०० मिटर
	भटमास १		१४७		उचाइसम्मको मध्यपहाड
Ę	तरकारी	२०६० (२००४)	१२०	२.३	मध्यपहाडी क्षेत्र ८०० मिटरदेखि
	भटमास १				१५०० मिटरसम्म
و	पूजा	२०६३ (२००६)	१२४	٩.६	तराई, भित्रीमधेश र मध्य पहाड

## (ख) मुसुरो

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
			दिन	क्षमता	
				(मे. टन/हे)	
٩	सिन्दुर	२०३६ (१९७९)	१४८	٩.٤	तराई, भित्रीमधेश र पहाड
२	सिम्रिक	२०३६ (१९७९)	१४३	٩.٤	तराई, भित्रीमधेश र पहाड
æ	शिशिर	२०३६ (१९७९)	१५०	२.०	तराई, भित्रीमधेश र पहाड
γ	सिमल	२०४६ (१९९०)	१४३	٧.٩	तराई, भित्रीमधेश र मध्यपहाड
¥	शिखर	२०४६ (१९९०)	१४३	₹.乂	तराई, भित्रीमधेश र मध्यपहाड
iş.	खजुरा १	२०५६ (१९९९)	१२८	٩.٤	मध्यपश्चिमाञ्चलदेखि सुदूर पश्चिमाञ्चलसम्मको धान र मकै लगाईने खेत
9	खजुरा मुसुरो २	२०५६ (१९९९)	१३४	<b>२.</b> 9	मध्यपश्चिमाञ्चलदेखि सुदूर पश्चिमाञ्चलसम्मको धान र मकै लगाईने खेत
2	शितल	२०६१ (२००४)	१३४	9.9	सम्पूर्ण तराई र मध्यपहाड
9	महेश्वर भारती	२०६४ (२००७)	999	9.8	काठमाण्डौ उपत्यका वा सो सरह, मध्य पहाडी क्षेत्रको टार तथा वेसी
90	सगुन	२०६४ (२००७)	९८	9.3	काठमाण्डौ उपत्यका वा सो सरह, मध्य पहाडी क्षेत्रको टार

			तथा वेसी

#### (ग) चना

क्र.सं.	बालीको	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
	जात		दिन	क्षमता	
				(मे. टन ∕ हे)	
٩	धनुष	२०३६ (१९७९)	१४४	৭.দ	तराई र भित्रीमधेश
२	राधा	२०४४ (१९८७)	१४२	٩.६	तराईका सुख्खा भाग र
					आकाशे पानीको भरमा खेती
					गर्न सिकने भूमि
ş	सीता	२०४४ (१९८७)	980	٩.٤	तराईका सुख्खा भाग र
					आकाशे पानीको भरमा खेती
					गर्न सिकने भूमि
8	कोशेली	२०४७ (१९९०)	१५४	٩.६	पश्चिम तराई र भित्रीमधेश
X	कालीका	२०४७ (१९९०)	१४२	9.8	मध्य र पश्चिम तराई तथा
					भित्रीमधेश
Ę	तारा	२०६४ (२००८)	१३४	9.8	तराई र मध्य पहाडको बेशी
					तथा टार
૭	अवरोधी	२०६४ (२००८)	१३४	٩.३	तराई र मध्य पहाडको बेशी
					तथा टार

## (घ) बोडी

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
			दिन	क्षमता	
				(मे. टन∕हे)	
٩	आकाश	२०४६ (१९९०)	७३	٩.٥	तराई र भित्रीमधेश
२	प्रकाश	२०४६ (१९९०)	६०	0.5	तराई र भित्रीमधेश
¥	सूर्य	२०६१ (२००४)	૭૭	٩.३	मध्य र पश्चिम तराई,
					भित्रीमधेस
8	डवलहार्भेष्ट (		90_	१६-१८	तराई र पहाड
	पञ्जीकरण	२०६६ (२०१०)	900		
	मात्र ) OP				
X			9X_	०.६-१.०	तराई, भित्रीमधेस तथा मध्य
	मालेपाटन –	205- (2000)	९०		पहाडका टार तथा होचा
	٩	२०६८ (२०११)			क्षेत्रहरु (३०० देखि १०००
					मी)

#### (ङ) रहर

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	रामपुर अरहर १	२०४८ (१९९२)	१९७	٩.٠	चितवन, मकवानपुर र सर्लाही जिल्लाहरुको तराई र भित्रीमधेश
२	बागेश्वरी	२०४८ (१९९२)	२६१	२.०	धनुषा, सर्लाही र बाँके जिल्लाहरु

#### (च) मास

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
9	कालु	२०४६ (१९८९)	४९	٩.२	मध्यपहाड र उपत्यका

## (छ) मुङ्ग

क्र.सं	. बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	पुसा वैशाखी	२०३२ (१९७६)	६०	٩.٤	तराई
२	कल्याण	२०६३ (२००६)	६०	०.६९	तराई, चुरे पहाड र मध्यपहाड
Ą	प्रतिक्षा	२०६३ (२००६)	६३	०.६८६	तराई, चुरे पहाड र मध्यपहाड

#### ३. तेलहन

#### (क) बदाम

ऋ.सं	बालीको	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
	जात		दिन	क्षमता	
				(मे. टन / हे)	
٩	बी. ४	२०३७ (१९८०)	१४०	٩.٤	तराई, भित्री मधेश र मध्यपहाड
२	जनक	२०४५ (१९८९)	१४४		तराई, भित्रीमधेश र मध्यपहाडी क्षेत्रको सिंचाईको सुविधा नभएको बलौटे दोमट माटो भएको क्षेत्र

-	-				
n	ज्योती	२०५३ (१९९६)	<b>१३७</b> _		तराई, भित्रीमधेश र मध्यपहाड़ी क्षेत्रको
			१५३		पानी नजम्ने तथा चिम्ट्याइलो माटो
					नभएको क्षेत्र
8	जयन्ती	२०५३ (१९९६)	११५		तराई, भित्रीमधेश र मध्यपहाडी क्षेत्रको
					पानी नजम्ने तथा चिम्ट्याइलो माटो
					नभएको क्षेत्र
X	राजर्षि	२०६२ (२००५)	<b>१३</b> ६	२.८४	तराई र भित्री मधेस
Ę	वैदेही	२०६२ (२००५)	990	₹. ₹	तराई र भित्रीमधेस

## (ख) तोरी

ऋ.सं	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
			दिन	क्षमता	
				(मे. टन/हे)	
٩	विकास	२०४६ (१९८९)	<u>८</u> ४-९०	०.5	मध्यमाञ्चलदेखि
					सुदूरपश्चिमाञ्चलसम्मको तराई र भित्री
					मधेश
?	लुम्ले १	२०५३ (१९९६)	८९-	0.9	पश्चिम क्षेत्रको ७०० मिटर उचाईभन्दा
			१५३		माथिको मध्यदेखि उच्च पहाड
ą	प्रगति	२०५३ (१९९६)	९९	9.0	पूर्वी मध्यपहाड, तराई र भित्रीमधेशको
					असिञ्चित भूमि
8	उन्नति	२०६२ (२००५)	८६	9.08	तराई, भित्री मधेश र कम उचाई भएको
					उपत्यकाको असिञ्चित क्षेत्र
X	प्रीति	२०६२ (२००५)	द३	१.२६	तराई, भित्रीमधेश र कम उचाई भएको
					उपत्यकाको असिञ्चित क्षेत्र
Ę	मारङ तोरी - २	२०७० (२०१३)	<b>د</b> ۶	0.9 -0.9	तराई तथा मध्य तराई
૭	जे वाई - १६, F1	२०७० (२०१३)	१६०	৭. দ	तराई तथा भित्री मधेशको सिंचीत
	( पञ्जीकरण मात्र)				तथा अर्ध सिंचीत क्षेत्र

## (ग) रायो

क्र.सं ·	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे.टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	पुसा बोल्ड	२०४५ (१९८९)	११०-११५	0.9	तराई र भित्रीमधेश
२	कृष्णा	२०४६ (१९८९)	991		मध्यमाञ्चलदेखि सुदूर पश्चिमाञ्चलसम्मको तराई र भित्रीमधेश

#### (घ) तील

(4) (1	4) (1)							
ऋ.सं	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता	सिफारिस क्षेत्र			
				(मे. टन/हे)				
٩	नवलपुर खैरो तील १	२०५७ (२०००)	5X	9. २	सिरहादेखि नेपालगञ्जसम्मका तराई			
२	नवलपुर भुत्से तील १	२०५७ (२०००)	٩.३	०.६४	तराई र भित्रीमधेश			

## ४. औद्योगिक बाली

## (क) सूर्ती

क्र.सं	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	बेलाचापी १	२०४६ (१९८९)	६०-७०	0.9	तराई

#### (ख) कपास

क.स	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	ट्याम्कट एस.पी. ३७	२०३४ (१९७७)	६०_७०	0.9	मध्यमाञ्चल र सुदूर पश्चिमाञ्चल

## (ग) उखु

ऋ.सं	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता	सिफारिस क्षेत्र
				(मे. टन∕हे)	
٩	जीतपुर १	२०५३ (१९९६)	३००-३६०	<b>બ</b> .૦	पूर्वाञ्चल, मध्यमाञ्चल र पश्चिमाञ्चलको सिंचित तराई
२	जीतपुर २	२०५३ (१९९६)	३००-३६०	९२.०	पूर्वाञ्चल, मध्यमाञ्चल र पश्चिमाञ्चलको असिञ्चित तराई
ą	जीतपुर ३	२०६० (२००४)	३००-३६०	७९.२	तराई
8	जीतपुर ४	२०६० (२००४)	३००-३६०	<b>द</b> ६.०	तराई

## (घ) जुट

क्र.सं	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	इटहरी १ (सेतोपात)	२०५६ (१९९९)	११८	₹. ४	पूर्वी तराई
२	इटहरी २ ( सुनौलो पात)	२०५६ (१९९९)	११६	₹. ₹	पूर्वी तराई

#### (ङ) अदुवा

ऋ.सं	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	कपुरकोट अदुवा	२०५८ (	२२५-२४०	२२–३८	१६०० मिटर उचाईसम्मको
	٩	२००१)			भित्रीमधेश, मध्यपहाड र बेंसी

## ५. तरकारी बाली

## (क) आलु

ऋ.सं	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
			दिन	क्षमता	
				(中.	
				टन / हे)	
٩	कुफ्री ज्योति	२०४९ (१९९२)	990	२३	पहाडमा वर्षे बालीको लागि माघ, फाल्गुण
					र चैत्र, हिउँदेबालीको लागि असोज र
					कार्तिकमा तथा कम वर्षा हुने पश्चिमका
					उच्च पहाडका लागि असार र साउन
२	कुफ्री सिन्दुरी	२०४९ (१९९२)	990-	२३	तराईमा हिउँदे बालीको रुपमा, असोजदेखि
			१२०		मंसिरसम्म र तल्लोपहाडी भेगमा
					कार्तिकदेखि पुससम्म
ş	डेजिरे	२०४९ (१९९२)	९०-१२०	१८	तराईमा हिउँदेबालीको रुपमा असोज र
					कार्तिक, मध्यपहाड र तल्लोपहाडमा भाद्र र
					असोज तथा मध्य पहाडदेखि उच्च पहाडमा
					वर्षेवालीको रुपमा माघ र फागुन
8	जनकदेव	२०५६ (१९९९)	990	३९.४	मध्य तथा उच्च पहाडी क्षेत्रमा गृष्म ऋतु,
					उपत्यका तथा तराई क्षेत्रमा शरद ऋतु र

					कम पानी पर्ने उच्च पहाडी क्षेत्रमा वर्षा ऋत
	, ,			_	9
X	खुमल सेतो १	२०५६ (१९९९)	990	३८.७	मध्य तथा उच्च पहाडी क्षेत्रमा गृष्म ऋतु,
					कम पानी पर्ने उच्च पहाडी क्षेत्रमा र
					मध्यपहाडी क्षेत्रमा शरद ऋतु
Ę	खुमल रातो २	२०५६ (१९९९)	९५	३६. २	तराई, भित्रीमधेश तथा खोंचहरुमा शरद
					ऋतु
૭	खुमल लक्ष्मी	२०६५ (२००८)	9२०-	२४-२८	मध्य तथा उच्च पहाडी भेग- वर्षे वाली
			980		सुख्खा उच्च पहाडी भेग- मनसून वाली
					तराई तथा भित्री मधेश- शरद तथा हिउँदे
					वाली
5	आई पी वाई 🛭	२०६५ (२००८)	990-	२५–२७	तराई तथा भित्रि मधेश
			१२०		

## (ख) काउली

ऋ.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
				क्षमता	
				(मे.टन/हे)	
٩	काठमाडौं स्थानीय	२०४६ (१९९०)	११०-१२०	२५.०	तराई, पहाड र उच्च पहाड
२	डोल्पा स्नोवल	२०५१ (१९९४)	११०-१२०	१५	तराई, मध्यपहाड र उच्च
					पहाड
Ą	सर्लाही दिपाली	२०५१ (१९९४)	५५–६०	5.0	तराई र मध्यपहाड
8	एन एस ६०एन, $F_1$ (पञ्जीकरण	२०६६ (२०१०)	५५–६०	२६–३०	तराई र पहाड
	मात्र)		100 1011	5 514	, .
X	एन एस १०६ , $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	७०-७४	२८-३४	तराई ,पहाड र उच्च पहाड
Ę	एन एस ९० ,F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	९०-९५	४०-६०	तराई ,पहाड र उच्च पहाड
૭	अन्ना ९०, F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	९०	४५-५६	तराई ,पहाड र उच्च पहाड
5	अन्ना कप, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	६०	<b>३</b> О	तराई ,पहाड र उच्च पहाड
9	रेनी , F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	<b>4</b>	३६-४०	तराई ,पहाड र उच्च पहाड
90	डमी, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७०	80-88	तराई ,पहाड र उच्च पहाड
99	युमिको ,F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	ও <del>ু</del>	२६–३०	तराई ,पहाड र उच्च पहाड
92	स्नो बेष्ट F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७०-७५	₹0- <b>४</b> 0	तराई ,पहाड र उच्च पहाड
93	ह्वाईट ईजल्याण्ड,F1 (पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	५०-५५	३३	तराई र मध्ये पहाड
98	ह्वाईट फ्ल्यास F1 (पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	990	४४	मध्ये पहाड
ঀৼ	मिल्कीवे $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१२०	५२.५	पहाड र उच्च पहाड

2	4 ( 0001				
१६	कासमिरे F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	990	५२.५	तराई र मध्ये पहाड
ঀ७	क्यान्डिड चार्म F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	990	५२.५	तराई र मध्ये पहाड
৭৯	युकोन F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	990	प्र६	तराई र मध्ये पहाड
98	नेपा ह्वाईट F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	900	३८	तराई र मध्ये पहाड
२०	स्नो क्राउन F1(पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	७०	२२–२४	तराई र पहाड
२१	स्नो मिस्टीक $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	50	₹ <b>7-</b> 80	तराई र पहाड
२२	स्नो ग्रेस F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७३	₹ <b>7-</b> 80	तराई र पहाड
२३	नेपा ६०, F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	ሂሂ	२६-२८	तराई र पहाड
२४	स्नो क्वीन F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	५०	२०-२२	तराई र पहाड
२५	स्नो डोम	२०६६ (२०१०)	<u> ج</u> لا	80-8X	तराई र पहाड
२६	स्नो मार्च , F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१८०	५०-५५	तराई र पहाड
२७	ह्वाईट कप , $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	५०-५५	<b>१</b> ५–१६	तराई र पहाड
२८	ह्वाईट किङ , (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७०	१८-२०	तराई र पहाड
२९	ह्वाईट कलाउंड, (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७०-७५	२२-२३	तराई र पहाड
30	ह्वाईट डायमण्ड , F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	८०-८४	३६	तराई र पहाड
39	स्ना मून, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	९०-१००	80-88	तराई र मध्यपहाड
३२	सिल्भरकप ६०, F1(पञ्जीकरण मात्र	२०६७ (२०१०)	५०-६०	२४-३०	मध्यपहाड र तराई
३३	सिल्भरमून ६० , $F_{\rm I}$ (पञ्जीकरण मात्र	२०६७ (२०१०)	५०-६०	२०-२६	मध्यपहाड र तराई
38	रेमी , F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	५०-६०	₹8-30	मध्यपहाड र तराई
३५	ह्वाईट टप, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	९०	४२	मध्यपहाड र तराई
३६	सुपर ह्वाईट टप, F <sub>I</sub> (पञ्जीकरण मात्र	२०६७ (२०१०)	९५	प्र६	मध्यपहाड र तराई
३७	देवि १, F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	९५	४९	मध्यपहाड र तराई
३८	देवि २, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०१०)	994	४८	मध्यपहाड र तराई
३९	एन २२, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०१०)	१३०	६०	मध्यपहाड र तराई
४०	मनास्लु , F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०१०)	<u>५</u> ०	२८	मध्यपहाड र तराई
४१	निम्पु , F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	20	२८	मध्यपहाड र तराई
४२	ह्वाईट मुन, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	१२५	४८	मध्यपहाड र तराई
४३	८०४, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	९०	२८	मध्यपहाड र तराई
88	ह्वाइट स्नो, F <sub>1</sub> ( पञ्जीकरण मात्र)	२०६९ (२०१२)	५५-६०	२२.९	तराई भित्री मधेस र पहाड
४४	मेघा F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३)	६०-६५	४०-५०	तराई र मध्य पहाड
४६	अल द राउण्ड ( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३)	१३०	१५–२०	तराई , मध्य पहाड र उच्च पहाड
४७	स्ना वेभ F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३)	६०-६५	५०-५५	तराई र मध्य पहाड

[	४८	जुली F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३)	५०-५५	₹ <b>%</b> 0	तराई र मध्य पहाड
ſ	४९	फुुजिएमा F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३)	७-५४	<b>३</b> ५	तराई र मध्य पहाड

## (ग) मूला

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
			दिन	क्षमता	
				(मे. टन/हे)	
٩	मिनोअर्ली	२०४६ (१९९०)	४०-४४	२६	तराई, पहाड र उच्च
					पहाडको सिञ्चित भूमि
२	ह्वाइट नेक	२०५१ (१९९४)	६०-६५	₹ <b>X</b>	मध्यपहाड
ą	प्युठाने रातो	२०५१ (१९९४)	७०-८०	४३	मध्यपहाड
8	चालीस दिने	२०५१ (१९९४)	३४-४४	२८	तराई र मध्यपहाड
X	टोकिनासील (पञ्जीकरण मात्र)	२०५१ (१९९४)	५२–६०	39	११०० मिटरदेखि १७००
					मिटरसम्मको मध्यपहाड
Ę	धनकुटे	२०५१ (१९९४)	५५-६०	४२	११०० मिटरदेखि १७००
	(पञ्जीकरण मात्र)				मिटरसम्मको मध्यपहाड
૭	अल सिजन ह्वाईट (पञ्जीकरण मात्र) OP	२०६६ (२०१०)	90	२०-३०	तराई ,पहाड र उच्च पहाड
2	मिनोअर्ली लड ह्वाईट (पञ्जीकरण मात्र) OP	२०६६ (२०१०)	४४-६०	₹0-₹0	तराई ,पहाड र उच्च पहाड
9	वाइ आर ह्वाईट स्प्रिङ $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	६०-६५	४०-८०	तराई र पहाड
90	मिनोअर्ली लङ ह्वाईट F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४४-६०	४०-६०	तराई र पहाड
99	एनी सिजन , (पञ्जीकरण मात्र ) OP	२०६६ (२०१०)	90	४०-६०	तराई र पहाड
92	ग्रीन बो, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	६५	४०-६०	तराई र पहाड
93	ट्रिपकल कस, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०-४४	४०-६०	तराई र पहाड
98	ग्रिन नेक, OP (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	४०-५०	<b>х</b> _७	मध्य,पहाड र तराई
१४	लङ ह्वाईट मिनोङ, FI (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	६०	४०-६०	मध्य पहाड
१६	सिन्जीन, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	६५	80-8X	मध्य पहाड
ঀ७	बि एन ४२९, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	६०	४०-४४	मध्य पहाड
१८	रिक – ४५ ( पञ्जीकरण मात्र)	२०७०(२०१३ )	४४-५० १४०	४४ <b>-५</b> ० ०. <b>५-</b> ०.९ <sub>बीउ</sub>	तराई र मध्यपहाड

#### (घ) सलगम

<b>新</b> . <b>सं</b>	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन∕हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	पर्पल टप	२०४६ (१९९०)	६०-७०	२३	तराई, पहाड र उच्च पहाड
२	फुयुनोसो , F1, (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	५०-६०	१०-१८	मध्यपहाड र तराई

## (ङ) रायो साग

ऋ.सं	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
				क्षमता	
				(मे. टन/हे)	
٩	खुमल चौडापात	२०४६ (१९९०)	५०-६०	३५.०	तराई, पहाड र उच्च
					पहाड
२	मार्फा चौडापात	२०५१ (१९९४)	<b>४</b> ४−६४	२८.०	मध्यपहाड र उच्च पहाड
æ	खुमल रातोपात	२०५१ (१९९४)	६0_७0	२८.०	मध्यपहाड र उच्च पहाड
8	ताङ्गखुवा रायो	२०५१ (१९९४)	३०-३६	३१.०	११०० मिटरदेखि १७००
					मिटरसम्मको मध्यपहाड
X	माईक जायन्ट,	२०६६ (२०१०)	₹~&O	٩	
	(पञ्जीकरण मात्र )				तराई र पहाड
	OP				
Ę	रेड जायन्ट,	२०६६ (२०१०)	₹X-&0	٩	
	(पञ्जीकरण मात्र )				तराई र पहाड
	OP				

#### (च) प्याज

ऋ.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
				क्षमता	
				(मे.टन / हे)	
9	रेड कियोल	२०४६ (१९९०)	<del>\$</del> 0	<b>9</b> ¥	तराई, पहाड र उच्च पहाड तीनै भौगोलिक क्षेत्रमा क्रमशः कार्तिकदेखि मंसिर, भाद्रदेखि कार्तिक र फागुनदेखि चैत्रसम्म लगाउने

२	सुपरेक्स् F1 (पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	१३०-१५०	३४-३८	तराई र पहाड
m	टि आई १७२ , F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)		₹ <b>२</b> –₹ <b>X</b>	तराई र पहाड
8	कास $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	२५०	६०	तराई र पहाड
X	भेनस्, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	300	४४	तराई र पहाड
Ę	विन्टर सिल्भर, $F_{\rm I}$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	300	४४	तराई र पहाड
૭	भेनस् F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६८	१३०-१६५	१६.६–२०.०	तराई र मध्य पहाड

#### (छ) गोलभेँडा

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
				क्षमता	
				(मे. टन/हे)	
٩	पुसारुबी	२०४६ (१९९०)	६०	१५.०	तराई र पहाड
२	रोमा	२०५१ (१९९४)	६५-७०	१२-१४	तराई र मध्यपहाड
n	मनप्रेकस	२०५१ (१९९४)	<u>८०-</u> ९०	२०-४०	मध्य र उच्च पहाड
8	एन.सी.एल. १	२०५१ (१९९४)	६५_७०	२०-३०	तराई र मध्यपहाड
¥	सृजना, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	90-20	१०५-११०	मध्यपहाड: ८०० मि.देखि १६०० मि. तराई: १५० मि. माथि
Ę	गौरव $xxx$ , $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२००९)	900- 90%	१०६	तराई तथा मध्य पहाड
૭	अमिता , F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	९५-१००	९६.२	तराई तथा मध्य पहाड
2	एन एस ८१४, F₁(पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	90-20	50-90	तराई र पहाड
9	एन एस ७१९, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	9 <u>८</u> -८०	50-90	तराई र पहाड तथा रिभर बेसिन
90	स्वरक्षा , $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७५-८०	८०-९०	तराई र पहाड
99	एन एस २५३५, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७५–८०	१४०-१५०	तराई र पहाड
92	एन एस <b>५३</b> , F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	द0-द¥	९०-१००	तराई र पहाड
93	युरेका , F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१०२	९३.७	तराई र पहाड
१४	साभेरा, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१०५	993	तराई र पहाड
१५	जिको, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१०४	१४०	तराई र पहाड
१६	सेन्स् , F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१०७	<b>ባ</b> ባሂ	तराई र पहाड
ঀ७	सेरेस्, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	99२	१०५	तराई र पहाड
१८	स्पेक्ट्रा, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	909	१२२	तराई र पहाड
१९	एस्ट्रा ७१७, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१०३	939	तराई र पहाड
२०	नोभा, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१०७	१५२	तराई र पहाड

२१	मारिना, $\mathbf{F_1}$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१०५	99३	तराई र पहाड
२२	भि एल ४४३, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	१०४	१४०	तराई र पहाड
२३	माधुरी, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	<u>५०</u>	१२०	मध्यपहाड र तराई
58	जमुना, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	<b>5</b> ₹	१२०	तराई तथा मध्यपहाड
२५	माकिस्, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	६०-७०	<b>३</b> О	तराई तथा मध्यपहाड
२६		२०६७ (२०१०)	<u>८</u> ४-९०	५६	तराई, मध्य तथा
	वपेल, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१७)			उच्चपहाड
२७		२०६७ (२०१०)	६०-७०	३०	तराई, मध्य तथा
	दलिला, $\mathbf{F}_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१७)			उच्चपहाड
२८	जिना, OP	२०६९ (२०१२)	५०-५५	३८	तराई भित्री मधेस र
	( पञ्जीकरण मात्र)	4047 (4014)			पहाड
२९	टी. – ३०, F1	२०६९ (२०१२)	६०-६५	५७	तराई भित्री मधेस र
	( पञ्जीकरण मात्र)	२०६८ (२०१२)			पहाड
30	सुर्य- १११ F1(पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	900-	६०.५	तराई र मध्य पहाड
			१०५		
39	अमरुता F1 ( पञ्जीकरण मात्र)	२०७०(२०१३ )	६०-७०	४०-५०	तराई क्षेत्र
३२	मिन्टो F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७०(२०१३ )	६०-६५	१००-१२०	तराई र मध्य पहाड

#### (ज) गाँजर

ऋ.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
				क्षमता	
				(मे.टन/हे)	
٩	नानटिस फोर्टे	२०४६ (१९९०)	९०-१००	<b>१</b> २.०	तराई, पहाड र उच्च
					पहाड
२	न्यु कुरोदा, (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	900	५०-६०	तराई ,पहाड र उच्च
	OP	4044 (4010)			पहाड
ą	नेपा ड्रिम , F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१२०	२५	तराई र पहाड
8	सिग्मा, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	१२०	२५	तराई र पहाड
X	कुरोदा मार्क II, F1,	२०६७ (२०१०)	५०-६०	<b>¥</b> _७	गध्य गराच र चरार्ट
	(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०५०)			मध्य पहाड र तराई
Ę	मस्काडे ( पञ्जीकरण मात्र)	२०७०(२०१३ )	५५-६०	90 <u>-</u> 900	तराई र मध्य पहाड

#### (भा) बन्दा

<i>નં/</i> બંધા							
ऋ.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र		
				क्षमता			
				(मे.टन / हे)			
٩	कोपनहेगन मार्केट	२०५१ (१९९४)	७०-९०	३५	तराई र मध्यपहाड		
२	नेपा ग्रिन ७७७, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	<b>≂</b> Χ-९0	<b>ઝ</b>	तराई तथा मध्य पहाड		
ą	बिगसन १७१, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	९५-१००	50	उच्च पहाड		

8	नेपा राउण्ड, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	९०	૭૪	तराई
X	-, -1		९०-१००	४०-५०	तराई ,पहाड र उच्च
	सुपर ग्रिन, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)			पहाड
Ę		2055 (2000)	९०	३६-४०	तराई , पहाड र उच्च
	रेयर बल, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)			पहाड
૭	ग्रिन कोरोनेट, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७५-८०	३५-३८	तराई र पहाड
5	सुपर कोरोनेट, F1 (पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	७५-८०	३२–३५	तराई र पहाड
9	नेपा स्टार, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७५-८०	२२–२५	तराई र पहाड
90	टि ६२१ , F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	५५-६०	१८-२०	तराई र पहाड
99	रुवि किङ, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	ও্য	२२–२५	तराई र पहाड
92	समर कस, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	ሂ३–ሂട	४५-६०	तराई र पहाड
93	ग्रिन च्यालेन्जर F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	६०-६५	४५-६०	तराई र पहाड
98	ग्रिन हिरो, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	<b>५३-५</b> ८	४५–६०	तराई र पहाड
१५	नेपा म्याजिक, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	६०-६५	४५-६०	तराई र पहाड
१६	बोनस, F1-पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	८०-८४	६०-७०	तराई र पहाड
ঀ७	गोल्डेन बल, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४८-४३	४५-६०	तराई र पहाड
१८	क्षितिज, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	<b>५३-५</b> ८	४५-६०	तराई र पहाड
१९	ऋषि, $F_1$ पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	६०-६५	४५–६०	तराई र पहाड
२०	ग्रीन काउन, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	७५-८०	२०-२५	मध्य पहाड
२१	ग्रीन टप, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	990	४८	मध्य पहाड र तराई
२२	एन एस आर, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	900	४२	मध्य पहाड र तराई
२३	के एफ ६५, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	९५	३९.२	मध्य पहाड र तराई
२४	एन ७६६, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	900	४८	मध्य पहाड र तराई
२५	एन वाई सि आर, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र	२०६७ (२०१०)	900	४८	मध्य पहाड
२६		२०६७ (२०१०)	७५-८०	५०-६०	तराई, पहाड र उच्च
	ग्रीन हट, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१७)			पहाड
२७	वाई आर होनाम, $F_1$ (पञ्जीकरण	२०६७ (२०१०)	७४-८०	५०-६०	तराई, पहाड र उच्च
	मात्र )	7040 (4010)			पहाड
२८	एशिया एक्प्रेस, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	ሂሂ	४०-५०	तराई र मध्य पहाड
२९	सि.जे. एन. – १२, F1(पञ्जीकरण	२०६९ (२०१२)	७५-८०	४९.३	तराई भित्री मधेस र
	मात्र)				पहाड
30		२०६९ (२०१२)	५०-५५	३९.२	तराई भित्री मधेस र
	एशिया कस, F1(पञ्जीकरण मात्र)				पहाड
39	जेनिथ F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	५५–६५	४०	तराई
३२	फुटोस्की F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	९०	₹0-8 <i>X</i>	तराई , मध्य पहाड

## (ञ) तनेबोडी

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे.टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	खुमल तने	२०५१ (१९९४)	६०-७०	<b>୪.</b> ሂ	तराई र मध्यपहाड
२	सर्लाही तने	२०५१ (१९९४)	५०-६०	<u>9</u> .0	तराई र मध्यपहाड

3	चन्द्रा ०४१, (	२०६६ (२०१०)	४८	33	तराई र मध्यपहाड
	पञ्जीकरण मात्र ) OP				
8	कर्मा स्टीकलेस	२०७० (२०१३ )	४४	१५	तराई र मध्य पहाड
	( पञ्जीकरण मात्र)				
X	एनओ – ३२४	२०७० (२०१३ )	६०-६५	४.६	तराई , मध्य पहाड र
	( पञ्जीकरण मात्र)				उच्च पहाड
Ę	सेला -४६४	२०७० (२०१३ )	₹X-80	X	तराई र मध्य पहाड
	( पञ्जीकरण मात्र)				

## (ट) घिउ सिमी

क्र.सं ·	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे.टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	त्रिशुली सिमी	२०५१ (१९९४)	७०-७५	98.0	मध्य र उच्च पहाड
२	भांगे सिमी	२०५१ (१९९४)	५०-५५	9.0	तराई र मध्य पहाड
3	मन्दिर (पञ्जीकरण मात्र ) OP	२०६६ (२०१०)	४६	9२	तराई र मध्यपहाड

## (ठ) केराउ

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	सर्लाही आर्केल	२०५१ (१९९४)	६०-६५	<b>х</b> _७	तराई, मध्य र उच्च पहाड
२	न्यू लाईन	२०५१ (१९९४)	<b>≂</b> Χ-९0	६- <b>८</b>	तराई र मध्य पहाड
æ	सिक्किमे	२०५१ (१९९४)		२५_३०	तराई, मध्य र उच्च पहाड

## (ड) भेडे खुर्सानी

क स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	क्यालिफोर्निया	२०५१ (१९९४)	<u>८०-</u> ९०		तराई, मध्य र उच्च पहाड
२	सागर (पञ्जीकरण मात्र)OP	२०६६ (२०१०)	६५-७५	३६	तराई र मध्यपहाड
m	एन एस ६३२, F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	६५	88-X0	तराई र पहाड

## (ढ) खुर्सानी

क स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
			दिन	क्षमता	
				(मे.टन/हे)	
٩	ज्वाला	२०५१ (१९९४)	६०-७०	२५-३०	तराई, मध्य र उच्च
					पहाड
२	कर्मा ७४७, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७०	80	तराई र मध्यपहाड
Ą	कर्मा ७७७, $\mathbf{F}_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	६५	६०	तराई र पहाड
8	नेपा हट, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१२०	४०	तराई र मध्यपहाड
ሂ	अन्ना ३, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७०-७५	80-88	तराई र पहाड
Ę		2055 (2090)	७५–८४	द०-९०	तराई र मध्यपहाडका
	एन एस १७०१, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)			नदी किनारहरु
૭		२०६६ (२०१०)	७०-८०	७०-७४	तराई र मध्यपहाडका
	एन एस ११०१, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	4044 (4010)			नदी किनारहरु
5		२०६६ (२०१०)	७०-८०	७०-७६	तराई र मध्यपहाडका
	गोली, $\mathbf{F}_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	(344 (3010)			नदी किनारहरु
9		२०६६ (२०१०)	७५–८४	५०-५६	तराई र मध्यपहाडका
	आकास, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	4044 (4010)			नदी किनारहरु
90	बिग मामा ३, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	९५	५०	तराई र पहाड
99	ओमेगा, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	99ሂ	५०	तराई र पहाड
92	सुपर तारा, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	११८	४०	तराई र पहाड
१३	मार्शल, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	99ሂ	३५	तराई र पहाड
98		2050 (2002)	६५	४९.३	तराई भित्री मधेस र
	सुद्र, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६९ (२०१२)			पहाड
٩ሂ	प्रिमियम F1(पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	८०-८ <u>४</u>	२५-३०	तराई र मध्य पहाड
१६	नैना F1(पञ्जीकरण मात्र)	२०७० ( २०१३	50	४०-५०	तराई र मध्य पहाड
		)			

#### (ण) भण्टा

ऋ स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
			दिन	क्षमता	
				(मे.टन / हे)	
٩	नुर्की	२०४१ (१९९४)	६०-६५	२५-३०	तराई र मध्य पहाड
२	एन एस ७९७ , $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	<u>५५-</u> ६०	₹0-&0	तराई र मध्यपहाडका नदी किनारहरु
nv	अर्का केशव (पञ्जीकरण मात्र ) OP	२०६६ (२०१०)	७०-७५	<del>20-58</del>	तराई र मध्यपहाडका नदी किनारहरु

8	अन्ना ८०६, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	६४	80-8X	तराई र मध्यपहाडका नदी किनारहरु
ሂ	, ,	२०६७(२०१०)	६०-७०	90	तराई, पहाड र उच्च
	रुनाको, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )				पहाड
Ę	मायालु- ५५५ F1(पञ्जीकरण	२०७० (२०१३ )	ও্য	४४	तराई र मध्य पहाड
	मात्र)				
૭	साम्ली F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	४४-४०	५०	तराई
5	आशा F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	६०-६५	६०-७०	तराई र मध्य पहाड

## (त) घिरौंला

क स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
				क्षमता	
				(मे.टन/हे)	
٩	कान्तिपुरे	२०५१ (१९९४)	११०-१२०	ባሄ-ባፍ	मध्य पहाड
२	न्यु नारायणी, $F_1$ (ञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४४	१३	तराई र मध्यपहाडका
æ	गिता, $\mathbf{F}_{\mathbf{I}}$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०	क	तराई र मध्यपहाडका
8	एन एस४४५, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	80-8X	२४-३६	तराई र मध्यपहाड
X	एन एस४४१, F1 (पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	80-8X	२०-३०	तराई र मध्यपहाड
Ę	निशा-७७७ F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	४४	४०	तराई र मध्य पहाड
9	सरिता F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	४४-४०	५०-७०	तराई
5	सिन्धु F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	५०-६०	५०-७०	तराई

## (थ) काँको

क स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
				क्षमता	
				(मे.	
				टन / हे)	
٩	कुश्ले	२०५१ (१९९४)	७५-८०	9 <del>1</del> -95	तराई र मध्य पहाड
२	एन एस ४०४, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३०-३५	२.४-३.२	तराई र पहाड
Ą	एन एस ४०८, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	X8-8X	8	तराई र पहाड
8	चाँदनी, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३६	४८	मध्यपहाड
ሂ	सिमरन, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३५	६३	मध्यपहाड
Ę	मलिका ९९९, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३७	५८	तराई
૭	कोपिला, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३५	६५	तराई र मध्यपहाड
5	कर्मा, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३५	६३	तराई र मध्यपहाड
9	गौरी ७५७, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३५	६३	तराई र मध्यपहाड
90	हिमाल, F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३५_३७	६०	मध्यपहाड
99	गरिमा, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४४-४८	ሂሂ	तराई र मध्यपहाड
92	मनिषा, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	<b>३</b> ५	६०	मध्यपहाड
93	सन्जय, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३५_३७	६१	मध्यपहाड

98	सालिनी, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३६-४६	४४	तराई र मध्यपहाड
9ሂ	सिता ८८८, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	38	६६	मध्यपहाड
१६	रमिता, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३५-३८	६३	मध्यपहाड
ঀ७	पार्वती ४७८, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	<b>३</b> ४	६०	मध्यपहाड
१८	शाहिनी १, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३६	६८	तराई
१९	शाहिनी २, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३७	६८	तराई
२०	निन्जा १७९, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३५	६३	तराई र मध्यपहाड
२१	नेपा दुसी, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०-४०	<b>ባ</b> ሂ–ባፍ	तराई र पहाड
२२	नेपा टुसी ००५, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०-४०	१८-२०	तराई र पहाड
२३	नेपा टुसी १०३, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०-४०	१८-२०	तराई र पहाड
२४	डयाडी २२३१, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३५	30-80	तराई र पहाड
२५	लक्की स्टार, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३४	₹0-80	तराई र पहाड
२६	डाइनेष्टी, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४२	४०-६०	तराई र पहाड
२७	बेली $\mathbf{F}_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०	५०-७०	तराई र पहाड
२८	म्याजेष्टी, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०	५०-७०	तराई र पहाड
२९	हिमालय, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	४४	६३.७	मध्य पहाड र तराई
30	हिरो, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	४७	७०	तराई
39	जुबोराज ४९१, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	४४	७६. ५	मध्य पहाड र तराई
३२	कानेना, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	₹ <b>7</b> -80	१५-२०	मध्य पहाड र तराई
३३	कासिन्दा, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	३४-३८	१५-२०	मध्य पहाड र तराई
38		२०६९ (२०१२)	५२	રહ.૧	तराई भित्री मधेस र
	एल. – ३३३ (पञ्जीकरण मात्र)	1247 (12(4)			पहाड
<b>३</b> ५	राजा F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	४४	६५	तराई
३६	मालिनी F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	४३-४४	४४-४८	तराई
३७	एनओ- १२९ F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	ሂሂ	३२	तराई र मध्य पहाड

#### (द) स्क्वास फर्सी

क	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
स.				क्षमता	
				(मे.टन / हे)	
٩	असारे स्क्वास	२०५१ (१९९४)	६०-८०	९७.८	तराई र मध्य पहाड
२	अन्ना १०१, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	६५_७०	४०-५०	तराई र पहाड
Ą	अन्ना २०२, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	६५-७०	३६-४०	तराई र पहाड
8	अन्ना ३०३, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	६५-७०	४०	तराई र पहाड
X	सनी हाउस, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	५०-५२	४१.८	तराई र पहाड
Ę	टुरु ग्रीन, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३८-४३	२९	तराई र पहाड
9	सोन्डो भि, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	३८-४३	२५	तराई र पहाड
5	लङ ग्रीन, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	<b>५३-५</b> ८	२५	तराई र पहाड
9	हनि डेजर्ट, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	९०-९५	१८	तराई र पहाड
90	डेभिन्च (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	६०-७५	१०५	मध्य पहाड र तराई
99	स्टार व आई जुिकनी(पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	५०-५५	990	मध्य पहाड र तराई

9२	ग्रे जिकनि ( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	४४	50	तराई र मध्य पहाड

## (ध) स्वीस चार्ड

क स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	सुसाग	२०५१ (१९९४)	६०-७०	२०-३४	तराई, मध्य र उच्च पहाड

#### (न) तीते करेला

क स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
				क्षमता	
				(मे.टन/हे)	
٩	हरियो करेला	२०५१ (१९९४)	९०-१००	२०-२५	तराई र मध्य पहाड
2	चन्द्रा, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४८-४०	१९.८	तराई र मध्यपहाड
¥	लक्ष्मी	२०६६ (२०१०)	χo	२८	तराई ,मध्यपहाड तथा उच्च पहाड
R	पिपल, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	ΧO	२०.९	तराई ,मध्यपहाड तथा उच्च पहाड
X	शिव, F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४८-५०	२१.४	तराई
Ę	सेती ४४४, F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४६-४८	२६.९	तराई ,मध्यपहाड तथा उच्च पहाड
૭	कोमल F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४८-४०	३४.६	तराई ,मध्यपहाड तथा उच्च पहाड
5	गंगा, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	80-8X	२४	तराई
९	सम्बृद्धि, F <sub>1</sub> पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४८-४०	३४.८	तराई ,मध्यपहाड तथा उच्च पहाड
90	हिरा, F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४८-४०	२४.३	तराई
99	एन एस ४५३, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०-५०	80-8X	तराई ,र पहाड
9२	एन एस ४५४, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०-५०	80-8X	तराई र पहाड
93	एन एस १०२४, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०-४०	80-8X	तराई र पहाड
98	एन एस ४३१, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०-५०	80-8X	तराई र पहाड
१४	एन एस ४३४, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०-५०	४४-४८	तराई र पहाड
१६	एन एस ४३३, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०-४०	80-8X	तराई र पहाड
ঀ७	पाली, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	४०-५०	<i>х</i> х−хо	तराई, पहाड र उच्च पहाड
٩٣	केशव -७७७ F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	५०	२८.४	तराई र मध्य पहाड
१९	हरीत F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	६०-७०	₹0−3	तराई र मध्य पहाड

२०	रमन F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	६०-६५	₹ <b>7</b> -80	तराई
२१	माया F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	४४	80-8X	तराई र मध्य पहाड

## (प) रामतोरिया

क	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
स.				क्षमता	
				(मे.टन/हे)	
٩	पार्वती	२०५१ (१९९४)	५०-६०	१२–१६	तराई, मध्य र उच्च पहाड
२	अर्का अनामिका (पञ्जीकरण मात्र ) OP	२०६६ (२०१०)	80-8X	२४-३२	तराई , मध्यपहाड र उच्च पहाड
ą	जया F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७०(२०१३ )	४४-४०	१३–२०	तराई

## (फ) पालुङ्गो

क स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता	सिफारिस क्षेत्र
				(मे. टन/हे)	
٩	हरिपाते	२०५१ (१९९४)	४०-४४	१२–१६	तराई, मध्य र उच्च पहाड
२	डब्लु किङ, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	१२०	१८-२७	तराई , र पहाड
æ	एशिया डोङ चो, F1 (पञ्जीकरण मात्र	२०६७ (२०१०)	५०-६०	१०-१८	मध्य पहाड र तराई
8	एशिया वोल डोङ, F1(पञ्जीकरण मात्र	२०६७ (२०१०)	५०	१०-१८	मध्य पहाड र तराई

## (ब) ब्रो काउली

क	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता	सिफारिस क्षेत्र
स.				(मे. टन/हे)	
٩	ग्रीन डोम ११४, F1 (पञ्जीकरण	२०६६ (२०१०)	994	२०-२४	तराई पहाड तथा उच्च
	मात्र )	(344 ((3[3)			पहाड
२		2055 (2000)	50	१८-२४	तराई ,मध्यपहाड तथा
	ग्रीन डोम ८०, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)			उच्च पहाड
n	ग्रीन पारासोल, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	७३	३०−३२	तराई ,र पहाड
8	प्रिमियम कप, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	६०-६५	२१–२३	तराई ,र पहाड
X	सेन्ताउरो, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	६८	२२-२५	तराई ,र पहाड
દ્	ग्रीन पिया, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	<b>5</b> X	१६–१७	तराई ,र पहाड
9	साकुरा, F1(पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०१०)	९५	90-97	मध्य पहाड
5	एभरेष्ट ग्रीन, F1(पञ्जीकरण मात्र)	२०६७ (२०१०)	९५	२५-३०	तराइ र मध्य पहाड
9	किङ डोम, $F_1(पञ्जीकरण मात्र)$	२०६७ (२०१०)	<u>८</u> ४-९०	१६–२४	तराइ र मध्य पहाड
90	अर्ली यु, F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	६०-६५	<b>१२-</b> १८	तराइ र मध्य पहाड

99 नोक गक, F1(पञ्जीकरण मात्र) २०६६ (२०१०) ५४-९० १६-२४ तराइ र मध्य पहाड
--

## (भ) तर्बुजा

क्र स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	लक्ष्मी ७४७, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	9	२०.५	तराई
२	लक्ष्मी ७६७, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	७५-८०	₹0.1	तराई
¥	मस्ताना F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	<b>६</b> ५-७0	७०-८०	तराई

## (म) फर्सि

क स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	सोनार $0$ २२, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६ (२०१०)	७५-८०	ሂሂ	तराई

## (य) लौका

क	बालीको जात	सिफारिस	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
स.		वर्ष	दिन	क्षमता	
				(मे.टन/हे)	
٩	काभेरी, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६(२०१०)	४४-४०	४०-५०	तराई ,र पहाड
२	एन एस ४२१, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६(२०१०)	४५-५०	४४-५६	तराई ,र पहाड
m	एन एस ४४३, F1 (पञ्जीकरण मात्र)	२०६६(२०१०)	<i>γ</i> 3–χο	₹0- <b>%</b> 0	तराई ,र पहाड
8	अनमोल, F1(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७(२०१०)	६०	9२	तराई, पहाड र उच्च पहाड
X	धारा F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७०(२०१३)	४५-६५	<u>ұо-७о</u>	तराई तथा पहाड

## (र) पाटे घिरौंला

क स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे.टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	ह्यु क्यु ५०१, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	80		तराई र मध्यपहाड
२	भिसेट सि सि १६५, $\mathbf{F_1}$ (पञ्जीकरण मात्र	२०६६ (२०१०)	३४-४०	<b>₹</b> O	तराई र मध्यपहाड
ą	एन एस ४०१, F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४०-४४	४४-४८	तराई र पहाड

## (ल) धनियाँ

क	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
स.			दिन	क्षमता	
				(मे. टन/हे)	
٩	लोटस (पञ्जीकरण मात्र ) OP	२०६६ (२०१०)	४०-५०	ঀঀ.ৢৢৢ	तराई ,र मध्यपहाड
२	सुरभी (पञ्जीकरण मात्र ) OP	२०६६ (२०१०)	३५	9६-२०	तराई , मध्यपहाड र उच्च पहाड
m	अमेरिकन लङ्ग स्ट्यान्डीङ ( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	४५-५०	97.7	तराई र मध्य पहाड
४	एक्स एम एल एनओ -४६४ F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	₹X	<u>૭</u> .૨	तराई , मध्य पहाड र उच्च पहाड
X	रामसेस F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७० (२०१३ )	५०-६०	६-७	तराई र मध्य पहाड

#### (व) चिचिण्डा

कस.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	कर्णाली, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	४४	30	तराई र मध्यपहाड
२	हरियाली, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	५०	30	तराई रमध्यपहाड

## (श) कुरिलो

कस.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	मेरी वाशिङटन ५०० डब्लु, (पञ्जीकरण मात्र ) OP	२०६६ (२०१०)	२१०		तराई , मध्यपहाड र उच्च पहाड

## (ष) पार्सले

क	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
स.				क्षमता	
				(मे.टन ∕ हे)	
٩	पार्सले ग्रीन कारपेट (पञ्जीकरण मात्र) OP	२०६६(२०१०)	६०-६५	٩	तराई , र पहाड
२	सोइ सिम (पञ्जीकरण मात्र) OP	२०६६(२०१०)	६०-६५	2	तराई , र पहाड
Ą	सेलेरी उताह टल ग्रीन (पञ्जीकरण मात्र) OP	२०६६(२०१०)	७०-८०	٩	तराई , र पहाड

## (स) ग्यांठकोपी

क स	. बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे.टन ∕ हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	नेपा बल, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६(२०१०)	४०-५०	<b>9</b> ¥	तराई , र पहाड
2	सम्राट (पञ्जीकरण मात्र ) OP	२०६७(२०१०)	६०	<b>ባ</b> ሂ	मध्य पहाड

## (ह) पाकचोय

क स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
			दिन	क्षमता	
				(मे.टन ∕ हे)	
٩	टेप्टी ग्रीन $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६(२०१०)	४४-४०	४८-४७	तराई र पहाड
२	चोको (पञ्जीकरण मात्र ), OP	२०६७(२०१०)	४०-५०	२	तराई र मध्य पहाड
m	क्यान्टोङ ह्वाईट(पञ्जीकरण मात्र ), OP	२०६७(२०१०)	४०-५०	2	तराई र मध्य पहाड
8	एनओ -४१६ F1( पञ्जीकरण मात्र)	२०७०(२०१३)	२५०	<b>१</b> ६	तराई तथा पहाड

## (क्ष) जिरीको साग

कस.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
			दिन	क्षमता	
				(मे.टन/हे)	
٩	ग्रीन स्पान, (पञ्जीकरण मात्र)OP	२०६६ (२०१०)	५०-५५	<b>8−X</b>	तराई , मध्यपहाड र उच्च पहाड
२	ग्रीन वेभ (पञ्जीकरण मात्र)OP	२०६६ (२०१०)	80-8X	٩	तराई र मध्यपहाड तथा नदी किनारहरु
W	न्यु रेड फायर (पञ्जीकरण मात्र)OP	२०६६ (२०१०)	५०-५५	٩	तराई र मध्यपहाड तथा नदी किनारहरु

## (त्र) चुकन्दर

क स	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
٩	मधुर (पञ्जीकरण मात्र) OP	२०६६ (२०१०)	६०-७०	२४-३६	तराई र पहाड

#### (ज्ञ) चाईनिज बन्दा

क स.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन	सिफारिस क्षेत्र
				क्षमता	
				(मे. टन/हे)	
٩	ब्लुज, F1 (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	५५-६०	२२-२५	तराई र पहाड
२	विन्टर भिजिटर, $F_1$ (पञ्जीकरण मात्र )	२०६६ (२०१०)	९०	९०-११०	तराई र पहाड
ą	स्प्रीङ सन - ६०(पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	७५-८०	२०-२५	मध्य पहाड
8	एन ७, F <sub>1</sub> (पञ्जीकरण मात्र )	२०६७ (२०१०)	९५	४२	तराई र मध्य पहाड
X	सि आर चुन दे गिल, F1(पञ्जीकरणमात्र)	२०६७ (२०१०)	६५-७०	80-X0	तराई र मध्य पहाड

## ६. घाँसे बाली

## (क) जै

क्र.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता	सिफारिस क्षेत्र
				(मे. टन ∕ हे)	
٩	कामधेनु जै	२०६१ (२००४)	२०६	४१-७५	तराई र मध्य पहाड
२	नेत्र जै	२०६१ (२००४)	१९७	३२-९१	तराई र मध्य पहाड
ą	गणेश	२०६९ (२०१२)	२१७	४८-४०	तराई देखि मध्य पहाड
8	पार्वती	२०६९ (२०१२)	२०७	६१-७०	तराई देखि उच्च पहाड

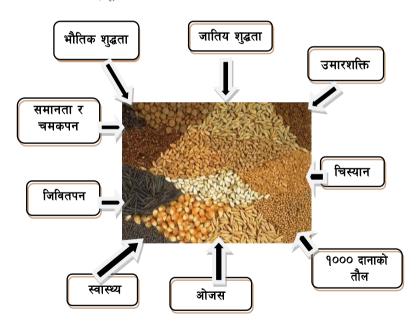
#### (ख) सेतो क्लोभर

•	क.सं.	बालीको जात	सिफारिस वर्ष	पाक्ने दिन	उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे)	सिफारिस क्षेत्र
ſ	٩	प्याउली सेतो क्लोभर	२०६९ (२०१२)	२२२	\$0−8X	मध्य पहाड देखि उच्च पहाड

## ७.२ गुणस्तरीय बीउका विशेषताहरू एवं नेपालमा बीउको गुणस्तर कायम गर्ने तरिका

#### गुणस्तरयुक्त बीउ बिजन भनेको के हो ?

गुणस्तरयुक्त बीउ भन्नाले कुनै पिन बाली/जातको बीउको बंशानुगत जातिय शुद्धता, भौतिक शुद्धता, उपयुक्त चिस्यान, राम्रो उमारशिक्त, रोग कीरा मुक्त स्वस्थ, समान आकार प्रकार, चमकपन (चित्र १) आदि गुणहरु तोकिएको मापदण्द अनुसार कायम भएको हुनु पर्दछ । बीउको उत्पादन, संकलन, प्रशोधन, भण्डारण, प्याकेजिङ्ग र विक्रि वितरण एवं ढुवानीको क्रममा बीउको गुणस्तर निरिक्षण तथा नियन्त्रणमा विशेष ध्यान पुऱ्याउन सिकएन भने त्यस्ता गुणहरुमा ह्रास हुन जान्छ । अतः गुणस्तरयुक्त बीउ उपलब्ध गराउन बीउ उत्पादक, आयातकर्ता, विक्रेता र बीउ विजन गुणस्तर नियन्त्रण गर्ने निकायको अहम् भूमिका रहन्छ ।



चित्र १. गुणस्तरीय बीउका विशेषताहरु (Seed quality attributes)

### नेपालमा बीउको गुणस्तर कायम गर्ने तरिका

नेपालमा बीउ बिजन ऐन २०४५ (पहिलो संशोधन, २०६४) अनुसार गुणस्तरिय बीउको उत्पादन तथा बिकी वितरणलाई नियमित एवं व्यवस्थित गर्न २ वटा प्रणालीहरु ( बीउ प्रमाणिकरण र यथार्थ संकेतपत्र लगाउने ) अवलम्बन गरिएको छ । निम्न दुई तरिकाबाट उपलब्ध हुने बीउ बिजनहरुलाई आधिकारिक गुणस्तरयुक्त बीउ मान्न

सिकन्छ । बीउ बिजन गुणस्तर नियन्त्रण केन्द्र र पाँच विकास क्षेत्रमा क्षेत्रीय बीउ बिजन प्रयोगशालाहरुले बीउ बाली खेत निरिक्षण, बीउ परिक्षण तथा बीउ प्रमाणिकरण र गुणस्तर नियन्त्रण कार्यमा सहयोग गर्दै आइरहेका छन् ।

### 9. बीउ प्रमाणिकरण (Seed Certification)

बीउ प्रमाणीकरण भनेको कुनै सिफारिस जातको वीउ उत्पादन तथा त्यस उपान्तका कियाकलापमा आवश्यक रोहवरी र निगरानी राख्दै बीउको गुणस्तरीयताको ग्यारेण्टी गर्नको लागि अपनाइने एक कार्य प्रणाली हो । यसमा वीउ गुण नियन्त्रण निकायले श्रोत बीउ, बीउ बाली, खिलहान, प्रशोधन केन्द्र, भण्डारण आदिको निरीक्षण गरी तयारी बीउको नमुना परिक्षण गर्दछ र तोकिएको गुणस्तरको हदभित्र रहेको विउ लटमा प्रमाणपत्र जारी गर्नुको साथै बीउ वोरामा निसाना सहितको संकेतपत्र राखी सिलबन्दी गर्दछ । बीउ प्रमाणिकरण गर्ने कार्य बीउ बिजन ऐन अनूसार स्वेच्छीक (Voluntary) छ । यस पद्धितमा श्रोत बीउ देखि लिएर उत्पादन पक्ष र बीउ थैलावन्दीसम्म बीउ बिशेषज्ञको निगरानीमा गरिन्छ । यस पद्धितमा व्यवस्थित तरिकाबाट विभिन्न तहमा अनुगमन एवं परीक्षण गरी/गराई खेतमा बीउ बालीको न्युनतम स्तर र बीउ बिजनको न्युनतम स्तर भन्दा माथि रहेको बीउलाई गुणस्तर अंकित प्रमाणिकरणको ट्याग (संकेत पत्र) लगाई बीउको ग्यारेन्टी दिईन्छ । यस पद्धितमा तीन वर्गहरुको बीउलाई (मुल, प्रमाणित प्रथम, प्रमाणित द्धितिय) मात्र बीउ प्रमाणिकरण निकाय बाट प्रमाणित गराइन्छ भने श्रोतबीउ (प्रजनन बीउ) लाई प्रजननकर्ताबाट नै प्रमाणित गर्ने व्यवस्था रहेको छ ।

### २. यथार्थ संकेतपत्र (Truthful Labeling)

यो पद्धित अनिवार्य (Compulsory) छ । यस प्रािक्रयामा बीउ प्रमाणिकरणमा जस्तै हरेक पक्षमा बीउ प्रमाणिकरण निकायका बीउ विशषज्ञहरूले प्राविधिक निरीक्षण गरिदैन । यस पद्धितमा बीउ उत्पादक वा बीउ विक्रताले बीउको गुणनियन्त्रणको हरेक पक्षमा आफ्नै बन्दोबस्तबाट गरेको हुन्छ । यस किसिमबाट उत्पादन गरिएको बीउ बिक्री गर्दा उक्त बीउको थैलोमा सो बीउको गुणस्तर अनुसार अंकित गरेको यथार्थ संकेत पत्र लगाएको हुनु पर्छ । बीउको उमारशिक्त र भौतिक शुद्धता बीउ गुण नियन्त्रण निकायले बीउ नमना भिकरेर लिई जाँच गर्दछ र रािप्टय बीउ बिजन सिमितिले तोकेको हद भन्दा

माथिको गुणस्तिरय बीउलाई यथार्थ संकेतपत्र लगाएर विक्रि वितरण गर्न सिकन्छ । यथार्थ संकेतपत्र पहेलो रंगको कागजमा कालो अक्षरले लेखेको हुनु पर्दछ । साथै यस किसिमको बीउको गुणस्तर सम्बन्धी जिम्मेवारी बीउ विक्रेता वा बीउ उत्पादक नै हुन्छ । बीउको गुण नियन्त्रकले यस्ता संकेतपत्र लगाएर बिक्री भईराखेका बीउको नमुना लिई परीक्षण गरी राखेको हुन्छ । यस्ता बीउमा न्युनतम स्तरभन्दा कम गुणको बीउ बिक्री भई राखेको खण्डमा बीउ बिजन ऐनमा तोकिएबमोजिम रोक्का गरी सजाय हुन सक्छ । यथार्थ संकेतपत्रमा तपिसल अनुसारको विवरण भरी बीउको थैलो अनूसारको साइजमा प्याकिङ्ग गर्दा स्पष्ट देखिने गरी थैला भित्र हालेर मात्र बीउको विक्री वितरण गर्नु पर्दछ । यथार्थ संकेतपत्रको लम्बाई १३. ४ से.मी., र चौडाई ६.४ से.मी.को हुनुपर्छ ।

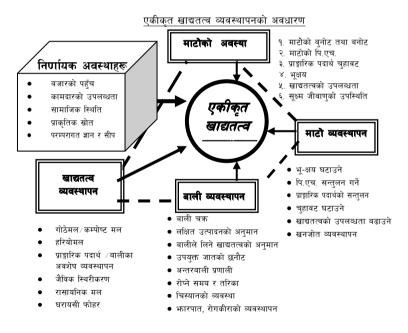
### संकेतपत्रमा हुनुपर्ने विवरणहरु

- १. उत्पादन वर्ष
- २ परीक्षण मिति
- ३ बालीको नाम
- ४ बालीको जात
- ५ उमारशक्ति प्रतिशत (न्युनतम)
- ६. श्द्धता प्रतिशत (न्य्नतम)
- ७ बीउको तौल
- ८ लोगो

### ८. माटो

### ८.९ बिरुवाको एकीकृत खाद्यतत्व व्यवस्थापनको अवधारणा

विरुवालाई आवश्यक पर्ने सबै खाद्यतत्वहरू आवश्यकता अनुरूप, न्यायेचित रूपमा उपलब्ध गराउन, रासायनिक मल सिंहत प्रांगारिक मलहरूको सबै सम्भाव्य स्रोतहरूलाई अधिकतम उपभोगमा ल्याई बाली व्यवस्थापन, माटो व्यवस्थापन र खाद्यतत्व व्यवस्थापनलाई टेवा दिदैं वातावरणमा न्यून असर पार्दै माटोको दिगो उर्वराशक्ति व्यवस्थापन गर्दै जाने प्रकृयालाई एकीकृत खाद्यतत्व व्यवस्थापन भनिन्छ । यो पद्धित खासगरी मूल्यांकन, निर्णय र कार्यान्वयनमा आधारित हुन्छ । यो माटोको उर्वराशक्तिको दीर्घकालीन व्यवस्थापन गर्ने भरपर्दो उपाय हो । साथै माटो, मल, पानी र बालीको उचित व्यवस्थापनद्वारा जिमनबाट बढी तथा दिगो उत्पादन लिन सिकन्छ । कृषकहरूमा पनि आफ्तो खेतवारीको लागि आफैले परीक्षण गरी सो को मूल्यांकनद्वारा निर्णय लिने क्षमतामा वृद्धि गराउँछ । यसले स्थानीय तथा बाह्य स्रोतहरूको प्रभावकारी उपयोगद्वारा उत्पादन बढाउनुका साथै माटोको दिगोपनामा जोड दिंदै वातावरणको सुधार गर्ने मात्र नभई खाद्यतत्वहरूको सदपयोग तथा तिनको प्रभावकारिता बढाउन पनि मद्दत गर्दछ ।



### कृषि डायरी २०७१ रासायनिक मलखादहरू

मलको नाम		पोषकतत्वहरु (प्रतिशतमा)				
	नाइट्रोजन	फस्फोरस	पोटास	जिंक	सल्फर	
यूरिया	४६	-	-	-	-	
एमोनियम सल्फेट	२१	-	-	-	२०-२५	
कम्प्लेसल	२०	२०	-	-	-	
कम्प्लिट	१९	१९	90	-	-	
डी.ए.पी.	95	४६	-	-	-	
सिंगल सुपर फस्फेट	-	१६	-	-	-	
डबल सुपर फस्फेट	-	३२	-	-	-	
ट्रिपल सुपर फस्फेट	-	४८	-	-	-	
म्यूरेट अफ पोटास	-	-	६०	-	-	
जिंक सल्फेट	-	-	-	२२-२४	-	

आवश्यक क्षेत्रफलका लागि मलको मात्रा निकाल्न यो सूत्र प्रयोग गर्न सिकन्छ :

900 × क × ख

मलको मात्रा (के.जी.) = -----

मलमा भएको खाद्यतत्वको प्रतिशत मात्रा

क = मल प्रयोग गर्ने क्षेत्रफल (हेक्टरमा) ख = प्रति हेक्टर सिफारिस मलको मात्रा

### विभिन्न बालीनालीका लागि सिफारिस मलखाद मात्रा

बाली	प्रांगारि	नाइट्रोजन	फोस्फ	पोटास	आबश्यक र	सायनिक मल	कि.ग्रा/हे.
	क मल	कि.ग्रा. / हे	ोरस	कि.ग्रा			
	मे.टन/		कि.ग्रा	. / हे.	युरिया	डि.ए.पि.	म्यू.अ.पो
	हे.		. / हे.				
धान : सिंचित	Ę	900	३०	३०	१९१.९	६५.२२४	X0.0
असिंचित	Ę	६०	२०	२०	११३.४	३.४८	३३.३३
गहुँ : सिंचित	Ę	900	४०	२५	१७४.९	१०८.७	४१.६७
असिंचित	Ę	५०	५०	२०	६६.१६	१०८.७	३३.३३
मकै वर्षे+हिउँदे	(¥	६०	३०	३०	१०४.९	६५.२२	५०.०
जौ, उवा, फापर	Ę	३०	२०	90	४८.२	४३.४८	१६.६७
कोदो	Ę	२०	90	90	३४.९७	२१.७४	१६.६७
उखु मुख्य बाली	90	१२०	६०	४०	२०९.८	१३०.४	६६.६७
उखु खुट्टी बाली	90	१५०	६०	४०	२७५.०	१३०.४	६६.६७
अदुवा	२४	३०	३०	६०	३९.७	६५.२२	900.0
आलु	३०	୬୦	५०	४०	१०९.६	१०८.७	६६.६७
सुर्ती	90	३५	२३	६०	५६.५२	५०.०	900.0

कृषि डायरी २०७१

तोरी, रायो, कपास	Ę	६०	४०	२०	९६.४१	<b>८</b> ६.९६	३३.३३
सूर्यमुखी	Ę	६०	४०	२०	९६.४१	<b>८</b> ६.९६	३३.३३
तरकारी बाली	३२	୯୦	५०	४०	१०९.६	१०८.७	६६.६७
मास, मसुरो, मुंग	४-६	२०	२०	२०	२६.४७	४३.४८	३३.३३
बोडी, रहर	४-६	२०	४०	३०	९.४५	<b>८</b> ६.९६	५०.०
चना	४-६	२०	४०	२०	<i>९.४</i> ४	<b>८</b> ६.९६	क् क्
केराउ	४-६	१५	४०	90		<b>८</b> ६.९६	१६.६७
भटमास	४-६	90	४०	३०		<b>८</b> ६.९६	५०.०
बदाम	Ę	४०	६०	२०	३५.९२	१३०.४	३३.३३
किम्ब							
तराई: : सिंचित	-	३००	१४०	१८०	५३३.१	308.3	300.0
असिंचित	-	१५०	୯୦	९०	२६६.५	१५२.२	१५०.०
पहाड : सिंचित	-	२००	50	१२०	३६६.७	१७३.९	२००.०
असिंचित	-	१००	४०	६०	१८३.४	<b>८</b> ६.९६	900.0

नोटः युरिया मल बलौटे माटोमा सिफारिस मात्राको २५ प्रतिशत र अन्य माटोमा ५० प्रतिशत जमीनको तयारीका समयमा र बाँकी युरियाको मात्रा २-३ पटक गरी टप ड्रेसिङ गर्न सिफारिस गरिन्छ ।

### फलफूलको निम्ति मलखाद सिफारिस मात्रा (प्रति बोट)

बोटको उमेर	प्रांगारिक	नाइट्रोजन	फस्फोरस	पोटास	आवश्यक र	सायनिक मल	ग्राम / बोट
वर्षमा	मल कि.ग्रा.	ग्राम	ग्राम	ग्राम	युरिया	डि.ए.पि.	म्यू.अ.पो
٩	२४	-	-	-	-	-	-
२	३०	900	५०	२०	१७९.५८	१०८.७०	३३. ३३
ą	४०	१२४	૭પ્ર	३०	२१५.०३	१६३.०४	५०.००
γ	५०	१५०	900	४०	२५०.४७	२१७.३९	६६.६७
X	६०	२००	१५०	५०	३२१.३६	३२६.०९	<b>८</b> ३.३३
Ę	६०-१००	300	२००	ও্য	५००.९५	४३४.७८	१२५.००
O	६०-१००	४००	२००	900	७१८.३४	४३४.७८	१६६.६७
८ र सो	६०-१००	५००	२००	900			
भन्दामाथि					९३५.७३	४३४.७८	१६६.६७

सौजन्यः माटो व्यवस्थापन निर्देशनालय, हरिहरभवन ।

### **८.२ विभिन्न पि.एच. तथा विभिन्न बुनोट** (Texture) **भएको** माटोमा कृषि चूनको प्रयोग

	कृषि चूनको सिफारिस मात्रा (के.जी)						
्रमाटोको	पहाड				तराई		
पि.एच मान	बलौटे दोमट	दोमट	चिम्टाईलो दोमट	बलौटे दोमट	दोमट	चिम्टाईलो दोमट	
€. ४	१५	२०	२४	5	१४	२२	
Ę. <del>3</del>	२९	४०	४८	१५	२४	४४	
<b>६.</b> २	४३	६०	७२	२३	38	६४	
<b>\xi.9</b>	४८	৩৯	९८	₹O	४४	<b>द</b> ६	
Ę.O	৩৭	९२	१२०	३८	५२	१०६	
५.९	<b>5</b> X	990	१४६	४४	६२	१२८	
ሂ.ፍ	९७	१२८	१६६	प्र२	७२	१४६	
४.७	१०८	१४२	१८८	४८	52	१६६	
५.६	998	१५८	२०८	६४	९०	१८४	
ሂ.ሂ	930	9७0	२३०	७०	900	२००	
ሂ.४	१४०	१८८	२५२	७६	990	२२०	
¥.\$	१५०	२०४	२७४	<b>5</b> 9	११८	२३८	
५.२	१६०	२१८	२९४	54	१२६	२५४	
ሂ.9	१६९	२२८	39 Y	९१	१३६	२७०	
४.०	१७६	२४०	३३४	९६	१४२	२८६	
8.9	१८४	२५२	3 <i>X</i> &	909	१५०	३०२	
४.८	989	२६२	३७४	१०६	१४८	३१६	
४.७	१९९	२७२	<i>३</i> ९०	999	१६६	330	
४.६	२०५	२८०	४०६	994	१७४	३४०	
४.ሂ	२१०	२९०	४२०	१२०	१८०	३५०	

<sup>-</sup> कृषि चून बाली लगाउनु भन्दा दुई/तीन हप्ता पहिलेनै माटोमा मिलाउनुपर्दछ।

- धेरै अम्लिय अथवा PH कम भएको माटोमा कृषि चूनको प्रयोग गर्दा सिफारिस मात्रालाई दुई पटक गरी प्रयोग गर्दा लाभदायक हुन्छ ।
- कृषि चून माटो परीक्षण गरी सकेपछि मात्र प्रयोग गर्नु पर्दछ ।

### कृषि चुन पाईने स्थान र सम्पर्क टेलीफोन

- 🕨 कृषि च्न उद्योग जलविरे चितवन, अमर अधिकारी फोन ९८४५२४७६२८
- 🕨 अन्नपूर्ण Quarry चुनखोला, धदिङ, भोजराज पोखरेल फोन ९८४१७०९२३५
- 🕨 दिग्विजय प्रोडक्स प्रा.ली. हेटौडा, फोन ०५७-५२०६२१, ९८४५०६२६००
- लक्ष्मी लाईम हेटौडा फोन ०५७-५२०३८७
- मदन लामा रोडा ढुंगा उद्योग, छत्रेदेउराली धादिङ, सुरेश ढुंगेल ९८४१०९४१९१
- गौतम खनिज उद्योग, मंगलपुर, चितवन नारायण गौतम फोन नं ९८४४०४८६४४

### माटो तथा रसायनिक मल बिश्लेषण गर्दा प्रति नमुना लाग्ने शुल्क

माटोको नमुना बिश्लेषण :	रसायनिक मल बिश्लेषणः	प्रांगारिक मल बिश्लेषण :
माटोको पि.एच. रु ८/-	नाईट्रोजन रु १५२/-	पि.एच. रु ८/-
नाईट्रोजन रु ५६/-	फस्फोरस रु ३००/-	नाईट्रोजन रु १५२/-
फस्फोरस रु ६०/-	पोटास रु २५२/-	फस्फोरस रु ३००/-
पोटास रु ५६/-		पोटास रु २५२/-
प्रांगारिक पदार्थ रु ८०/-		चिस्यान रु १००/-
बोरन रु १५२/-		
जिंक रु १४२/-		
आईरन रु १५२/-		
कपर रु १५२/-		
म्यागनीज रु १५२/-		

सौजन्यः माटो व्यवस्थापन निर्देशनालय, हरिहरभवन ।

### माटो व्यवस्थापन निर्देशनालयबाट अनुदान प्राप्त गरी प्रांगारिक मल उत्पादन गरेका मल कारखानाहरु

श्री जनकपुर फर्टिलाईजर उद्योग, भोराहट, मोरङ	श्री युनिक बायोटेक अर्गानिक प्रा.ली. जगतपुर,
-	चितवन
श्री नेपाल ईन्टिग्रेटेड मोडेल एग्रो फार्म प्रा.ली.	श्री किसान कृषि सहकारी संस्था बिष्णुपुर-७ सिराहा
उग्रचण्डी-१ नाला	
श्री कञ्चन प्रागारिक मलखाद उद्योग, भालारी-३	श्री प्रारम्भ बायोटेक प्रा.ली. रामकोट-६ काठमाण्डौ

### किष डायरी २०७१

कन्चनपुर	
श्री नर्थ फिल्ड प्रागारिक मल कारखाना, हंसपुर-४	श्री सहयोगी बचत तथा C0f सहकारी संस्था ली.
गोरखा	बसन्तपिट्ट, रौतहट
श्री साना किसान कृषि सहकारी संस्था फुलगाभा-	श्री प्रागारिक कृषि उत्पादन केन्द्र फुलवारी-३
४ धनुषा	चितवन
श्री लुम्बिनी एग्रो प्रोडक्सन एण्ड रिसर्च सेन्टर,	श्री बन्सुन एग्रो अर्गानिक्स प्रा.ली. जुगेडी, चितवन
टिकुलीगढी-७ रुपन्देही	
श्री त्रिवेणी बायोईनर्जी एण्ड डेभलप्मेन्ट सेन्टर,	श्री प्राकृतिक शुक्ष्म जिवाणु मल उद्योग कोटिहवा,
आदर्शनगर वीरगंज-१३	भैरहवा
श्री बुद्ध प्रांगारिक मल उद्योग, महेन्द्रनगर-१ धनुष	

### ८.३ कम्पोष्ट

बोट बिरूवा तथा पशुपंछीबाट प्राप्त हुने पराल, छवाली, गोबर, विभिन्न घाँपातहरू, खरानी, चुन आदिलाई नियमित तवरले तह-तह पारी क्रमैसँग राखी पटक-पटक पल्टाएर क्हाई तयार पारिएको मललाई कम्पोष्ट मल भनिन्छ।

### कम्पोष्ट मलका फाईदाहरू

- बोट बिरूवाहरूको लागि आवश्यक पर्ने विभिन्न किसिमका खाद्य तत्वहरू प्रदान गर्दछ ।
- माटोको पानी शोश्ने क्षमता बढ्छ ।
- माटोको भौतिक, रासायनिक र जैविक ग्णलाई स्धार्छ ।
- माटोमा हावा तथा पानीको आवागमन तथा निकास राम्रो हुन्छ ।
- कम्पोष्ट मल माटोमा धेरै समय सम्म रहिरहन्छ ।
- शूक्ष्म जिवाणुहरूको संख्यालाई बढाउँछ ।
- आफुलाई पायक पर्ने ठाउँमा तयार गर्न सिकन्छ ।

### कम्पोष्ट मल बनाउन प्रयोग गर्न सिकने बस्त्हरू

- पराल, छ्वाली, उखुको पात आदि
- भारपात, रूखबाट भरेको पात
- कलिला बोटको डाँठ र जराहरू
- मानिस तथा जनावरको मलम्त्र, गोबर आदि ।
- तरकारी केलाएर फ्याँकिने बोकाहरू ।
- चुन, खरानी आदि ।

### कम्पोष्ट मल बनाउने ठाउँको छनोट

- सकभर खेतलाई पायक पर्ने ठाउँ अथवा खेतबारीको निजक
- अलिकति अग्लो ठाउँ ।
- रेखदेख प्ग्ने ठाउँ।

### कम्पोष्ट मल बनाउने तरिका

- खाडल खनेर (Pit method)
- थुप्रो बनाएर (Heap method)

### खाडल तरिका

खडल तरिका उपयुक्त हुने अवस्था

- पानी क्रम पर्ने
- पानीको सतह ( water table ) कम भएका ठाउँहरूमा ।

### खाडलको साईज

खाडलको साईज आवश्यकता अनुसार फरक फरक गर्न सिकन्छ तर गिहराई १ मिटरभन्दा बढी नगर्नु राम्रो हुन्छ ।

### बनाउने तरिका

- उपयुक्त नापको खाडल बनाइसकेपछि कम्पोष्ट बनाउनको लागि राखिएको वस्तुहरूलाई तह-तह पारी खाडलमा राख्ने ।
- प्रत्येक तह धेरै बाक्लो नबनाई किरब ६ देखि १० इन्च सम्म बनाउनु पर्दछ ।
- हरेक तह पिच्छे, जोरनको रूपमा कम्पेलसाल, चुन, चिल्टको, माटो, पानी हाल्नुपर्दछ । माथिको चिल्तको माटोमा प्रशस्त जीवाणु हुन्छ । कृषि चुनले जीवाणुको गतिविधि बनाउँछ र अम्लियपन हुन बाट बचाउँछ ।
- सामान भरीसकेपछि माटोले छोप्ने जस्ले भिगंग र दुर्गन्धबाट बचाउँछ र खाद्य तत्व खेर जान बाट बचाउँछ ।

### मलको पल्टाई

पहिलो पल्टाई - सामान भरेको १ महिना पछि दोस्रो पल्टाई - पहिलो पल्टाईको १ महिना पछि तेश्रो वा अन्तिम पल्टाई - दोस्रो पल्टाई १.४ महिनापछि

- कम्पोष्ट पल्टाउँदा तह पिच्छे पानी छर्कने ।
- पल्टाउँदा मल एकनासले पाक्ने हुन्छ ।

### (२) थुपार्ने तरीका

यो तरिका उपयुक्त हुने अवस्था

- वर्षातमा वा पानी बढी पर्ने ठाउँमा ।
- पानीको सतह भएको ठाउँमा ।
- खाडल खन्नको लागि ज्यामी र समयको अभाव भएको ठाउँमा ।
   बनाउने तरीका
- खाडल नखनिकनै जिमन माथि थ्पार्ने ।
- खाडल तरिकामा जस्तै सोतर, भारपात, र जोरनको तह-तह राख्ने र पानी छर्कने ।
- निश्चित उचाई करिब (१ मिटर जित) भएपछि माटोले लिप्ने जसले गर्दा नाइट्रोजन मल उडेर जान बाट बच्ने र दुर्गन्ध पिन नआउने हुन्छ ।
- खाडल तरिकामा जस्तै १-१ ५ महिनामा मल पल्टाउने ।
- वर्षायाममा पानी बाट बचाउन छोप्ने वा छानोको व्यवस्था गर्ने ।

### पाकेको मलको पहिचान

- क्हाउन हालेको मल लतक्क मिलि काला देखिएमा ।
- कुन चिजबाट बनाएको चिन्न नसिकने भएमा ।

### ५. मत्स्यपालन

### माछापालन

पोखरी, ताल, तलैया, घोल, केज तथा धानखेतमा केही व्यवस्थापन प्रविधिहरू अपनाइ माछा पालन गर्न सिकन्छ । यस सम्बन्धी आवश्यक प्राविधिक जानकारी जिल्ला कृषि विकास कार्यालयहरु, मत्स्य विकास केन्द्रहरू, राष्ट्रिय प्राकृतिक तथा कृत्रिम जलासय मत्स्य विकास कायक्रम, केन्द्रीय मत्स्य प्रयोगशाला र मत्स्य विकास निर्देशनालयबाट प्राप्त गर्न सिकन्छ । हालसम्मको अनुसन्धान तथा अध्ययन कार्यबाट नेपालमा १८५ जातका माछा पाइएको थाहा भएको छ तापिन हाल कृषक व्यवसायीहरुले माछापालनमा प्रयोग गरिएका सात जातका विकास माछाहरू मध्ये ३ स्वेदशी तथा ४ विदेशी जातका माछाहरू निम्नानसार छन्।

- स्वदेशी माछाहरू: रह, नैनी तथा भाक्र
- विदेशी कार्प जातका माछाहरू: सिल्भर कार्प, विगहेड कार्प, ग्रास कार्प तथा कमन कार्प
- अन्य विदेशी जातका माछाहरूः प्निटयस, टिलापिया, पंगासीयस र रेन्बोट्राउट ।
- सौर्न्दय माछा (रङ्गीन माछा)का जातहरुः कोई कार्प

### विकासे जातका माछाका विशेषताहरू

- न्यानो हावापानीमा छोटो समयमा छिटो बढ्ने ।
- २. रोगब्याधी कम लाग्ने तथा कम अक्सिजनमा पनि बाँच्न सक्ने ।
- ३. प्रयाप्त मात्रामा पोथी माछाबाट बच्चा दिन सक्ने र चाँडै परिपक्व भई प्रजनन् कार्यमा प्रयोग हन सक्ने ।
- ४. स्थानीय व्यक्तिहरूले रूचाउने।
- ५. पोखरीमा उत्पादन हुने प्राकृतिक तथा कृत्रिम आहारा खाएर बाच्न सक्ने ।

### माछा मार्ने तरिकामा प्रतिबन्ध गरीएका बुँदाहरु

क. स.	प्रतिबन्धित क्रियाकलाप	दण्ड जरिवाना
٩	बिष्फोटक पर्दाथ प्रयोग गरेमा	बिगो बमोजिमको क्षतिपूर्ती
२	विद्युतीय प्रिक्रयाबाट माछा मारेमा	भराइ रु. ५०००/- सम्म
ą	बिषादि प्रयोग गरी माछा मारेमा	जरिवाना हुने

### पंगासीयस माछापालन प्रविधि

पंगासीयस माछा (Pangasius hypophthalius) ताजा पानीमा हुर्कने, छिटो बढ्ने र बढी तौलको हुने भएकोले यो माछाको उत्पादन महत्वपूर्ण रहेकोछ । अरु कार्प जातका

माछालाई जस्तै पंगासीयस जातको माछालाई पनि पोखरीमा दाना आहारा खुवाएर पालन गर्न सिकन्छ । यो जातको माछा एक जातीय प्रविधिबाट (Mono Culture) पालन गर्ने गरिएकोछ । यो माछा भियतनाम र इन्डोनेसियाको बिचमा पर्ने मेकन नदीको (Mekong river) स्थानीय जाति हो । पंगासीयस माछाका अन्य प्रजातिहरु जस्तै Sutchi, river catfish र Becourts catfish पिन पाल्ने गरिएको छ ।

### पंगासीयस माछापालन गर्दा निम्न प्रविधिहरु अपनाएर गर्न सिकन्छ ।

- पानीको भरपर्दो स्रोत
- २. बाढी नआउने तथा चोरी नहुने ठाउँ
- ३. पोखरीको साईज:- सामान्यतया ५- ८ कट्टा
- ४. पोखरीको गहिराई :- १.५ -२ मीटर
- पानी सुकाउने :- माछा भुरा पोखरीमा छाड्नु अगाडि १ -३ हप्तासम्म पानी सुकाउने ।
- ६. च्नाको प्रयोग :- ५०० १००० किलो ग्राम /हेक्टर
- ७. भुरा छोडने दर :- ५ गोटा प्रति वर्गमिटर
- ८. भुरा बाँच्ने दर :- ८५%
- ९. पालन अवधि :- ६ महिना
- १०. माछा बिक्री साइज :- १ किलोग्राम
- 99. FCR:- 9.ሂ 9

### एक लिङ्गीय टिलापिया माछापालन प्रविधि

टिलापिया माछाको उत्पत्ति अफ्रिका र मध्यपूर्वमा भएको हो । टिलापिया माछाका प्रजातिहरु करिब ७० वटा रहेका छन् । ती मध्ये नौ प्रजातिका टिलापिया माछाहरुलाई पालन गर्ने गरिएको छ । जस मध्ये नाइल टिलापिया, मोजाम्बिक टिलापिया र ब्लु टिलापिया मुख्य रुपमा पालन गरिन्छ ।

टिलापिया माछापालन गर्दा निम्न प्रविधिहरु अपनाएर गर्न सिकन्छ ।

### १. मल र साधारण प्रयोग विधि

- भुरा ५०००-२०००० गोटा /हेक्टर
- उत्पादन २००० ८००० किलोग्राम / हे

### २. दाना, मल र आपतकालिन एरेटर प्रयोग प्रविधि

- भुरा १०००० ३०००० गोटा /हेक्टर
- उत्पादन ५००० १०००० किलोग्राम / हेक्टर

### ३. पूर्ण सन्तुलित दाना र एरेटर प्रयोग प्रविधि

- भ्रा १०००० ३०००० गोटा / हेक्टर
- उत्पादन ८००० १५००० किलोग्राम/ हेक्टर

### ४. लगातार एरेटर र आंसिक पानी फेर्ने प्रविधि

- भुरा ५०००० १००००० गोटा / हेक्टर
- उत्पादन २०००० १००००० किलोग्राम / हेक्टर

### ५. बगीरहेको पानीमा टिलापिया पालन प्रविधि

- भ्रा ७०००० २००००० गोटा / हेक्टर
- उत्पादन ७००००० २०००००० किलोग्राम/हे

### ६. दाना खुवाएर पिँजडामा पालन प्रविधि

- भ्रा ६०० गोटा / घनमिटर
- उत्पादन ५०-३०० किलोग्राम/घनिमट

### नेपालमा रेन्बो ट्राउट माछा (Oncorhynchus mykiss)

रेन्बो ट्राउट चिसो र सफा पानीमा हुर्कने ज्यादै मीठो विदेशी माछा हो । यो माछा १-२१ डि.से. सम्मको तापक्रममा जीवित रहन्छ । तर वृद्धिको लागि भने १४-१८ डि.से. पानीको तापक्रम र ७ मि.ग्रा/लिटर भन्दा बढी अक्सिजन चाहिन्छ । पानीको तापक्रम सरदर १० डि.से. भन्दा चिसो हुने स्थानमा यो माछा ढिलो बढ्छ र त्यस्तो स्थानमा व्यावसायिक रूपमा पाल्न फाइदाजनक हुँदैन । मांसाहारी भएतापिन यो माछालाई उच्च प्रोटिनयुक्त दाना खुवाएर पाल्न सिकन्छ । ट्राउनपालनको लागि पानीको पि.एच. ६.४ - ८.४ र अक्सिजन ८ मि.ग्रा./लिटर रहेको पानीमा उपयुक्त मानिन्छ । ट्राउटमाछा दुई किसिमले पालन गरिन्छ ।

- क) आंशिक प्रणाली
- ख) पूर्ण प्रणाली

पिहलो प्रणाली अन्तर्गत स-साना भुरालाई बजार विक्री योग्य साइजसम्म हुर्काइन्छ भने दोस्रोमा प्रजनन्देखि लिएर ठूलो माछासम्म हुर्काइन्छ ।

ट्राउट माछा पालनको लागि भुरा हुर्काउने टयाङ्क, ठूलो माछा पोखरी, बिक्री योग्य माछा राख्ने पोखरी एवं दाना राख्ने भण्डार आदिको आवश्यकता पर्दछ । साधारणतया सानो भुरा हुर्काउने पोखरीको साइज १० - १५ वर्ग मिटर र बिक्री योग्य माछा राख्ने पोखरीको

साइज ५० - १५० वर्ग मीटर हुन्छ । ठूलो माछा हुर्काउने र विक्री योग्य माछा राख्ने पोखरीहरू २ किसिमबाट बनाउन सिकन्छ ।

(क) रेखात्मक/लहरे

(ख) समानान्तर।

भिरालो जग्गा र पानीको स्रोत कम भएको ठाउँमा लहरे किसिमको पोखरी बनाउन राम्रो हुन्छ । यस्तो किसिमका पोखरीमा माथिल्लो पोखरीहरूमा प्रयोग भइसकेको पानी पुनः तल्ला पोखरीहरूमा प्रयोग गर्न सिकन्छ । राम्रो पानीको स्रोत भएको ठाउँमा समानान्तर किसिमको पोखरी बनाउन उपयुक्त हुन्छ । यस्तो पोखरीहरूमा एक पटक प्रयोग भइसकेको पानीलाई पुनः प्रयोग गरिदैंन । जलाशयमा माछ्यको घनत्व कित राख्ने भन्ने कुरा पानीको प्रवाह, आयतन र गुणमा निर्भर हुन्छ । पानीको प्रवाह धेरै छिटो भएमा माछ्यको वृद्धि राम्रो हुँदैन । अर्कोतिर पानीको प्रवाह कम भएमा पोखरीको पिंधमा धेरै फोहर जम्न गई अक्सिजन न्यून हुँदै जान्छ । त्यसकारण पोखरीको पानी हरेक घण्टामा पूर्णतया फेर्न् आवश्यक पर्दछ ।

### माछामा देखिएका रोगहरू एवं अन्य समस्या तथा समाधानका उपायहरू

<b></b>	रोग तथा परजीवी	लक्षणहरू	औषधि उपचार
٩.	इ.यू.एस. रोग	यो रोग नेपालमा विगत १९ वर्षदेखि समस्याको रूपमा देखिएको छ । सुरूमा शरीरमा सेतो थोप्ला देखिन्छ । सो ठाउँमा कत्ला भर्न गई खाल्डो भएको घाउ देखा पर्दछ । ढाड र पुच्छरको नजिकको भागमा घाउहरू देखिन्छ । जाडोको समयमा स्थानीय जातका माछामा यो रोग वढी लाग्दछ । विकासे माछा मध्ये रहु, नैनी र भाकुरामा मात्र यो रोग लाग्दछ ।	<ul> <li>घरपोले चुना १५ केजी/कट्ठाको दरले हाल्ने, रोगको प्रकोप हेरी १ महिनाको अन्तरालमा बढीमा तीन पटक चूना प्रयोग गर्ने ।</li> <li>पानीको प्रवेशद्वारमा जाली राख्ने र जंगली माछा सबै हटाउने ।</li> <li>सामान्यतया कमन, सिल्भर, विगहेड र ग्रासकार्पमा यो रोगको प्रकोप नदेखिएकोले पोखरीमा यी जातका माछाको संख्या बढी राख्ने ।</li> <li>माछा मार्ने जाललाई प्रयोग गरिसकेपछि राम्ररी सुकाएर मात्र प्नाः प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>
٦.	ट्रिकोडिना	यो माछाको छाला, गिल र पखेटामा आक्रमण गर्ने एक कोषिय बाह्य परजीवि हो । यसको संख्या धेरै भएमा माछाको भुरा मर्दछन् । माछा दुब्लो हुने, पानीमा विस्तारै तैरने र फाट्टफुट्ट	<ul> <li>०.२५ पि.पि.एम.का दरले ट्राईक्लोफेन / डिप्टेरेक्स राख्ने ।</li> <li>२५ पि.पि.एम. का दरले फर्मालिन (पोखरीमा हाल्ने)।</li> </ul>

		रूपमा दैनिक माछा भुरा मर्दे जाने यो परजीवीको आक्रमणको प्रमुख लक्षण हो।	<ul> <li>२-३ प्रतिशतको नूनपानीको         भोलमा ४-१० मिनेट</li></ul>
क:	आरगुलस (माछाको जुम्रा)	शरीरको कुनै पिन भागमा लाग्न सक्दछ । यसले शरीरको रगत चुस्ने भएकोले जीउमा घाउ तथा खटिरा देखा पर्दछ ।	<ul> <li>२-३ प्रतिशतको नूनपानीको</li> <li>भोलमा ५-१० मिनेट</li> <li>डुबाउने</li> <li>ट्राईक्लोफेन/डिप्टेरेक्स ०.२५</li> <li>पि.पि.एम. प्रयोग गर्ने</li> </ul>
8.	माछ्यको फित्ते जुका (सिस्टोड)	पेट फुलेको हुन्छ । जीउ र ढाड सुकेको हुन्छ । ठाउँ ठाउँमा घाउहरू देखिन्छ ।	<ul> <li>डाइ-एन व्यटाइलिटन अक्साईड २५० मि.ग्रा. प्रित केजी दानामा मिसाएर ३ दिनसम्म खुवाउने ।</li> </ul>
<b>X</b> .	सेतो थोप्ले रोग	शरीरको बाहिरी भागमा सेता थोप्ला देखा पर्दछन् । ढाड र जीउमा छाला पातलो भई घाउ देखिन्छ ।	<ul> <li>३ प्रतिशत नुनपानीको</li> <li>भोलमा ३-४ मिनेट डुबाउने ।</li> <li>माला काइटग्रिन ०.१</li> <li>पि.पि.एम. प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>
( <del>J</del>	गाईरोडक्टाईलस	यो माछाको छाला, गिल र पखेटामा लाग्ने बाह्य परजीवी हो । माछाका भुरा यसबाट बढी प्रभावित हुने गर्दछन् । माछा भुरा नबहुने, जीउ चिलाउने भएकोले किनारमा घस्रिईरहेको देखिने, पानी माथि उफ्रने र माछाको चालमा फरक आउने यसका लक्षणहरू हुन् ।	<ul> <li>०.२५ पि.पि.एम. डिप्टेरेक्स प्रयोग गर्ने ।</li> <li>२५ पि.पि.एम. फर्मालिन प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>

### पोखरीमा मत्स्यपालन व्यवस्थापनमा ध्यान दिनुपर्ने केही थप महत्वपूर्ण पक्षहरू

<b></b>	समस्याहरू	लक्षणहरू	समाधानका उपायहरू
<b>स.</b> १.	अक्सिजनको कमी	विहान घाम उदाउनु अघि पोखरीका माछा पानीको सतहमा आई प्याक प्याक गरेको देखिन्छ। पोखरीमा बढी भारपात वा छहारी वा बदली भएको समयमा वा बढी मलखाद वा बढी संख्यामा माछा लगायत अन्य जलचर भएको अवस्थामा यस्तो लक्षण देखिन्छ। पानीमा घुलित अक्सिजनको मात्रा कम हुने समयमा पानीको सतहमा अनपातिक हिसावले अन्य स्थानमा	<ul> <li>पोखरीमा तत्काल बाहिरबाट पानी थपी दिने ।</li> <li>पम्पिङ्ग सेट लगाएर पानी तानेर फोहोरा बनाई सोही पोखरीमा खसाल्ने ।</li> <li>पानी नधिमिलिने गरी पोखरीमा मानिस पसेर पानी चलाउने वा पौडी खेल्ने ।</li> <li>एरिएटर (पानी चलाउने मेशिन) को प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>

-				
		भन्दा बढी अक्सिजन घुलित पानी उपलब्ध हुने भएकोले यस्तो समयमा माछाले सतहमा आई छिटो छिटो मुख बाउने (प्याक प्याक) गरेको लक्षण देखिन्छ।	•	अपरान्ह घाम लागी सकेपछि जाल हाली बढी माछा निकाल्ने । केही समयको लागि पोखरीमा माछालाई दाना र मलखाद नदिने ।
₹.	पोखरीमा पानी छिटो सुक्ने	साधारणतया बलौटे माटोमा पोखरी निर्माण गर्नु हुँदैन । पिँधमा बालुवाको मात्रामा बढी भएको पोखरी पानी छिटो सुक्दछ र बारम्बार पानी थप्नुपर्छ । यसरी थपिने पानी कम मलिलो हुने भएकोले पोखरीमा रहेका माछाको बिद्धमा कमी आउँछ ।	•	बाहिरबाट कम्तीमा १ फिट चिम्ट्याईलो माटो पिंधमा थप्ने । प्रत्येक वर्ष बलौटे पोखरीको पिँधमा प्रशस्त गोबरमल, भारपात, पराल, वा अन्य प्रांगारिक पदार्थ हाल्ने गर्नाले कमशः कम चुहिने हुन्छ । पिँधमा प्लाप्टिक विछ्याउने ।

### करेसा पोखरीमा माछापालन

### उद्देश्यरू:

- क) एकीकृत बाली प्रणालीको प्रविधि विस्तार।
- ख) प्राणी प्रोटिनको उपलब्धता र खानपिनमा स्धार।
- ग) वातावरण संरक्षण र प्रदुषण नियन्त्रण।

### कार्यविधि:

- क) ५० वर्ग मिटर जिमन करेसा पोखरीको लागि आवश्यक पर्दछ।
- ख) घरको अगाडि वा पछाडि पानीको उपलब्धता स्रोत हेरेर पोखरी खन्ने ।
- ग) ६० से.मी. गहिरो परेर डिलको माटो सम्याई पोखरी खन्ने ।
- घ) जम्मा ६५ वटा फिंगरलिङ स्टक गर्ने ( ५५ गोटा कमन कार्प र १० गोटा सिल्भर कार्प )।
- ङ) भान्साबाट उब्रिएको खाद्यवस्तु दानाको रूपमा प्रयोग गर्ने ।
- च) प्रति ५० वर्ग मिटरमा २० के.जी. माछा उत्पादन हुन सक्दछ।
- छ) पानीको स्थायी स्रोत हुनु पर्दछ र कृषकले पशुपालन र तरकारी बाली लगाएको हुनु पर्दछ ।
- ज) जिमन आफ्नै स्वामित्वको हुनु राम्रो हुन्छ।

### जात अनुसार माछाका भुराहरू उपलब्ध हुने समय र स्रोतहरु

क. सं.	माछ्यको किसिम	भुरा पाइने समय	सरकारी स्रोत केन्द्रहरू	निजी क्षेत्रका स्रोत केन्द्रहरू
٩	कमन कार्प	फाल्गुण- वैशाख	मत्स्य विकास केन्द्रहरु	एग्री व्रिडर्स लिमिटेड, टंकीसिनुवारी, मोरङ, चौधरी मत्स्य ह्याचरी,

२	ग्रास कार्प	चैत्र-जेष्ठ	लहान, फत्तेपुर,	फूलकाकट्टी -६, सिराहा, मुखिया,
ą	सिल्भर कार्प	वैशाख-	जनकपुर, हेटौंडा,	शान्ति, मिश्रा, काजल, गिरीजा मत्स्य
		आषाढ	भण्डारा र कुलेखानी	ह्याचरी, जनकपुर ।
8	विगहेड कार्प	वैशाख-		
		आषाढ		
X	रहु	आषाढ-	जनकपुर, भैरहवा र	ठाकुर मत्स्य ह्याचरी, जलेश्वर, पदम
		भाद्र	धनगढी	विश्वास मत्स्य ह्याचरी, मोतिसर -२
Ę	नैनी	आषाढ-	फत्तेपुर, जनकपुर,	,बारा, चन्द्रीका मत्स्यपालन फार्म,
		भाद्र	हेटौंडा र भण्डारा	रामपुर टोकनी, बारा, पटेल मत्स्य
૭	भाकुर	आषाढ-	जनकपुर, भैरहवा,	ह्याचरी, पाली, नवलपरासी, मण्डल
		भाद्र	धनगढी र मत्स्य	मत्स्य ह्याचरी, भैरहवा र गणेश मत्स्य
			अनुसन्धान केन्द्र,	ह्याचरी, तौलिहवा ।
			पोखरा	
5	ट्राउट माछा	चैत्र-	मत्स्य अनुसन्धान	नुवाकोट र रसुवामा अवस्थित नीजि
	भुरा	श्रावण	केन्द्र, नुवाकोट	ट्राउट प्रजनन् केन्द्रहरू ।
			त्रिशुली र ट्राउट	
			प्रजनन् तथा विकास	
			केन्द्र, धुन्चे, रसुवा	

माछापालन बारे विस्तृत जानकारी आवश्यक भएमा विषेश मत्स्यपालन संगालो, मत्स्यपालन श्रृंखला - १८ हेर्नु होला ।

### माछा भुराको दररेट

फ्राई भुरा - २४ पैसा/गोटा फिंगरलिङ - ७५ पैसा/गोटा एडभान्स फिंगरलिङ - १.५० रुपैयाँ/गोटा सौन्दर्य माछा (रङ्गीन माछा) - २.५० रुपैयाँ/गोटा

### मत्स्यपालनको लागि पानीको उपयुक्त गुणस्तर

अक्सिजन - ५.० पी.पी. भन्दा बढी एमोनिया - ०.२ पी.पी. भन्दा कम पि. एच. - ७-९ को बिचमा तापकम - २६-३२ डि.से.

# १०. फलफूल खेती

## क) वर्षे फलफूल

k	फलफूल	जातहरू	लगाउने दूरी	बिरुवा	मलखाः	मलखाद/फल दिने बोट (वार्षिक)	ने बोट (वा	र्षिक)	1 4 cm 2 cm	
	को नाम		(मिटर)	संख्या	प्रांगारि	डी.ए.	युरिया	म्युरेट	भुष १८५१ तथार हुन समय	で で ト キ
				्रो <u>च</u>	क मल	₽		अफ		ا ان ا
				∉	(के.बी.)	ग्राम		मोटास		
								(ग्राम)		
_	आँप	अगौटे-बम्बई ग्रीन, बम्बई	40-વર X 40-વર,	४ वोट	०४	6.39.3	કેક્ટ્રેક	ે દે દે કે કે	फलको भेट्नोतिरवाट पहेंलो रंग चढी	იხ-5
		एलो, गोपालभोगा	होचा जात			0	ય	mr mr	एक दुई फल पाकेर फर्न सुरु गरेपछि (	
		सुकतारा, गुलाबखास	अम्पालीको लागि						जेठ-भदौ) वा फल टिपी पानीमा	
		मध्ये-दशहरी, मालदह,	٦X٦						ड्बाउँदा ड्ब्यो भने फल टिप्ने बेला भयो	
_		मल्लिका, अम्रपाली पछौटे-							भन्ने बुभन्ने पर्दछ ।	
		चौसा कलकत्तिया							? ?	
	_	Billing Statement								
_	0	ासायया, अवस्थात ।								
	लची	अगौटे – देशीं, अलिवेदाना,	06 × 06	ค_ก เ	0	> %	શક્ક	0006	बोकोको वाहिरी रंग भई हरियोबाट	ค ก
		मजैकरतेर				ທຶ	55.	o <sub>.</sub>	रातोमा परिणत भई बोकामा भएको	
		मध्य- शाही, पूर्वी, चाइना,							काँडाहरू नरम भएपछि (जेठ-श्रावण)	
		रोजसन्टेड							फल टिपन् पर्दछ ।	
		पछौटे - कसवा, लेट,							,	
		बेदाना, कलकत्तिया								
	केरा	वसराई ड्वार्फ, हरिछाल,	अग्लो जात २-३	०४	ક્ર	. १३६. १. ३४९.	. કેશ્રફ	શ્રે ફેં	कोसाका पाटाहरू पूरा भई पुष्ट र	-አь
			₹-≿ X			mr	87	9	फलको आकार गोलो र रंग हरियोबाट	8
_		मोलभोग, चिनि चम्पा,	होचो जात २ X २						हत्का हरिया भएपछि फल टिप्नु पर्दछ ।	
_		स्थानीय, मुङ्गे, दुस्रे ।								
×	भुईकटह	जायन्ट क्यू, कवीन,	प्रति ब्याड २	000b	००४८	१८३६ १३५७१	322.3	3.535	वोकाको रंग हत्का पहेलो र फेदको ३-४	-૦ટ
1	,								-	

*	9x- 30	გ <b>-</b> 9	99x- 30	2 b-8	5-90	£-₹
	5 N		5 N			n
धेरामा पहेंलो दाग चढेपिछ आंख्ताका २५ भुत्ला खेरो खुकुलो भएपिछ (आपाढ- भदौ) फल लिनु पर्दछ।	फलमा हत्का पहेंलो रंग चढेपछि फल टिप्नु पर्दछ	फलमा इल्का पहेलो रंग बढेपछि र नरमपना आएपछि (श्रावण-कार्तिक) फल दिप्नु पर्दछ	तरकारिको लागि वीउ निर्छिपिए सम्म कलिला फल प्लि, फल परिपक्व हुन ९०-१९० दिन लाग्छ, फललाई हातले थपथपाउँदा गहिरो आवाज आएपछि ( केठ-भदौ) फल दिप्नु पर्दछ।	फलको बोकाको रंग हरियोबाट हत्का पहेंलो, चित्लो र पारदर्शी राता थोप्लाहरू प्रस्ट हुदै गएपछि ( कर्तिक-माघ) फल टिप्नु पर्दछ ।	ध्यू फल क्लाइमेक्टेरिक फल भएको हुँदा फल टिपेपछि ४-४ दिन राख्नु पर्दछ । फलमा जात अनुसारको रंग चढी पूर्ण विकसित फल भएपछि (भदौ-कार्तिक) फल टिप्नु पर्दछ ।	भाद्रको अन्तिम हप्तादेखि परिपक्व
9	ቢ ພະ ພະ ພະ	وه 00 د.	· 00 %	n ur ur ur ur	mr mr mr mr mr	इड्ड.
×	३३०. 59	ر الا الا الا الا الا الا الا الا الا ال	१०४९ १९४	ج ج پ	्ठ १८० १८०	386
6	४४ व	के देह १००	६५२.१ ७	90प्ट .९६	४ ०.६३,०	ક ૭૪૮
्र जग्र की जग्र की	४६-०२	0%	0 %	0,8	0%	०४
	٥ ٢	አ	>> - - -	*	us.	×
लाइन व्याडको दुरी ७४-९० से.मी., लाइन ६० X बोट ३० से.मी	<b>૪ X</b> ૪	<b>ე</b> -	አ১ <b>አ X</b> አь-১ <b>৮</b>	द-१० X द-१०	5-90 X 5-90	5-90 X 5-90
मोरिसस	वाशिटन, हनिड्यू कोयमबदुर, सिगापर पिंक, रांची डवाफ, पौष डेलिसियस, सोलो	लखनउ -४९, इलाहाबाद सफेदा, रेड फ्लेस, सिडलेस, चितिदार, के.जि१ र स्थानीय जात ।	रुद्राक्षी, सिंगापुर, करुवाराका, पेनीवाराका, स्थानीय	बनारसी, चकैया, कन्त्वन, फ्रन्सीस, कृष्ण र स्थानीय जातहरू	फुर्ट, इधिन्जर, रिड, ह्यास, टोपाटोपा	केउहाउ, काकी, इकैका,
Ь	मेवा	अम्बा	र र	अमला	एभोकाड ो	मेकाडेमि
	×	U9°	9	រេ	o⁄.	ь

कृषि डायरी २०७१

L										
	यानट	किउ				o	3	mr	फलहरू भन्ने शुरु भएपछि सम्पूर्ण फलहरू टिप्नु पर्दछ ।	
	स्ट्रबेरी	न्योहो, ओनो	ड्याङ्देखि ड्याङ	००४७	००४८८	00.0	2 6. R	989.	फलको आधा देखि तीन चौथाई भागमा	93-
			९० स.मा. बाट ३० ४.५ के की		र जुड़ा र		13-	9		×
					ıċ				पदछ । एक पदक नपाक्त हुदा पदक- पटक गरी टिप्नु पर्दछ । (कार्तिक-चैत्र)	
	वयर	उम्रान, गोला, चोचल,	3-2 X 3-2	⊕' *	0%	838	395	er er er	जान हावापानी अनुसार कार्तिक/मंसिर	४-५
		बनारसी, नाजुक, कैथली				g U	e U	m≻	देखि फाल्गुन ⁄ चैत्र महिनामा फल	
									परिपक्व हुन्छन् । फलको बोक्ना सुनौला पहेंलो वा खेरो रंग चहेपछि फल टिप्त	
									पर्वछ ।	
	सुपारी	छलिया, मोहितनगर,	ž X ž	80	સ્ત્ર	376	89ሂ.	g 33.3		8-8
		कामरुप, मंगला				%	น	mr	परिपक्व हुन्छ । फलहरू चिक्कलो र	
_									रातो पहेंलो भएपछि टिप्नुपर्दछ । (जेठ-	
									अषाढ)	
	नरिवल	अग्लो जात -वेस्टकोष्ट	अग्लो जात	ጾቴ	34	282	· <b> の</b> ス オ	44.0	फल लागेको करिब १२ महिनापछि फल	
		टल, फिजी, एस.एस.ग्रीन,				g U	₩ ₩	0	परिपक्व हुन्छ परिपक्व फलमा पानीको	
		सान रामोन, फिलिपिनो,	होचो जात						मात्र कम हुन्छ। ताजा कोप्राको लागि	
		लगुना होचो जात -लंका	の-x.タ X の-x.タ						भने १० महिनामा फल टिप्नु पर्दछ । (	
		द्विप अण्डामनङ्वाफ्,							जेठ-आषाढ)	
		चेनी, रेजिया, ड्वाफ ग्रीन,								
		ड्वार्फ ओरेनज,								
		कोकोनिनो, नुलेका								
	व	ामजापुरा, कागजा गाण्डा,		×- પ	0	000	9 20 0	رد ال 0	फल लागका कारब आठ माहनामा फल	0
		कागजी ईटावा, कागजी	१०x१० कलमी						पूर्ण रुपमा पाक्दछ । फल पाक्दा गाडा	Om*
		बनारसी	बिरुवा - <b>८</b> ×८						हरियोबाट हत्का हरियो र गुदी हत्का	
									पहेलोबाट गाडा पहेंलो हुन्छ ।	

	-xb	0	
	बाहिरी	आउन	
3	फलको	सेतो दूध	;
	थालेपछि	बोका कोट्याउँदा से	ा टिप्ने ।
	फर्नु	कीट्र	छ फल
	भ्रुस	बोका	छोड़ेर्पा
	००२		
	አፅ		
	५००		
	0,8		
	×		
	obxob		
	बल,		
	2क्र	_	
	पत्ति,	पत्ति आर्द	
	काली	ब्री प्	ı
	सापोटा		
	9		

## (ख) हिउँदे फलफूल

			1	पंक	मल	मलखाद/फल दिने बो -वार्षिक	ने बो-वार्षि	<u>क</u>		
भृषकूष		फलफूलको जातहरू	बर्‼ाउन ब्र	रोपनीमा	प्राङ्गारेक	डी.ए.पी	चौरवा	म्बुरेट	फल टिप्न तयार हुन समय	बत्याद
<u> </u>			لي رغ	लगाउने	म	<u> </u>		अफ	,	F 4
			(भवर)	विरुवा	(के.जी.)	ग्राम)		मोटास		ب ان ان
								(ग्राम)		:
स्याउ	10	<b>मढी चिसो चाहिने</b> -गोल्डेन	ω Χ ω	<del>የ</del>	0	の ス ま ス ま ス	×	9 8 8 8 8	फलको आकार उमेर, स्वादलाई	5-40
حار	1100	डीलसियस, रेड डोलिसियस				ហ	mr	mr	आधार मानि जात अनुसार	
· nv		ोयसलडेलिसियस, रिच ए रेड							फलको रंगमा (रातो, पॅहेंलो,	
(10)	7(0)	डीलिसियस, जोनार्थन, मैकन्टस, रोम							हरिया) परिवर्तन भएपछि	
10	ΙØ	यटी. ग्रानी स्मिथ । <b>मध्य चिस्रो</b>							असार- असोज सम्म फल दिप्न	
<u>व</u>	<b>ब</b>	ाहिने - क्रिस्पिन, काटजा, रेडजन,							पर्दछ ।	
8	18	क्स ओरेनज पिपिन । कम विसो								
QI	IP	<b>चाहिने</b> - अन्ना, भेरिड								
नास्पाती ब	lo.	<b>ढी चिसो चाहिने</b> - यूरोपियन	χ p-3	አЬ	0%	9 888	× 60 5	9	फलको रंग हरियोबाट अलि	-0b
פו	وا	<b>ात</b> - बार्टलेट, अन्स् ब्यूरे हार्डी,	ر ا س			ທ	mr		अलि पहेलो वा खैरो फ्स्रोमा	ላ
च	ठ	न्नफरेन्स आदि । <b>कम चिसो चाहिने</b>							परिणत भएपछि (श्रावण-असोज)	
		फर्पिङ्ग (स्थानीय) <b>मध्य चिसो</b>							फल टिप्न पर्दछ ।	
IP.	IP.	शाहिने होस्ड, चोजुरो, सिन्को (							7	
12	12	नापानिज)								
ओखर ि	G.	धनसेल, हार्टले, एशले, फ्लाङ्गकवेट,	ેક-oક	موں	٥ <u>×</u>	୭ <sup>°</sup> ८हे८	الا د د د د د د د د	इ.इ.इ.इ	फलको बाहिरी बोक्रा फुटी केही	۶ <u>-</u>
		गयने	-оьх			ນ	mr	mr	फल फर्न थालेपछि (भवौ-	

कृषि डायरी २०७१

	න  -   ආ	9 - 9	9	ற _ ஓ	の 。 。	8-b	9 8
असोज) फल टिप्नु पर्दछ	फलको आकार बढेर फल हत्का हरियो वा रातोमा परिणत भई अलि नरम भएपछि (जेठ- श्रावण) फल टिप्पु पर्दछ	फलहरू परिपक्व हुने समय जात अनुसार फरक पर्दछ । फलको रंग गाहा गुलावी, गुदिको रंग अलि अलि रातो पहेलो हुन थालेपछि -जेठ- श्रावण) फल टिप्नु पर्दछ ।	जात अनुसार भाद्र देखि कातिक महिना सम्म फलहरू भर्न सुरु गरेपछि फल टिप्ने गर्ने पर्दछ ।	भाद्र-कार्तिक महिनामा फलहरूमा जातीय गुण अनुसार रंगको विकास भई सकेपछि फल टिन्पु पर्दछ ।	जेठ महिनामा जात अनुसारको रंग चढी अलि नरम हुन थालेपछि फलहरू टिप्नुपर्दछ।	भदौ-असोज महिनामा फलको वाहिरी बोक्रा फुट्न थालेपछि फल टिप्नु पर्दछ	कार्तिक-मंसिर महिनामा फलहरू हेर्दा हत्का हरियो
	940. 00	००	er er er er er	۶ ۱ ۱	त्र स् स्	२९१.६ ७	२४०. ००
	४ <b>८९.७</b> ९	9 8 8 8	% do	४१४. <i>द</i> द	३४९.७ २	६१२.००	४४८.२ ०
	३२६.०९	्रह. १	প্ৰপ্ত ন	३२६.०९	ર૧૭. ३९	३८०.४ ३	५४३.४ ८
	४४	४९	0 k	४५	४८	४४	ક્ષ
	<b>ዓ</b> ሂ	ዓ୪	U <b>9</b> *	<b>ዓ</b> ሂ	<b>ዓ</b> ሂ	<b>ዓ</b> ሂ	<b>19</b> '
વર	У-& X У-&	× × × ×	ςХ4ο	४-६ X ४-६	ફ X ફ	४-६ X ४-६	ob Xqo
	अगौटे - औरायन, स्प्रिङ टाइम, आमंगोल्ड । मध्य - फ्रेन्चअर्लि, रेडहाभेन, टेक्सासएलो त्स्मोरिडासन पछौटे -पेरीग्रीन, अत्वर्टा, जुलाई अल्वर्टा	अगौटे - ग्रीनगेज, मैथली, फर्मोसा मध्य - पेरीपोसा, व्युटी, बरबैक, पछोटे - सन्तारोजा	टान्जावा, यामाटोवासे, इबुकी, इसिजुची, मोरिवासे, चुकुवा, चाइनिज	फुयू, जिसे (टरों नहुने जात), जेन्जीमारो (Pollinizer Variety), हिरातानेनासी, (टरों हुने जात)	साकरपारा, कैसा, न्यू क्यासल, (कम चिसो चाहिने)	नानपारेल, नेत्पस अत्द्रा, टेक्सास, मिसन	स्थानीय
	आरु	आरुवख डा	कटुस	L.,	खुर्पानी	कागजी बदाम	लप्सी
	>.	ઝં	نوں	oʻ	ŗ.	o.i	90.

किष डायरी ३०७१

1 200g		₩- ₩-			<b>5</b> −€							- አb	8								
काष डायरा ५००५	पहेंलो भएपछि फल टिप्नु पर्दछ	भदौ असोज महिनामा फल	पाकेर फर्न शुरु गरेपछि फल	टिप्नुपर्दछ ।	अनारको फल नन्क्लाइमेक्टेरिक	भएको हुँदा परिपक्व भएपछि	टिप्नु पर्दछ । फहरू पहेंलो र	बीउ रातो भएपछि फलहरूलाई	औलाले हान्दा धातुको आवाज	आएपछि (श्रावण-आशिवन) फल	टिन्पदंछ	फलको रंग चढी गुलियो	भएपछि जात अनुसार केही	सेतो, पहेंला वा पारदर्शी	भएपछि (असार-भाद्र) फल टिप्नु	पर्दछ ।	कार्तिक-मंसीर, फुस फर्न	थालेपछि	फलमा रङ्ग चडे परिवर्तन भएर	तलको गुणस्तर राम्रो समय	पारेर टिप्ने ।
		8. S. S. S.	mr		કે કેઠ્ર	9						કે કેઠ્ર	9				oob		ჯიხ		
		४ १९९ ४	mr		≿`Ջ๑๖	o						<u> </u>	×				૦૦૨		X60 b		
		9 X k X	ហ		<u> ጾ ቄ</u> ጾ እ	ហ						च <sup>ं</sup> 0}क	9				006		०४६		
		07			34							30					000		አչ		
		(J <b>9</b> '			አቴ							०४					<b>૦</b> ટ		រេ		
		≿b-ob	-06 X	ઠક	አ X አ							X ξ-λ	m- (2)				Я <b>Х</b> З		a x a		
		महान, चोक्टा, मोहक ।			बेदाना, कान्धारी, गणेश, सिन्धुरिया,	মুকুলা।						स्टुवेन, ओलम्पिया, हिमरड सिडलेस,	क्योहो, मस्काट वेली ए, क्याम्बेल	अर्ली, बफेलो, डेलाबेर ।			आलिसन, हेवार्ड (पोथी) टोमोरी(	भाले)	पेन्डोलिनो, क्यनिनो, कोराटिना ,	फ्रोन्टोय आदी	
		चुच्चे	ओखर		अनार							अंगुर					िकवी	જ્ય પ્ય	जैतुन (01:)	(anno)	
		4			દુ							m <sup>;</sup>					८७		۶. ۲۶		

## कृषि डायरी २०७१ (ग) सुन्तलाजात फलफूल

न समय उत्पाद			म् म्:८ग	मे.टन /क्	म् भू			-						लो, तत्तामि फल	आ, भागि कल	ताम स्थाप कल	जो, मामि कल्ल	न कल	अ मामि सब्द	ल म सिस	न सामि	अं न वा मिता न वा -	अं मीमि व - व - क	बी, वी मि
फल टिप्न तयार हुन समय	•					फलको बोक्राको रंग हरियोबाट पहेंलो,	फलको बोक्राको रंग हरियोबा (गेरु) पहेलो भएपछि र रसमा	फलको बोकाको रंग हरियोबाट पहेंलो, (गेरु) पहेंलो भएपछि र रसमा गुलियोपना बहेपछि भण्डारणको लागि	फलको बोकाको रंग हरियोबा (गेरु) पहेलो भएपछि र रसमा गुलियोपना बढेपछि भण्डारण ५०%रंग चढेपछि र ताजा फत	फलको बोकाको रंग हरियोबाट पहेंलो, (गेरु) पहेंलो भएपछि र रसमा गुलियोपना बहेपछि भण्डारणको लागि ५०%रंग चहेपछि र ताजा फलको लागि ७५%रंग चहेपछि कार्तिक-मंत्रीरमा फल	फलको बोकाको रंग हरियोबाट पहेंलो, (गेरु) पहेंलो भएपछि र रसमा गुलियोपना बढेपछि भण्डारणको लागि ४०%रंग चढेपछि र ताजा फलको लागि ७४%रंग चढेपछि कार्तिक-मसीरमा फल	फलको बोकाको रंग हरियोबा (गेरु) पहेली भएपछि र रसमा गुलियोपना बहेपछि भण्डारण ४०%रंग चहेपछि र ताजा फर ७५%रंग चहेपछि कार्तिक-मंसे	फलको बोकाको रंग हरियोवा (गेरु) पहेलो भएपछि र रसमा पुलियोपना बढेपछि र ताजा फ ५०%रंग चढेपछि र ताजा फ टिप्नु पर्दछ ।	फलको बोक्राको रंग हरियोवा (गेरु) पहेंलो भएपछि र रसमा गुलयोपना बहेपछि र ताजा फ ५०%रंग चहेपछि रु ताजा फ टिन्नु पर्दछ।	फलको बोक्ताको रंग हरियोबाट पहें (गरु) पहेंलो भएपछि र रसमा गुलयोपना बहेपछि भण्डारणको ल ४०%रंग चहेपछि रु ताजा फलको ह ७५%रंग चहेपछि कार्तिक-मंसीरमा टिप्नु पर्दछ ।	फलको बोकाको रंग हरियोवाट (गेरु) पहेंलो भएपछि र रसमा गुलयोपना बहेपछि भण्डारणके ४०%रंग चहेपछि रु ताजा फलव ७४%रंग चहेपछि कार्तिक-मंसीर टिप्नु पर्दछ । फलको बोकाको रंग ६० % वा	फलको बोक्राको रंग हरियोबा (गरु) पहेंलो भएपछि र रसमा गुलियोपना बहेपछि भण्डारण ४०%रंग चहेपछि कार्तिक-मंसे टिम्मु पर्दछ। फलको बोक्राको रंग ⊏० %ः भन्दा बढी रंग बहेपछि र रस	फलको बोकाको रंग हरियोबाट पहेंले (गरु) पहेंलो भएपछि र रसमा पुलियोपना बढेपछि भण्डारणको ला ४०%रंग चढेपछि र ताजा फलको ला ७४,%रंग चढेपछि कार्तिक-मंसीरमा प टिप्नु पर्वछ । फलको बोकाको रंग ६० % वा सो भन्दा बढी रंग बढेपछि र रसमा मुलियोपना बढेपछि कात्तिक-मिंसरमा फल टिप्नु पर्वछ ।	फलको बोक्राको रंग हरियोवा (गेर) पहेंलो भएपछि र रसमा गुलयोपना बहेपछि भण्डारण ४०%रंग चहेपछि कार्तिक-मंसे टिम्मु पर्दछ। टिम्मु पर्दछ। फलको बोक्राको रंग ८० % भन्दा बढी रंग बहेपछि कार्तिक-म फल टिम्मु पर्दछ। फल टिम्मु पर्दछ।	फलको बोकाको रंग हरियोवाट पहेंलो (गेरु) पहेंलो भएपछि र रसमा पुलियोपना बढेपछि भण्डारणको लागि ४०%रंग चढेपछि कार्तिक-मंसीरमा फ टिप्पु पर्वछ । फलको बोकाको रंग ६० % वा सो भन्दा बढी रंग बढेपछि र रसमा फल टिप्पु पर्वछ । फल हम्पु पर्वछ ।	फलको बोक्राको संग हरियोबाट पहें (गेरु) पहेंलो भएपछि र रसमा पुलियोपना बहेपछि भण्डारणको हे ४०%रंग चहेपछि कार्तिक-मंसीरमा टिप्पु पर्दछ । फलको बोक्राको रंग ८० % वा सो भन्दा बढी रंग बहेपछि कार्तिक-मसिरय फल टिप्पु पर्दछ । फलको बोक्राको रंग हरियोबाट पर फलको बोक्राको रंग हरियोबाट पर जस्तो पहेंलोमा परिणत भएपछि र फलले पूर्ण आकार लिएपछि आश्रेव	फलको बोकाको रंग हरियोवाट पहेंसो (गेरु) पहेंसो भएपछि र रसमा प्रजियोपना बढेपछि भण्डारणको लागि ५०%रंग चढेपछि कार्तिक-मंसीरमा फ टिप्नु पर्दछ। फलको बोकाको रंग ६० % वा सो भन्दा बढी रंग बढेपछि कारिक-मंसिरमा फल टिप्नु पर्दछ। फलको बोकाको रंग हरियोवाट पराल फलको पूर्ध आकार लिएपछि र फलले पूर्ण आकार लिएपछि आश्वन-	फलको बोकाको रंग हरियोबाट पहेंलो (गेरु) पहेंलो भएपछि र स्समा ५०%रंग चढेपछि भण्डारणको लागि १०%रंग चढेपछि कार्तिक-मंसीरमा फ टिन्नु पर्दछ। फलको बोकाको रंग ८०% वा सो भन्दा बढी रंग बढेपछि र स्समा पुलियोपना बढेपछि कात्तिक-मंसिरमा फलको बोकाको रंग हरियोबाट पराल जस्तो पहेंलोमा परिणत भएपछि र फलको याँ आकार लिएपछि आश्विन- फलको याँ आकार लिएपछि आश्विन- पौष सम्म फल टिन्नु पर्दछ।	फलको बोक्राको रंग हरियोबाट पहें (गेरु) पहेंलो भएपछि र रसमा गुलियोपना बढेपछि भण्डारणको र ४०%रंग चढेपछि र ताजा फलको ७५%रंग चढेपछि कार्तिक-मसीरमा टिन्नु पर्दछ। फलको बोक्राको रंग ८० % वा सी भन्ता बढेग रंग बढेपछि र रसमा गुलियोपना बढेपछि कार्तिक-मसिरर फल टिन्नु पर्दछ। फलको बोक्राको रंग हरियोबाट पर जस्तो पहेंलोमा परिणत भएपछि र फलको बोक्राको रंग हरियोबाट पर जस्तो पहेंलोमा परिणत भएपछि र फलको बोक्राको रंग हरियोबाट पर
1	न् र्यु	अस	मोटास	(याम)		m m m													mr mr O or mr O or mr U mr or or	mr mr o o or o	mr mr O or	mr mr O mr O mr	mr mr o o o o o o o o o o o o o o o o o	mr mr o o o o o o o o o o o o o o o o o
	युरिया	(ग्राम)				प्रकर. २	त १८८ १	त १ ४ ४.	ह क हे ८	ा ० ७ ०	n &	n &	ر ا الا الا الا الا	ह र हे हे	n o, n 5 7 8 x, x,	η ο, η ο, δ,	η ο, η ο, δ,	η ο, η ο, δ δ , δ , δ , δ , δ , δ , δ , δ , δ ,	η ο η ο ο η ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο	η ο η ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο	ر الله الله الله الله الله الله الله الل	ر الله الله الله الله الله الله الله الل	n へ	れ &
मलखाद/ फल दिन थाट (पापिक)	डी.ए.पी.	(ग्राम)				8	प्र इ इ इ	ox II wi w	ار بحر بور بور	کد از سر >> >>	>> II	>> U	کر از ابر ابر اب	> u > >	> n > > > > > > > > > > > > > > > > > >	× n × n × × × × × × × × × × × × × × × × × × ×	× n × n × × × × × × × × × × × × × × × × × × ×	× n × n × n × n × n × n × n × w × w × w	> U	ام الا الا الا الا الا الا الا الا الا ا	> U	ا مر المح المر المح الم المح الم الم الم الم الم الم الم الم	2     1       3     2       4     3       5     3       5     3       5     3       5     3       6     3       7     3       8     3       9     3       9     3	x n x n x n x n x y x x x x x x x x x x
मब	प्रांरगारि	क मल	(के.जी.)			40	0 %	0 %	0 %	0 %	0 %	0 %	o ×	0 ×	0 0 0	0 %	o	0 %	o	o	S S S	o o o o	o	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0
्रक भूपनीमा	त्रभाजा	F 0	   0   0   0   0			48	የዩ	ዓአ	አ	አь	<del>د</del>	<del>د</del>	x	<del>بر</del> ۵	<del>ك</del> <del>ك</del>	۲ <sub>4</sub> ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲ ۲	<u>ج</u> ج	<u>ج</u> ج	چ چ چ	<u>ح</u> ح ح	<u>ج</u> ج ج چ	<u>ਨ</u> ਨੂੰ ਨੂੰ	<u>ਕ</u> ਕੁ ਕੁ ਕੁ	중 중 중 중 중 중
लगाउने	े ब्रेस	मिटर				4-8 X 4-	-× × × ×	-x X 3-x 3-	-x X w-x x	-x X x x x x x x x x	-x X y-x x-x	-x x x x x x x			- X X X 3- X X 3- X	- X								
फलफूलको जातहरू	į					धनकृटा स्थानीय, पोखरा	धनकुटा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिदा	धनकटा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिदा पोडकान, मरकटा	धनकटा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिदा पोडकान, मरकटा जापानीज), ओता	धनकुटा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिदा पोडकान, मरकट( जापानीज), ओता पोडकान, उन्स (	धनकृटा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्मो, योशिवा पोडकान, मरकटा जापानीज), ओता पोडकान, उन्सु (	धनकुटा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिवा पोडकान, मरकटा पोडकान, अता ओक्रिकान, उन्सु ( ओक्रिकान, उन्सु (	धनकृटा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिवा पोडकान, मरकटा जापानीज, ओता ओकेच्चास, उन्सु ( ओकेच्चासे,	धनकृदा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिवा पोडकान, मरकटा जापानीजा, ओता पोडकान, उन्सु ( ओकिचुवासे, मियागावाबासे), थाई	धनकुटा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिवा पोडकान, मरकटा जापानीजा, ओता पोडकान, उन्सु ( ओकिचुवासे, मियागावावासे, थाई तान्जारिन ।	धनकुटा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिवा पोडकान, मरकटा जापानीज, ओता पोडकान, उन्सु ( ओकिचुवासे, मियागावावासे, थाई तान्जारिन । स्थानीय जुनार, नाभेल	धनकुटा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिवा पोडकान, मरकटः जापानीज, ओता पोडकान, उन्मु ( ओकिचुवासे, मियागावावासे), थाई तान्जारिन । स्थानीय जुनार, नाभेल ओरेनज, वासिङ्गटन नाभेल, योशिवा नाभेल.	धनकृदा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिवा पोडकान, मरकटा जापानीजा, ओता पोडकान, उन्सु ( ओकिचुवासे, मियागावावासे,, थाई तान्जारिन। स्थानीय जुनार, नाभेल ओरेनज, वासिङ्गटन नाभेल, योशिवा नाभेल,	धनकृद्धा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिवा पोडकान, मरकट्ट जापानीजा, ओता पोडकान, उन्सु ( ओकिचुवासे, मियागावावासे,, थाई तान्जारिन। स्थानीय जुनार, नाभेल ओरेनज, वासिङ्गटन नाभेल, योशिवा नाभेल, तारक्को न्यूसेलर। मेक्सीकन, बनारसी र	धनकृद्धा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिवा पोडकान, मरकट्ट जापानीजा, ओता पोडकान, उन्सु ( ओकिचुवासे, मियागावावासे,, थाई तान्जारिन। स्थानीय जुनार, नाभेल ओरेनज, वासिङ्गटन नाभेल, योशिवा नाभेल, तारक्को न्यूसेलर। मेक्सीकन, बनारसी र	धनकृद्धा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिवा पोडकान, मरकट्टा जापानीजा, ओता पोडकान, उन्सु ( ओकिचुवासे, मियागावावासे,, थाई तान्जारिन। स्थानीय जुनार, नाभेल ओरेनज, वासिङ्गटन नाभेल, योशिवा नाभेल, तारक्को न्यूसेलर। मेक्सीकन, बनारसी र	धनकृद्धा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिवा पोडकान, मरकटा पोडकान, अता पोडकान, उन्सु ( ओकिचुवासे, मियागावावासे, थाई तान्जारिन। स्थानीय जुनार, नाभेल ओरेनज, वासिङ्गटन नाभेल, योशिवा नाभेल, तारक्को न्यूसेलर। मेक्सीकन, वनारसी र	धनकृटा स्थानीय, पोखरा पोडकान, मरकटा पोडकान, मरकटा पोडकान, उन्सु ( ओकेब्बुबासे, सियागावावासे, थाई तान्जारिन । स्थानीय जुनार, नाभेल ओरेनज, बासिङ्गटन नाभेल, योशिवा नाभेल, तारक्को न्यूसेलर । मेक्सीकन, बनारसी र स्थानीय सुन कागती	धनकृटा स्थानीय, पोखरा पोडकान, मरकटा पोडकान, मरकटा पोडकान, उन्सु ( ओकेच्च्बासे, स्थानीय जुनार, नाभेल स्थानीय जुनार, नाभेल अरेनज, बासिङ्गटन नाभेल, योशिवा नाभेल, तारक्को न्यूसेलर। मेक्सीकन, वनारसी र स्थानीय सुन कागती
फलफूल	को नाम					सुन्तला	सुन्तला	सुन्तला	सुन्तला															F F
<del>k</del>	<b>≒</b>				Ь										or	or	or	or	or m	or m	or m	Or mr		

	Ic		*		۶. ۲	
	ຽ -ຶ່ວ		>		አ৮-১৮	
पौष सम्म फल टिप्नु पर्दछ।	फलको बोक्राको रंग हरियाबाट पराल जस्तो पहेंलोमा परिणत भएपछि	कार्तिक-पौष सम्म फल टिप्नु पर्दछ ।	४००   गाहा सुन्तला रंग चहेपछि माघ -   ४ - ५	फागुनमा टिप्नु पर्छ ।	गाढा सुन्तला रंग चढेपछि पौष -	माघमा टिप्नु पर्छ ।
	mr mr mr mr		००४		००४	
	ج کی ہے م		०४५		०४५	
	५४३.४ ८७४.२ ८		00 k		००४	
	०४		०४		०४	
	አь		oè		አቴ	
	0% %b -% X 3-%		શ્ <b>×</b> દે		አ X 3	
	थाई (सेतो गुदी) र स्थानिय छनौट (रातो	नौ <u>दी</u> )	जापानिज गोलो		सेती ज्यामिर, काली	ज्यामिर
	भोगटे		मुन्तला		ज्यामिर	
	ક્ટે		سون		9	

## पुष्प खेती

## कट फ्लावरको लागि

7	पुष्पको	पुरस्का जातहरू	लगाउने दुरी	मे	मलखाद प्रति रोपनी (के.जी)	नी (के.जी)		व्यवस्थापन	स्य नि	कट्वालर
<b>5.सं</b> .	नाम		(से.मी.)	प्रांरगारिक मल	नाइट्रोजन	फस्फोर स	पोटास		समत समय	उत्पादन/रोपनी /वर्ष
نہ	ग्लाडिओल <del>ग</del>	अमेरिकन ब्यूटी, जेप्टर	አ৮-አ৮	000k	mr	≫	>>	खुल्ला ठाउँ	६० दिन नि	१२-१४ हजार
	(Galadiol us)	इन्ट्रप्रट, क्याएडमल, हवाइट प्रस्पेरिटी हाल्याण्ड व्यूटी							शब फुल थालो ।	<del>8</del> 0
e	गुलाब (Rose)	डच.एच.टि	०५-४८	≂-१० के.जी∕बो	አ	оь	оь	खुल्ला ठाउँ वा पोली	रोपेको ३ महिनापछि	१० - ११ हजार स्टिक
				ю				हाउस		
mi	जर्बेरा	यानारा, रेड बुल, ओपियम असे नाना गुने	४४-०६	000è	<b>کو</b> ں	រ	9	पोली <u>स</u> ास	0 t b	कट् <u>र</u> े ००० (४ <del>६</del> क
		्तव जातमा राता, पहला र सेतो फूल फुल्ने)						F D G	8 F F G	
2	कार्नेशन	चाली र लिबटी	<b>አ</b>	000è	ون	ហ	9	पोली	026	कट्टे ००० ठ ह

कृषि डायरी २०७१

	•									
		(ਦੁਵਾਪਭਵੰ)						हाउस	दिनपछि	
र्	नीगन्धा	सिङ्गल, डबल	०००२ ०२-४७	०००२	оь	mr	m·	હ્યુત્લા ઠા <b>ડ</b> ઁ	खुल्ला ठाउँ ७० दिनपछि	४०००-६००० स्टिक
मीव	गवरी	अपसरा, जयन्ती, अर्कटिक र	oèxoè	000è	አb	оь	90	खुल्ला ठाउँ	काठमाण्डौमा	कस्स ०००'०१
		चार्लीया						वा पोली	अशोज -	
								हाउस	कार्तिक	

नोटः लगाउने समयः जर्बेरा, कार्नेशन, बाहै महिना, ग्लाडिओलस र रजनीयन्या तराईमा असोज-फालाण र मध्य पहाडमा माघ-जेठको पहिलो हप्ता, गुलाब पौषदेखि फाल्गुनसम्म लगाईन्छ।

# ११. कफि तथा विया

उत्पाद , न	भ. ल्रे जि	mr -	0 0 34	o o
फल तथा पात टिम्न तयार हुने समय		फल हरियोवाट रातोमा परिणत भएपछि ४-४ पटक गरी (पौष-फाल्गुन) टिप्नु पर्दछ ।	चैत्र देखि कार्तिक सम्म मुना टिप्नु सिकन्छ।	चैत्र देखि आश्विन सम्म मुना टिप्पु सिकन्छ ।
	म्युरेट अफ पोटास (ग्राम)	१२५.० ०	30.05	०० ं०२
बोट (के.जी)	युरिया (ग्राम)	9 9 9. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5.	8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8	ठे ठे <sup>१</sup> ८ ७
मलखाद प्रति बोट (के.जी)	डी.ए.पी. (ग्राम)	११९.५७ १	ທ ວ ວ	્રે છે
P	प्रांरगारि क मल (के.जी.)	×		
एक रोपनीम	ा लगाउने विरुवा	066	-009	-000 =
लगाउने दूरी (मिटर)		-> X >-> X >->	3.0 X 9.0	શ્'oX કે'o
किफ तथा चियाका जातहरु		अरेबिका, रोवस्टा	सि.टि.सि. : टि.भि सेरिज १-३०, हिलिका, मनोहरी, तिनआली, नगरजुली	अर्थोडकस : गुम्ती सेलेकसन, फुवाछिरिक्वि -३१२, तक्दा-७८, तक्दा-१४४, तक्दा-३८३, तक्दा- २४६, वेनकवर्न-१५७, आम्बारी- २
कफि तथा	<u>ब</u> ित्ता	कफी	चिया	चिया
मः <del>अ</del>		<u>ٺ</u>	oż.	mr

# १२. तरकारी खेती प्रविधि तालिका

म भ	बाली	जात	,10	बेर्ना सार्ने समय		ਜੰ	मलखद के.जी./रो.	: ⁄से		वेर्ना लगाउने दूरी (से.मी.)	उने दूरी n.)	बीउ/बेर्ना दर (ग्राम वा संख्या)
			उच्च पहाड	मध्य पहाड	तराई /बेंसी	ट्यांक्क	ना.	.क	书.	ड्याङ्ग × ड्याङ्ग	बोट × बोट	
	काउली अगौटे जात	मुषा कात्तिकी सर्लाही दिपाली	चैत-असार	चैत-बैशाख (जेठ—असार)	असार—श्रावण (भदौ—असोज)	००४७	06	y <b>9</b> ′	≻	አ ኦ	χ	२५०० बेर्ना (३०-४० ग्राम)
	काउली मध्यमजात	काठमाण्डौ स्थानीय ( उन्मोचित) ज्यापु	माघ–श्रावया	साउन–भाद्र	भाद्र–असोज	००४७	0 р	U <b>S</b> Y	≻	0	አ ኦ	१८०० बेर्ना (३० ग्राम)
	काउली पछौटेजात	किबोजेन्ट, एन.एस.९०, डोल्पा स्नोबल	माघ-वेशाख	असोज-मंसिर	असोज–मंसिर	००४७	0 6	υ¥	>>	0	አ ኦ	१८०० बेर्ना (३० ग्राम)
	काउली हाईब्रीड	सिल्भर कप ६०		जेठ-भाद्र अन्तिम		000è	оь	UP'	×	* %	* %	१४ ग्राम
		ह्वाइट फ्लास		मध्य श्रावण- भाद		०००२	оь	(J <b>9</b> *	×	O	አջ	१४ ग्राम
		रीम		मध्य श्रावण- भाद		૦૦૦૯	оь	υ¥	×	አ <sub>ጾ</sub>	አ <sub>ջ</sub>	१४ ग्राम
		भिल्क वे		भाद्र-असोज		૦૦૦૯	оь	س کوں	አ	ጸጸ	ኧጲ	१४ ग्राम
		एन.एस-९०		भाद्र-फाल्गुन		०००२	99	سور)	х	६०	०३	१४ ग्राम
		स्नो डोम		भाद्र-कार्तिक		२०००	90	حون	х	みの	<u>پر</u>	१४ ग्राम

		;				0000			-	(		
		ە ئارىخى: ئار		मध्य मा <u>ष्ट्र</u> कालान		000	) }	<u>Ş</u>	ж	). ).	ĵ.	<u>=</u>
		स्वेता		असोज- फालाुन		5000	оь	90	ж	x 9	ず	१० ग्राम
or	काँको	निजा	जेठ- श्रावण	फाल्गुन-जेठ / श्रावण-असो ज	पौष—माघ / असोज—मंसिर	००४७	9	r	×	<b>3</b> 9	స్త	१०० ग्राम
		मालिनी	"	ı						x <sub>o</sub>	χg	
		भक्तपुर लो.	11	ı	ıı					५००	५००	" ox
		कुश्ने (उन्मोचित)	и	"	ä					७०४	006	u u
mr	कराउ	आजाद	ਕੈਤ–	श्रावण-	असोज-कार्तिक	००४७		or	سوں	0	O US	" ०००२
			वैशाख	मसिर/								
				माघ-फाल्गुन								
		आकेल	111	***	11					"	"	11 11
		सिक्किम स्थानिय	11	tt	11					xo,	አያ	n n
		सिक्किम ग्रिन	11	"	"					አፅ	хõ	"
×	खुर्सानी	ज्वाला	चैत्र—वैशाख	माघ–फाल्गुन	भाद्र—असोज	००४७	ሂ	አ	አ	०३	90	४००० बेर्ना
		एन-एस १७०१	चेत्र—वैशाख	माघ–फाल्गुन	भाद्र—असोज					አ <sub>ጾ</sub>	o <sub>€</sub>	४००० बेर्ना
		स्थानीय नेपाली	चैत्र—वैशाख	माघ–फाल्गुन	भाद्र—असोज					03	አጸ	11
وں -	गाँजर	न्यू कुरोदा ⁄ सीन कुरोदा	जेठ—साउन	भाद्र—मंसिर	भाद्र-मसिर असोज-कार्तिक	००४७	አ	×	×	9 9	40	३०० ग्राम
		नान्टिस	11	11	"					30	90	11

कृषि डायरी २०७१

के मानमोडा         मानमोडा         मानमोडा         मानमोडा         मानमोडा         भावनोडा         मानमोडा         भावनोडा         मानमावा         भावनोडा         मानमावा         भावनोडा         मानमावा         भावनोडा         मानमावा         भावनोडा         भावनोडा         भावनाव         भावनाव <th></th> <th></th> <th></th> <th></th> <th></th> <th></th> <th></th> <th>1</th> <th>ı</th> <th>1</th> <th>1</th> <th>ı</th> <th>ı</th> <th>ı</th> <th>1</th>								1	ı	1	1	ı	ı	ı	1
सामित्री मित्री मित्री मित्री स्वाचान मिर्फेटम, मुजना, "" , " ह 0 व्य प्राचनोजात मिर्फेटम, मुजना, "" , " ह 0 व्य प्राचनोजात मिर्फेटम, मुजना, "" , " ह 0 व्य प्राचना मिर्फेटम, मुजना, "" ह 0 व्य प्राचना होता हो विशेष	१०-१५ गाम	"	"	५-१० ग्राम		५–१० ग्राम	५-१० ग्राम	४-१० ग्राम	४–१० ग्राम	५-१० ग्राम	१०-१५ ग्राम	१०-११ ग्राम	१०-१४ ग्राम	१०-१५ ग्राम	१०-११ ग्राम
संलोजात मिलसा, वैत्र-जेठ फाल्युन-भाद्र भाद-कार्तिक प्ररुठ प्रथ ह । अस्वीयात सम्प्रेकस्त्र्युजना, "", ".	*	አጾ	አጾ	አጾ		ə 9	* >	જું	0	0	か	<i>ક</i> ્ક	* >	ずり	గ్ర
सालभेडा मिससा, "" ", ", ", ", ", ", ", ", ", ", ", ",	ž	50	६०	አፅ		かり	สด	สุ	মূত	O vev	かり	గ్ర	かり	<b>x</b> 9	<b>%</b> 0
संप्रमेहा मित्तस, चैत्र-जेठ फाल्युन-भाद्र भाद्र-कार्तिक १५०० १० गण्डिक्स, सुजना, ", ', ', ', ', ', ', ', ', ', ', ', ', ',	>>			9	х	த் க	م او	ત વે અ	9 ×	વે અ	ું અ	જે અ	م م	ુ ઝ	નું ઝ
गोलभेडा मंनिसा, मेर्स मुजना, मोलभेडा गोलभेडा मानिस्स, सुजना, ", ", ", ", ", ", ", ", ", ", ", ", ",	o.			99		9	90	90	9	90	90	9	96	90	90
गोलभेडा मिरसा, मार्गस्या, चेत्र—जेठ फाल्युन—भाद्र भाद्र—कार्तिक अप्लोजात मनप्रेक्स,सूजना, ", ", ", ", ", ", ", ", ", ", ", ", ",	06			оь		9	оь	40	99	06	оь	06	99	99	40
मिलभेडा मिनसा, वैत्र कात्त्रान माने अस्तोजात माने अस्तोजात माने अस्तोजात माने अस्तोजात माने अस्तोजात माने अस्तोजात माने अस्ताजात माने अस्ताज्ञ स्ताजात माने अस्ताजात माने	००४७			८०००		9000	0002	5000	3000	0006	0006	50005	0006	0006	०००२
सोलभेडा मिसस, सुजना, ", ", ", ", ", ", ", ", ", ", ", ", ",	भाद्र-कार्तिक	,	,	भाद्र-माघ											
गोलभेडा मिनसा, अग्लोजात मनप्रेकस,सुजना, गोलभेडा होचोजात सि.एल.१९३५ (ओइलाउने एत. १६२, (ओइलाउने रोग प्रतिरोधक) विशेष मिम सुरक्षा प्रम.एस.६१४ प्रक.आर डी. १ ( ओइलाउने रोग प्रक.आर डी. १ ( ओइलाउने रोग प्रतिरोधक जात )	फाल्गुन–भाद्र	11	11	-भाज्योस-	श्रावण	जघ्ठ-श्रावण	u	a	चेत्र -श्रावण	फाल्गुन- बेशाख	फाल्गुन- श्रावण	R	फाल्गुन-जेठ र श्रावण	फाल्गुन-चैत्र	फाल्गुन-जेठ
मालभेडा मनोम् शन्ताजात समाने होचोजात सिरा एन. भूसक पूनक पूनक भूकियो	चैत्र—जेठ	11	11	वैशाख-जेठ											
भावभंडा भावभंडा होयोजात	मनिसा, मनप्रेकस,सृजना,	रोमा	सि.एल.११३१	एन. १६२, (ओइलाउने	रोग प्रतिरोधक)	विशेष	भिम	सुरक्षा	मनिसा	एन.एस.=१४	ग्रेस्को-१	एच.आर डी. १ ( ओइलाउने रोग प्रतिरोधक जात )		बारी ४	सी.एल. कस
9	गोलभेडा अग्लोजात														
	9														

१२००० वेर्ना	00f-0x	ग्राम	ग्राम १०० ग्राम	ग्राम १०० ग्राम १००-१०००	ипн 900 ипн 200-9000 ,,	ग्राम १०० ग्राम १००-१००० " ४००० वेर्ना	ग्राम १०० ग्राम १००-१००० ॥ १००० वेर्ना ११० वोट	ग्राम १०० ग्राम १००-१००० ॥ १००० वर्ना १५० वर्नेट १०० ग्राम	ग्राम १०० ग्राम १००-१००० " ४००० वेर्ना १४० वेट १४० वोट १०० ग्राम	ग्राम १०० ग्राम १००-१००० १००० वर्ना १००० ग्राम १०० ग्राम	भाम १०० ग्राम १००-१००० १००० ग्राम १०० ग्राम १०० ग्राम १०० ग्राम १०० ग्राम	ग्राम १०० ग्राम १००-१००० १८०० वेर्ना १८० वोट १८० वोट १८० ग्राम १०० ग्राम १००-१००० १,०-१०००	प्राम १०० ग्राम १०० ग्राम १००० वर्ना १४० वोट १४० वोट १४० वोट १४० वोट १४० वोट १४० वोट १४० विट १४० वि	ग्राम १०० ग्राम १००-१००० " १००० वेर्ना १००० ग्राम १०० ग्राम १००-१००० " १००-१००० " १००-१०००	प्राम १०० ग्राम १००-१००० १००० वोट १०० ग्राम १००-१००० १००-१००० १००-१००० १००-१००० १००-१०००
ું <b>૦</b> ૯	900		000	000 R- C	005 8-5 0P	005 009 009	002 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	000 et 000 000 000 000 000 000 000 000 0	00 b 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	00 k	000 b 00 b 00 b 00 b 00 b	000 cool cool cool cool cool cool cool c	00 t 00	00 k - 2 00 00 00 k - 2 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00
9	000		300	00%	000 00 %	000 88 88	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	000 xx xx 000 0xb	00 00 x x x 000 0x b 0x b	000 8 8 8 000 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	000 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	000 8x 8x 000 000 000 000 000 000 000 00	00 00 x x x 000 00 00 00 00 00 00 00 00	00 00 x x x 000 00 00 00 00 x x x	000
sr or	ь ь			or or											
ж	or			>>											
००४७	00 X			00 %	0000	0000	0000 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	000 b 000 x	000 000 x 00	0000 d d d d d d d d d d d d d d d d d	000 b 000 b 000 b	0000 d d d d d d d d d d d d d d d d d	000 d	000 d d d d d d d d d d d d d d d d d d	000 000 000 000 000 000 000 000 000 00
असोज-पौष	माघ—जेठ		माघ-जेठ	माघ-जेठ असोज-मंसिर	माघ-जेठ असोज-मिसर असाज-कार्तिक	माघ-जेठ असोज-मिसर असाज-कार्तिक असोज-कार्तिक	माघ-जेठ असोज-मसिर असाज-कार्तिक असोज-कार्तिक पौष-फालान	माघ—जेठ असोज—मसिर असाज—कार्तिक असोज-कार्तिक पौष-फात्युन माघ—जेठ	माघ-जेठ असोज-मसिर असोज-कार्तिक असोज-कार्तिक पौष-फाल्युन माघ-जेठ माघ-जेठ	भाघ-जेठ असोज-मिसर असाज-कार्तिक असोज-कार्तिक पौष-फाल्युन माघ-जेठ पौष-जेठ	भाघ—जेठ असाज—मसिर असाज—कार्तिक असोज-कार्तिक पौष-फात्युन माघ—जेठ माघ—जेठ पौष—जेठ अधिश्वन—कार्ति	माघ—जेठ असोज—मसिर असाज—कार्तिक असोज-कार्तिक पौष-फाल्युन माघ—जेठ माघ—जेठ आधिवन—कार्ति क	माघ—जेठ असोज—मसिर असाज—कार्तिक असाज-कार्तिक पौष-फाल्युन माघ—जेठ माघ—जेठ आध्वन—कार्ति क आध्वन—कार्ति क	माघ—जेठ असोज—मसिर असोज—कार्तिक असोज-कार्तिक माघ—जेठ माघ—जेठ माघ—जेठ आश्वन—कार्ति क आश्वन—कार्ति क असोज—कार्तिक	भाघ—जेठ असोज—मसिर असाज—कार्तिक असाज—कार्तिक माघ—जेठ माघ—जेठ पौष्वन—कार्ति क आध्वन—कार्ति क असोज—कार्तिक मसिर -पुष
साउन- फालाुन	फाल्गुन–जेठ		फागनु—जेठ	फागनु—जेठ भाद्र—माघ											
ਯੇਠ–भदौ	बैशाख-जेठ		बैशाख—जेठ	बैशाख—जेठ फाल्गुन—बैशा ख											
ह्रवाइट भियना	कान्तिपुरे, ज्यापु		पुषा चिल्लो	पुपा चिल्लो स्थानीय	पुपा चिल्लो स्थानीय डेट्रोइंट डाकरेड	पुपा चिल्लो स्थानीय डेट्रोइंट डाकरेड प्रटलेक,थाईस वर्ग	पुषा चिल्लो स्थानीय डेट्रोइंट डाकरेड ग्रेटलेक,आईस वर्ग सुगर वेवी	पुषा चिल्लो स्थानीय डेट्रोइंट डाकरेड प्रेटलेक,आईस वर्ग सुगर वेवी	पुषा चिल्लो स्थानीय डेट्रोईट डाकरेड प्रेटलेक,आईस वर्ग सुगर वेवी हरियो करेला	पुषा चिल्लो स्थानीय डेट्रोहंट डाकरेड प्रेटलेक,आईस वर्ग प्रेसार वेवी हरियो करेला कोयम्बटुर लंग	पुषा चिल्लो स्थानीय डेट्रोइंट डाकरेड प्रोटलेक,आईस वर्ग प्रार वेवी हारेयो करेला कोयम्बटुर लंग किपर	पुषा चिल्लो स्थानीय डेट्रोईट डाकरेड प्रत्लेक,शाईस वर्ग प्रतुष वर्ग होयमबदुर लंग कोयमबदुर लंग कायनदुर लंग होरपलते	पुषा चिल्लो स्थानीय  डेट्रोइंट डाकरेड डाकरेड प्रेटलेक,आईस वर्ग प्रेटलेक,आईस वर्ग स्थार वेवी होरयो करेला होरयो करेला हारयो करेला हारपल्ले	पुषा चिल्लो स्थानीय डेट्रोइंट डाक्रेड प्राक्तेड प्राक्तेड प्रीटलेक,आईस वर्ग सुगर वेवी होयमे करेला क्रेपर नाटने इहिपल्ले	पुषा चिल्लो स्थानीय इंट्रोइंट डाकरेड डाकरेड ग्रेटलेक,आईस वर्ग सुपार वेवी झरयो करेला कोयम्बदुर लंग किपर पाटने इंटि कियोल उन्मोचित)
	घरौला क			व			र र	П		F		П П	F		
ហ	o			06	0 6	0 b & &		0 6 6 6 6	0 5 6 6 6	0 5 6 6 6		0 0 0 0 0 0 0 0 0			

कृषि डायरी २०७१

" ооь	" oob	" oob	" oob	" 000è	१८०० वेर्ना	(२४ ग्राम)	000è	(२४ ग्राम),,	005b	, (२४ ग्राम),	000è	(१४ ग्राम)	३००० बेर्ना	(१४ ग्राम)	३००० बेर्ना	(१४ ग्राम)	३००० बेर्ना	(१४ ग्राम)	२००० ग्राम	" ૦૦૦૪	"000b	" ob-አ	" ob-x
५००	006	00	06	op.	አ ጾ		OF		<del>አ</del> ջ		0,8		0,8		0,8		0,8		Op.	OF.	S	አጾ	Op.
५००	२००	06	06	0 %	0 3		<b>አ</b> ջ		60		0,8		0,8		0,8		0,8		०२७	०४७	09	६०	አջ
				c	×														c			8	
				c	o														٠,٠			8	
				c	26														8			66	
				600	0006														003			४००	
माघ—जेठ				असोज-कार्तिक	भाद्र—असोज		मंसिर—माघ		मंसिर—माघ		असोज—कार्तिक		असोज—कार्तिक		असोज-कार्तिक		असोज—कार्तिक		भाद्र—असोज	भाद्र—असोज	असोज-मंसिर	असोज-कार्तिक	भाद्र–असोज
फाल्गुन-चैत्र	माघ—भद्र	माघ—भद्र	माघ-भद्र	भाद्र–असोज	श्रावण—भाद्र		चैत्र—असोज		चैत्र—असोज		श्रावण—मंसिर		श्रावण—मंसिर असोज—कार्तिक		श्रावण–मंसिर असोज–कार्तिक		श्रावण—मंसिर		माघ–काल्नोन	माघ–काल्गुन	आषाढ-भदौ	প্রার্থা-মাঘ	भाद्र–असोज
बैशाख—जेठ	जेठ–श्रावण	जेठ–श्रावण		चैत्र—वैशाख	फाल्गुन–बैशा	ন্ত্ৰ	जेठ—श्रावण		जेठ–श्रावण		जेठ—श्रावण		जेठ—श्रावण		जेठ–श्रावण		जेठ—श्रावण		चैत्र—बैशाख	साउन–भाद्र		जेठ-श्रावण	फात्जान-वेशा ख
स्थानीय	ग्रीन बल	बुलाम हाउस	रोणडो	स्थानीय	गोल्डेन एकर		प्राईड अफ इडिया		कोपन हेगनमार्केट		ग्रीन कोरोनेट		ग्रीन स्टोन		स्नो कींग		स्नो क्रिवन		खुमल तने	सर्लाही तने	एडीला	प्रिमियम कप	ोान स्प्राउटीङ
				वकृल्ला	बन्दा														बोडी			ब्रोकाउली	
				નુ	96														30			8	

			<b>-</b>																	+			4-	
" ob-X	" ob-አ	9500-	२००० वेर्ना	(३० ग्राम)	-00xb	१६००बेर्ना	(३० ग्राम)	-00xb	4600,	(३० ग्राम)	950o-	3000,	(३० ग्राम)	950o-	,0005	950o-	5000,	9500-	3000,	२००० वेर्ना	०६-४८)	ग्राम	२००० वेर्ना	-0x2
* %	Oè.	<b>አ</b> %			0,5			Our			አ ጾ			አ <sub>ጾ</sub>		አ ጾ		<b>አ</b> ջ		<b>አ</b> ጶ			አ ጾ	9
0	ች <sup>ጾ</sup>	0			0			0			0			0		0		0		O			0	9
		≫																		ж				mr
		or																		ж				or
		96																		9				9
		0006																		००४५				0006
असोज-कार्तिक	असोज-कार्तिक	असोज-कार्तिक			असोज-कार्तिक			असोज-कार्तिक			असोज—कार्तिक			असोज-कार्तिक		भाद्र-कार्तिक		भाद्र—असोज		असोज-कार्तिक			असोज-कार्तिक	भाद्र-कार्तिक
श्रावण-माघ	श्रावण-कार्ति क	चैत्र—आषाढ			चैत्र—आषाढ			चैत्र–आषाढ			चैत्र—आषाढ			चैत्र—आषाढ		चैत्र—आषाढ		पौष–जेठ		फाल्गुन–चैत	,		फाल्ग्नेन–भाद	भाद्र—असोज
जेठ-श्रावण	जेठ—श्रावण	जेठ—श्रावण			जेठ–श्रावण	· · :		जेठ–श्रावण			जेठ—श्रावण			जेठ–श्रावण		ਜੈਸ—ਜੇਠ		बैशाख—जेठ		जेठ-श्रावण			जेठ—साउन	जेठ—साउन
पीनाकल	कमेट	नुकि			अर्का निधि			अर्का केशव			सर्लाही ग्रीन			पर्पल लंग		लुकी		वेनीघाट सेतो		क्यालिफोनिया (	उन्मोचित)		वण्डर वेल	इवाईट नेक
		भण्टा																		भेड़े	खुर्सानी			मूला
		33																		er C				28

कृषि डायरी २०७१

					_	0						
२५०- ५००ग्राम	२५०- ५००ग्राम	२५०- ५००ग्राम	२५०- ५००ग्राम	२५०- ५००ग्राम	000b-00%	% ooob-oo	000b-00%	000b-00x	000b-00%	१० ग्राम	१० ग्राम	१० ग्राम
95	9	95	08	00	₩.		o <sub>m</sub> r	op.	on.	Op.	0%	OF.
05	o	oè	9	9	ဝန	<b>ود</b>	40	0 %	0%	* *	०४	<b>አ</b> አ
					a		mr.			≻		
					×		o			o		
					(J <b>9</b> *		оь			9		
					003		0006			000Ь		
भाद्र-कार्तिक	भाद्र–कार्तिक	मंसिर-माघ	फाल्गुन-चैत्र	फाल्गुन-चैत्र	असोज–मंसिर	असोज—मंसिर	माघ-जेठ	माघ-जेठ	माघ-जेठ	असोज–मंसीर	असोज–मंसिर	असोज–मंसिर
श्रावण—कर्ति क	जेठ—असोज	जेठ्र–फाल्युन	कार्तिक- फाल्गुन		भाद्र—मंसिर	भाद्र—मंसिर	फालाुन -भदौ	फाल्गुन-भदौ	फालाुन -भदौ	भाद्र—मंसिर	श्रावण-जेठ	भाद्र—मंसिर
जेठ—साउन	जेठ—साउन	जेठ—साउन	जेठ—साउन		फाल्गुन—वैशा ख	फाल्गुन—वैशा ख	बैंशाख—जेठ	बैंशाख—जेठ	बैशाख—जेठ	फाल्युन—बैशा ख	जेठ-असार	फालान-वैशा ख
मिनो अर्ली	यूठाने रातो	टोकीनासी	४० दिन	पुषा चेतकी	स्थानीय	कसुरी	पुषा सावनी	पार्वती	अर्का अनामीका	खुमल चौडापात	ताङखुवा	मार्फ चौडापात
					मेथी		रामतोरीया			रायो		
					*		3			9		

कृषि डायरी ३०७१

							1		1						
<b>જાાળ કાવરા ૨૦૦૧</b>	१० ग्राम	" ०००४२	" oob-ox	" oob-ox	" ооь	" oob	000b-00k	" ૦૦૦૯	%000b-00	%00-d000	%000-000	%000p-00%	" oooè	" оь	२००० करिङ्ग
do lo	Op.	አь	300	300	O£	9	80	Op.	9	9	80	S	Op.	Op.	<b>አ</b> ջ
	<mark>አ</mark> ջ	አь	002	५००	30	o <u>e</u>	o} b	०२७	oè b	09	0 કે કે	09	አ <sub>ጾ</sub>	ኧጲ	አጾ
		×	ъ		mr		m≻							mr′	e
		४४	ъ		<b>(19</b> °		(J <b>9</b> *							٠٠٠	<b>(9</b> '
		<b>ટ</b> b	or		ጾ		ጾ							оь	оь
		००४६	००४७		оооь		003							005	000b
	असोज–मंसिर	असोज-कार्तिक	पुष-जेठ	माघ-जेठ	असोज—मंसिर	असोज–मंसिर	भाद्र—असोज	भाद्र–असोज	भाद्र—असोज	असोज-मंसिर	भाद्र—असोज	असोज-मंसिर	असोज-मंसिर	असोज–मंसिर	कार्तिक-मंसिर
	भाद्र—मंसिर	श्रावण-माघ	फाल्गुन- असार	फाल्गुन–चैत्र	श्रावण- फाल्गुन	श्रावण—फाल्गु न	माघ–फाल्गुन	साउन	साउन	फाल्गुन- श्रावण	साउन	फाल्गुन- श्रावण	फाल्गुन- श्रावण	श्रावण-माघ	जेठ-भद्र
	फाल्युन—बैशा ख	बैशाख—जेठ		वैशाख—जेठ	जेठ—साउन	जेठ—साउन	चैत्र—वैशाख	फाल्गुन–चैत्र	फाल्गुन—चैत्र	जेठ-असार	चैत्र—बैशाख	जेठ-असार	जेठ-असार	फाल्गुन–जेठ	जेठ-असार
	बुमल रातोपात	स्थानीय	एन.एस.४२१	समर प्रोलिफिक लंग	पर्पल टप	का.लोकल	त्रिशुली	कागें सिमी १	एस-९	हिमाली राजमा	चारमासे	एल.बि.३७ (फांगे)	एल.वी.२४बुसी (रष्ट प्रतिरोधक)	सुसाग	स्थानीय
		लसुन	लौका		सलगम		सिमी							स्वीसचार्ड	सखरखण्ड
		s S	8		Op.		윥							cr mr	mr mr

_		जापानीज रातो	जेठ-असार	जेठ-भद्र	असोज-मंसिर					አ ኦ	* >>	४४ २००० कटिङ
≫ mr	कृरिलो	मेरि वासिंटन / एसेल / हिसितो /यूसि १४७	जेठ-श्रावण	फाल्गुन-भद्र		0006	8	o	mr	006	O W	६०० बोट
* **	तरकारी	ए.जि.एस.२९२		माघ-श्रावण	माघ-श्रावण असोज-कार्तिक	600	٠٠٠	o	mr	OF.	စ္တ	" ०००२ ०६
	भटमास	चाइनिज		माघ-श्रावण	असोज-कार्तिक					9	OF.	" ०००२
		जापानीज		माघ-श्रावण	माघ-श्रावण असोज-कार्तिक		_			90°	တ္တ	" ०००२
		ए.जि.एस ३४२		माघ-श्रावण	असोज-कार्तिक					တ္ရ	တ္တ	40005

# प्याजको सेटबाट गानो उत्पादन

कैंफियत		
उत्पादन (के.जी.)		- ००४८ - ४००
उत्पादन लिने समय (दिन)		09
बीउ बेर्ना दर (के.जी.)		20/400
लगाउने दूरी (से.मी.)	ड्याड × ड्याड.	ક
	बोट × बोट	አь
मलखाद (के.जी. /रोपनी)	मे.	አ
	फ.	አ
	ना.	نون
	कम्पोष्ट	0006
डल्ला उत्पादन		१४ असार- श्रावण भर
सेट उत्पादन		असोज- कार्तिक
जात		एन- ५३
बाली		प्याज
ंसः भ्र		j.

कृषि डायरी २०७१

#### क) आलु खेती प्रविधि

मलखाद के.जी./रोपनी
कम्पोष्ट डि.ए.पी. यूरिया
o pp ooxp
<ul><li>८०० ११</li></ul>
n bb ookb
n bb ookb
n bb ookb
n bb ooxb
o ११ ००४१
n bb ookb

نه	कार्डिनल	ı	पौष माम	असोज-मंसिर १४०० ११	००४७	44	9	*	00 b- ४७	४५×००	oèb-oob ४२×०६ oob-४६	9-9.3X
			5									
90.	एन.पि.आई	फालान/चैत्र	पौष	1	bb ooxb	66	9	*	00 b- X60	oeb-obb	05 p-0 pp	9. 34–9.x
	406	,	/माघ			:						

# ख) बीयाँबाट उत्पादित सिडलिंग ट्यूबर

	उत्पादन मे.ट / रोपनी	አ <sup>.</sup> ৮–አን
4.16	भाषा तथार हुन लाग्ने दिन	0bb-00b
1	बगाउन दूरी (से.मी.)	หะ×o๑
4	भाउ ५९ कोजी / रोपनी	०६-४८
<del>ll</del>	म्यूरेट अफ पोटास	*
.जी. /रोपनी	यूरया	9
मलखाद के.	डि.ए.मी	ЬЬ
	<del>5</del>	११ के.जी.
स क्षेत्र	तराई, भित्री मधेस, बैसी र खोच	असोज–मंसिर
. समय ∕सिफारि	मध्य पहाड	पौष ⁄ माघ
थेवे	उच्च पहाड	फालाुन / चैत्र
	जात	HPS II/67, HPS 7 /67 HPS 1/13
	बाली	
	अ	<del>ن</del>

# ग) सिडलिंग ट्यूबर उत्पादन

λ- >>
o bb-oob
% × % > % > % > % > % > % > % > % > % >
०.२ ग्राम प्रतिवर्गीमटर (४ ग्रामले २४ वर्गीमटरलाई प्रने)
<u>ඉ</u>
8
<b>ා</b> උ
रू अ
असोज-मंसिर
पौष ⁄ माघ
फाल्गुन/ चैत्र
HPS II/67, HPS 7/67 HPS 1/13
<del>oʻ</del>

कृषि डायरी २०७१

घ) आलुको बीयाँबाट खायन आलु खेती (बेर्ना सारेर) (TPS)

				(			,					
		<u> </u>	ाज समय/सिफारि	र क्षत्र		मलखाद क.जा./रापना	.जा. /रापन	_	, 12	4	4	
क.सं	जात	उच्च पहाड	मध्य पहाड	तराई, भित्री मधेस, बेंसी र खोच	कम्मोर ट	डि.ए.मी	यूरिया	म्यूरेट अफ पोटास	भाषादर् ग्राम्)/रो पनी	बना दान दूरी (से.मी.)	बाला तथार हुन लाग्ने दिन	उत्पादन मे.ट / रोपनी
	HPSII/67, HPS 7/67 HPS 1/13	फाल्गुन/चै त्र	पौष / माघ	असोज–मंसिर	००४७	ьь	9	×	५ ग्राम	६०×१४- २०	obb-00b	ዓ- <b>ዓ</b> . አ

# १३. मसला बाली उत्पादन प्रविधि तालिका

		कैफियत	्र हेर्स	न प्राप्त स्वाह्य	(सिफारिस (सिफारिस	जात)				"	-	,,	-	)	उन्मोचित	बात)	(प्रचलित	आंत)	(प्रचलित	आत)			
		ड(पादन (के.जी. /रोपनी)		00%	सुख्बा)		"			"		"		-000b	००४७		-०००२	9300	-000b	००४७	-003	0006	
d	बाला	तयार हुन लाग्ने अवधी	तिन वर्ष				"			"		"		9	९महिना		ch-2	महिना	->	१०महिना	-8	६महिना	
		भगा / बीउ मात्रा /रोपनी)		ьхоь	बेर्ना		-0 3 y	bxob	बेर्ना	-0333 3	१०४१बेर्ना	-0333 3	१०४१बेर्ना	-४५४-	३००के जी		-00b	१५०के जी	५० के	ंच	०६–४८	.स म	
4	લગાહન દૂરા	लाईनदेखि लाईन	-8-5	१.शीम			9.3-	१.शीम		-૪.૧	१.शीम	-૪.૧	१.शीम	३०से.मि			२४ से.मि		भ्रम् मि		<b>ე</b> —მ	से मि	
	બનાહ	बोटदेखि बोट	-8-8-	१.शम			9.3-	१.शीम		٩.۶-	१.शम	٩.۶-	१.शम	३०से.मि			30	सेमि	२५ से	म	१४से.	丑	
		पो. (के.जी. /रोपनी)	m	,			"			"		"		አ.۶			mì		አድ		mr		
	मलखाद	फ. (के.जी. <i>(</i> रोपनी)	mr				"			"		"		2.X			mr		9		×.×		
	મબ	ना. (के.जी. <i>(</i> रोपनी)	*	,			,,			"		"		>>			*		ற		*		
		कम्पोष्ट (डोको <i>(</i> रोपनी)	03-08				"			"		"		06-03			06-03		-0م	0	03-0X		
	1	तराई								1		-		फाल्गुन	- অ স		चेत्र-	बेशाख	1		कार्तिक-	मंसिर	
,     1	लगाउन समय	मध्य पहाड	नेठ -	श्रावण			"			"		"		काल्यंच	- লুস		-戽>	बैशाख	-ध्राप्त	आशिवन	असोज		कार्तिक
		उच्च पहाड	नेठ -	श्राबण			"			1		- २५	श्राबण	फाल्गुन-	মু		<u>ਕ</u> ੈਂਸ-	बेशाख	श्रावण		असोज	-कार्तिक	
		जात	रामसाई				गोलसाई			डम्बरसाई		साउने		कपुरकोट	अदुवा –१		स्थानीय		चाईनिज		स्थानीय		
		बाली	अलैची											अदुवा			बेसार		लसुन		लसुन		
		क्र सः	<i>-</i>											'n			mi		×		×		

कृषि डायरी २०७१

4001	(सिफारीस	जात)	मलको	१/३ भाग	पहिलो	वर्ष, २/३	भाग	दोश्रो वर्ष	(सिफारिस	जात)		
कृष्टि डावर्। <b>२</b> ००१	– <b>⊁</b> ଚ	900	सुकेको						<b>አ</b> ὲ-οὲ			
	३ वर्ष								४ महिना			
	-00 kè	४०००वेर्ना	mr	बेर्ना/खाडल					१ के.जी.			
	म्,४:८								-			
	२.४मि								90	से.मि.		
	الم.								9.0			
	mr								٩.٢			
	ហ								٩.۶			
	-0%	0							-0% -	0×		
	श्रावण								असोज -	कार्तिक		
	श्रावण											
	1								ı			
	स्थानीय	पन्युर-१	'						आर.जेड	96	<u>ज</u> . न.	<i>-</i> -
	मरिच								जिरा			
	نوں								ூ			

# १८. बाली संरक्षण

# १८.९ विभिन्न बालीका रोग तथा कीराहरू र तिनको त्यवस्थापन **१८.१.१ अन्नवाली**

# धानबालीमा क्षति गर्ने मुख्य कीराहरू

कीराको नाम	पहिचान	क्षतिको लक्षण	व्यवस्थापन विधि
१. रिट्ठे, ट्बाँटी र कीथों	वयस्क अवस्था चिक्कलो कालो हुन्छ र	<ul> <li>बिरुवाको कलिलो अवस्थामा</li> </ul>	<ul> <li>खेतमा पानी पटाउने ।</li> </ul>
कीरा (Seed bed beetle,	लाभे खैरो रङ्गको हुन्छ । वयस्क र लाभे	माटो मुनि रहेको जरा र डाँठको	• सालिन्दा आक्रमण हुने खेतमा, रोपाई गर्न अगावै
Mole Cricket, Field	दुवे माटा भित्र बस्दछन् । ट्वाटी	भाग खाईदिन्छ र विरुवाहरू	क्लोरपाइरिफस १० प्रॅजीआर ०.५ केजी (देभीवान) वा
Cricket)	कीराको खुटा बढ़ी मोटो र बलिया नडगा	मर्दछन् ।	क्लोरपाइरिफस ४ जीआर ०.७५ केजी प्रति रोपनी वा
(day . 1)	भएका हुन्छन् भने कथामा साधारण	<ul> <li>ट्वांटी कीराले आलीमा व्लो</li> </ul>	क्लोरपाइरिफस २० ई.सी. (डर्सवान वा फिनेवान वा
	उफ्रन किसिमका खुटा हुन्छन्।	पारेर पानी चुहिने समस्या पनि	रुसवान ) नामक कीटनाशक विषादी १ मी.ली. प्रति
		गराउँछन् ।	लीटर पानीका दरले खेतमा पानी सुकाएर छने।
२. गवारो (Borer)	वयस्क अवस्थामा विभिन्न आकार	विरुवाको कलिलो अवस्थामा	<ul> <li>गवारोको क्षित कम गर्न हरेक वर्ष धान काटी सकेपछि</li> </ul>
(चित्र : २, ३)	प्रकारका पुतली हुन्छन् । लाभ्रेहरू फिका	आक्रमण भएमा मृत गावा (Dead	रहेको सम्पूर्ण ठूटा निकाली जलाइ दिने अथवा ठूटा बुब्ने
	पहेंला अथवा गुलावी रङ्गका अथवा	heart) देखिन्छन् यदि विरुवाको फूल	गरी पानी पटाइ दिने अथवा धान काटेपछि खेतलाई
	शरीरमा धर्का भएका हुन्छन् र यिनीहरू	फुल्ने अवस्थामा आक्रमण भएमा भुस	जोतिदमे ।
	विरुवाको डाँठभित्र रहन्छन्।	मात्र भएको सेतो वाला (White	<ul> <li>वेर्नाको पातको ट्रप्पोमा देखिएका फलहरूलाई पातको</li> </ul>
		head) दीखन्छन् ।	दुष्पो चुँडेर नष्ट गर्ने।
			<ul> <li>प्रकाश पासीको माध्यमबाट वयस्क प्तलीलाई आकर्षण</li> </ul>
			गरी मार्ने।
			• ट्राइकोग्रामा परजीवी कीरा ५०,०००-१,००,००० प्रति

			मुख्य नियंत्र किंग्या हायरा
			हेक्टरका दरले रोपाइ गरेको ३-४ हप्ता पछि छाड्ने ।
			<ul> <li>धानखेतको आलीमा भटमास लगाउने</li> </ul>
			<ul> <li>व्यासीलस थुरीनजियन्सीस (Bt.) ३ ग्राम प्रति लिटर</li> </ul>
			पानीका दरले छक्ने ।
			<ul> <li>गवारोहरूको धेरै प्रकोप भएको खेतमा कार्वोफ्यूरान</li> </ul>
			3%GR (फ्यूराडन,डाइफयूरान, की फयूरान आदि) वा
			कारटेप हाइड्रोक्लोराइड ४ प्र. जीआर (अनुदान, विदान,
			कीटाप, आदि) वा फिप्रोनिल ०.३ प्र जीआर(
			रीफ्री,रिजेन्ट,टाटाजेन्ट आदि) दाना विषादी कुनै एक
			१.२४ के.जी. प्रति रोपनीका दरले वा क्लोरानट्रानीलीप्रोल
			०.४ प्र जिआर (फेरटेरा) खेतमा छिपछिपे पानी जमाइ
			छने । विषादी छरेपछि ४ दिनसम्म खेतबाट पानी बग्न
			दिनु हुँदैन ।
			<ul> <li>माकुरा, लामा सिंगे फट्याङग्रा जस्ता मित्रजीवको</li> </ul>
			संरक्षण गर्ने।
३. धानको काँडादार खपटे	वयस्क खपटे कीरा निलो-कालो रङ्गको	यसले नोक्सान पुर्याएको पातमा	<ul> <li>बेर्नाको पातको टुप्पोमा देखिएका फुलहरूलाई पातको</li> </ul>
हिस्पा (Rice Hispa)	कॉडादार पॅखेटा भएको हुन्छ ।	सेता धर्साहरू र सेता धब्बाहरू	दुष्पो चुँडेर नष्ट गर्ने
		दाखिन्छन् ।	<ul> <li>व्याडमा टम्म पानी जमाएर पानीमा उत्रेका खपटेलाई</li> </ul>
			जम्मा गरी नष्ट गर्ने।
			<ul> <li>प्रकोप बढी भएमा अन्तिम विकल्पको रुपमा बजारमा</li> </ul>
			सजिलैसँग उपलब्ध हुने सर्म्पक विषादी क्लोरीपाइरिफस
			२० प्र. इसी (डर्सवान,डरमेट,फाइनवेन) १.२४ मिलि प्रति
			लि वा लाम्डासाइहेलोधिन ४ प्र. इसी (एजेन्ट प्लस,
			ब्राभो ५०००, कराते, सूर्य एजेन्ट) ०.५ मिलि प्रति
			लिटर वा मालाधियन ५० प्र इसी(साइधियन, अनु
			मालाथियन,सूर्याथियन) १.४ मिलि प्रति लिटर पानीमा
			मिसाइ छने।

6
క్ట
氒
डाय
加
酉

४.फुड्के (कीराहरू हरियो,	कुनै हरिया, कुनै सेता र कुनै खैरा	<ul> <li>धानका विरुवाहरू सुकेर मर्दछन्।</li> </ul>	उपयुक्त जातको छनौट गर्ने। हिलो लगाईएको भन्दा छिटो
खैरों र सेतो पिठ्यू	किसिमका फुत फुत उफ्रने किसिमका	<ul> <li>विरवाहरू गाँजिन र बढुन</li> </ul>	लगाईएको र ढिलो पाक्ने भन्दा छिटो पाक्ने धान बालीमा
भएको) (Hoppers)	मसिना कीराहरू हुन्छन्।	सक्द्रेनन् ।	फड्के कीराको प्रकोप कम भएको पाईएको छ।
( <u>বি</u> স : ४)		• धानको बोटमा बाला नलागी पराल	गाँजको घनत्व कम गर्ने । धान रोप्ने समयमा प्रति गाँजमा
		जस्तो भई बोट सुकेर जान्छ।	२-३ वटा भन्दा बढी बेर्नाहरू नरोप्ने ।
		•	नाईट्रोजनयुक्त मलखादको उचित प्रयोग गर्ने ।
		•	समय समयमा गोडमेल तथा सरसफाई गरी कीराको
			बैकल्पिक आश्रयस्थल नष्ट गर्ने ।
		•	३-४ दिनको फरकमा खेतमा पानीको सतह बढाउने
			घटाउने र सुकाउने गर्नुपर्छ ।
		•	धानखेतको पर्यावरणमा मित्रजीवको संख्या अत्यन्त कम वा
			शुन्य र शत्रुजीवको संख्या अत्यधिक रहेको समयमा
			अन्तिम बिकल्पको रुपमा रासायनिक विषादीको प्रयोग गर्ने
			। दैहिक बिषादीहरू एसीफेट ७५ प्र. एसपी (एसीफेट,
			आस्ताफ, लेन्सर) २ मिलि वा वृप्रोफीजन २५ प्र एससी (
			बुप्रोलोड, डेभिफीजन) १.४ मिलि वा फिप्रोनिल ४ प्र.
			एससी (रिजेन्ट,स्टाल्कर,डेभिजेन्ट प्लस) २-३ मिलि वा
			इमिडाक्लाप्रीड १७.८ एसएल (अनुमिदा, एटम, केमिडा,
			हिमिडा) १ मिलि प्रति ४ लिटर पानीमा वा कार्वो सल्फान
			२५ प्र. इसी (मार्सल) १ मिलि प्रति लिटर वा ट्राइजोफोस
			४० प्र. इसी (ब्राभो, जोस) १.२५ मिलि प्रति लिटर वा
			एजाडिराक्टीन ०.०३ प्र इसी (निम्बेसिडीन, मल्टीनीम) २
			मिलि आलो पालो गरी एक-एक हप्ताको फरकमा छर्कनु
			पर्दछ । बिषादी छक्दा धानको बिरुवा माथिबाट होइन कि
			बिरुवाको फेदमा पर्ने किसिमले छर्कनु पर्दछ ।

<ul> <li>खेतभित्र तथा वरपरको भारपात गौडमेल गरी पतेरोको वैकस्मिक आश्रयस्थललाई नष्ट गर्ने।</li> <li>एकैसमय पाक्ने धानका जातहरू छनोट गरी लगाउने।</li> <li>प्रकाश पासोको माध्यमबाट वयस्क कीरालाई मार्न सिकन्छ।</li> </ul>	<ul> <li>इटी ट्र्यापको प्रयोग गर्ने। यसको लागि गाई भैसीको ताजा पिसावमा कपडा वा जुटको वोरालाई भिजाएर एउटा घोचोको एक छेउमा बांजे र उक्त घोचोलाई धानबारीको बीचमा लगेर गाइने गर्न पर्वछ। ट्रयापमा आकर्षित भएका पतेरोहरूलाई बाहिर पट्ठीबाट प्लास्टिकको भोलाले छोपी संकलन गरी माने।</li> <li>यो कीराको प्रकोप ज्यादा भएमा अन्तिम विकल्पकोरुपमा कीटनाशक विषावी जस्ते मालाध्यन ५० प्र. इसी (साईध्यन, अनु मालाध्यन, २५ प्र. इसी (अनुकील, साइपरमीक्षन, २५ प्र. इसी (अनुकील, साइपरसीक, केआइ साइपर) वा अथवा फेन्मेलेरेट २० प्र इसी (अनुकील, साइपरसीक, केआइ साइपर) वा अथवा फेन्मेलेरेट २० प्र इसी अनुकीन, फेन्मअल, कीफेन। ०५ मिल्ल प्रति कीटर साईपर आते.</li> </ul>	लाटर पानाका दरल कुन एक विषादा विरुव (सुरा भिज्ने गरी छर्नुपर्दछ । • धान रोज्ने बेलामा स्वस्थ र बिलया बेर्नाहरूको प्रयोग गर्ने । • माईट्रोजनयूक्त मलको उचित प्रयोग गर्ने । • धानखेतको राम्नरी गोडमेल गर्ने । • काँडेवार डोरी लिई दुवैछेउमा समातेर खेतको दुई छेउमा बस्ने र धानलाई छुवाएर क्रमशः विषरित दिशातिर जाने । यसो गर्नाले धानको पातमा रहेका पात
पातमा बढी आक्रमण भएमा बोट नै पहेंलिने हुन्छ र वालामा आक्रमण गरेको छ भने दानाहरूमा खैरो दाग देखिने, वानाहरू फोसा हुने अथवा आधा फोस्रिएका वाना हुने गर्दछ।		पातलाई वेरेर भित्र पट्टि बसी पातको हरियो पदार्थ खाईदिन्छन् र पात सुक्दछन्।
वयस्क पतेरो खैरोमा हरियो मिसएको हुन्छ भने वच्चा पतेरो हरियो हुन्छ । यसलाई समातेर विस्तारै थिच्चा नराम्रो गन्ध छोड्छ।		हल्का खेरो रङ्गका वयस्क पुतली हुन्छन्। पखेटामा दुईवटा बाङ्ग- टिङ्ग धर्साहरू हुन्छन्। लार्भा हल्का हरियो रङ्गका हुन्छन्।
५.धानको पतेरी (Rice bug)		६. पात वेरुवा (Leaf roller)

σ
9
0
200
ቑ
יקי
ন
डाय
ᅜ
æ
भुष

बेरवाका लाभोहरू पानीमा खसेर नष्ट हुन्छन्।  बि. टी. नामक जीवक विषावी १.४ मि.लि. प्रति लिटर पानीमा मिसाई खेतमा छकेने । यसरी जेविक विषावी प्रयोग गर्वा प्रति हेक्टर जमिनमा ५००–६०० लीटर जेविक विषावी स्प्रांन मोल प्रयोग गर्ने।  प्रयोग गर्वा प्रति हेक्टर जमिनमा ५००–६०० लीटर जेविक विषावी र पानीको भनेल प्रयोग गर्ने।  प्रकोप बढी भएमा अस्तिम विकल्पको स्पमा बजारमा सिजलैसँग उपलब्ध हुने सम्मेक विषावी क्लोरीपाइरिफस २० प्र. इसी (ब्राह्म प्रति लिटर कारटेप हाइड्रोक्लोराइड ४ प्र. जीआर (अनुदान, विदान, कीटाप, आदि) १ मिलि प्रति लिटर वा लाम्डासहोइलोधिन ५ प्र. इसी (एजेन्ट प्लस, बाभो १०००, कराते, सूर्य एजेन्ट) ०.५ मिलि प्रति लिटर वा अजाडीराक्टीन ०.१५ प्र पल्टीनेमोर, निकोनिम। ३-५ मिलि प्रति लिटर दरले छने	नसक्ने,
	शरीर विरुवा रोगाउने, बढ्न नसक्ने, ग्रर्थले जिडिरिङ्ग परेर पहेलिन्छन् र बिरुवामा पएका बाला न्। लाग्दैन।
	वयस्क सानो, गुलावी रङ्गको, नरम शरीर भएको, सेतो मैन जस्ती पदार्थले ढाकिएको हुन्छ । कुनै पखेंटा भएका हुन्छन् भने कुनै पखेंटा विहिन हुन्छन्।
	७. मिलवग (Mealy bug)

## धान बालीका मुख्य रोगहरू

रोगको नाम	लक्षण	व्यवस्थापन विधि
৭. ज्लाप्ट रोग (Blast) (चित्र : ५)	पातमा स-साना सेता टीका बीचमा भएका लाम्चिला खैरा थोप्ला देखा पर्दछन्। बाला मुन्तिरको डाँठको वरिपरी वा आँख्लामा खैरो रङ्ग भएको दाग पनि देखिन्छन्।	सेपा मिरोधक जातहरू लगाउने।  बीभीटन वा डेरोसाल २-३ ग्राम प्रति किलोग्राम बीउका दरले बीउ उपचार गरी व्याड राख्ने।  सिफारिस अनुसार नाइट्रोजन मल प्रयोग गर्ने।  खेतमा पानी जमाई राख्ने।  Tricyclazole 75%WP (Baan, Logik, Trip, Trikaal) ०.७५ ग्राम प्रति लिटर वा Kasugamycin 3%SL (Kasu-b, KI-mycin) १.५ मि.लि. प्रति लिटर पानीमा , वा Hexaconazole 5% EC (Avon, Comfort, Ki Hexa, Hexa plus) २ ग्राम प्रति लिटर वा Kresoxim- methyl 44.3 SC (Ergon) १ मि.लि. प्रति लिटर पानीमा मिसाई १५ दिनको फरकमा २-३ पटक छने।
२. व्याबहेरियल लिफ व्लाईट (Bacterial leaf blight) (चित्र : ६)	पातको किनाराबाट लामो पहेंला वा खैरा रङ्गका धर्साहरू देखिन्छन, पात दुप्पोबाट सुकेर मर्दछ।	<ul> <li>रोग निरोधक जातहरू लगाउने</li> <li>सिफारिस अनुसार रासायनिक मल हाल्ने।</li> <li>रोग लागेको खेतमा केही दिन पानी सुकाई दिने।</li> <li>एप्रमाइसिन-१००, ०.२५ ग्राम प्रति लिटर पानीको भोलमा बीउलाई ३० मिनेटसम्म डुबाएर बीउ उपचार गर्ने।</li> </ul>
३. खैरो थोप्ले रोग (Brown leaf spot disease) (चित्र : ७)	पात वा धानका गेडामा स-साना गोलाकार वा लाम्चिला खैरो थोप्ताहरू देखिन्छन्।	<ul> <li>बीभिष्टिन वा डेरोसाल २-३ ग्राम प्रति किलोग्राम बीउका दरले बीउ उपचार गरी व्याड राल्ने।</li> <li>सिंचाई भएको ठाउँमा चैत्र महिनाको शुरुमा नै सिफारिस गरिएका उन्नत जातका धानहरू रोप्ने।</li> <li>मेन्कोजेव ७५ प्रतिशत डब्लु पि (डाइथेन एम-४५.) विषादी ३ ग्राम प्रति लिटर वा Propineb 70% WP (Antracol, Ki Antra, Antragold) ३ ग्राम प्रति लिटर पानीको दरले मिसाई १५ दिनको फरकमा ३ पटक छर्कते।</li> </ul>
४.फेद कृहिने रोग (Foot rot) (चित्र : ८)	खेतमा रोगी विरुवा अग्लो नहुने, पहेंलिने र अन्तमा फेद कृहिएर मर्दछन् तत्लो आँख्लाहरूबाट जरा निस्कन्छन्।	<ul> <li>रोगी बोट भएको खेतबाट बीउ संकलन नगर्ने ।</li> <li>कार्वेन्डाजिम ५० प्रतिशत डब्ल्पी. (बेभिष्टिन वा डेरोसाल) ढूसीनाशक विषादी २ ग्राम प्रति किलो बीउका दरले उपचार गरी व्याड राख्ने ।</li> </ul>

ं रोग ग्रस्त बोटहरू उखेलेर नष्ट गर्ने।	नाइट्रोजन मल सिफारिस मात्रामा भन्दा बढी प्रयोग नगर्ने। उन्नत जातको धान रोप्दा बोटदेखि बोटको दूरी बढाउने। Validamycin 3%L (Sheathmar, Valigan, Ozoro) ३ ग्राम प्रति लिटर वा Pencycuron 22.9 SC (Monceren 250) १.५ मि.लि. प्रति लिटर पानीमा वा कार्बेन्डाजिम ५० प्रतिशत डब्ल्पी । वीभीष्टन वा डेरोसाल) दूसीनाशक विषादी १.५ ग्राम प्रतिलिटर पानीको दरले मिसाई १०-१२ दिनको फरकमा २ पटक छने।	धान र उखुको घुम्ती बाली लगाउने। लक्षण देखा परेपछि २० ग्राम जिंक सल्केट र १२% ग्राम चून ५० लिटर पानीमा मिसाई प्रति रोपनीका दरले १० दिनको फरकमा २ पटक छक्ने। नाइट्रोजन र फर्स्फोरस मल सिफारिस मात्रा भन्दा बढी प्रयोग नगर्ने। लक्षण देखिएमा केही दिनसम्म खेतमा पानी सुकाउने।
•	पातको फेदमा अण्डाकार खेरा थोप्ताहरू । भए पछि आकारमा बृद्धि हुदैजान्छ र । हसीको कालो गिखांहरू (Sclerotia) । देखापदंछ । बोटको माथित्लो भागमा । समेत पुग्छ र सुकेर डढेको जस्तो	यो रोग जिंकको कमी भएमा देखा पर्दछ । । रोगी बोटको फेदतिरको पात पहेलिएर जान्छ । पातमा खैरा थोप्लाहरू पिन देखिन्छन्। थोप्लाहरू बहेर पूरै पात खैरो वा रातो हुन्छ । बोटमा गाँज थिपने र बहुने कमा रोकिन्छ
	४.पातको फेद डढ्वा रोग (Sheath blight)	६. खैरा रोग (Khaira disease)

# मकै बालीमा क्षति गर्ने मुख्य कीराहरू

व्यवस्थापन विधि	काटेको विरुवाको जरा नजिक माटोमा कोट्याएर लाभेहरू खोजी नष्ट गर्ने।     वि टी नामक जैविक विषादी वा मालाधियन ४ प्रतिशात डी पी २ ग्राम प्रति केजी गहुको चोकर मिसाएको चारा प्रति रोपनी आधा केजीको दर ले साफमा प्रयोग गर्ने     क्लोरपाइरीफस 10% GR (Deviban) वा मालाधियन 5% DP (मालाधियन ४% धूलो) १ के.जी. प्रति रोपनीका दरले माटोको उपचार गर्ने।	
क्षतिको लक्षण	दिउँसो लाभ्रेहरू लुकेर वस्छन र राती बाहिर आई बोटलाई जीमनको सतह मुनिबाट वा माथिबाट कादुरछन्।	यिनीहरूले माटो भिन्नै बसी जराहरू खान्छन् जसले गर्दा विरुवाहरू बहुन सक्दैनन् र मर्दछन् । मर्ने लागेको बिरुवा उखलेर हेर्दा जराहरू सबै खाएको पाइन्छ।
पहिचान	वयस्क पुतली छाँसे रङ्गको र मध्यम आकारको हुन्छ । लाभे खरानी रङ्गको हुन्छ र छोड़ दियो भने वटारिएर बस्दछ।	खुमें खपटेहरू गाता खैरों रङ्गका हुन्छन् । लाभ्रेहरूको टाउको खैरों रङ्गको र शरीर सेतो रङ्गको हुन्छ। छोड़ दियों भने बटारिएर बस्छ।
कीरा	৭. फेद काट्ने कीरा (Cutworm) (चित्र : ९)	२. खुम्रे कीरा (White grub) (चित्र : ९०)

		Г
छने ।	डेल्टामेथिन २.६% ई.सी (डेसिस, Delcide, Dice) १-२ मी.ली. प्रति लिटर पानीमा मिलाई छर्ने व्याक्टोरेया (Bt.) १ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाई छर्ने	परजीवी कीरा ट्राइकोग्रामा १ लाख प्रति हेक्टरका दरले छोड़ने। गवारो लागेको बोटहरू उखेलेर नस्ट गरी दिने। मकै भाँचेर ढोड काटेपछि ढोडका ठुटाहरू नस्ट गर्ने। कार्जेप्यूरान 3% G (फ्यूराडन, ) ३-४ गेडा
	•	• • •
	लाभेहरूले मकैको विरुवाको सबै भाग खाइ दिन्छन् बाँकी केही राख्दैन।	भर्खर निस्केका लाभेहरूले पात खान्छन् र पातहरूमा प्रशस्त छिद्राहरू हुन्छन् । पछि यिनीहरू डाँठभित्र पसी गुवो खान्छन् र विरुवाको गुवो मर्दछ । विरुवाको दुप्पोमा लाभेहरूले विष्ट्याएको पदार्थ देखिन्छ।
	वयस्क पुतली ध्वाँसे रङ्गको हुन्छ र पूर्ण स्पले बढेका लाभ्रेहरू गाडा हरियोमा अलि पहेलो रङ्ग मिसएको जस्ता हुन्छन् र पिठ्यूँपट्टि अस्पष्ट धर्काहरू हुन्छन्।	कुनै हत्का खैरो रङ्गका हुन्छन् र शरीरमा चारवटा खैरो रङ्गका धर्काहरू हुन्छन् । कुनै लाभेको रङ्ग हत्का पहेंलोमा गुलाफी रङ्ग मिसिएको हुन्छ ।
	३. फौजी कीरा (Army worm)	४. गवारो (Borer) (चित्र : १९, १२)

## मकैबालीका मुख्य रोगहरू

रोगको नाम	लक्षण	व्यवस्थापन विधि
१.पातमा लाग्ने डढुवा	पातमा ठूला लाम्चिला आँखा आकारका खैरा दागहरू देखा पर्दछन्	<ul> <li>स्वस्थ बीउको प्रयोग गर्ने।</li> </ul>
(Leaf blight)	। पछि ती थोप्लाहरू एक आपसमा जोडिंड पात सुकाई दिन्छन्।	<ul> <li>रोग अबरोधक जातहरू: मनकामना-३, गणेश-9, गणेश-</li> </ul>
		२ लगाउने ।
		<ul> <li>कार्वेन्डाजिम ५० % डब्ल्.पी (बेभिस्टिन) द्वसीनासक</li> </ul>
		बिषादी २ ग्राम प्रति किलों बीउका दरले बीउँ उपचार
		गरी बीड रोमे।

२.घागा कृहिन (Ear rot)	घागाका दुप्पाबाट राता वा गुलाफा रङ्ग भइ कुहिन थाल्दछ । कुन	<ul> <li>रोग अबरोधक जातहरू : गणेश-२, मनकामना-१, ।</li> </ul>
	बेला घोगाको फेदबाट पीने कुहिने गर्छ ।	<ul> <li>स्वस्थ्य घोगाहरू छनोट गरी बीउ राख्ने।</li> </ul>
		<ul> <li>कार्वेन्डाजिम ५० % डब्ल्.पी बेभिष्टिन दुसीनासक बिषादी</li> </ul>
		२ ग्राम प्रति किलो बीउका दरले बीउ उपचार गरी बीउ
		रोमे ।
३.कालो पोके (Head smut)	धान चमरा कालो भई लट्टा परेको जस्तो देखिन्छ । घोगामा	<ul> <li>स्वस्थ बीउको प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>
	दानाको सट्टा कालो बीजाणुको धूलोले भरिएको हुन्छ ।	<ul> <li>बारीमा कालोपोके रोग देख्ने बित्तिकै जम्मा गरी नष्ट गर्ने।</li> </ul>
		<ul> <li>धेरै रोग आउने क्षेत्रमा कार्वेन्डाजिम ५० % डब्ल्.पी (</li> </ul>
		वीभस्टिन) २ ग्राम प्रति के.जी. बीउको दरले उपचार े गरी
		रोमे।
४.डाँठ कृहिने (Stalk rot)	जमिन भन्दा माथि डाँठको दोश्रो आँख्ता नजिकैको भिन्नी भागको	<ul> <li>सिफारिस मात्रामा मल प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>
	गुदीको रङ्ग बदलिन्छ र डाँठ कृहिन गई बोट	<ul> <li>रोगको जीवाण गभारोबाट सर्ने हँदा उक्त गभारो नियन्त्रण</li> </ul>
		गर्न कार्बोफ्युरान (फ्यूराडन ३% G.) विषादी प्रयोग गर्ने।
५. डाउनी मिल्ड्यु	पातहरू पहेंलिएर सानो हुने र पातमा धर्साहरू देखिन्न् ।	<ul> <li>स्वस्थ बीउको प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>
(Downy mildew)		<ul> <li>रोग अबरोधक जातहरू रामपुर २, रामपुर कम्पोजिट</li> </ul>
		लगाउने ।
		<ul> <li>मेन्कोजेव ७५ प्रतिशत डब्लु पि (डाइथेन एम-४५.)</li> </ul>
		विषादी ३ ग्राम प्रति लिटर वा मेटालेक्सील ८ प्रतिशत
		मेन्कोजेव ६४ प्रतिशत(किनोक्सील गोल्ड, कीन्ग मील
		एमजेड, रिडोमिल एमजेड, टयागमील) २ ग्राम प्रति लिटर
		पानीमा मिसाई छनें
6. ध्वासे थेग्ले रोग (Gray Leaf spot)	धान चमरा निस्किने बेलामा फेद नजिकका पातमा शुरुमा स-	<ul> <li>गणेश १, मनकामना ३, मनकामना १, हिलपुल पहेलो २</li> </ul>
	साना पहेला वा खैरा दाग बनाउँछ र दुइ तीन हप्ताभित्र नसासँग	देउती जातका रोग सहन सक्ने जात लगाउने।
	समान अन्तरमा लाम्चिला धसांहरुमा परिवर्तन हुन्छ । थेग्लाहरू	<ul> <li>मके छिटो रोप्ने र पातलो रोप्ने । घ्म्ती बाली अपनाउने ।</li> </ul>
	जाडिद गई पुरे पात ध्वस्त हुन्छ । पातबाट डाठ, घोगाका खोस्टा	<ul> <li>रोगी बोरका अवशेष जलाउने रोगको लक्षण देखिनासाथ</li> </ul>
	पनि लाग्छ । घोगाहरु साना, हलुका, थोते, टेडा हुने हुन्छ ।	

पात हटाउने । सन्तुलित मलखाद प्रयोग गर्ने ।
<ul> <li>ढ्सीनासक विषादी विभिष्टीन वा वेनोफेट १ ग्राम अथवा</li> </ul>
डाइथेन एम ४५ वा साफ २ ग्राम प्रति लिटर पानीको
दरले छने ।

#### कीराहरू

कीराको नाम	जक्षण	व्यवस्थापन विधि
१.कीटकीटे नार्	लार्भा (Wire worm) ले जरा काटीदिन्छ र बोट सुक्छ।	- मकेको फेंद काट्ने कीरा जस्तै : विषादी प्रयोग गर्ने । सन्तर्ग निक्ष्य अमाम मामेर्जुंग सिन्नार्न मर्ने ।
खपट २. लाही कीरा	बाला पसाउने बेलामा यसले दुःख दिन्छ । लाही कीराहरूले कलीलो बालाको रस चुसी	- ातपाइ सुप्या मर्मा रामात्मा तियाइ गग। - लेडी विटल्स (मित्र खपटे) प्रयोग गर्मे।
	नोक्सान गर्दछन् ।	- डायमेथोएट ३०% ई.सी. को १ मी.ली. ⁄लीटर पानीका दरले कर्कने
३.गुलावी गभारो	यिनीहरूले गहुँको गुवो काटी नोक्सान गर्छन्	धानमा जस्तै

## गहुँबालीका मुख्य रोगहरू

रोगको नाम	लक्षण	व्यवस्थापन विधि
9. डढुवा रोग (Teof blimbt)	साना खैरो रङ्गको थोप्लाहरू पातमा देखिछन् । पछि ती थोप्लाहरू जज्जन र सक्त शास्त्रमा नेरिक्ट मन्त्र अस्से जा बरेसे जज्जे	<ul> <li>भाइटाभेक्स-२००, दुइ ग्राम प्रति किलोका दरले बीउ उपचार</li> </ul>
(Lear Ougin)	बिक्छन् र एक आयत्तमा जाडिङ्ग यात सुकका वा ढढका जस्ता	मन ।
	दीखन्छ ।	<ul> <li>पोटास मलको प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>
		<ul> <li>ठिक समयमा गहुँ छनें।</li> </ul>
		<ul> <li>रोग अवरोधक जातहरू लगाउने।</li> </ul>

२. खेरो सिन्दुरे	पातको माथिल्लो सतहमा सुन्तला रङ्गका फोकाहरू देखिन	<ul> <li>रोग अबरोधक जातहरू लगाउने ।</li> </ul>
(Brown rust)	थात्वछन्।ती फोकाहरू छुट्टाछुट्टे रहका हुन्छन्।	<ul> <li>सिफारिस गरिए अनुसार मलखादको प्रयोग गर्ने, ठीक समयमा गह छने</li> </ul>
		<ul> <li>गहुँको बोट ठूलो भएमा म्यान्कोजेव ७५% डब्लु पि. (डाइथेन</li> </ul>
		एम-४५) नामक विषादी १.५-२ के.जी. प्रति हे. ७५० लिटर
		पानीमा मिसाई १४ दिनको अन्तरमा २-३ पटक छर्कने ।
		अथवा
		Propiconazole 25% EC (Bonus, Bumper, Tilt 25)     अभ गाम पनि त्रीचर पानीका दर्मने मियाई कर्कने ।
३ पहेंलो सिन्दरे (Vellow met)	पातको माधिल्लो सतहमा पहेंला लाम्चिला फोकाहरू एक	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\
(चित्र : पश्	। मिली धर्सा परेर रहेका हन्छन ।	पासाहन्दाम लगाउने य सिक समसमा गर्दे हर्मे । सिक्स
	200	नारामुरहानु, रामाठम र प्रमुख्या मुद्दे छन्। राजमारा
		गार्प अनुसार रासायानक मल प्रयाग गम ।
		<ul> <li>माथि खरा सिन्दुर जस्त</li> </ul>
४. कालो पोके (Loose smut)	बालामा दाना लाग्नुको सट्टा कालो ढूसीको बिजाणुले भरिएको	<ul> <li>स्वस्थ बीडको प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>
(বিষ : ৭४)	ि हुन्छ –	भाईटाभेक्स-२०० विषादी २ ग्राम अथवा Tebuconazole
		2% DS (Caviet, Raxil) १ ग्राम प्रति किलो गहुँको बीउका
		दरले बीउ उपचार गरी छने।
		<ul> <li>रोग लागेको बालाबाट धूलो नफ्फेंद उखेलेर खाल्डोमा गाड्ने</li> </ul>
		अथवा जलाई दिने ।
		<ul> <li>अन्नपूर्ण-४जातको गहुँमा यो रोग कम लाग्ने हुँदा यो जात</li> </ul>
		लगाउने
४.गन्हाउने कालो पोके	रोगी दानाहरू गोलाकार हुन्छन् र कालो रङ्गको रोगको	<ul> <li>दुई तीन वर्षसम्म घुम्ती बाली लगाउने वा गहुँ नै</li> </ul>
(Stinking smut or hill bunt)	जीवाणुहरूले भरिएका हुन्छन् । ती जीवाणुहरू दाना फुटाएर बाहिर	नलगाउने ।
	भनदेछन्। नोजकबाट सुँघ्दा माछा कृहिएको जस्तो गन्ध आउँछ।	<ul> <li>भाईटाभेक्स-२०० विषादी २ ग्राम प्रति किलो गहुँको बीउका</li> </ul>
		दरले बीउ उपचार गरी छनें।
		<ul> <li>स्वस्थ बीउको प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>

# जौ बालीमा लाग्ने मुख्य रोगहरू

<b>रोगको नाम</b> १. पहेंलो सिन्दुरे (Yellow rust) २. धर्से रोग (Stripe rust)	<b>नक्षण</b> पातको माथिल्लो सतहमा पहेला, लाम्चिला फोकाहरू एक रोग अवरोधक जात लगाउने अर्कासँग मिली धर्सा भएर रहेका हुन्छन्। पातको माथिल्लो सतहमा पहेला धर्साकार धब्बाहरू देखिन्छन्। भाइटाभेक्स-२००, २ ग्राम लगाउनाले रोगको प्रकोप एव	व्यवस्थापन विधिहरू रोग अवरोधक जात लगाउने। भाइटाभेक्स-२००, २ ग्राम प्रति किलो बीउका दरले उपचार गरी लगाउनाले रोगको प्रकोप एकदमै कम भएको पाइएको छ।
३.कालो पोके (Smut)	बालामा दाना लाग्नुको सष्टा कालो दूसीको बिजाणुले भरिएको • हुन्छ।	<ul> <li>स्वस्थ बीउको प्रयोग गर्ने।</li> <li>भाईटाभेक्स-२०० विषादी २ ग्राम प्रति किलो बीउका दरले बीउ उपचार गरी छने।</li> <li>रोग लागेको बालाबाट धूलो नफर्दै उखेलेर खाल्डोमा गाइने अथवा जलाई दिने।</li> </ul>

# १८.९.२ कोसेबाली : चना, मास, भटमास, मुङ्ग, चना र रहर मा क्षति पुऱ्याउने कीराहरू

कीराको नाम	पहिचान	क्षतिको लक्षण	व्यवस्थापन विधि
१.भ्रुसिलकीरा (Hairy caterpillar)	वयस्क हल्का पहेंला पखेटा भएको प्तली हन्छ। यसका अघिल्ला पखेटामा	भ्रुसिलकीराहरूले पातको सम्पूर्ण हरियो	<ul> <li>भनुसलकीराहरू भुग्डमा रहेकै अवस्थामा पातलाई टिप्ने र संकलन गरी नष्ट गर्ने।</li> </ul>
	मसिना र पछिल्ला पखेटामा अलिक रुला काला थोप्लाहरू हत्कन पतलीको	भाग खाई दिनाले पातहरू सेतो पातलो	• कीराको प्रकोप ज्यादा भएमा कीटनाशक विषादी डेल्ट्रामेथिन २,८% ई.सी.
	दूस पेटको रङ्ग रातो हुन्छ । पूर्ण विकसित लाभेको भरीरमा राता काला भन्से	कागज जस्ता हुन्छन् । अन्तमा बिरुवा पात	(डासस) ५ मा.ला. अथवा साइपरमाथन ५०% इ.सा. (१२५कड, Devicyper) १ मी.ली. प्रति लीटर पानीका दरले कुनै एक विषादी छने ।
	फुरसले भरिएको हुन्छ ।	विहीन हुने गर्दछ।	
२.कोसामा लाग्ने गवारोहरू	वयस्क पुतली हत्का पहेंलो रङ्गका	कोसामा प्वालहरू	<ul> <li>कीरा यौनजन्य आकर्षण पदार्थ "हेलीत्युर"को प्रयोग गरेर भाले प्तलीलाई</li> </ul>
(Pod borers)	हुन्छन्। अन्य गवारोको वयस्क पुतली	देखिन्छन् । लाभेले	समात्न सिकन्छ । धेरै संख्यामा भाले पुतली देखिएमा अन्य व्यवस्थापन
	भने पखेटामा सेता धब्बा भएका ध्वसि	आधा शरीर कोशा	विधि अपनाउन सिकन्छ।
	खालका हुन्छन् । कुन वयस्क पुतला निलो रङ्गका पनि हन्छन । पर्ण	भित्र पसाएर खाएका प्रष्ट देख्न सिकन्छ ।	<ul> <li>मिसना लाभे देखिनासाथ व्यासीलस थुरी-जेन्सिस भेराइटी कुर्सटाकीको</li> </ul>
	लाभांको शरीरमा रङ्गी ।		भागामा मास्त्रम ठूला १ ग्राम ग्रांत लाटर भागाका दरल ामसार् वलुकामख छन्।
	धसाहरू हुन्छन् र यिनल समय समसमा रङ्गतन्त्री रहन्यन ।		<ul> <li>न्यूक्लियर पोलिहेड्रोसीस भाइरस हेली (एन.पी.भी.) को १०० एल. ई. को १</li> </ul>
	1 1 2 2 2 4 5 1 1 1 2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1		मी.ली. वा २०० एत. ई. को ०.४ मी.ली. प्रति लीटर पानीमा मिसाएर जनमाको असेन्न नेत्रजनियम तर्जे । त्रजा २.३ शोगा निज मिसार निपास
			जादुका नगरा जातुकाच्या छन्। छन्। ८५ वाना १२६ वाना १५६ व्याप्त १५६मा प्रभावकारी हुन्छ।
			<ul> <li>निममा आधारित कीटनाशक विषादीहरू जस्तै मार्गोसोम ०.१ ई.सी.वा</li> </ul>
			म्बिटिनिम् ०.०३ ई.सी. ४ मी.ली. प्रति लीटर पानीका दरले बनाएको
			भोल छने।
			• Emamectin benzoate 5% SG (King star, N- star) ०.५ मी.बी. प्रीत
			लीटर पानीमा बा Indoxacarb 15.8% EC (Avaunt) ०.७५ मी.ली. प्रति
			लीटर पानीका दरले बनाएको भोल छने।

			<ul> <li>अरु बिषादी गोलभेंडाको गबारोमा जस्तै प्रयोग गर्न सिकन्छ ।</li> </ul>
३. लाही /पात खन्ने कीरा (	लाही सानो कीरा जस्ले विरुवाको रस   वोट	बोट रोगाउने,बढन	<ul> <li>गोलभेंडामा बताए जस्तै गर्ने</li> </ul>
Aphid/ leafminor	चुसेर खान्छ र पात खन्ने कीराको न	नसक्ने, पहेलो हुने	
	लाभीले विरुवामा नागवेली आकारको हु	हुन्छ ।	
	सुरुंग वनाएर पातको भित्र वसी हरियो		
	भाग खान्छ।		

### मुसुरो बालीका रोगहरू

रोगको नाम	लक्षण	व्यवस्थापन विधि
ओइलाउने रोग	बेर्ना अवस्थामा बोट एक्कासी ओइलाउन थाल्दछ र पात सुक्दै जान्छ।	<ul> <li>रोग नलाग्ने वा कम लाग्ने जातहरू सिमल, शिखर, खजुरा-१,</li> </ul>
(Wilt)	फूल फुल्ने बेलामा पनि बोटको टुप्पो ओइलाउदै जान्छ । पात पहेलिदै	खज्रा-२ लगाउने।
	जान्छ र पूरै बोट ओइलाएर मर्दछ।	<ul> <li>दुई वर्षको घुम्ती बाली अपनाउने ।</li> </ul>
जरा कृहिने रोग	बोटको तल्लो पातहरू पहेलिदै माथितिरका पातहरू पहेलिन थाल्दन्।	<ul> <li>रोग ग्रस्त क्षेत्रमा ३-४ वर्षसम्म मृस्रो नलगाउने ।</li> </ul>
(Root rot)	रोग लागेको बोटको मुख्य जराहरू र सहायक जराहरू कृहिएका हुन्छन्	<ul> <li>घुम्ती बाली प्रणाली अपनाउने ।</li> </ul>
डढुवा रोग (Blight)	पातको टुप्पाहरू खाद्य तत्वको कमिवाट भए जस्तो रङ्ग बदलिई सुक्दै	<ul> <li>रोग देखा पर्ने वितिकै म्यान्कोजेव ७५% डब्लु.पी. (डाइथेम एम.</li> </ul>
	जान्छ । माथिल्ला हाँगाहरू पहेला भई सुक्दछन् ।	४४ , Indofil M 45, Surya M 45)) नामक विषादी २-३ ग्राम
		प्रति लीटर पानीमा मिसाई ७ दिनको फरकमा २-३ पटक छने ।

#### चनाबालीका रोगहरू

ांगका नाम	लक्षण		व्यवस्थापन विधि
<u>ਜ</u>	ट्रुप्पाहरू रङ्ग बिहिन भएर सुकेर जान्छन्। फूल	•	चनाको वोट ठाडो हुने जात पातलो हुने गरी लगाउने।
ey mold) निर	नलाग्नु न रागका प्रमुख लक्षण हा । जाबाणुका लागि बाताबरण	•	कार्वेन्डाजिम ५०% डब्लुपी. (वेभिष्टिन) १ ग्राम प्रति लीटर

	सुहाउँदो भएमा वोटको सबै भागमा फूस्रो वा काला खैरा थोप्लाहरू देखा पदेछन्।		पानीमा मिसाई फूल फुल्ने बेलामा छुने ।
२. फेद कुहिन रोग	रोगी बेर्ना वा बोटहरू पहेला हुन्छन् तर पातहरू ओइलाएका हुँदैनन्।	•	🌶 घुम्ती बाली प्रणाली अपनाउने।
(Foot rot)	माटाका संतह र तेषांतर बाट कुहएका हुन्छ र सेती दुसाल ढाकका हुन्छ।	•	कार्वेन्डाजिम ५०% डब्लुपी. (बेभिष्टिन) ३ ग्राम प्रति किलो बीउको दरले उपचार गरेर रोप्ने ।
३. कालो जरा कृहिने	यो रोग लागे पछि बोट पहेंलिन्छन् र ओइलाउँछ । मसिनो जराहरू	•	घूम्ती बाली लगाउने ।
(Root rot)	कुहेर भनदंछन् र बाँकी भएका जरा कालो हुन्छन्।		,

# रहर बालीमा लाग्ने रोगहरू

व्यवस्थापन विधि	<ul> <li>रोग नलाग्ने जात जस्तै रामपुर रहर लगाउने ।</li> </ul>	<ul> <li>रोग मुक्त खेतबाट बीउ छान्ने।</li> </ul>	<ul> <li>रहर र अन्न बाली मिश्रित खेती गर्ने।</li> </ul>	<ul> <li>रोग कम लाग्ने जातहरू जस्तै बागेश्वरी, रामपुर रहर लगाउने</li> </ul>	<ul> <li>रोगको श्रोतको रूपमा रहेको बहुवर्षीय रहर र हाँगा काटिएका</li> </ul>	रहरका बाटहरू नाश गर्न	<ul> <li>रोग सार्ने सुलसुलेको संख्या घटाउन घुम्ती बाली लगाउने।</li> </ul>
लक्षण	बोटको फेदबाट दुष्पोतिर प्याजी रङ्गको धब्बा फैलदै जान्छ। यो रोगमा	पुर बाट नआइलाइ कुन कुन हागा मात्र आइलाउन सक्छ । खास गरर फल फल्ने र कोसा लाग्ने बेलामा ओइलाउने रोग देखा पर्दछ ।	2	खेतवारीमा ठाउँ ठाउँमा होचा, फूलका हाँगाहरू गुचुमुच्च भई फूल	फुलका हुन्छ । उक्त हागाहरू फिक्का हारया कासा नलागका बाटहरू टाहुबाट सीजलैसँग देखिन्छन । पातहरू फिक्का हरियो र गाढा हरियोको	मिश्रण भई छिबिरे पनि हुन सक्छ ।	,
रोगको नाम	१.ओइलाउने	(Wilt)		२. बाँभ्होपन	(Sterility mosaic)		

### कृषि डायरी २०७५ **98.9.३ आलु बाली**

# आलु बालीका हानिकारक कीराहरू

कृषि डायरी ३०७१

मसाइ छने	थोप्ने खपटेको जस्तै।	<ul> <li>लक्षण देखिएका पात चुडेर नस्ट गरिदिने।</li> <li>बाितको पासो प्रयोग गर्ने।</li> <li>गहिरोमा आलु रोस्ने र उकेरा राम्रोसँग दिने।</li> <li>सिँचाइको राम्रो व्यवस्था गर्ने।</li> <li>केरा भएको शंका लागेका बीउ आलु मालाधियन १० ई.सी. प्रीत लीटर वा ट्रायजोफोस ४० ई.सी. १२ मी.ली. प्रीत लीटर पानीमा फोल बनाइ १-१० मिनेट डुवाएर छहारिमा सुकाएर भण्डार गर्ने।</li> <li>पि.टि.एम लुरको प्रयोग गर्ने।</li> <li>बि.टि. जैविक विषादी को प्रयोग गर्ने।</li> <li>नयाँ आलुलाई पुरानो कीरा लागेको आलुसँग निमसाउने</li> <li>छहारिमा सुकाईएका तीतेपाती वा ठूला पाते वेथे, पुदेना वा हातीसिस्नुका पात टुकापारी सञ्चित आलुमाथि तह मिलाई राके।</li> </ul>	<ul> <li>यसको प्रकृतिक शत्रु लेडीबर्ड विटलको प्रयोग गर्ने।</li> <li>रोपेको एक महिनापछि लाही देखिएमा डायमेथोएट ३० ई.सी. को 9 मी.ली./लीटर पानीमा मिसाइ छक्ने।</li> <li>पहेलो पासो (Yellow trap) को प्रयोग गर्ने।</li> <li>गोलभेंडामा जस्तै गने</li> </ul>
	बोटभरी बसी पातहरू खाएपछि बोट नासिन्छ ।	पातमा हरियो, सेतो धव्या, खैरो-डढेको धव्या, डाँठ र आलुमा सुरुद्दहरू देखिने र आलुका अख्लाबाट खैरो पदार्थ निस्कन्छ।	लाहीको माउ र बच्चा दुवैले कलिला पातहरूको तत्त्लो सतहमा बसेर रस चुस्दछ। यसले गर्दा बोट ख्याउटे हुन्छ । पात पहेंलो र गुजुमुज्ज परेको हुन्छ।
लाभे, बाङ्गाटिङ्ग काँडा र पहेलो शरीर भएको हन्छ	निलो, कालो शरीर र टाउको खैरो रातो हुन्छ ।	लाभेको रङ्ग हत्को गुलाफी, टाउको गाहा पातमा हरियो, सेतो घव्या, खैरो-डहेको बैरो र छुँवा असाध्य चलमलाउने हुन्छन् । घव्या, डाँठ र आलुमा सुरुङ्गरूरू देखिने वयस्क पुतली खैरो र सानो हुन्छ। निस्कन्छ।	७ लाही कीरा / कमलो, हरियो बा पहेंलो, हरियो शरीर र लाहीको माउ र बच्चा दुवैले कलिला लिफमाइनर पखेटा भएको वा नभएको हुन्छ। पतहरूको तब्लो सतहमा बसेर रस (Aphid)∕ Leaf minor
beetle)	५. कागे खपटे	ह, आलुको पुतली (Potato tuber moth) (चित्र : १४, १६)	७ लाही कीरा / लिफमाइनर (Aphid)/ Leaf minor

## कृषि डायरी २०७१ आलु बालीका रोगहरू

रोगको नाम	लक्षण	व्यवस्थापन विधिहरू
१. डदुवा रोग (Leaf blight)	पातको दुष्पा वा किनारमा सानो खैरो भिजेको जस्तो दाग देखापर्दछ । जुन चाँडै बहुछ र दागको पछाडि हेर्दा सेतो भुवा	<ul> <li>रोग देखिने वितिकै म्यान्कोजेव ७५% डब्लूपी. (डाईथेन एम-४५, ७५%) को २.३ ग्राम प्रति लीटर पानीको दरले ७ दिनको फरकमा ३ देखि ४ पटक छने।</li> </ul>
(বিষ : ৭৩)	जस्तो दुसी देखिन्छ । यो रोग डॉठ र दानामा पनि लाग्दछ पछि पूरै बोट सुकेर डढेको जस्तो देखिन्छ ।	<ul> <li>रोग धेरै बढ़ेमा मेटात्याक्सिल ८% म्यान्कोजेब ६४% डव्यु पी. (रिजेमिल ७२% डव्ज पी वा किसोक्सील गोल्ड ६२% डव्जपी १ 9 गाम पीत लीनन</li> </ul>
		पत्तीमा राखी छुने। अरु विषादी गोलभेडाको डढुवामा जस्तै गर्ने
		<ul> <li>रोग कम लाग्ने वा रोग अबरोधक जातहरू लगाउने ।</li> </ul>
		<ul> <li>खेतवारी सरसफाई गर्ने, नाभो हटाउने, स्वस्थ बीउ प्रयोग गरी आलु खेती</li> <li>गर्ने ।</li> </ul>
२. ऐजेरु	आलुको दानाको आँखाहरूमा स साना सेता खटिराहरू जस्ता	• रोग लागेको खेतबाट उत्पादित बीउ नरोप्ने ।
(Wart disease)	लक्षण देखिन्छन्। जुन पछि बिस्तारै बढेर काउली जस्तो फुक्क	<ul> <li>गेग लगेको खेतमा आल नगेप्ते ।</li> </ul>
(বিস : ৭ন)	भई पूरा दानालाई नै घेरी आलुको आकार बिग्रिन्छ । त्यस्तो	
	आलु पछि कालो हुँदै जान्छ र कृहिन्छ ।	
३. ओइलाउने वा खैरो	बोट एक्कासी पानी नभएको जीमनमा उम्रे जस्तो ओइलाएर	<ul> <li>रोग लागेको खेतबाट उत्पादित बीउ नरोप्ने ।</li> </ul>
पिप चक्के रोग	मर्न थाल्दछ । रोगी दाना काट्दा नशा वरिपरी खैरो चक्का हुने	<ul> <li>रोग ग्रस्त क्षेत्रमा अन्न बालीसँग घुम्ती बाली लगाउनु पर्दछ ।</li> </ul>
(Brown rot)	र पिप जस्ता निस्कन्छ ।	<ul> <li>रोग लागेको बोट वा दाना जम्मा गरी जलाउनु पर्छ।</li> </ul>
४. दादे रोग	आलुको सतहमा केही उठेका अथवा खाडल परेका दादहरू देखा	<ul> <li>रोग रहित स्वस्थ्य आलु रोप्ने ।</li> </ul>
(Common scab)	पर्दछन् ।	• रोग ग्रस्त क्षेत्रमा घुम्ती बाली लगाउने ।
		<ul> <li>आलु बढ्ने बेलामा माटोमा चिस्यान कायम राख्ने ।</li> </ul>
		<ul> <li>रोगी आलु नष्ट गर्ने।</li> </ul>

# १८.९.८ तरकारी बालीका रोग र कीराहरू

# फूलगोभी समूह फूलगोभी, बन्दागोभी, ब्रोकाउली, मुला, रायो, सलगम, ग्याँठकोवी आदि बालीलाई क्षति पुऱ्याउने प्रमुख कीराहरू

कीराको नाम	पहिचान	क्षतिको पहिचान	व्यवस्थापन विधि
१. बन्दाको पुतली (Cabbage butterfly) (चित्र : १९, २०)	वयस्क पुत्तिको पखेंटाको रङ्ग सेतो र अधिच्ला पखेंटाको करीब अग्र भागमा काला धब्बाहरू हुन्छन् । कुनै पुत्त्तीका लाभेहरूको शरिरमा पहेंला धर्माहरू हुन्छन् भने कुनै पुत्त्तीका लाभांहरू हरिया हुन्छन् ।	पातमा व्यालै व्याल भेटिन्छन् । प्रकोप बढी भएको खण्डमा सम्पूर्ण पातहरू खाईदिन्छन्।	<ul> <li>कीराका पहेला फुल र लाभेहरूलाई जम्मा गरी नष्ट गर्ने ।</li> <li>पुतलीहरूलाई हाते जालीले पकेर नष्ट गर्ने ।</li> <li>कीराको प्रकोप बढी भएमा डाइक्लोरभस ७६ ई.सी.) (नुभान) १ मी.ली अथवा मालाथायन ५०% ई.सी. २ मी.ली प्रति लीटर पानीमा बनाएको भगेल छर्ने ।</li> </ul>
२.इटबुडे पुतली (Diamond Back Moth) (चित्र : २१, २२)	वयस्क पुतली खैरो रङ्गको हुन्छ । पखेटाको भित्री किनारामा सेतो प्रिकोणाकार तीनवटा चिन्हहरू हुन्छन्। पुतली बसेको बेला उक्त चिन्हहरू मिलेर ईंटको आकार बन्दछ। ग्राम	पातको हरियो भाग बाई दिनाले पातहरू हरियो फिल्ली जस्तो वन्दछन् । प्रकोप बढी भएमा विरुवाको सम्पूर्ण पातहरू नष्ट भई बढ्न सक्दैनन् ।	<ul> <li>तरकारी लिर्डसकेपछि बाँकी रहेका बोट र पातलाई नस्ट गर्ने।</li> <li>फूलकोबी समूहका बाली र गोलभेंडा संगै लगाउने।</li> <li>प्राकृतिक शर्नुहरू जस्तै कोटेसिया प्लुटेली, एपान्टेलिस प्लुटेली, कमिला, माकुरा, चरा आदिको संरक्षण गर्ने।</li> <li>टिल्टेलि/DBM ल्यूरको प्रयोग गर्ने।</li> <li>BtK. को प्रयोग गर्ने।</li> <li>Azadirachtin 0.03% EC (Multineem, Nimbecidine) ५ मी.ली प्रति लीटर पानीमा</li> <li>Beauveria bassiana EC (Myco-Jaal) २-५ मी.ली प्रति लीटर पानीमा</li> <li>का दरले साफ पख छनें</li> </ul>
			<ul> <li>Emamectin benzoate 5% SG (King star, N- star) ०.५ ग्राम प्रति लीटर पानीमा वा</li> <li>Chlorantraniprole 18.5 SC (Coragen, Allcora) 9 मी.ली प्रति १०</li> </ul>

कृषि डायरी २०७१

,			
			लीटर पानीमा वा
			• Cypermethrin 10% EC २ मी.ली वा Fenvalerate 20% EC ०.४ मी.ली
			बा Fipronil 5% SC (Refree, Regent) २ मी.ली प्रति लीटर पानीमा
			■ Indoxacarb 14.5% SC (Avaunt) ०.४ मी.ली प्रति लीटर पानीमा वा
			<ul> <li>Novaluron 10% EC (Rimon, Pedestal) १ मी.ली प्रति लीटर पानीमा भोल दर्जे।</li> </ul>
३.सूर्तिको पात खाने	वयस्क पुतली खैरो रङ्गको हुन्छ र	शुरुको आक्रमणमा	फल र लाभ्रेहरू जम्मा गरी नष्ट गर्ने।
लाभ्रे	यसका पखेटामा वाङ्गा टिङ्गा धर्साहरू	पातहरूमा प्वाले प्वाल	खेतवारीमा पानी पटाउने ।
(Tobacco caterpillar)	हुन्छन् लाभ्रेहरू प्रायःगरी हरियो खेरा रङ्गका हन्छन्।	देखिन्छन् । प्रकाप बढी हँदा सम्पर्ण पात खाई	माथि इटबुट्टे पुतली विरुद्ध प्रयोग गर्न बताइएका निमजन्य विषादी प्रयोग
		बिरुवा पात बिह्यान	ना <u>ने</u> ।
		<u> </u>	अडीरलाई पासो बालीको रुपमा लगाउन सिकन्छ।
			• स्पोडो ल्यूर वा स्पोडो एन.पि.भि. को प्रयोग गर्ने
			गोलभँडामा बताए जस्तै गर्ने
४.उफ्रने खपटे	वयस्क कालो उपियाँ जस्तो फड्कने	पातहरू मसिना प्वालै	माथि सूर्तिको पात खाने लाभेलाई वताईएको निमजन्य पदार्थ र विषादी प्रयोग
(Flee beetle)	खपटे हुन्छ	प्वाल हुन्छन्।	गर्ने।
४. माटो मुनी बसी	खुमें : वयस्क खैरो तथा कालो हुन्छ र	<ul> <li>बिरुवा ओइलाउने</li> </ul>	<ul><li>काँची गोबर प्रयोग नगर्ने ।</li></ul>
क्षति गर्ने कीराहरू (	लाभे हॅसिया आकारको हुन्छ ।	र मर्ने ।	• पानी पटाउने ।
खुम, फद काट्न क्रीम मनो क्रीपना	फद कार्टन : ध्वास पुतला, लाभा चिच्न्यो कान्त्रो	• बिरुवा ढुल्छ, विरुवा	<ul> <li>भारपातको थुप्रो राखी कीरा जम्मा हुने पासो बनाउने ।</li> </ul>
कार्था, सत्ता कान्या, कार्थी)	रातो कमिला : जरा वरिपरी मसिना	आइलाउछ र मछ	गहुँतको भोल बनाई माटो भिजाउने ।
(Soil Insects)	खैरा राता कीराको समूह		<ul> <li>सालिन्दा आक्रमण हुने खेतमा, रोपाई गर्नु अगावै क्लोरपाइरीफस 10%</li> </ul>
			GR (Deviban 90% G.) वा मालाधियन् 5% DP (मालाधियन ५%
			धूलों) १ के.जी. प्रति रोपनीका दरले माटीको उपचार गर्ने वा
			क्लोरपाड्रीरफस २० इ.सी. (डसंबान, Fineban, Rusban) नामक क्षेत्रनाथाक क्लियकि ० फी.की. मीत की.स मनीका वससे केलाए वस्ते ।
			काटनाशिक विषादा १ मा.ला. त्रात लाटर पानाका दरल खतामा छन्।

• सूर्तिको भोल बनाई छने ।	<ul> <li>गाइवस्तुको मुत्र र पानी (१:४) को अनुपातमा मिसाइ २-३ दिन फरकमा पटक पटक छर्ने।</li> </ul>	
विरुवा रोगाउने ।	लाहीले आक्रमण गरेको देखिने।	अन्य कमिला हिडेको देखिने ।
•	•	•
पखेटा भएका र नभएका मसिना हरिया	रङ्गका हुन्छन् । लाखाका सख्यामा देखिन्छन्।	

# फूलगोभी समूह बालीका रोगहरू

रोगको नाम	लक्षण	व्यवस्थापन विधि
१. अल्टरनेरिया थोप्ले	खैरो वा कार्लो स-साना गोलाकार थोप्लाहरू पहिले	<ul> <li>रोगी पात र अन्य भ्रारपात बदुलेर जलाउने।</li> </ul>
(Altenaria Leaf Spot)	पातमा देखा पदेछन् । ती थोप्लामा पछि चक्का विकास	<ul> <li>स्वस्थ बीउ प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>
	हुन्छ। त्यस्ता थाप्ताहरू डाठ र कासामा समत बखा पर्छन्।	<ul> <li>Mancozeb 75 %WP (डाईथेन एम-४५, Anu M-45) ढसीनाशक विषादी ३ ग्राम प्रति किलो बीउका दरले बीउ उपचार गर्ने।</li> </ul>
		<ul> <li>Mancozeb 75 %WP (डाईथेन एम-४४, Anu M-45) वा Copper oxychloride 50%WP (Blitox, Curex) हसीनाशक विषादी २-३ ग्राम प्रति लिटर छने</li> </ul>
२.डाँठ कुहिने रोग	माटोको सतहनिरको काउलीको डाँठ कृहिन्छ र सेतो	<ul> <li>रोग मुक्त क्षेत्रको बीउ प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>
(Sclerotinia Rot)	ढूसी उमेको दिखन्छ वा फूल फुलेको बेलामा बोट े	• रोगी बोटहरूको डाँठ बदुलेर जलाउने।
	आइलाउछ । बाटका बुकुका रङ्ग सता फुद्धा हुनुका साथ बॉठभित्र काला गिर्खाहरू देखिन्छन ।	<ul> <li>तीनहर्षादेखि एक महिनासम्म रोग ग्रस्त खेतमा बाली लगाउनु अगाडि पानी</li> </ul>
		जमादने ।
		<ul> <li>धानसँग घुम्ती बाली लगाउने ।</li> </ul>
		<ul> <li>जिमन तथार गर्दा गहिरो खनजोत गर्ने।</li> </ul>
३. नसा कालो भई कृहिने	पातको छेउबाट लक्षण शुरु भई अंग्रेजी भी (v)	<ul> <li>रोग नलागेको क्षेत्रको स्वस्थ बीउ मात्र प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>
(Black rot)	आकारको पहेलो लक्षण देखा पर्दछ र पछि नसाहरू	<ul> <li>रोगी बोट बिरुवा हटाई नष्ट गर्ने।</li> </ul>
(বিস: ২३)	कालो भे डॉठसम्म पृगी वोट कृहिन्छ।	

		•	कृसिफेरी परिवार बाहेक अन्य बालीसँग घुम्ती बाली लगाउने।
४.डाउनी मिल्डबू (Downy mildew)	पातमा स-साना प्याजी रङ्गका थोप्लाहरू देखिई तल्लो सतहमा सेतो दूसी उम्रेको देखिन्छ रोग ज्यादा व्याडमा लाग्ने भएतापीन अनुकूल वातावरणमा काउली समेत कालो भई सुक्दछ। त्यस्तो फूलको डाँठहरू समेत कालो हुन्छ।	• • • •	बीउलाई कार्बेन्डाजिम 50%WP (डेरोसाल) ले उपचार गरेर मात्र व्याड राख्ने व्याड राख्या धेरै बाक्सो नराख्ने । रोगी पातहरू र फारहरू बदुलेर नास गर्ने । धेरै रोग लागेको खेतमा घुम्ती बाली लगाउने । Mancozeb 75 %WP (डाईथेन एम-४४, Anu M-45) वा Copper oxychloride 50%WP (Blitox, Curex) इसीनाशक विपादी २-३ ग्राम प्रति लिटर छनें
५. टर्निप मोज्याक भाइरस (Turnip mosaic)	पातमा गाढा हरियो र हत्का हरियो रङ्को छिरविरे लक्षण देखा परि गाढा हरियो भागहरू माथि उठेका देखिन्छन्।	• • •	रोगी बोट देखा पर्नासाथ उखेली जलाउने। रोग सानें लाही कीरा नष्ट गर्ने। रातो जातको रायोमा यो रोग कम लाय्छ।
६. क्लब रुट (गदा जस्तो जरा हुने) (Club Root) (चित्र : २४)	<ul> <li>विरुवाको वृद्धि रोकिन्छ, पहेलिन्छ, बढ्न सक्दैन।</li> <li>यस्ता विरुवा उखेलेर हेरेमा जरा गदा जस्तो डल्लो परेको आकार देखिन्छ। जरा बाक्लो, मोटो र ठूलो हुनाले जराको तलको भाग अत्यिष्ठक ठूलो हुन जान्छ। तर फेंद जरा।</li> <li>जीमन माथिको भाग) सामान्य हुने हुनाले जरा गदा जस्तो देखिन्छ। यसरी वृद्धि भएका जराहरू कृहिएर काला भएर जान्छन्।</li> </ul>		घुम्ती बाली लगाउने (३-४ वर्षमा मात्रै फूल कोवी वर्गका तरकारी लगाउने ) रोगी बोट जलाई दिने वा गाडी दिने । बेनोमाइच 50% WP (Benofit) विषादी ०.५ एम.एल. को दरले प्रति लिटर पानीमा मिसाई माटो भिज्ञे गरी छनें । यो रोग कम पि.एच भएको (अस्विय) माटोमा धेरै छिटो फैलने भएकोले चून प्रयोग गरी माटोको पि.एच ७.२ भन्दा बढी बनाउने जीवाणु रहित नर्सरीमा वेनां हुकांउने । रोग लागेको ठाउँको बेनां अन्य ठाउँमा लैजाने रोक लगाउने । Flusulphmide 0.3 %WP (नीभिजन) १०-१५ केजी/रोपनी वा ३ ग्राम प्रति बोट

कृषि डायरी २०७१

भन्टा, फर्सी काँको, लौका, घिरौंला, करेला, चट्टेल, आदि बालीमा लाग्ने कीराहरू

बाली	कीराहरू		कीटनाशक विषादीहरू	व्यवस्थापन विधि	ध
				मात्रा	कहिले हाल्ने
टमाटर	फलमा ला	लाग्ने	• Azadirachtin 0.03% EC (Multineem, Nimbecidine)	• ५ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा	फुल पारेको देखनासाथ
	गवारो		<ul> <li>जैविक विषादी Heli NPV (Heli-cide) 100LE</li> </ul>	• १ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा	
			• जैविक विषादी BTk	• १-३ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा	
			<ul> <li>Novaluron 10% EC (Rimon)</li> </ul>	• १ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा	
			<ul> <li>Lambda cyhalothrin 5% EC (Cilva plus, Karate)</li> </ul>	• ०.५ -१ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा	
			<ul> <li>होल त्यूर पासो को प्रयोग गर्ने, परजीवी कीरा ट्राइक्रोग्रामा</li> </ul>	•	फुल पारेको देख्नासाथ
			१ लाखे प्रति हेक्टरका दरले छोडने ।		राखो
	सूर्तिको पात खाने	恒	• Azadirachtin 0.03% EC (Multineem, Nimbecidine)	• ५ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा	फुल पारेको देख्नासाथ
	लाभा		<ul> <li>जैविक विषादी Spodo-NPV 100LE</li> </ul>	• १ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा	•
	(चित्र : २४,२६ र	h	• जैविक विषादी BTk	• १-३ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा	
	ඉද	_	<ul> <li>Novaluron 10% EC (Rimon)</li> </ul>	• १ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा	
			• Lambda cyhalothrin 5% EC (Cilva plus, Karate)	• ०.५ -१ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा	
			<ul> <li>स्पोडो त्यूर पासो को प्रयोग गर्ने परजीवी कीरा</li> </ul>	•	
			ट्राइकोग्रामा १ लाख प्रति हेक्टरका दरले छोडने।		
	सेतो भिनंगा/	1/1	• जैविक विषादी Verticillium lecanii 1.15 WP	<ul> <li>५ ग्राम.प्रति लीटर पानीमा</li> </ul>	
	लाही/ लि	लिफ	(Mealkil, Vertigine)		
	माइनर		• Azadirachtin 0.03% EC (Multineem,	<ul> <li>४ ग्रामप्रति लीटर पानीमा</li> </ul>	
			Nimbecidine)	<ul> <li>प मी.ली.प्रति ५ लीटर पानीमा</li> </ul>	
			<ul> <li>Imidacloprid 17.8 SL (Admire, Atom, Chemida)</li> </ul>	• १ ग्राम. प्रति १० लीटर पानीमा	
			<ul> <li>Acetamiprid 20% SP (Ekka, Magik, Manik)</li> </ul>	<ul> <li>रग्राम प्रति ४ लीटर पानीमा</li> </ul>	
			<ul> <li>Thiamethoxam 25% WG (Areva, Arrow,</li> </ul>	• १ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा	
			Renova)		
		_	<ul> <li>Dichlorvos 76% EC (Revan, Suchlor, Muvan)</li> </ul>		

कृषि डायरी २०७१

		पहेलो टासिने पासो प्रयोग गर्ने	•	
भन्टा	٩) भन्टाको ——	Azadirachtin 0.03%EC (Multineem,	<ul> <li>५ मी.ली.प्रित लीटर पानीमा</li> </ul>	
	10 14	Nimbecidine)	<ul> <li>०.५ ग्राम .प्रति लीटर पानीमा</li> </ul>	र कारा लाग पाछ पान
	२) थाप्न खपट	<ul> <li>Emamectin benzoate 5% SG (King star, N- star)</li> </ul>	● ० ५मी स्नी पत्रि स्नीसर पानीमा	छन
		Cypermethrin 25% EC (Nagcyper, Cyperhit, All		
		super)	्रं - ०.७४ मा.ला.श्रांत लाहर	
		Lamdacyhalothrin 5% EC (Bravo, Karate, Avon)	पानीमा	
		<ul> <li>Fenvalerate 20% EC (Fenval, Nagfen, Devifen)</li> </ul>	<ul> <li>०.७५ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा</li> </ul>	
	अन्य उपायः फुल,	अन्य उपाय: फुल, लाभ्रे तथा वयस्क अवस्थाका कीराहरू बहुली नष्ट गर्ने । बयस्क खपटे बहुली नष्ट गर्ने । भन्टाको गवारोको पुतली Leucinodes फेरोमेन	बपटे बदुली नष्ट गर्ने । भन्टाको गवारोको ए	गुतली Leucinodes फेरोमेन
	ट्रापको प्रयोग गरी	ट्रापको प्रयोग गरी संकलन गर्ने र नष्ट गर्ने। जुनमा भान्टा रोपाइ गर्ने,गवारो लागेको मुना र फल लाई नष्ट गर्ने	मुना र फल लाई नष्ट गर्ने	
काँको, फर्सी,	१) फर्सीको रातो	<ul> <li>मालाथियन ५०% इ.सी. (मालाथियन रिमेडी.</li> </ul>	२ मी.ली. प्रति लीटर पानीमा	अन्य उपायः कृहेर फरेको
लौका, घिरौंला,	खपटे	í.		फललाई बट्ली गहिरो
क्रोबा चरेब	(Fra · 27)			मान्यमा नानी पने निने
करता, परत	(144 . {5)	<ul> <li>निममा आधारित कीटनाशिक विषादी छने ।</li> </ul>		લાહળમાં દાળા યુરા ાત્મ
	२) फर्सीको फल	<ul> <li>मालाधियन ५०% इ.सी. (मालाधियन रिमेडी,</li> </ul>	२ मी.ली प्रति लीटर पानीमा	औंसाको माउ भिनंगा यता
	कृहाउने	Cythion, Suryathion)		उता उड़ेको देख्ना साथ
	आँसा			
	(चित्र : २९)			
	अन्य उपाय :			
	<ul> <li>क्युलियर फेरे</li> </ul>	क्युलियर फेरोमोन पासोको प्रयोग गर्ने, औसा लागि कृहिएर फरेका फललाई वटुली गहिरो खाडलमा हाली पुरी दिने। वेक्ट्रोसेरा कम्पोजिटी त्यूरको	वटुली गहिरो खाडलमा हाली पुरी दिने । वे	क्ट्रोसेरा कम्पोजिटी ल्यूरको
	प्रयोग गर्ने			
	३) थोप्ले खपटे	भन्दामा जस्तै	भन्टामा जस्तै	कीरा लागेपछि
	४) लाही	बन्दा काउलीमा जस्तै	बन्दा काउलीमा जस्तै	बाली टिप्ने बेला नभएमा

# काँको, फर्सी जातका बालीमा लाग्ने रोगहरू

रोगको नाम	लक्षणहरू	व्यवस्थापनका विधि
৭. पाउडरी मिल्डचू (Powdery Mildew) (चित्र : ३०)	पातमा सेतो खरानी छरेको जस्तो लक्षण देखा पर्दछ र ज्यादा प्रकोप भएमा डाँठमा समेत सो लक्षण देखापरी पातहरू सुक्न थाल्दछन्।	<ul> <li>खेतवारी सफा राख्न रोग लागेको पातहरू र फारहरू नस्ट गर्मे।</li> <li>दुई भाग चून र एक भाग गन्धकको धूलो मिसाएर मलमलको कपडामा पोको पारेर राम्ररी छुने। अथवा Dinocap 48% EC (क्याराथेन) 0.5-1 मी.ली प्रतिलीटर पानीमा मिसाएर पातहरू राम्ररी भिज्ञे गरी छुक्ने। अथवा Carbendazim 50% WP (Bavistin, Dhanustin, Derosal) १ ग्राम प्रति लीटर पानी अथवा Sulphur 80% WP (Sulfex, Sulphur, Sulphil) २,४ ग्राम प्रति लीटर पानीमा अथवा थायोयानेट मिथाइल ७०% डब्लुपी (Control, Hexastop, Kingsin-M) १,४ ग्राम प्रति लीटर पानीमा राखी छुक्ने।</li> </ul>
२. डाउनी मिल्डचू (Downy Mildew) (चित्र : ३१)	यो रोगको प्रकोप काँकोमा धेरै देखा पर्दछ । पातमा हत्का खेरो रहको कुनापरेका थोप्लाहरू देखापर्दछन् । पातको तत्लो सतहमा दूसी उमेको देखिन्छ । पातहरू छिट्टै सुकाई बोटलाई समेत सुकाउँदछ । फलको आकारमा विकृती देखा पर्दछ ।	<ul> <li>रोगरहित क्षेत्रको स्वस्थ बीउ मात्र प्रयोग गर्ने।</li> <li>उपचारित बीउबाट मात्र उत्पादित बेनां रोप्ने।</li> <li>रोगी बोट र अन्य फारपातहरू उचित तरीकाले नष्ट गर्ने।</li> <li>Thiram 75% WS २ ग्राम प्रति किलोको दरले बीउ उपचार गर्ने।</li> <li>फल नलागेको अवस्थामा भए कपर अक्सिक्तोराइड ४०% WP (व्लाईटक्स, Curex) विषादी २-३ ग्राम प्रति लीटर पानीका दरले मिसाई छक्ने। अथवा</li> <li>Mancozeb 75% WP (Dithane M 45, Indofil M 45, Surya M 45) २ ग्राम अथवा Carbendazim 50% WP (Bavistin, Dhanustin, Derosal) १ ग्राम प्रति लीटर पानीका दरले मिसाई छक्ने। अथवा</li> <li>Dimethomorph 50% WP (Kingstival, N-Bat, Real Bat) १.५ ग्राम अथवा Zineb 75% WP (All-z-78, Indofil-z- 78)) २ ग्राम प्रति लीटर पानीका दरले मिसाई छक्ने।</li> </ul>
३. कुकम्बर मोज्याक र स्ववास मोज्याक भाइरस (Mosaic Virus)	पातमा हरियो र फिका पहेंलो छिरविरे लक्षण देखापरी बोट बह्न सक्दैन । प्रकोप धेरै भएमा बोटका दुप्पाहरूमा गुज्मुजिएको लक्षण देखा पर्दछ	<ul> <li>रोगी बोट देखा पर्ना साथ उखेलेर नाश गर्ने।</li> <li>स्वस्थ बीउ रोप्ने।</li> <li>रोग सार्ने खपटे कीरा र लाही कीराको नियन्त्रण गर्ने।</li> </ul>

# कृषि डायरी २०७१ गोलभेंडा, भण्टा र खुर्सानी वर्गका बालीमा लाग्ने रोगहरू

रोगको नाम	लक्षणहरू	व्यवस्थापनका विधि
१. डढुवा रोग (Blight)	पातमा डढेको जस्तो लक्षण देखिन्छ । शुरुमा पानीले भिजेको जस्तो हत्का खैरो हुन्छ र गाढा खैरो वा कालो	<ul> <li>रोग लागेको बोट, पुराना बोटहरू र फार पात बदुली जलाउने र खेतबारी सफा सुग्धर राख्ने।</li> </ul>
(বিষ : ३ <b>२</b> )	रङ्गमा परिणत हुन्छ । अनुकूल वातावरणमा त्यस्ता थोप्लाहरूको वृद्धि भई वोटलाई डढाइ दिन्छ । ओसिलो	<ul> <li>रोग शुरु हुने बेलादेखि कपर अक्सिक्तोराइड (ब्लाइंटक्स ५०% WP) १.५ ग्राम र मेन्कोजेव ७५% WP (डाइथेन एम-४५) विषादी १.५ ग्राम मिलाई जम्मा ३</li> </ul>
	अवस्थामा पातको तल्लो सतहमा सेतो ढूसी देखिन्छ र फलमा खैरा कालो दागहरू देखा पर्दछन्।	ग्राम प्रतिलीटर पानीमा मिसाएर ७-१० दिनको फरकमा ३-४ पटक बोट राम्ररी मिजिने गरी छक्ने । अथवा Chlorothalonil 75% WP (Diffence, Kaavach,
		Protector) १.४ ग्राम अथवा Propineb 70% WP (Antracol, Antragold, Ki Antra) ३ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा मिसाएर छर्कने।
		• Dimethomorph 50% WP (Kingstival, N-Bat, Real Bat) १.५ ग्राम वा Fenamidon 10% +Mancozeb 50% WG (Ki Ten. Sectin) ३ ग्राम प्रतिलीटर
		पानीमा मिसाएर छर्कने।
		• Cymoxanil 8% +Mancozeb 64% WP (Kingmill 72, Moximate) २ ग्राम
		वा Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP (Ridomyl, Kingmill MZ, Krinoxyl gold) २ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा मिसाएर छक्ने
२. टोमाटो मोज्याक	साधारण पातको हरियोपन भन्दा वेग्लै हरिया र हत्का	<ul> <li>स्वस्थ बोटमा फलेका फलबाट मात्र बीउ छान्ने।</li> </ul>
भाइरस	हरिया भागहरूमा छिरविरे लक्षण देखापर्दछ । त्यस्ता	• सेसी बोर इराई नष्ट गर्ने ।
(Mosaic Virus)	पातहरूमा खाल्डा खुल्डी परेको समेत देखिन सक्छ ।	्रा स्ट्राप्ट स्ट्राप्ट स्ट्राप्ट स्ट्राप्ट स्ट्राप्ट नामिस्टर्भ योग्यादं महत्ते।
	वोटवेनोंको वृद्धि राम्रोसँग हुँदैन र फल कम लाग्छ ।	יונין אוכ פולן פולן ואון לאלן אילא אוכיווא יופין אילא אוכיווא יופין
३. लीफ कर्ल भाइरस	यो रोग खुर्सानी र गोलभेडाको लागि महत्वपूर्ण छ। रोग	<ul> <li>रोग लागेको बोट देखा पर्नांसाथ उखेलेर नष्टगर्ने</li> </ul>
(पात घुमिने रोग)	लागेको बोटका पातहरू घुम्रिएर माथितिर फर्कन्छ र	<ul> <li>यो रोग सेतो भिँगाबाट सर्ने हुनाले डाईमेथोएट (रोगर ३०% इ.सी.) कीटनाशक</li> </ul>
(Leaf Curi	पातहरू फिका पहला र साना साना हुन्छन्। खुसानामा	बिषादी १ मी.ली. प्रति लीटर पानीका दरले प्रयोग गरी त्यसलाई नियन्त्रण गर्ने ।
virus)	पातहरू दुगाका आकारमा घामन सुबछ । त्यस्ता राग	
(वित्र : स्र)	लागेको बोटहरूमा कम फुल्ने वा फले नलाग्ने पनि हुन	
	सक्छ । यसबाहेक पातहरूमा गुज्मुजिएको लक्षण पनि देखा	

			במיא ואפופ וחומי
	पदछन्।		
४.डढुवा	वेर्नामा डाँठ कृहिएको लक्षण देखा पर्छ भने पातमा गोलो	•	स्वस्थ बीउमात्र प्रयोग गर्ने ।
(Phomopsis	खैरा थोप्लाहरू देखिइ वीच भागमा केही फिक्कापन देखिन्छ	•	कार्बेन्डाजिम ५०% WP (वेभिष्टिन Derosal Dhannstin) २ ग्राम पति किलोको
Blight)	। मसिना काला काला पिनको टाउको जस्ता दागहरू		दरले बीउ उपचार गरेर मात्र वेर्ना राख्ने।
	हुन्छन् । त्यस्त फलम। चक्का परका ठूलठूला थाप्ताहरूका विकास भर्ने कालो मीमना गिर्माहरू देवितर फललार्ने कहार	•	Mancozeb 75%WP (Dithane M 45, Indofil M 45, Surya M 45) अथवा
	विकास मध्य काला माता। गुष्टाहरू पृथ्य पुरुषाध्य कुहाध्य		कपर अक्सिक्लोराइड ५०% WP (ब्लाईटक्स, Curex), २-३ ग्राम प्रति लीटर
			पानीका दरले मिसाई छक्ने ।
		•	घुम्ती बाली लगाउने ।
५.ओइलाउने रोग	बोटहरू सर्लक्क ओइलाएको देखिन्छ । त्यस्ता बोटलाई	•	सोलानेसी परिवारको वाहेक अन्य बाली सँग घृम्ती बाली लगाउने।
(Wilt)	काटेर सफा पानीमा डाँठ डुवायो भने सेतो शांकाणु निस्केर	•	रोग अवरोधक जातहरू लगाउने।
	पानीमा घोलिन्छ र धमिलो वन्छ ।		
६.जरामा गाँठा पर्ने	बोट सानो र ख्याउटे भई बह्न सक्दैन र पातहरू पहेंलिएर	•	अन्न बालीसँग घृम्ती बाली अपनाउने ।
रोग	भन्नं थाल्छ । त्यस्ता वोटको जरामा साना गिर्खाहरू	•	खेतको खनजोत गहिरोसँग गर्ने ।
(Root Knot	बनेका हुन्छन् जसले गर्दा पछि बोट ओइलाउँछ ।	,	
Nematode)	,	•	मुख्य बालासरा स्थम्बा, स्थम्भ घरता फूलका बाटाकर राजा।
		•	रोगी बोटहरू उचित तरीकाले नष्ट गर्ने।
७ कोत्रे रोग	बोटको दुष्पा माथिबाट सुक्दै आउँछ। यसले गर्दा पूरै हाँगा	•	रोगी बोटको फलबाट बीउ नराक्ने।
(Anthracnose)	वा बोट सुकर मदेछ । बोटको डॉठहरूमा काला काला स-	•	क्याप्टान ५०% WP (धानुटान) विषादीले बीउ उपचार गर्ने
	साना गिषाहरू दाखन्छन् । खुसानाका फलमा खास गरा सन्दे को केसमा कामकर केसिन महित्र महत्त्र निर्मा	•	खेतमा सफा सुग्घर राख्न रोग लागेका पुराना बोटहरू र फारपातहरू बदुलेर
	राता हुन बलामा पागहरू पाख भल कुहिन्छ । ह्यास्त्रा हागहरूमा श्रमे काला गिर्माहरू बन्हरून ।		जलाउने ।
		•	रोगको लक्षण देखा पर्नासाथ कपर अक्सीक्लोराइड ५०% WP (व्लाइटक्स) वा
			मेन्कोजेव ७१% WP (डाइथेन एम-४४) ३ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर ७-
			७ दिनको फरकमा ३ पटक छर्कने । अथवा Chlorothalonil 75% WP
			(Diffence, Kaavach, Protector) र ग्राम अथवा Captan 50% WP (Captan,
			Captra) ३ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर छर्कने ।

# कृषि डायरी २०७१ सिमी र केराज बालीका रोगहरू

व्यवस्थापन विधि	• रोगी बोटका भागहरू, ठुटाहरू अनि फारपातहरू बदुलेर जलाई खेतवारी सफा		<ul> <li>बीउ उत्पादन गर्ने बालीमा भए रोग देखा पर्ना साथ गन्धक र चन ९:२ भागको</li> </ul>	अनुपातमा मिसाएर मलमलको कपडामा पोको पारेर छर्ने।	Sulphur 80% WP (Sulfex, Sulfil) ३ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर छक्ने	<ul> <li>रोगी बोटहरू बटुलेर जलाउने र खेतवारी सफा सुग्धर राख्ने।</li> </ul>	<ul> <li>दुई भाग चून र एक भाग गन्धकको धूलो मिसाएर मलमलको कपडामा पोको</li> </ul>			Carbendazim 50% WP (Bavistin, Dhanustin, Derosal) о. ц 9 गाम	अथना Sulphur 80% WP (Sulfex, Sulphur, Sulphil) २.४ ग्राम अथना	थायोयानेट मिथाइल ७०% डब्लुपी (Control, Hexastop, Kingsin-M) १.४	ग्राम प्रति लीटर पानीमा राखी छर्कने ।	<ul> <li>सम्भव भएसम्म रोग अवरोधक जात लगाउने।</li> </ul>	<ul> <li>स्वस्थ बीउ प्रयोग गर्ने ।</li> </ul>	<ul> <li>रोगी बोट उखलेर नष्ट गर्ने।</li> </ul>	● क्याप्टान ५०% WP (धानुटान ) विषादीले बीउ उपचार गर्ने	<ul> <li>रोगको लक्षण देखा पर्नासाथ कपर अक्सीक्लोराइड (व्लाइटक्स- ५०% WP) वा</li> </ul>	मेन्कोजेव (डाइथेन एम-४५, ७५% WP) ३ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर ७-	७ दिनको फरकमा ३ पटक छर्कने । अथवा Chlorothalonil 75% WP	(Diffence, Kaavach, Protector) र गाम अथना Captan 50% WP (Captan,	
लक्षणहरू	शुरुमा पातमा मसिना भग्उँ सेता फोकाहरू देखिन्छन् र	पछि ती फोकाहरू खेरो रङ्गमा परिणत भइं फुटेर धूलो	निस्कन्छ । कोसामा पनि यस्ता फोकाहरू देखिन सक्छन ।	रोग लागेका पातहरू सुकेर वोट चाँडै मर्छ।		शुरुमा पातहरूमा फिका रङ्गमा बदलिएको भागहरू	दीबन्छन् । त्यस्ता भागहरूमा सेतो घूलो छरेको जस्तो ढूसी	उमको देखिई पछिबाट सबै भाग ढाकिन्छन् । त्यस्ता लक्षण	जरा बाहक सब भागमा लाग्दछ । राग लागका कासा	भण्डारणमा छिटा कृहिन्छ ।				पात पहेंलो, गुजमुज्ज परेको र सानो हुन्छ।			शुरुमा पातमा खैरा थोप्ला देखिन्छन्, पछि गाहा खैरो बन्छ	र बीचमा कालो खाल्डो परेको देखिन्छ । यस्ता थोप्लाको	चारातर खराना रङ्गका हल्का खरा दाखन्छ			
रोगको नाम	१. सिन्दुरे रोग	(Rust)				२. धूले ढूसी/खराने	(Powdery mildew)							३. मोज्याक भाइरस	(Mosaic virus)		४.एन्थ्याकनोज	(Anthracnose)				

# 98.9.५ फलफूलका कीरा तथा रोगहरूको व्यवस्थापन आँपका कीराहरू

कीरा	पहिचान	क्षतिको लक्षण	व्यवस्थापन विधि
१.फड़के कीरा	वयस्क कीरा हल्का हरियोमा खैरो	यिनीहरूले गर्दा बिरुवामा कालो ढूसी	• Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rogohit)
(Hopper)	मिसिएको हुन्छ र उफ्रन्छन् ।	लाग्छ ।	१.५ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा वा Buprofezin
			25%SC (Buprolod, Devefezin) १-२ मी.ली.प्रति
			लीटर पानीमा वा Malathion 50% EC (मालाथियन
			रिमेडी, Cythion, Suryathion) १.४ मी.ली.प्रति
			लीटर पानीमा वा Deltamethrin 2.8% EC (Decis,
			Dice) ०.५ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा बा
			Imidacloprid 17.8 % SL (Admire, Atom,
			Chemida) १ मी.ली.प्रति चार लीटर पानीमा वा
			Thiamethoxam 25%WG (Areva, Arrow,
			Renova) १ मी.ली.प्रति दश लीटर पानीमा पानीमा
			मिसाई फूल फुल्नु अगाडि र फूल फर्न शुरु हुँदा १-१
			पटक छने ।
२. आँप वीज / कोयाको	वयस्क घुन मध्यम आकारको, डल्लो र	लाभ्रेहरू आँपको गुदी खाँदै कोयासम्म	<ul> <li>बोटबाट भरेका फलहरू र कीरा लागेका</li> </ul>
ं ह्य	गाता खेरो रङ्गको हुन्छ । छोइ दिंदा	पस्दछन र फल खान लायक हुँदैन ।	फलहरूलाई नप्ट गर्ने
(Stone weevil)	मरका जस्त बहाना गदछ ।		• Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor,
			Rogohit) १.४ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा वा
			Malathion 50% EC (मालाधियन रिमेडी,
			Cythion, Suryathion) १.४ मी.ली.प्रति लीटर
			पानीमा मिसाइ छने ।
३. ऑपको साइलिड	वयस्क कीरा सानो खरानी रङ्गको	यो कीराले कोपिलामा आक्रमण गर्दछ	<ul> <li>कीरा लागेका हाँगाहरू काटेर नष्ट गर्ने।</li> </ul>
(Mango psyllid)	पखेटा भएको हुन्छ।	जसको फलस्वरुप यसमा गाँठाहरू	<ul> <li>माथि फड्के कीराको जस्तै विषादी प्रयोग गन</li> </ul>

ग जातहरू लगाउने।	
• कीरा कम लाग्ने आँपव	
निस्कन्छन्।	

#### ऑपका रोगहरू

रोगका नाम	लक्षण	व्यवस्थापन विधि
१. कोत्रे (Anthracnose)	पात, कमलो डाँठ, फूलको भुष्पा तथा फलमा कालो दागहरू देखा पर्दछन् र मुन्टाको दुप्पोबाट सुक्दै जान्छ। फलमा रोग शुरुमै लागेमा फल कन्देखन।	रोग लागेका भागहरू कॉटब्रॉट गरी नष्ट गर्ने । वर्षा शुरू हुनु अगाबै फूल फक्रनुअघि ३ देखि ४ पटकसम्म कपर अक्यीक्सोगटड (व्लाह्यक्य ५०%) बर्से ।
२. सेतो धूले रोग (Powdery mildew)	कोपिला, फूलको भुष्पो र फलमा फुस्रो सेतो धूलो छि ती सुकेर काला हुन्छन्।	

#### स्याउका रोगहरू

रोग	लक्षण	व्यवस्थापन विधि
१.काउन गल	माटोको सतह नजिक बोटको जरा र डाँठको जोर्नीबाट ऐजेरु	<ul> <li>रोग लागेको थाहा भएको क्षेत्रमा स्याउ लगायत यो रोग लाग्ने</li> </ul>
(Crown gall)	जस्तो डल्लो पलाउने गर्दछ । डल्लो केराउको दाना जन्नोदेखि	कुनै पनि फलफूलको विरुवा नलगाउने।
	ठूलो आकारमा ६ इन्च जति डायमिटरसम्मका हुन्छन् । डल्लो	<ul> <li>रोग देखा परेका बिरुवाहरू नष्ट गर्ने।</li> </ul>
	शुरुमा नरम फुसा हुन र पाछ पुराना हुवा कडा र काला हुन्छ।	<ul> <li>बोट बिरुवामा काम गर्दा सकभर घाउ, चोट नलाग्ने गरी काम</li> </ul>
		गर्ने।
		<ul> <li>रोग नलागेको क्षेत्रमा मात्र नर्सरी तयार गर्ने।</li> </ul>

		F00プ 1シカ1の 101の
		<ul> <li>बिरुवा लगाइएको ठाउँमा पानी जम्न निदेने।</li> </ul>
२.दाद	प्रायः फूलको कोपिलाका पातहरू, डाँठ तथा फलमा हत्का खैरा	<ul><li>वंगैचा सफा राख्ने ।</li></ul>
(Apple scab)	दागहरू वन्दछन् जुन पछि कालो मखमल जस्तो केही उठेका	<ul> <li>बोटमा पात फर्ने बेलामा यूरियाको घोल बोटमा छर्कने ।</li> </ul>
	हुन्छन् । राग लागका फलहरूका आकार ावग्रका, ाचरा परका दाना दागहरूले गर्दा नराम्री हुन्छन् ।	Mancozeb 75% WP (Dithane M 45, Indofil M 45, Surya M
	,	45) פן פערכורן 50% WP (Captan, Captra) ז עוא אוח פוכל el Chlorothalonil 75% WP (Jatavu, Kavach, Protector) ל
		ग्राम प्रति लीटर पानीमा घोलेर बोटमा फूलका कोपिलाहरूको
		भुष्पाहरू हरियो बनेका अवस्थामा, फूल फुल्नु अगाडि र फूलको
		पातहरू भरपाछ फलका चिचला अवस्थासम्म १०-११ दिनका फरकमा छकेने।
३.धूले ढूसी/खराने	त्यो रोगमा पात, कमलो डाँठ, फूलका कोपिलाहरू तथा फलमा	<ul> <li>रोग लागेका डाँठहरू काँटछाँट गरी हटाउने ।</li> </ul>
(Powdery mildew)	रोग लाग्दछ । पात सेतो घुम्रिने हुन्छ । कमलो डाँठ नबहूने र	<ul> <li>फूलको कोपिला बन्न थालेदेखि ट्प्पोका डाँठहरू आउञ्जेलसम्म</li> </ul>
	फलमा जालाजस्ता हुन्छ।	कोर्वेन्डाजिम (वेभिष्टिन ५०% डब्लु.पी.) १-२ ग्राम/लीटर पानीमा
		हाली वा केराथेन १/२ ग्राम/लीटर पानीमा हाली छर्कने । आंपको
		धूले दुसी जस्तै गर्ने
४.गुलावी रोग	हाँगा विगाँका डाँठका सतहमा शुरुमा पानीले भिजेको जस्तो	<ul> <li>हिउँदमा रोग लागेको भागहरू काँटछाँट गरी हटाउने । काँटछाँट</li> </ul>
(Pink disease)	दांग बन्दछ । पछि फिका गुलावी रङ्गका ढूसीका रचनाहरू देखा	पछि कपर अक्सिक्लोराइड ५०% डब्लु.पी. (व्लाइटक्स) ३ ग्राम
	पदंछन् ।	प्रति लीटर पानीमा हाली छक्ने
		<ul> <li>बोर्डोपेष्टको लेपले काटिएको सतहमा लेपिदिने।</li> </ul>
५. बोका खुइलिने	शुरुमा हाँगाहरूमा गोलो दाग देखिन्छ । उक्त दागहरूमा स-	<ul> <li>धेरै रोग लागेर बोट नै सुक्न थालेमा बोटलाइ नै नष्ट गर्ने</li> </ul>
(Papery bark)	साना खटिराहरू बाहिरी बोकाको भित्रबाट उठेका देखिन्छन्।	<ul> <li>हाँगामा रोग लागेको देखियो भने त्रुन्त बोर्डोपेष्ट वा अन्य</li> </ul>
	रोगको प्रकाप बढ़ी भयो भने उक्त दागहरू मिलेर हाँगा बा	ताँबायुक्त विषादीको पेष्ट बनाइ रोग लागेको भागमा लगाउने ।
	बाटलाइ वारपार घदछ । राग लागका बाकाहरू कागज जस्ता भइ च्यातिएर उष्टिन्छन् । रोगी हाँगा सुकेर मर्दछ ।	<ul> <li>रोग लागेको हाँगा सुकिसकेको भए काट्ने र काटेको भागमा ब्राह्मास्क निष्मान ब्रागाउने।</li> </ul>

# स्याउका कीराहरू

कीरा	पहिचान	क्षतिको लक्षण	व्यवस्थापन विधि
१. भुवादार लाही	ोर बैजनी र	यिनीहरू सयकडौं संख्यामा स्याउको हाँगा,	<ul> <li>जाड़ो याममा यो कीरा जरामा आई बस्ने हुनाले</li> </ul>
(Wolly aphids)	सेतो कपास जस्तो पदार्थले	मूल स्तम्भ र जरामा बसेर रस चुस्दछन्	यसको निस्ति कार्बोफ्युरान गेडा जाडो याममा
	ढाकिएको हुन्छ ।	जसले गर्दा गाँठाहरूको विकास भै मसिना	फेंदको वरिपरि माटो मुनि पर्ने गरी बोटको उमेर
		जराहरू निस्कन्छन् ।	अनुसार १०-३० ग्राम प्रति बोटको हिसाबले
			राखी सिंचाइ गरिदिने ।
			<ul> <li>कीरा लागेको नर्सरी बोटहरूलाई इमिलाकोलपीट</li> </ul>
			०.५ एम.एल. ∕ लीटर पानीको मिश्रणले उपचार
			गर्ने।
			• खनिज तेल एटसो १० मिलि प्रति लिटर पानीमा
			मिसाइ छने
			<ul> <li>परजीवी कीरा एफिलिनस मालीको चैत</li> </ul>
			वैशाखतिर प्रयोग गर्ने ।
२.गवारो	वयस्क खपटे कीरा ठूलो र खैरो	लाभाहरू कलिलो हाँगा छेडेर काठ खान	<ul> <li>जाडो याममा स्केका हाँगाहरू र कीरा लागेका</li> </ul>
(Borer)	रङ्गको हुन्छ । यसका सिँगहरू	थाल्दछ जसले गर्दा हाँगा सुकेर मर्दछन्।	हाँगाहरूलाई काँटछाँट गरी जलाई दिने।
	लामा, पखेटा सेतोमा मसिना	कीरा पसेको प्वालमा काठको धूलो	<ul> <li>कीरा लागेको हाँगामा दुलो पत्ता लगाई</li> </ul>
	थाप्लाहरू मासएका हुन्छ। लाभा	दाखन्छ ।	डाइक्लोरभस ५६% ई.सी (नुभान) १ मी.ली प्रति
	।घड रङ्गका, टाडका ठूला र खुडा		लीटर पानीको भोलमा वा Dimethoate 30%
	नभएका हुन्छ ।		EC (Rogor, Anugor, Rogohit) १ मिलि प्रति
			लिटर पानीमा मिसाइ छने वा मिट्टतेलमा कपास
			चोपलेर प्वाल टाली दिने ।
३.घनटाउके गवारो	वयस्क खपटे कीरा कालो रङ्गको र	वयस्क खपटे कीरा कालो रङ्गको र बोका भित्रपष्टि बसी डाँठमा सानो प्वाल	<ul> <li>बोटमा बोर्डोलेप लगाउँदा क्लोरोपाइरीफस (</li> </ul>
(Flat headed borer)	थेप्चो आकारको हुन्छ ।	पारी सुरुङ्ग जस्तै खनेर टाउको पसाई	

			באסוא ואימוש וסושי
		बाटलाइ नाक्सान गदछ।	डसवान २०% इ.सा.) १:१९ भाग लपमा मिसाइ
			लगाइ दिन ।
			• बैशाखतिर Malathion 50% EC (मालाथियन
			रिमेडी, Cythion, Suryathion) १.४ मिलि
			अथवा डेसिस आधा मी.ली प्रति लीटर पानीमा
,	4		भोल वनाई छने ।
४.गवारो	वयस्क खपटे कीरा सानो, कालो	यसले हॉगा भित्र सानो प्वाल बनाई े	<ul> <li>बोटमा वोर्डोलेप लगाउँदा क्लोरोपाइरीफस</li> </ul>
(Short hole borer)	रङ्गको र मुख तर्लातर फर्कको	बोटलाई नोक्सान गर्छ।	(डर्सवान २० ई.सी.) १.१९ भाग लेपमा मिसाई
	हिन् <u>छ</u> ।		लगाई दिने ।
			• बैशाखतिर Malathion 50% EC (मालाधियन
			रिमेडी, Cythion, Suryathion) १.४ मिलि
			अथवा डेसिस आधा मी.ली प्रति लीटर पानीमा
			भनोल बनाई छने ।
४. कत्लेकीरा	यो कीरा सानो, एकै ठाउँमा	यो कीराले रुखको मूल स्तम्भ र हाँगाबाट	• कीरा लागेका बोट बिरुवाहरू एक ठाउँबाट अर्को
(Sanjose scale)	बसिरहने र कत्लाले ढािकएको	रस चुस्दछ जसले गर्दा बोट फष्टाउन	ठाउँमा नलैजाने ।
	हुन्छ ।	सक्दैन । साथै फलको पनि रस चुसेर	• Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor,
		खान्छ ।	Rogohit) १ मिलि प्रति लिटर पानीमा मिसाइ
			दुई दुई महिनामा एक पटक छने
६.पाल बनाउने लाभ्रे	लाभेको शरीरमा भूस हुन्छ र		Malathion 50% EC (मालाथियन रिमेडी,
(Tent caterpillar)	कालो खैरो रङ्गको हुन्छ	जालोको पाल बनाई बस्दछन ।	Cythion, Suryathion) १.५ मिलि प्रति
			लीटर पानीमा फोल बनाई छने ।
७. रातो सुलसुले (Red Spider	साना धेरै खुट्टा भएको रातो माउ	बोटको कलिला भागहरूमा (हांगा, पात)	• Dicofol 18.5% EC (Colonel) ३ मि लि प्रति
Mite)	सुलसुले एक ठाउंमा बस्दैन र	आदी स्थानको रस चुसी नोक्सान पु-	लिटर पानीमा वा Propargite 57% EC
	हिंडि रहन्छ भने बच्चा भने हांगा	चाउछ । सुलसुले धेरै लागेका पातहरू	(Kingmite, Omite) ३ मि लि प्रति लिटर
	वा रुखका कुना काप्चा पातको फेद	प्याजी रङ्गमा परिणत हुन्छ र समय अगावै	पानीमा वा रोगर १ एम एल प्रति लिटर पानीमा
	आदिमा थुप्रेर बसी रहन्छ । हातले	भनं थाल्दछन ।	मिसाई नयां पालुबा आउन साथ १४ दिनको
	त्यसलाई मिच्यो भने रगत जस्तै		फरकमा ३ पटक छुने ।

कृषि डायरी २०७१	
	रातो हातमा लाग्छ ।

# भुईकटहरका कीराहरू

	ई जस्तै नियन्त्रण	
व्यवस्थापन विधि	माथि उल्लेखित कत्ले कीरालाई	विधि अपनाउने ।
	•	
क्षतिको लक्षण	डाँठ र पातमा बसेर रस चुस्दछन् ।	पातमा कालो ढूसी जमेको देखिन्छ ।
पहिचान	यो सानो कत्लाले ढाकिएको कीरा हो।	
कीरा	१. कत्ले कीरा	(Scale insect)

# केराका कीराहरू

		मा दुका थामको गामलाई गा दुका त्यसमा संकलन	्रका इका
	व्यवस्थापन विधि	<ul> <li>रोगाएका बोटहरूलाई जरैदेखि उखेलेर मिसना दुका गरी नष्ट गर्नपर्छ।</li> <li>एउटा गाँजमा ३ वटा सम्म मात्र बोट राख्ने।</li> <li>लत्रेका बा लत्रन लागेका पातहरू केराको थामको संगमबाटै काट्ने गर्नपर्छ।</li> <li>एउटा लामो चक्कुले कीरा लागेको थामलाई खोतलेर लाभाहरूलाई नष्ट गर्ने।</li> <li>काम नलाग्ने केराका बोटहरू काट्रेर दुका टुका पारी केरा बगैंजामा यताउती राखिदिनाले त्यसमा बयस्क घुनहरू जम्मा हुन्छन् र तिनलाई सकलन गरी नष्ट गर्न सिकेन्छ।</li> </ul>	<ul> <li>घुनले आक्रमण गरेको गानु र थामलाई टुका टुका पारी नष्ट गर्नपर्छ।</li> </ul>
	क्षतिको लक्षण		यो घुनका लाभ्रेले केराको गानो खाईदिनाले जराहरू कमजोर हुने गर्दछन् । बोट सजिले
	पहिचान	वयस्क खपटे कालो वा रातो रङ्गको हुन्छ यसको सुँड निकै लामो हुन्छ। यसका लाभ्रे सेतो शरीर र रातो टाउको भएको हुन्छ।	वयस्क खपटे चिक्कलो कालो हुन्छ।
कराका काराहरू	कीरा		२. केरा गानुको घुन (Rhizome weevil)

हाले पनि फल पुष्ट हुँदैनन्।	<ul> <li>घुन लागेको गाँजको बिरुवा अन्यत्र रोप्नु हुँदैन ।</li> </ul>
	<ul> <li>केराको बोटमा लत्रेका पातहरू हटाई गाँजलाई</li> </ul>
	सफा सुग्घर राख्नुपर्छ।
	<ul> <li>घून लाग्ने बारीमा नयाँ केराको बोट रोप्नुअधि</li> </ul>
	सम्पूर्ण पुराना बोटहरूलाई जरैदेखि उखेलेर हटाउनु
	पर्छ ।
	<ul> <li>केराको प्रत्येक गाँजमा क्लोरपाइरिफस (डर्सवान</li> </ul>
	१० धूलो) ३० ग्रामका दरले बोटको वरिपरि छरेर
	मारोमा मिलार्ड दिंदा घनको नियन्त्रण हन्छ ।

# केराका रोगहरू

कीरा	क्षतिको लक्षण	व्यवस	व्यवस्थापन विधि
१. ओइलाउने रोग	शुरुमा पुराना पातको किनाराबाट पहेलिन शुरु भट्ट मुख्य	रोगी केरालाई उखलेर जलाउने	<b>作</b>
(Wilt)	नशातिर बढ्छ । रोगी पातको भेटनो फुटी त्लतिर भुगेष्डन्छन्	रोगी बोटको पातहरू जलाइ	रोगी बोटको पातहरू जलाउने र फांगमा चुन वा बोर्डेक्स मिक्स्चर
	र पात ओइलाउँछ। जमिन छेउका डाँठ ढाक्ने पातहरू लम्बाइ	छने ।	6
	पोड्टेबाट फॉटछन् ।	एकै ठाउँमा केरालाई सकभर	एकै ठाउँमा केरालाई सकभर ३ वर्ष भन्दा वढी नलगाउने।
२. बन्ची टप	रोगी पातहरूको आकार साना, पहेला र किनारा माथितिर	रोगी बिरुवा जम्मा गरेर जलाई दिने।	ई दिने।
(Bunchy top)	बटारिएका हुन्छन । रोगी पातमा मिसना हरिया थोप्ला र	यो लाही कीराबाट सर्ने रोग	यो लाही कीराबाट सर्ने रोग भएको Dimethoate 30% EC (Rogor.
	धब्बापनि देखिन्छन्।	Anugor, Rogohit) १ मिलि	Anugor, Rogohit) १ मिलि प्रतिलीटर पानीमा मिसाएर छर्ने।
		बीउको लागि प्रयोग हुने गान	बीउको लागि प्रयोग हुने गानाहरू स्वस्थ्य क्षेत्रको बोटबाट मात्र लिने ।
३. कोत्रे	रोगी फलहरू पहेलिन्छ र बोक्रामा साना र खैरा थोप्ला	फल र बिरुवालाई चोट पटक लाग्न बाट जोगाउने	ः लाग्न बाट जोगाउने ।
(Anthracnose)	देखापर्दछ । यि थोप्लाहरू जोडिएर केहि धस्रेको जस्तो हुन्छन	कपर अक्सिक्लोराद्द ३ गाम	कपर अक्सिक्लोराइड ३ गाम पति लीटर पानीको दरले कोसामा छर्ने ।
	धेरै आक्रमण भएमा फल कालो भई चाउरिन वा सुक्न सक्छ।		
४. गानो कुहिने	गानामा शुरुमा पानीले भिजेको जस्तो खैरा धब्बाहरू देखापर्दछ	स्वस्थ्य ठाउँबाट गानो ल्याई रोप्ने	रोमे ।
(Rhizome rot)	। पछि ती धव्वाहरूबाट नै कृहिन शुरु हुन्छ।		

# अमिला जातका फलफूलका कीराहरू

<b>कीरा</b> हरियो ठूलो पुतली	पहिचान वयस्क पुतली ठूलो र रक्षीविरक्षी हुन्छ,	<b>क्षीतको लक्षण</b> लाभ्रेले बिरुवाको पातखाई बिरुवालाई	व्यवस्थापन विधि ● डेल्ट्रामेश्रिन २=% ई.सी. (डेसिस) विषादी २
non butterfly)	पछाडिका पखटाका तल पुच्छर जस्ता साना भाग निस्केको हुन्छ । लाभां सानो हुँदा खैरो रङ्गको हुन्छ र पूर्ण विकसित लाभे हरियो रङ्गको हुन्छ ।	नाङ्गा पारी दिन्छन् । बसन्त र शरद ऋतुमा थिनको आक्रमण बढी हुन्छ	एम.एल. प्रति लीटर पानीमा मिसाई छनें
२. पातको भिर्मगा (Leaf miner)	वयस्क पुतली सानो सेतो रङ्गको हुन्छ। लाभ्रे हत्का हिरयो रङ्गको हुन्छ।	लाभ्रेहरू आफूले बनाएको पातको सुरुद्दीभत्र पसी हरियो भाग खाँदै जान्छन् गय्नो पातहरू येतो र झीज्जाफो	<ul> <li>पालुवा आउनासाथ डेल्ट्रामीश्रन २८% ई.सी. ( डेसिस) विषादी २ मि.लि. प्रति लीटर पानीमा तिस्ता कर्म कर्म १००० प्रति लीटर पानीमा</li> </ul>
		वर्षा नगरहरू क्या चुरुच्युक्त देखिन्छ र भित्र पट्टि सुरुङ्ग जस्तो धर्मा देखिन्छ ।	। मसाइ छन वा रागर ८.८३ प्रातशत छन। • खनिज तेल एटसो १० मिलि प्रति लिटर पानीमा मिसाइ छने
३. कत्ले कीरा	यो धेरै सानो, एकै ठाउँमा बसीरहने कुनै	यिनीहरू धेरै संख्यामा बसेर विरुवाबाट	<ul> <li>कीरा लागेका बोटहरू नसानें ।</li> </ul>
(Scale insect)	लाम्चिलो र बोकासँग मिल्दो जुल्दो रङ्गको हुन्छ।	रस चुस्दछन् जसले गदा विरुवाहरू रोगाएर जान्छन्।	<ul> <li>फाल्गुण र चैत्र महिनामा एक एक पटक रोगर ३०% इ.सी.) १ एम.एल.प्रति लीटर</li> </ul>
			पानीमा मिसाइ छक्ने ।
			<ul> <li>मिट्टितेल र सावुनको भोल बनाई छनें, मेसिनको तेल कपडामा भिजाई पृछने</li> </ul>
			<ul> <li>एट्सो १० मिलि प्रति लि मिसाइ छने</li> </ul>
४.लाही कीरा	यो लाही सानो र अलि कालो रङ्गको	यी कीराले बिरुवाबाट रस चुस्दछन् र	<ul> <li>फूल फूल्न् अगाडि रोगर ३०% इ.सी.) १</li> </ul>
(Aphid)	हुन्छ ।	यसले आक्रमण गरेका बिरुवाका	एम.एल.प्रति लीटर पानीमा मिसाइ छक्ने
		पातहरूमा कालो दसी देखिन्द्र ।	

कृषि डायरी २०७१

<ul> <li>माथि उल्लेखित लाही कीरालाई जस्तै विधि</li> </ul>	अपनाउने ।	<ul> <li>फलफलको बोटमा पालवा लागेको बेलामा र</li> </ul>	चिचित्रला लागिसकेपछि मालाधियन ४०%	ई.सी. १ मी.ली प्रति लीटर पानीमा मिसाई	छने ।	<ul> <li>बिरुवामा कुनै गुलियो पदार्थमा मालाथियन</li> </ul>	विषादी मिसाई यसको लेप बनाई ठाउँ-	ठाउँमा लगाई दिनाले वयस्क कीराहरू	आकर्षित भई खान आई मर्दछन् । सो कार्य	पालुवा लाग्ने बेलादेखि लिएर फल टिप्ने	बेलासम्म गरेमा बढी प्रभावकारी देखिन्छ।	<ul> <li>कीरा लागेर फरेका फलहरू जम्मा गरी नष्ट</li> </ul>	गरिदिने ।	<ul> <li>मिथायल युजिनल र मालािथयन ५०%</li> </ul>	ई.सी. को फेरोमेन ट्रचाप राखी भाले फिरंगा	माने ।	<ul> <li>इमिडाकोलपीट ०.२ मी.ली. प्रति लीटर</li> </ul>	पानीमा भनेल बनाई छनें
बिरुवाको कलिलो भागमा बसी रस	चुस्दछन् र पातहरूमा ढूसी फैलिएको देखिन्छ ।	औसाहरूले फलको भित्रभित्रै बसेर		भुईमा फर्दछन् ।													पात र डाँठको रस चुस्दछ।	
	पारदर्शक र तिनमा सेतो थोप्ला हुन्छन् । बच्चाहरू मसिना र पहेलो रङ्गका हुन्छन्।	वयस्क कीरा करिव घरको भिनंगा जस्तै हुन्छ ।	पखेटा बाहिर पट्टि तन्केका हुन्छन्। औसाहरू	सेतो रङ्गका र टाउको तिखारिएका हुन्छन्।													सेता, कपास जस्तै जीउभरी काँडै काँडा	देखिएको नरम कीरा हो।
४. सिट्स सिल्ला	(Psylla)	६.फल कृहाउने औसा	(Fruit fly)														७. मिलिवग	(Mealy bug)

अमिलो जातका फलफुलमा फल टिपीसकेपछि विशेष गरी वसन्त याम शुरु पूर्व या जाडो याममा खनजोत मलजल रोगकीरा लागेका हाँगा या पात हत्का काँटछाँट गर्न कुहेका भरेका फलफूल जलाउने वा गाड्ने तत् पश्चात् आवश्यकता हेरी छिटो नाशवान (सुरक्षित/बातावरणमा कम हानिकारक विषादी प्रयोग गर्ने त्यसपछि फल लागि सेकेपछि बोट विरुवाको निरीक्षण र आवश्यकता हेरी रोगकीरा व्यवस्थापन गर्ने प्रक्रिया अपनाउनु पर्दछ ।

# कृषि डायरी २०७१ अमिलो जातका फलफूलका मुख्य रोगहरू

रोग	लक्षण	व्यवस्थापन विधि
१. क्याडकर	पात, डाँठ र फलमा सुरुमा बादुलो पुछि	<ul> <li>बगैचा सफा राख्ने।</li> </ul>
(Canker)	वेआकारका केही उठेको काठ जस्तो र पहेंलो घेरा भएका हाँगाहरू देखा पर्दछन्।	<ul> <li>हिउँदमा बोटका मरेका हाँगा विगाहरू काँटछाँट गरी हटाउने । कपर अविसक्लोराइड ( ब्लाव्यक्य ५० ब्ल्कपी ) ३ गाम पीन लीनर क्रील काँनलाँग पाँक बक्तन र फेट बाँग्पी</li> </ul>
		सफा पारी १ देखि १.४ हात सम्म बोडों पेस्ले लिपी दिने।
		<ul> <li>वर्षा सुरु हुनु अगावै नयाँ पालुवा आउन लागेको बेलामा एक पटक र वर्षा याममा २-</li> </ul>
		३ पटक १ प्रतिशतको वोर्डोमिश्रण स्प्रे गर्ने ।
२.कालो ध्वाँसे	पात, डाँठ र फलमा कालो ध्वाँसो जस्तो	• बोटहरू सफा राख्ने।
(Shooty mould)	तहले ढाक्दछ ।	<ul> <li>कीराको प्रकोपले यो रोग लाग्ने हुँदा शुरुमा ती कीरा नियन्त्रण गर्ने।</li> </ul>
		<ul> <li>अन्य रोग नियन्त्रणको लागि प्रयोग गरिएको ढूसीनाशकले यसलाई पिन नियन्त्रण गर्दछ</li> </ul>
		_
३. कोत्रे	स-साना काला दागहरू डाँठ र पातमा देखा	<ul> <li>रोगी हाँगाविंगा काटेर नष्ट गर्ने ।</li> </ul>
(Anthracnose)	पदेछन् ।	<ul> <li>वर्षा याममा रोग बढ्ने हुँदा २-३ पटक १ दिनको फरकमा र हिउँदमा काँटछाँट पछि १</li> </ul>
		प्रतिशतको बोर्डोमिश्रण वा कपर अक्सिक्लोराइड (ब्लाइटक्स ५०% डब्लु.पी.) ३ ग्राम
		प्रति लीटरको भोल छक्ने ।
४ जरा कृहिने	पातहरू पहेलो भई मदै जान्छ र दुष्पाबाट	<ul> <li>निकासको राम्रो प्रबन्ध मिलाउने ।</li> </ul>
(Root rot)	बोट सुक्दें सुक्दें जान्छ।	• तीनपाते (जंगली सुन्तला) मा कलमी गरेको बिरुवा लगाउने।
		<ul> <li>खनजोत गर्दा जरामा चोट नपुऱ्याउने ।</li> </ul>
		<ul> <li>माघ महिना तिर रोगी बोटको जरानिरको माटो हटाई कुहिएको जरा हटाउने र करीब</li> </ul>
		१-२ हप्ता जरालाई खुल्ला छाडी सम्भव भए खरानी र राम्रो पाकेको मल माटोमा
		मिसाई जरा पुर्ने । रोगी बोटको फेद वरिपरि राम्ररी भिज्ने गरी बोर्डो मिश्रण (१
		प्रतिशतः) वा म्यान्कोजेव (इन्डोफिल एम-४५, ७५% डब्लु.पी.) वा कपर
		अक्सिक्लोराईड (ब्लाइटक्स-५० % डब्लु.पी.) या कार्बेन्डाजिम (डेरोसाल) २ ग्राम प्रति

		लीटर पानीमा मिसाई ड्रेन्च गर्ने साथै कार्वेन्डाजिम (डेरोसाल ४०% डब्लु.पी.) २ ग्राम
		प्रति लीटर पानीमा मिसाई पुरा बोट भिज्ने गरी छनें र १ दिनपछि फेरी एक पटक
		कार्वेन्डाजिम (डेरोसाल ५०% डब्लु.पी.) छने ।
		<ul> <li>वर्षात शुरु हुन थालेपछि माथि उल्लेख गरे वमोजिमको विषादी ड्रेन्च गर्ने र बिरुवामा</li> </ul>
		पनि छने ।
५.फेद कृहिने	फेंद्र वरिपरि बोक्ता चिकिने कृहिले सुख्वा हुने	<ul> <li>रोग सहन सक्ने जात लगाउने।</li> </ul>
(Stalk rot)	भन्ने र भित्रो डॉठ देखा पने गदेछ । समयमे	<ul> <li>तिनपाते (जंगली सुन्तला) मा कलमी गरेको बिरुवा लगाउने ।</li> </ul>
	सावधाना लिइएन भन पात पहला भएर हागा सन्दे नामे सर्वतः	• सडेको भाग हटाई बोडों लेप लगाउने ।
	37	<ul> <li>तिनपातेको सहायक जरा दिने।</li> </ul>
		<ul> <li>हिउँदको समयमा ९ प्रतिशतको युरिया + ४:४:५० को बोर्डो मिश्रण बोटमा स्प्रे गर्ने</li> </ul>
		<ul> <li>फेदमा कृषि चून छने र खरानी थुपाने ।</li> </ul>
६. गुलावी रोग	आर्दता बढी भएपछि बोका चर्कने, फुटने र	<ul> <li>रोग लागेको भागलाई काटेर जलाउने ।</li> </ul>
(Pink disease)	काठ माथि खटिरा निस्कने र सिंदूर रङ्गको	<ul> <li>रोग लागेको भाग खुर्किएर चौबाटियापेष्ट वा वोर्डो लेप लगाउने।</li> </ul>
	धूला दाखन, बिरुवा मदं जान ।	<ul> <li>कार्वेन्डाजिम (डेरोसाल ५०% डब्ल्.पी.), म्यान्कोजेव (इन्डोफिल एम-४५- ७१%)</li> </ul>
		डब्लु पी.) र बोर्डो मिश्रण पालैपालो छेर्ने।
७.ग्रीनीङ्ग	<ul> <li>स्न्तला जात फलफूल (जुनार) का</li> </ul>	<ul> <li>तराई/भित्री मधेश र रोगग्रस्त क्षेत्रबाट त्याई रोपेका विरुवाहरूमा यस्ता लक्षणहरू</li> </ul>
(Citrus greening)	पातहरू पूरै पहेली हुने वा पहेली पातमा	देखापनसिाथ बोटहरू काटी जलाइ दिने ।
	हरियो नशाहरू हुनुको साथै हरिया दागहरू	<ul> <li>समुन्द्र सतह देखि १३०० मीटरभन्दा कम उचाई भएको ठाउँमा बिरुवा उत्पादन गर्नु</li> </ul>
	पनि देखिन्छन्	हुँदैन साथै त्यहाँबाट विरुवा त्याउनु हुँदैन ।
	<ul> <li>छिपिएको पातहरूको बीचको मुख्य नशा</li> </ul>	<ul> <li>यो रोग सिट्स सिल्ला कीराले सार्ने भएको हुँदा तालिका बनाई रोगर ३०% इ.सी.) १</li> </ul>
	असामान्य रुपमा प्रष्ट देखिन्छ । यो अवस्था	एम.एल.प्रति लीटर पानीको दरले प्रयोग गर्नुपर्छ ।
	बिस्तारै बिस्तारै पातका अरु नशाहरूमा	
	सर्दे जान्छ र पात पहेलिई टुप्पाहरू सुकी	
	अन्तमा बिरुवा नै मर्छ।	
	<ul> <li>धेरै फूल फुल्नुको साथै बेमौसममा पनि</li> </ul>	
	फुल फुल्न सक्छ, दाना सानो हुँदै जाने,	

रपमा फल भनें र कम फल्ने हुन्छ। • छिपएका फलहरूमा सूर्यतर्फ भएको भाग मात्र पहेलो रङ्गको हुन्छ अर्कोपिट्ट हिरियो नै रहन्छ • उपरोक्त लक्षणहरू बोटको कुनै एक भाग बा एउटा हाँगामा पनि इन सक्छ।
---

# १८.१.६ अन्य बालीका रोगहरू र तिनको त्यवस्थापन

बाली तथा रोगका नाम	लक्षण	व्यवस्थापन विधि
	रोगी विरुवाका दुष्पतिरका पातहरू पहेलिन्छन्, ओइलाउँछन्।	• रोप्ने र गोड्डने बेलामा जरामा चोटपटक नलगाउने।
ओइलाउने रोग	ती पातहरू सुकर भेषदछन । डाठमा वारपरा खरा रङ्गल घारएर बोट मर्न थात्दछ ।	<ul> <li>बोटको विरपिर चून छिरी सिंचाई गर्ने।</li> </ul>
(Wilt)		<ul> <li>बेर्ना शेप्तु भन्दा २ हप्ता अगाडी फर्मालिनले माटो उपचार गर्ने</li> </ul>
सुपारी	बोटको दुप्पोको पातमा पहेंलो घेरा भएको खरानी रङ्गको थोप्ला	<ul> <li>रोगी विरुवा देखिएमा हटाउने ।</li> </ul>
मुना कुहिने रोग	बन्दछ । रामा पातका नशाहरू काला भएर	<ul> <li>स्ट्रेप्नोमाइसिन ०.०५ प्रतिशतको भनेल बनाएर छर्कने ।</li> </ul>
	जी न्छन् ।	
कोले रोग वा महाली रोग	रोगी दानाको बाहिरी सतहमा पानीले भिजेको जस्तो देखापछ	<ul> <li>सड़ेका मुना र मरेका भागहरू खुकेर हटाउने ।</li> </ul>
(Noteroga)	र सता ढूसाल छाप्छ र छाप्पनु अभाडि न फल फनव्छ। रागा बानाबाह फलको भेटना हुँदै पछि परै बोह सडेर मर्दछ।	<ul> <li>कपर अक्सिक्तोराइड ५०% डव्लु.पी. (व्लाइटक्स) ३</li> </ul>
	6	ग्राम्/लीटर पानीका दरले १ देखि १.५ महिनाको फरकमा
		छक्ने ।

		•	जिरुवाको वरिपरि पानी जम्न नदिने ।
अदुवा	बोटको माथिल्लो पातको दुष्पो पहिलिदै पातको किमार हुँदै रोग	•	रोगी गाना वा पाना बीउको लागि प्रयोग नगर्ने
गानो कृहिने (Rhizome rot)	तलीतर बहुद जान्छ । पाछ तल पातसग जाडएका ठाउमा पानीले भिजेको जस्तो भएर गिलो हुन्छ बिरुवा तान्दा सजिलै	•	माटोमा उचित निकासको व्यवस्था मिलाउने।
	पातसँग छुट्टिएर आउँछ।	•	घुम्ती बाली चक्र अपनाउने ।
		•	कार्वान्डाजिम ५०% डब्ल्.पी.(वेभिष्टिन / डेरोसाल) ले वीउ उपचार गर्ने ।
पातको थोप्ले	पातमा साना, गोला अण्डाकार देखि हत्का पहेला थोप्ला	•	रोगी पात जम्मा पारी जलाईदिने।
(Leaf spot)	दखापदछ र पाछ सुकर प्वाल पन सक्दछ । पात  दााब्रन्छ, लक्रिन्छ र बोट होचो हुन्छ ।	•	कपर अक्सिक्लोराइड ४०% डब्ल्.पी. (व्लाइटक्स) ३ ग्राम/लीटर पानीका दरले रोग देखा परे पछि छर्कने।
बदाम	ओसिलो ठाउँमा भण्डार गरेका बीउहरू रोप्दा बोटको फेद	•	सग्ला र स्वस्थ्य दाना छानेर सुख्खा ठाउँमा भण्डार गर्ने
बेर्ना कृहिने (Seedling blight)	कृहिन्छ र मर्दछ ।		क्याप्टान ४०% डब्लु.पी. विषादीले २ ग्राम प्रति के.जी. बीडका दरले बीड उपचार गर्ने ।
टीका रोग	प्तमा दुई किस्मिको, प्हेलो रङ्गको थोप्ला र मसिना,	•	रोगी दुटा जम्मा गरी जलाई दिने
(Tikka)	गालाकार गाढा खरो वा काली रङ्गका थाप्लाहरू देखा पदछन्।	•	घुम्ती बाली अपनाउने
		•	क्याप्टान ५०% डब्लु.पी. विषादी २ ग्राम प्रति के.जी. का दरले बीड उपचार गर्ने ।
		•	पातमा थोप्ला देखापर्न थाले पछि कार्वेन्डाजिम ५०% डब्ल्.पी
			(बेभिस्टिन) १ ग्राम प्रति लीटर वा Chlorthalonil 75% WP (Diffence, Kaavach, Protector) २ ग्राम प्रति लीटर पानीमा

	। मसाइ १११० दिनका अन्तरमा छकन । वा Suppur 80% WP (Sulfex, Sulphur, Sulphil) ३ ग्राम प्रति लीटर अथवा Hexaconazole 5%EC (Avon, Comfort, Hexahit) ३ मी.ली प्रति लीटर पानीमा मिसाई छक्ने ।
बिरुवा असामान्य रुपमा ठिगुरिन गई बोट ज्यादै होचो र सानो हुन्छ । बिरुवाका पातका नशाहरू फकन्न् र पातहरू उल्टो दोबिएर जान्छन । बोरमा कोसा लाउँन ।	<ul> <li>रोगी बोट उखेली जलाउने ।</li> <li>घुम्ती बाली लगाउने ।</li> </ul>
	<ul> <li>Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rogohit) १ मी.ली प्रति लीटर पानीमा मिसाई छर्कने ।</li> </ul>
पातको तल्लो सतहमा सून्तला रङ्गको पहेला दानादार थोप्जा र माथिल्लो तहमा खैरो थोप्जा देखिन्छन्।	मतको तल्लो सतहमा सून्तला रङ्गको पहेला दानादार थोप्ला र Chlorthalonil 75% WP (Diffence, Kaavach, Protector) २ प्राम माथिल्लो तहमा खेरो थोप्ला देखिन्छन्। प्रति लीटर पानीमा मिसाई १४-२० दिनको अन्तरमा छक्ने वा Sulphur 80% WP (Sulfex, Sulphur, Sulphii) ३ प्राम प्रति लीटर पानीमा अथवा Hexaconazole 5%EC (Avon, Comfort, Hexahit) ३ मी लीमा अपन स्वत्राहित हर्केते।

#### अलैची

व्यवस्थापन विधि	<ul> <li>बिरुबा बीउबाट उत्पादन गर्ने</li> </ul>	<ul> <li>रोगी विरुवा जम्मा गरी जलाउने ।</li> </ul>	<ul> <li>रोगका विषाणु सानें कीरा मार्न Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rogohit) मी.ली प्रति लीटर पानीमा मिसाई छक्ने।</li> </ul>
लक्षण	होगी विरुवाको फेदमा धेरै स साना काण्डहरू । बिरुवा बीउबाट उत्पादन गर्ने	निस्कन्छन् र बाटमा फूल फुल्दन्। बाट हाचा हुन्छ ।	
रोग	<b>१.</b> फुक्	(Foorke)	

२. छिक्रे	शुरुमा पातका मुख्य नशामा पहेला धव्वाहरू देखापरी	<ul> <li>बीडबाट उत्पादित बेर्ना लगाउने ।</li> </ul>
(Chhirke)	पातमा फालन्छन् पाछ पहला थाप्लाहरू खरारङ्ग भई पात सुकेर जान्छ र बोट होचो भई बुद्धि ●	<ul> <li>रोगी बिरुवा जम्मा गरी जलाउने।</li> </ul>
	रोकिन्छ।	<ul> <li>मालाधिन ५०% ई.सी. १ मि.लि. वा Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rooohirt) पी ली पति लीटर पानीमा मिलाई छड्डें।</li> </ul>
३. जरा तथा गानो कुहिने	बोटको गानी पानीले भिजेको जस्तो गिलो हुन्छ र	<ul> <li>स्वस्थ गाना वा वीउबाट बेर्ना वनाई रोप्ने ।</li> </ul>
(Rhizome rot)	काला भएर कुहिन थाल्दछ । बाटका पातहरू दुप्पाबाट पहेलिदै सकेर जान्छन ।	<ul> <li>बोटको गोडमेल गर्दा गानोमा चोटपटक नलाग्ने गरी गर्ने ।</li> </ul>
		<ul> <li>ट्राइकोडमांको प्रयोग गर्ने</li> </ul>

#### <u>नीयाब</u>

पहिचान	क्षतिको लक्षण	व्यवस्थापन विधि
<ol> <li>ध्रले द्वसी / खराने</li> </ol>	गुलाबका पात, मुनाहरूमा खरानीको घूलो फरेको जस्तै गरी रोग देखा पर्दछ र मुना/पातहरू घुम्निने हुन्छन्	यो रोगको लक्षण शुरु भएको थाहा पाउने डिनोक्याप ४८% इ.सी. (केराथेन) ०.५ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाइ वा Carbendazim 50% WP (Bavistin, Dhanustin, Derosal) ०.५-१ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाइ अथवा Sulphur 80% WP (Sulfex, Sulphur, Sulphi) ३ ग्राम प्रति लीटर पानीमा अथवा Hexaconazole 5%EC (Avon, Comfort, Hexahit) ३ मी.ली प्रति लीटर पानीमा मिसाई छक्ने ।
२. कालो थोप्ले (Black leaf spot)	पातको सतहमा पहेलो घेरा भएका बीचमा कालो रङ्गका वाटुलो आकारका थोप्लाहरू देखापदेछन्।	<ul> <li>रोग शुरु हुन लागेको थाहा पाउने वित्तिकै म्यान्कोजेव डाईथेन एम ४५ (७५ डब्लु पी.), ६ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर । प्रत्येक वर्ष बोट काँटछाँट गर्ने र मरेका भागहरू हटाउनाले रोगको थोत न्यून हुन्छ ।</li> </ul>

# कृषि डायरी २०७१ लिचीको पात गुजुमुज्ज पार्ने सुलसुले

पहिचान	क्षतिको लक्षण	व्यवस्थापन विधि
्यो कीरा एकदमै सानो र सेतो	यो कीरा एकदमै सानो र सेतो पातको तल्लो सतहमा बसी रस चुस्दछ, पातहरू	पातहरू Dicofol 18.5 EC(Colonel) वा Propargite 57% EC (Kingmite, Omite) ३
रङ्गको हुन्छ	रङ्गको हुन्छ गुजुमुज्ज भै खैरो रङ्गमा बदलिन्छ।	एम एल प्रति लिटर पानीमा मिसाई छने।

#### 98.२ नेपालमा प्रतिबन्धित विषादीहरूः

ऋ.सं.	विषादीको नाम	प्रतिबन्धित वर्ष
٩.	क्लोरोडेन	सन् २००१
٦.	डी.डी.टी.	सन् २००१
₹.	डाइएल्ड्रिन	सन् २००१
٧.	इन्ड्रिन	सन् २००१
ሂ.	अल्ड्रिन	सन् २००१
۶.	हेप्टाक्लोर	सन् २००१
૭.	माईरेक्स	सन् २००१
۲.	टोक्साफेन	सन् २००१
٩.	वी.एच.सी.	सन् २००१
90.	लिन्डेन	सन् २००१
99.	फस्फामिडन	सन् २००१
<b>9</b> २.	अर्गानो मर्करी कम्पाउण्ड	सन् २००१
<b>१</b> ३.	मिथाइल पाराथियन	सन् २००७
98.	मनोक्रोटोफस	सन् २००७
<b>१</b> ४.	इण्डोसल्फान	सन् २०१२ (२०७९/७/१९ सम्म स्टकमा रहेका प्रयोग छुट)

#### विषादी आयातकर्ता बिक्रेता र विषादी संश्लेषणकर्ताहरूमा विशेष अनुरोध

"विषादी आयात, निर्यात, उत्पादन र बिक्री वितरणमा संलग्न हुनुहुने जो कोहिले पिन जिवनाशक विषादी ऐन र नियमावली बमोजिम ईजाजत पत्र लिएर मात्र विषादीको कारोवार गर्नुपर्नेछ सो विपरित गरेमा नियमानुसार कारवाही हुन्छ।"

"जीवनाशक विषादीको दुरुपयोग नगरौं, पंजिकरण नगरिएका र प्रतिवन्धित विषादीहरूको प्रयोग गरी मानिस, पशुपंक्षी र अन्य लाभदायक जीवजन्तुको स्वास्थ्य र पर्यावरणमा हुने नकारात्मक असरबाट जोगाऔं।"

#### "कृषक दाजुभाई तथा दिदीवहिनीहरूमा विशेष अनुरोध "

- ❖ विषादी विष हो, औषधी होईन भन्ने करा सदैब मनन् गर्नुहोस।
- ❖ अनावश्यक रूपमा विषादीको प्रयोग नगर्नहोस् / नगराउनहोस् ।
- 💠 विषादी खरिद गर्नुपूर्वै प्राविधिकको अनिवार्य सल्लाह लिनुहोस् ।
- तालिम प्राप्त र ईजाजत पत्र प्राप्त विषादी खुद्रा बिक्रेताहरूबाट मात्र विषादी खरिद गर्नुहोस् ।
- 💠 विषादी खरिद गर्दा पंजिकृत, सुरक्षित र प्रभावकारी विषादी छान्नुहोस् ।
- ❖ पंजिकरण नभएका र प्रतिबन्धित विषादी बारे जानकारी राख्नुहोस र त्यस्ता विषादी खरिद नगर्नहोस ।
- ❖ विषादीको सुरक्षित तिरकाले भण्डारण गर्नुहोस र बाल बच्चहरूको पहुँच देखि टाढा राख्नुहोस् । ।
- ❖ सिंह विषादी, सिंह मात्रामा, सिंह समयमा र सिंह तरिकाले प्रयोग गर्नुहोस् ।
- 💠 विषादी चलाउँदा सुरक्षात्मक पिहरनको अनिवार्य प्रयोग गर्नुहोस ।
- ❖ विषादी प्रयाग गरिसकेपछि पर्खनुपर्ने समय व्यतित नभएसम्म बाली टिपेर खाने र बेच्ने नगर्न्होस।
- भण्डारणमा लाग्ने रोग कीरा नियन्त्रणका लागि सकभर स्थानीय प्रविधि अवलम्वन गर्नुहोस् । रासायनिक विषादी प्रयोग गर्नुपरेमा सुरक्षित विषादी साबधानीपूर्वक गर्नुहोस् र उपभोगपूर्व प्रतिक्षा अवधिको अनिवार्य ख्याल
- 🌣 गर्नुहोस्।
- ❖ विषादीका खाली भाँडाहरू (डिब्बा, प्याकेट) सुरक्षीत तिरकाले नष्ट गर्नुहोस, जथाभावी नफालौं।
- ❖ विषादी विक्रेताले पंजीकरण नगरिएका विषादी बिक्री नगर्नुहोस् ।

विस्तृत जानकारीको लागि नजिकको कृषि सेवा केन्द्र वा जिल्ला कृषि विकास कार्यालय वा विषादी पंजिकरण तथा व्यवस्थापन शाखामा सम्पर्क राखौं।

#### 98.३ एकीकृत शत्रु जीव व्यवस्थापन कार्यक्रम (आड.पि.एम)

#### एकीकृत शत्रु जीव व्यवस्थापन (Integrated Pest Management)

एकीकृत शत्रु जीव व्यवस्थापन बाली बिरूवाका शत्रुहरू (रोग, कीरा, भारपात, चरा, मुसा आदि) लाई आर्थिक रूपले न्यायोचीत, पर्यावरणीय दृष्टिकोणले दिगो तथा सामाजिक रुपमा स्विकार्य बाली संरक्षण गर्ने एक विधि हो । यसमा एक भन्दा बढी व्यवस्थापनका विधिहरूको एकिकृत रुपमा प्रयोग गरिन्छ जसले गर्दा रासायनिक विषादीहरूको प्रयोगमा कमी हुन आउँछ ।

एकीकृत व्यवस्थापनका मुख्य सिद्धान्तहरू: (१) स्वस्थ बाली उत्पादन, (२) खेतबारीको नियमित अवलोकन , (३) मित्र जीवहरूको संरक्षण (४) कृषकहरूलाई स्वयं दक्ष बनाऔं।

#### एकीकृत बाली शत्रु व्यवस्थापनका विधिहरू

- रोग कीरा अवरोधक जातको प्रयोग (Resistant Varieties): रोग कीराले नोक्सानी नहने वा कम हने जातको प्रयोग गर्ने ।
- कृषि कर्ममा आधारित तरिका (Cultural Method): वालीचक्र, बीउ छर्ने वा रोपाइ गर्ने समयको हेरफेर, खेतको सरसफाई, उचित खनजोत, बाली कटानीपछि, अवशेष नष्ट गर्ने ।
- भौतिक तथा यान्त्रिक तरिका (Physical and Mechanical): हातले टिप्ने, अवरोध राख्ने, पासो थाप्ने, अनाज सुकाउने आदि
- ४. जैविक तरिका (Biological Control Method): परजीवी एवं शिकारी कीराका साथै विभिन्न जीवाणु जस्तै व्याक्टेरिया (विटी.), फंगस, भाइरस (एन.पि.भि.) र निमाटोडको प्रयोग ।
- ५. आकर्षक रासायनिक पदार्थको प्रयोग (Chemical Atractants): विभिन्न आकर्षक रासायनिक पदार्थ जस्तै: मिथाइल यूजिनल, क्यूलियर र विभिन्न फेरोमेन जस्तै: हेलीलुर स्पोरडोरलुर आदिको प्रयोग ।
- ६. घरेलु व्यवस्थापनका विधिहरु
- हर्मीनको प्रयोगः विभिन्न हर्मीन जस्तै आप्लोरको प्रयोग ।

 विषादीको प्रयोग (Chemical Control Method): अन्य विधिहरूले नियन्त्रण नभएमा उपयक्त विषादीको सावधानिपूर्वक प्रयोग गर्ने ।

#### नेपालमा कृषकहरूले अपनाईसकेका केही आई.पि.एम. प्रविधिहरू

- नीम, टिमुर, बोभ्नो, तितेपाती, ज्वानु, तोरीको तेल प्रयोग गरी अन्न भण्डारणमा रोग कीरा नियन्त्रण।
- काठको धूलो, गहुँत, साबुनपानी, सूर्तीको भोल प्रयोग गरी तरकारी बालीको कीरा नियन्त्रण।
- सुन्तला जात फलफूल र लहरे तरकारीको औंसा कीरा नियन्त्रणको लागि फेरोमेन ट्याप, खेतबारीको सरसफाई।
- स्थानीय वनस्पतिबाट तयार गरिने भोलमल, गाईको गहँत, मोही आदिको प्रयोग ।
- केहीमात्रामा विभिन्न पासोहरुको प्रयोग ।
- केही मात्रामा ढुसीजन्य, ब्याक्टेरीया, भाइरस तथा निमाटोड जन्य जैविक विषादीको प्रयोग ।
- मित्र जीवहरुको संरक्षण ।

#### फलफूल तथा तरकारी बालीमा फेरोमेन ट्रयापको प्रयोग

- क) लहरे तरकारी बाली (कुकरविद्स) जस्तै काँको, घिरौला, लौका, आदि कुकरविद्स समुदायका तरकारी बालीमा लाग्ने कीराहरू र तिनबाट हुने हानी नोक्सानी नियन्त्रणको लागि क्यूलियर नामक फेरोमेनको प्रयोग गरिन्छ । फेरोमेन ट्रयापको बट्टा भित्र राखिएको कपासमा ५/५ थोपा क्यूलियर र मालाथायन ५० को भोल राखी जिमनबाट ५ फिट उचाईमा राख्नुपर्दछ । फेरोमेनको गन्धले भाले भिनंगाहरू आकर्षित भई मालाथायनको प्रभावले मर्दछन् । पोथीले वतासे फुल पार्दछ । प्रतिरोपनी ५ वटा ट्याप राख्नुपर्दछ ।
- ख) फलफूल बाली: फलफूलमा लाग्ने औसा कीरा नियन्त्रणको लागि मिथायल यूजिनल नामक फेरोमेनको प्रयोग गरिन्छ । ट्रयापलाई बिलयो हाँगामा भुण्ड्याउनु पर्दछ । फेरोमेनको गन्धले भाले भिगंगा आकर्षित हुने र मर्ने गर्दछन् पोथी भिगंगाले बतासे फुल पार्दछ । यसबाट कीराको संख्यामा कमी भई नियन्त्रण हुन्छ । प्रति ट्रयाप ५/५ थोपाका दरले मिथायल यूजिनल र मालाथयन भोल राख्नुपर्दछ । नोटः हरेक १/१ महिनामा मालाथायन भोल ५ थोपा प्रति ट्याप थप्ने ।

#### कीरा व्यवस्थापनको लागि उपलव्ध हुन सक्ने केही पासोहरु

क्र.सं.	पासोको नाम	प्रयोग हुने
٩	लाइट ट्रयाप	रातीमा उडने कीराहरु
२	एलो स्टीकी ट्रयाप	साना उडने कीराहरु जस्तै लाही, सेतो भिनंगा, लिफमाइनर
ą	स्टेनर ट्रयाप	मिथाइल युजिनल, क्युलियर फेरोमन
8	फनेल ट्रयाप	हेली ल्युर, स्पोडो ल्युर, ल्युसिनोडस ल्युर, पेक्टिनो ल्युर, सिम्रो ल्युर
X	डेल्ट्रा ट्रयाप	डि.वि.एम / प्रोटुला ल्युर
Ę	ओटा टी ट्रयाप	डि.वि.एम / प्रोटुला ल्युर, पि.टि.एम १,२ ल्युर
૭	म्याकफल ट्रयाप	विभिन्न ल्यूरको लागि
5	पिट फल ट्रयाप	माटोको सतहमा हिडने कीराहरु

#### बजारमा उपलब्ध हुन सक्ने केही फेरोमन/ल्यूर

क्र.सं.	पासोको नाम	कीरा	वाली
٩	मिथाइल युजिनल	फल कुहाउने औसा	सुन्तलाजात आप फलफूल
२	क्युलियर	फल कुहाउने औसा	काको फर्सी समुहका वाली
३	व्याक्टोसेरा कम्पोजिटिइ	फल कुहाउने औसा	माथिका दुवै वाली
Х	हेली ल्युर	गोलभेडाको फलको गवारो	गोलभेडा, चना, रहर
¥	स्पोडो ल्युर	सूर्तिको पालखाने लार्भा	सूर्ति, काउली वर्ग,आलु गोलभेडा
Ę	डि.वि.एम / प्रोटुला ल्युर	ईट बुट्टे पुतली	काउली वन्दा समुहका
૭	ल्युसिनोडस ल्युर	फल र डाठमा लाग्ने गवारो	भाण्टा
5	पि.टि.एम १,२ ल्युर	जोताहा पुतली	आलु
9	सिप्रो ल्युर	पहेलो गवारो	धान
90	पेक्टिनो ल्युर	दानामा लाग्ने गुलावी गवारो	कपास
99	इरिमट र इरिमन ल्यूर	दानामा लाग्ने छिर्के गवारो	कपास

#### केही प्रचलित जैविक तथा वानस्पतिक विषादी

क्र.सं.	नाम	प्रयोग
٩	एजाडीरेक्टीन (नीममा आधारित)	विभिन्न कीराहरुको लागि
7	व्युभेरिया देसियाना (ढुसीजन्य)	पुतलीका लार्भा, साना चुस्ने कीरा
æ	मेटाराइजियम एनीसोप्लेई(ढुसीजन्य)	खपटे र पुतलीका लार्भाहरु(माटोमा वस्ने जस्तै खुम्रे)
8	भर्टिसेलियम लेकानी (ढुसीजन्य)	सेतो भिनंगा, लाही, लिफमाइनर
ሂ	वेसिलस थुरनजेनेसिस कुस्टाकी ( व्याक्टेरियाजन्य)	विभिन्न पुतली समुहका लार्भाहरु
Ę	न्युक्लियर पोलीहेड्रोसिस भाइरस क) हेली	<ul> <li>क) गोलभेडाको फल खाने गवारो (हेलीकोभर्पा आर्मीजेरा)</li> <li>ख) सूर्तिको पात खाने लार्भा (Spodopterea)</li> </ul>
	ख) स्पोडो	litura)
૭	इन्टोमोप्याथोजनीक निमाटोड	माटोमा वस्ने विभिन्न कीराहरु जस्तै खुम्रे
5	ट्राइकोडर्मा भिरिडी र हर्जानियम	ढुसीजन्य रोग विशेष गरी माटोमा रहने
9	स्युडोमोनास फ्लुरेसेन्स	केराको पनामा वील्ट, ड्याम्पीङ अफ, धानको सीथ ल्वाइट, उखुकाके रेड रट , चना र गोलभेडाको ओइलाउने रोग

#### जीवनाशक विषादीको सुरक्षित प्रयोग तथा व्यवस्थापन

#### क) जीवनाशक विषादीको विषालुपनाको तुलनात्मक वर्गीकरण (who, 2009)

खतराको स्तर	एल.डी. ५० मुसामा (मिलीग्राम प्रति केजी शरीरको तौलम		
	मौखिक	छालावाट	
अत्यन्त खतरनाक	५ मिलि ग्राम भन्दा कम	५० मिलि ग्राम भन्दा कम	
अति खतरनामक	५-५० मिलि ग्राम	५०-२०० मिलि ग्राम	
माध्यम रूपले खतरनाक	५१-२००० मिलि ग्राम	२००-२००० मिलि ग्राम	
सामान्य रूपले खतरनाक	२०००-५०००मिलि ग्राम	२०००-५०००मिलि ग्राम	
सुरक्षित	५००० मिलि ग्राम भन्दा माथि	५००० मिलि ग्राम भन्दा	
-		माथि	

#### कृषा डायरी २०७१

(एल.डि. ५०: विषादीको मात्रा जसले परीक्षण गरिएको जनावरको ५०% संख्यालाई मार्दछ । )

ख) जीवनाशक विषादीको सुक्षित प्रयोगः विषादीको उचित रूपमा उपयोग नगरिएमा यसले उपयोगकर्ता, अरू मानिस, घरपालुवा पशुहरू, वन्यजन्तुहरू र लाभकारी कीराहरूलाई समेत हानी प्ऱ्याउन्को साथै वातावरणलाई पनि नोक्सान गर्दछ।

#### १) सामान्य सिद्धान्तः

- क) अनावश्यक रूपमा विषादी प्रयोग नगर्नहोस् ।
- ख) सम्भावित खतराबाट सावधान हुनुहोस।
- ग) विषादीको लेबल र अन्य पर्चाहरू पढ्न्होस्।
- घ) केटाकेटीलाई विषादीबाट टाढा राख्नुहोस् ।

#### २) कीटनाशक विषादी उपयोग गर्नु अगाडिः

- क) विषादी सुरक्षित ठाउँमा तालाबन्दी गरी राख्नुपर्छ ।
- ख) स्प्रेयर/डष्टर राम्रो अवस्थामा हुनुपर्छ ।
- ग) उपकरणलाई काम गर्नु अघि र काम सिकएपछि जाँच गर्नुपर्छ ।
- घ) कम घातक (प्रति किलोग्राम ५०१ मिलीग्रांमभन्दा माथि एल.डी. ५० भएको) सुरक्षित विषादी प्रयोग गर्नुपर्छ ।

#### ३) मिश्रण बनाउँदा र छर्दाः

- सुरक्षात्मक पिहरन लगाउनु पर्छ, जस्तै: पुरा बाहुलाको कमीज, लामो पतलुङ्ग, जुत्ता वा वूट, चौडा किनारा भएको टोपी, हातमा रबरको पन्जा, मास्क, कृत्रिम श्वास उपकरण आदि ।
- ख) चरोट पिउन वा धम्रपान गर्न हँदैन।
- ग) विषादी अन्य ठाउँमा फैलिन नपाओस् भन्नका लागि विषादीको प्याकेटलाई सावधानीपूर्वक खोल्न्पर्दछ ।
- घ)) हावाको वहाव कम भएको बेलामा छर्ने गर्नुपर्दछ ।
- ङ) बन्द भएको नोजललाई मुखले फुक्नु हुँदैन ।

#### ४) जीवननाशक विषादी प्रयोग पश्चातः

- क) विषादीको प्रयोग गरेका कागजी पदार्थलाई सुरक्षित स्थानमा जलाएर वा गाडेर नष्ट गर्नपर्छ ।
- ख) प्रयोग गरिएको भाडा कम्तिमा ३ पटक साबुन पानीले सफा गर्नुपर्दछ ।
- ग) हात म्ख राम्ररी साब्न पानीले ध्न्पर्दछ ।
- घ) उपकरणलाई राम्ररी सफा गरेर राख्न्पर्दछ ।

#### प्र) विष लागेका लक्षणहरू र प्राथमिक उपचार:

ओर्गानोफस्फेट र कार्वमेट यौगिकहरू जस्तै मेटासिस्ड, मेटासिस्टक्स, नुभान आदिले कोलिनेष्टेर रोक्दछन्, जसले गर्दा स्नायु प्रणालीमा विकार उत्पन्न हुन जान्छ । टाउको दुख्ने, रिंगटा लाग्ने र वाकवाकी हुने र त्यस पश्चात जाडो भई पसीना आउने, भाडा लाग्ने र वान्ता हुने लक्षणहरू देखा पर्दछन् । मांसपेशीहरू थर्कन्, भीषण कम्पन हुन् र अचेतन हुने अवस्थाहरू समेत हुन सक्छ ।

#### प्राथमिक उपचार:

- क) रोगीलाई आधा भ्रुकेको रूपमा टाउको तल पर्ने गरी राख्नुपर्दछ ।
- ख) बान्ता गराउने व्यवस्था गर्नुपर्छ।
- ग) राम्ररी हावा आउने व्यवस्था मिलाउनुपर्दछ ।
- घ) छिटो अस्पताल लैजाने व्यवस्था गर्नुपर्छ।
- च) एट्रोफिन सल्फेटको २ मिलीग्राम इन्ट्राभेनस. सुई दिनुपर्छ ।

#### १५. व्यवसायिक किट

#### १५.१ मौरीपालन

मेहनती कृषकले कम लगानीमा राम्रो आय आर्जन गर्न सक्ने सरल व्यवसाय मौरीपालन हो । हाम्रा कृषकहरूले परापूर्वकालदेखि नै मौरीपालन गर्दे आएको भएता पिन अभै मौरी पालनलाई व्यावसायीकरण गर्न उन्नत प्रविधिको अबलम्बनका साथै आयमूलक व्यवसायको रूपमा विकास गर्न नसकेको भए पिन ऋमशः परम्परागत मौरीपालन परिवर्तन भई व्यवसायिक रूपमा शुरूवात भएको छ । नेपालको तराई र भित्री मधेश क्षेत्रमा एपिस मेलिफेरा र पहाडी भेगमा एपिस सेराना जातको मौरी पालन भईरहेको छ ।

मौरीपालन सम्बन्धी केहि जानकारी					
एपियरीको छनौट मौरी घार राख्ने क्षेत्रको	एपियरीमा मौरी गोलाको प्रवन्ध				
विरिपरि सकेसम्म वर्षभिरि नै चरन उपलब्ध भएको, ९-९.५ कि.मी. विरिपरि मौरी चरन वाली/फैलिएको, फुल फुल्ने पर्याप्त अवधि, पानीको श्रोत भएको तथा विषादी प्रयोग नहुने क्षेत्र हुनु पर्दछ	<ul> <li>परम्परागत मुढे घार वा खोपे घार सुधानें र चलायमान चौकोस राख्ने अथवा आधुनिक घारमा मौरीपालन गर्ने</li> <li>एपियरीको सबै आधुनिक घार एकै साइजको राख्ने</li> <li>घारलाई अगाडिपष्टि ढल्काएर २५-३० से.मी. उचाइको स्टैण्ड माथि राख्ने तथा स्टाण्डको चारवटै खुट्टामा पानीले भिरएको कचौरा राख्ने</li> <li>मौरीको प्रवेशद्वार अगाडि खुल्ला ठाउँ हुनुपर्दछ ।</li> <li>स्थानीय जातको मौरीको दुई घारबीच कम्तीमा १ मीटर दुरी राख्ने</li> </ul>	<ul> <li>गमा वाममा चर्को घामबाट बचाउन छहारीको प्रबन्ध गर्ने, प्रवेशद्वार ठूलो पार्ने, भेन्टीलेशनको व्यवस्था गर्ने, मौरीको लागि घार बाहिर भाँडोमा नुनिलो पानी (५-६ ग्राम १ लि. पानीमा) राखी दिने ।</li> <li>जाडो याममा घारको वरिपरिका प्वालहरू थुनी दिने, प्रवेशद्वार उत्तर दिशातिर नराखे, बोरा या गोरखापत्रले घार छाउरा फ्रेमहरू माथि छोपि दिने, मौरीले नढाकेको फ्रेमहरू भिक्की डमी बोर्ड प्रयोग गरी ठाउँ सानो बनाई दिने, खानाको अभाव भएमा चिनी चास्नी दिन, कमजोर गोलाहरूलाई आपसमा संयोजन गरी दिने ।</li> <li>गृष्म र वर्षा याममा यस मौसममा मौरीको रोग र शत्रु बढी देखा पर्ने हुदा त्यसको नयन्त्रणमा बढी ध्यान दिनु पर्दछ अहाराको अभाव बढि हुने हुँदा कृत्रिम</li> </ul>			

Fr. Com/r foot	
	अहाराको व्यावस्थ ागर्नु पर्दछ
	मौरीले गृह त्याग गर्न सक्ने
	सम्भावना बढी भएकोले प्रवेशद्वारमा
	रानू ढोका प्रयोग गर्ने, बलियो
	गोलाबाट टालेका छाउराहरूको फ्रेम
	राख्ने, रोगी गोलालाई तुरून्तै औषधी
	उपचार
	गर्ने ।
	(अनुपयुक्त मौसममा निरीक्षण गर्दा घार
	धेरै वेरसम्म खुल्ला राख्नु हुँदैन )

#### मौरी गोलामा रोग कीराको व्यवस्थापन

रोगी गोलाको पहिचान	उपचार विधि	रोकथाम गर्ने उपायहरू
<ul> <li>चाकामा छाउराहरू कम र छारिएका हुन्छन्</li> <li>छाउराको रंग धिमलो खरो देखिन्छ</li> <li>रोगग्रस्त चाकावाट नराम्रो गन्ध आउँछ</li> <li>टालेका छाउराको विकों केही तल धिसएको र सानो प्याल हुन्छ र आसनवोर्ड भित्र मरेका छाउराहरू प्रशस्त देखिन्छन्</li> <li>त्यस्तै रोगी मौरीहरू घार बाहिर घसेर हिड्छन्, उड्न नसकन्, घारभित्र जताततै मौरी विष्टा देखिन्छ</li> </ul>	सम्बन्धित विशेषज्ञको सल्लाह लिई उपचार गर्नु पर्छ     इ.एफ.वि.:     एन्टिबायोटिक अक्सीटेट्रासाइक्लीन वा टेरामाईटिन २५ मि.ग्रा/फ्रेमको दरले चिसो चिनी चास्नीमा औपधी मिसाई ३ दिनसम्म लगातार दिने वा १ ग्राम औपधी १ लटर चिनी चास्नीमा मिलाई मौरी, छाउरा चाका आदिमा ५ दिनसम्म लगातार स्प्रे गर्ने ।     टी.एस.बि.भी:     भाइरसद्वारा लाग्ने भएकोले व्यवस्थापनमा सुधार गर्ने     सुलसुले ६५ प्रतिशतको फर्मिक एसिड एब्जर्वेन्ट कार्डबोर्डमा राखी सानो कपासको डल्लोमा भिजाई सानो बट्टा भित्र राखी आसन बोर्डमा राखी दिने (२ मि.लि./फ्रेम दरले)	<ul> <li>एपियरीमा बिलयो गोला मात्र राब्ले, कमजोर गोलाहरू भएमा संयोजन गर्ने ।</li> <li>फोहर पोखरीको छेउछाउमा घार नराब्ले तर सकभर बिगरहेको पानीको श्रोत निजकमा हुनुपर्दछ</li> <li>घार निरीक्षण गर्दा बिलयो र स्वस्थ गोला पहिले, कमजोर र रोगी गोला सबै भन्दा पिछ निरीक्षण गर्ने ।</li> <li>हरेक पल्ट एक घार पिछ अकों घार निरीक्षण गर्दा हात र प्रयोगमा आएका मौरी सामग्रीहरू राम्रोसँग सावुन पानीमा पखालेर मात्र प्रयोग गर्ने ।</li> <li>धेरै नै रोगग्रस्त गोला भएमा एपियरीबाट टाढा राब्ले वा जलाउने ।</li> </ul>

#### मौरी गोला व्यवस्थापन कार्य तालिका

चैत्र/वैशाख <i>ए</i> ।	<i>पिएरीमा मौरी गोलाको प्रबन्ध</i> परम्परात घार सुधार गर्ने वा आधुनिक घार सफा गरी मौरी राख्ने ।			
•	परम्परात घार सुधार गर्ने वा आधुनिक घार सफा गरी मौरी राख्ने ।			
•	मौरी गोलाको अगांडि खुल्ला ठाउँ हुनेगरी दुई घार बीचको दूरी कम्तीमा			
	१ मिटर राख्ने ।			
•	<ul> <li>हर्त्तैपिच्छे गोला निरीक्षण गरी हुल निर्यासबाट भाग्न सक्ने मौरीलाई छुट्याई गोला वृद्धि गर्ने ।</li> </ul>			
•	रानू पुरानो छ भने नयाँ रानू राख्ने ।			
•	• गोलामा मौरीको संख्या बढ्दै जाँदा खाली चौकोस थप्दै जाने।			
•	मौरीको संख्या बढेपछि प्रवेशद्वार बढ्ने गरी लामो प्वालतर्फ फर्काउने ।			
•	छाउरा कक्षा भरिएपछि महकक्ष (Super) राख्ने ।			
•	हावा खेल्ने गरी घारमा प्वालहरू मिलाउने ।			
•	प्राकृतिक शत्रुहरूको नियन्त्रण गर्ने ।			
•	तापक्रम / आर्द्रता बढ्ने हुँदा रोगको आक्रमण हुने भएकोले निरीक्षण गरी नियन्त्रण गर्ने ।			
•	महकक्ष भरेर ९०% जित कोष टाली सकेपछि मदानीको सहायताले मह काढ्ने ।			
•	मह काढ्दा मौसम हेरी मौरीको लागि पिन मह छोडेर काढ्ने ।			
जेष्ठ/अषाढ •	नियमित रूपमा मौरी घार निरीक्षण गरी गोला स्वस्थ राख्ने ।			
•	चर्को गर्मी भएमा घार वरिपरि पानी छर्कने ।			
•	• घार वरिपरि नुन पानी (१ लि. पानीमा ८ ग्राम नुन) राखिदिने ।			
•	• चरन हेरी स्थानान्तरण गर्ने ।			
•	• कमजोर गोलालाई बलियो गोलाबाट छाउरा सहितको चौकोस ल्याई मिलाउने।			
•	• घारको खुट्टामा कचौरा राखी पानी भर्ने र कमिलाबाट बचाउने ।			
•	अन्य प्राकृतिक शत्रुहरूलाई नियन्त्रण गर्ने (अरिङ्गाल, बच्छयूँको गोला नष्ट गर्ने) या घार प्रवेशद्वार नजिक बसी चेप्टो लठ्ठीले हानी मार्ने ।			
साउन/भदौ •	वर्षाबाट घारहरूलाई जोगाउने ।			
	मैनपुतलीको प्रकोप हुन सक्ने भएकोले नियन्त्रण गर्ने ।			
	कृत्रिम आहार (चिनी चास्नी) को व्यवस्था गर्ने ।			
असोज/कार्त्तिक •	मौरीहरू फेरी सिकय भएर आउँछन् त्यसैले उपयुक्त क्षेत्र छनौट गरी स्थानान्तरण गर्ने ।			
	प्रानो रानू बूढी भएको भए नयाँ फेर्ने ।			
	हुल निर्यास व्यवस्थापन गर्ने ।			
	वसन्त ऋत्मा जस्तै सुपरको व्यवस्था गर्ने ।			
	पाकेको मह काढ्ने ।			

#### १५.१ च्याउ खेती

नेपालमा विषेशगरी चार प्रकारका च्याउ (गोब्रे, कन्ये, मृगे, पराले) खेती गर्ने प्रविधि विकास भइसके पनि गोब्रे र कन्ये च्याउ मात्र व्यवसायिक रूपमा खेती भएको पाइन्छ ।

#### गोब्रे च्याउ खेती प्रविधि

गोब्रे च्याउ खेती गर्नको लागि स्थान अनुसार मौसम मिलाएर कम्पोष्ट तयार गर्नुपर्दछ । तयारी कम्पोष्टबाट काठको ऱ्याकमा च्याउ रोप्ने बेड बनाई सो बेडमा च्याउ खेती गरिन्छ ।

कम्पोष्टको लागि चाहिने सामाग्रीहरु	कम्पोष्ट तयार गर्ने विधि	कम्पोष्ट पल्टाउने विधि		
पराल: १००० कि.ग्रा. युरिया: ५ कि.ग्रा. एमोनियम सल्फेट: २० कि.ग्रा. ट्रिपलसुपरफस्फेट: ७ कि.ग्रा. कृषिचुन: ३० कि.ग्रा. फर्मालीन: १ लि. नुभान: १०० एम.एल डेरोसाल: ५० ग्राम	<ul> <li>सफा पराललाई १ फिट लामो हुने गरी काटने</li> <li>टुकाएको पराल चिसो पानीमा ८-१० घण्टा डुवाई सफा गर्ने र परालको पानी निथन दिने</li> <li>काठको फ्रेमको सहायताले पराल तहतह गरी थिच्दै हरेक ३-४ तह पछि १-२ के.जी. को दरले मलको मिश्रण छर्ने र ४ फिटसम्मको उचाई बनाई ५०० के.जी. सम्म पराल अट्ने गरी पुष्ट पार्ने ।</li> <li>पराल सुख्खा छ भने हल्का पानी दिने</li> </ul>	कम्पोष्ट पाक्ने बेलामा ८ पटक पल्टाउनु पर्दछ पहिलो पल्टाई ४ दिनमा(डि.ए.पी मिसाउने) दोग्ने पल्टाई १० दिनमा (कृषि चून पिन छन) तेग्ने पल्टाइ १३ औं दिनमा चौथो पल्टाइ १६ औं दिनमा(टी.एस.पी र डी.ए.पी. मिसाउने) पाँचौ पल्टाई १९ औं दिनमा छैठौं पल्टाई २२ औं दिनमा डाईथेनएम ४४, २.४ ग्राम र नुभान १ मी.लि. प्रति लिटर पानीको दरले घोल बनाई २० लीटर प्रति टन कम्पोष्टमा प्रयोग गर्ने । सातौ पल्टाई २५ औं दिनमा आठौ पल्टाई २५ औं दिनमा आठौ पल्टाई २५ औं दिनमा आठौ पल्टाई २५ औं दिनमा तयारी कम्पोष्टको रङ्ग हल्का खैरा, चिस्यान ७० प्रतिशत र पि.एच. ७ - ७.२ हुनुपर्दछ ।		

#### तयारी कम्पोष्ट प्रयोग गरि गोब्रे च्याउ खेती गर्ने प्रविधि

च्याउ खेती गरिने कोठाको	च्याउ खेती गरिने कोठालाई २ प्रतिशतको फर्मालीनले सफा गने		
च्याउ खेती गरिने कोठाको   तयारी	च्याउ खता गारन काठालाइ र प्रांतशतका फमालानल सफा गन		
वस्पोष्ट बेडको तयारी	<del></del>		
विभ्याष्ट बडका तयारा	सो कोठामा ३-४ फिट चौडाई र ६-८ इन्च उचाईका कम्पोष्ट बेड काठको ऱ्याकमा बनाउने		
बीउ छर्ने			
बाउ छन	• बेड तयार गरेको २ दिन पछि च्याउको बीउ छर्ने		
	<ul> <li>१ टन परालको लागि २० बोतल बीउ आवश्यक पर्छ</li> </ul>		
	<ul> <li>माथिल्लो १.५ इन्च कम्पोप्ट हटाई बीउ छर्ने र त्यसलाई कम्पोप्टले ढाकेर हत्केलाले विस्तारै थिच्ने</li> </ul>		
	<ul> <li>माथिबाट फर्मालीनले उपचार गिरएको पित्रकाले ढाकी पानी दिने ।</li> </ul>		
	यस बेला कोठाको तापक्रम २२-२५ डिग्री सेन्टिग्रेड र सापेक्षिक आर्द्रता ७०-७५ प्रतिशत राख्ने		
	१४-२० दिनमा माटोको सतह मुनी सेता ढूसी रेखाले ढाकेको देखिन्छ		
माटोले पुर्ने (केसिङ) गर्ने	<ul> <li>बीउ छरेको २ हप्ता व्याड ढाक्नलाई माटोको मिश्रण तयार गर्ने</li> </ul>		
	<ul> <li>१०० के.जी. मिसनो माटो २ के.जी. चूना र फर्मालीन पानीको घोल (०.२४:४ ली.) एकै ठाउँमा मिसाई प्लाष्टिकले ढाकी ४८ घण्टा राख्ने र पुनः राम्ररी चलाउने</li> </ul>		
	<ul> <li>सो मिश्रणले १ इञ्च बाक्लो हुने गरी वेडलाई पुर्ने र विहान बेल्की हल्का पानीदिने</li> </ul>		
	• शुरूमा ७-१० दिन सम्म २२-२५ डिग्री सेन्टिग्रेड र सापेक्षिक आर्द्रता ७०-७५ प्रतिशत राख्ने र त्यसपछि १५-१८ डिग्री सेन्टिग्रेड र सापेक्षिक आर्द्रता ८० -९० प्रतिशत हुने गरी मिलाउने		
च्याउ टिप्ने	केसि <b>ड गरेको</b> ४ हप्ता पछि च्याउ टिप्न लायक हन्छ		
	च्याउ टिप्दा बोटलाई समातेर एकातर्फ बटारी हल्कासँग टिप्नु पर्वछ		
	च्याउ टिपेपछि जरा हटाई उपचार गरिएको माटोले पुनः पुरी हल्का पानी दिन्पर्दछ		
	<ul> <li>एक टन परालको कम्पोष्टबाट २००-३०० कि.ग्रा. ताजा गोब्रे</li> </ul>		
	च्याउ उत्पादन हन्छ।		
	रोग/कीरा नियन्त्रण		
खैरो प्लाष्टर रोग (Brown	<ul> <li>द्सीबाट फैलन्छ र बीउ रोपेको बेलामा परालमा र केसिङ</li> </ul>		
plaster mould)	गरिसेको माटोको सतहमा आउँछ		
,	लक्षणः व्याडमाथि र केसिङ्ग गरेको माटोको माथि पहिले सेतो अनि फिक्का खैरो पाउडर जस्तो धूलो देखापर्छ		
	व्यावस्थापनः सरसफाई, हावाको संवाहन, तापक्रम र सापेक्षिक आर्द्रता मिलाउनुपर्छ, साथै २ प्रतिशत फर्मालिन अथवा १ ग्राम		

	डेरोसाल वा बेभिस्टनलाई १ लिटर पानिमा मिसाएर छर्नुपर्छ ।
हरियो रोग (Green mould)	<ul> <li>लक्षण : व्याडको कम्पोप्ट वा केसिङ्ग गरेको माटोकोमाथि सतहमा पहिले सेता रेशाले ढाकेको देखिन्छ, र पछि बढी रोग लागेको ठाउँमा हरिया धब्बाहरू देखिन्छन् र खेती गरेको च्याउलाई हुर्किन दिँदैन</li> </ul>
	<ul> <li>कारणः मल बनाउँदा राम्ररी नकृहिएमा, राम्रोसँग विसङ्कमण नभएमा, तापक्रम र सापेक्षिक आद्रता बढी भएमा</li> <li>व्यावस्थापनः इन्डोफिल एम ४५ दुई ग्राम १ लिटर वा डेरोसाल</li> </ul>
	१ ग्राम प्रति लिटर पानीका दरले छर्ने
कीरा( भिँगा एवं सुलसुल)	व्यावस्थापन :०.१ प्रतिशत र भिनंगाको लागि ०.२ प्रतिशत नुभानको
	घोल बनाएर छर्कने
	अवस्था हेरी फेरी एक पटक दोहोऱ्याउने । विषादी छरेपछि च्याउ टिप्न
	४ दिनसम्म पर्खनु पर्दछ ।

#### कन्ये च्याउ खेती

कन्ये च्याउका लागि धानको पराल, गहुँको छ्वाली, मकैको खोस्टा, तोरीको डाँठ आदिको सदपयोग गरी च्याउ उत्पादन गर्ने प्रविधिको प्रयोग गर्न सिकन्छ।

#### खेती प्रविधि

कन्ये च्याउ खेती गर्दा २०-३० डि.से. तापक्रम र आर्द्रता ८०-९० प्रतिशत हुनुपर्छ । सहाउँदो तापक्रम भने २२-२५ डि.से. हो ।

- १. सफा पराललाई बीउको मात्रा मिलाउनका लागि तौलने।
- २. तौलेको पराललाई २ देखि २.५ इन्चको टुका पार्ने ।
- ३. पराललाई २ घण्टा सफा पानीमा ड्बाउने ।
- ४. सफा पानीले ३-४ पटक परालमा भएको धलो पखाल्ने ।
- ५. भिजाएको परालमा बढी भएको पानी हटाउन १८-२४ घण्टासम्म भिरालो ठाउँमा फिजाई पानी तर्काउने ।
- परालमा भएका सूक्ष्म जीवाणूलाई मार्न पानीको वाफले मात्र ३० मिनेटदेखि १ घण्टासम्म पराल बफाउने ।
- ७. बफाएको पराललाई सफा ठाउँमा राखी चिसो भएपछि १६"x१८" को प्लाष्टिक भोलमा ४ इन्च जित पराल राखी बीउ छर्ने र फेरी ४" पराल राख्ने र बीउ छर्ने । यसै गरी ४-५ तहसम्म बीउ छर्ने । परालमा ढुसी राम्रो फैलाउन हल्का तिरकाले थिच्नुपर्छ ।
- प्लाप्टिक भित्र केही मात्रामा अक्सिजनको आवश्यकता पर्ने भएकोले १० से.मी.
   फरकमा १ से.मी. गोलाईको प्वाल पार्ने ।

- ९. बीउ रोपीसकेको प्लाष्टिकको भोलालाई अध्यारो ठाउँमा २५-३० डि.से. तापक्रम भएको कोठामा भ्र्याल ढोका बन्द गरी ३ हप्तासम्म राख्नुपर्दछ ।
- परालमा पूरा ढुसी फैलिएपछि प्लाप्टिक फोला हटाउने र डल्लोलाई ईट्टा तथा फल्याकमाथि राख्ने ।
- ११. प्लाष्टिक भोला हटाउने समयमा परालमा स-साना च्याउका दाना पिन देखिन्छन् । सो भोला खोलेको ५-७ दिनमा च्याउ टिप्न तयार हन्छ ।
- १२. दिनको २-३ पटक जिमनमा पानी छुर्कने ।
- १३. एउटा डल्लो (Ball) मा ३-४ पटकसम्म च्याउ फल्दछ।

#### १६ पोष्टहार्भेष्ट

#### ताजा कृषि उपजहरूको भण्डारणको मापदण्ड तथा सेल्फ लाईफ सुरक्षित राख्न सकिने अवधि

बजारको माग बमोजिमको परिपक्व अवस्थामा लिईएको बाली खाँदा स्वादिलो हुने, तरकारी तथा फलफूलहरुलाई बारीबाट भखेरै टिपेको जस्तो ताजा अवस्थामा राखी भण्डाराण अविध लम्व्याउँदा हतारमा सस्तोमा बेच्नु पर्ने बाध्यता नपर्ने; बजारको माग बमोजिमको परिपक्व अवस्थामा लिईएको बाली खाँदा स्वादिलो हुने, बिक्री गर्ने अविध बढाउन सिकने, रुप, स्वाद र बासना कायम रहने; उपजको गुणस्तरमा विश्वसनियता बढ्ने; कोस्मेटिक भ्यालु पनि बचाउन सिकने भएकाले स्तरीय उत्पादनलाई सेलार, रिष्टिक, शुन्य शक्ति वा कोल्डस्टोरमा राखी सेल्फ लाईफ बढाउन सिकने सम्बन्धी विवरण तल दिईएको छ,।

क्र स	बालीको	भण्डारण गर्ने	उपयुक्त	अधिकतम	अनुमानित
	नाम	उपयुक्त	आद्रता	चिस्यान	भण्डारण अवधि
		तापक्रम			
٩	स्याउ	8	९०-९५	- ዓ.ሂ	१-२ महिना
२	सुन्तला	8-9	९०-९५	- 9.9	२-४ हप्ता
Ą	केरा	१३-१४	९०-९५	- 0.5	१-४ हप्ता
8	अम्वा	४-१०	९०		२-३ हप्ता
ሂ	भुईकटहर	७-१३	<b>5</b> x-९0	- 9.9	२-४ हप्ता
Ę	रुख कटहर	१३	<u>८</u> ४-९०		२-४ हप्ता
9	नास्पाती	- 9.X- O.X	९०-९५	- ৭.৩	२-७ महिना
5	अनार	५-७.२	९०-९५	- ₹.0	२-३ महिना
9	किवि	0	९०-९५	- 0.8	३-५ महिना
90	लिचि	9-२	९०-९५		३-५ हप्ता
99	भुई स्याउ	१३	९०-९५	- २.२	२-४ हप्ता
92	आँप	१३	5X-90	- 9. ¥	२-३ हप्ता
१३	मेवा	७-१३	<u>८</u> ४-९०	- 0.8	१-३ हप्ता
98	एभोकाडो	३-७	<u>८</u> ४-९०	- 9.8	२-४ हप्ता
৭५	साग	0	९०-९५		७-१४ दिन
१६	हरियो केराउ	٥.٩	९०-९८	- o.ę	१-२ हप्ता
ঀ७	टाटे सिमि	0	९०-९५		१-२ हप्ता
ঀৢৢ	गाजर	0	९८-१००	- 9.¥	६-८ महिना

किष डायरी २०७१

				d)	षि डायरी २०७१
१९	भेडे खुर्शानी	७-१०	९४-९८	-0.6	२-३ हप्ता
२०	हरियो खुर्शानी	५-१०	<u>=</u> X-8X	- O <sub>.</sub> O	२-३ हप्ता
२१	करेला	90-93	<b>5</b>		२-३ हप्ता
२२	खर्वुजा	१७-१४	९०	- O.X	२ण३ हप्ता
२३	कागती	१०-१३	<b>5</b>	-9.8	१-६ महिना
२४	जुकीनी फर्सी	७-१०	९५	- O.X	१-२ हप्ता
२५	स्थानीय फर्सी	१२-१५	<u>х</u> о-00	- 0.5	२ - ३ महिना
२६	पाकेको टमाटर	<b>5-90</b>	5X-80	- O.X	१-३ हप्ता
२७	रामतोरीया	90-97	९०-९५		१-२ हप्ता
२८	दाल	-	-	=	-
२९	अन्न बाली	-	-	=	-
30	आलु (बर्षे)	१०-१४	९०-९५	- 0.5	१०-१४दिन
39	प्याज (सुकेको)	0	६४-७०	-0.5	१-८ महिना
32	गोलभेडा (	90-9३	९०-९५	-o.X	२-५ हप्ता
	छिप्पेको)				
३३	लसुन (सुकेको)	0	६५-७०	-0.5	६-७ महिना
३४	ताजा अदुवा	१३	६५		६ महिना
३५	चमसुरको साग	0	९९-१००	- 0.7	२-३ हप्ता
३६	कुरीलो	२.५	९५-१००	-0.€	२-३ हप्ता
३७	भण्टा	90-9२	९०-९५	-0.5	१-२ हप्ता
३८	मुला	0	९५-१००	- 0.9	१-२ महिना
३९	काउली	0	९४-९८	- O.5	३-४ हप्ता
४०	बन्दा	0	९५-१००	- 0.9	२-३ महिना
४१	ब्रोकाउली	0	९५-१००	- O.Ę	१०-१४ दिन
४२	पालुङ्गो	0	९५-१००	- O.₹	१०-१४ दिन
४३	मह		<u>८</u> ४-९०		
४४	च्याउ	0	९०	- 0.9	७-१४ दिन
४४	सखरखण्ड	<b>१३-</b> १४	5X-9X	- 9.३	४-७ महिना
४६	दुध	५ वा कम			
४७	काँको	90-9२	5X-80	- o.X	१०-१४ दिन
४८	अण्डा	9	-	-	-
४९	रातो मासु	¥	-	-	-
५०	ताजा माछा	¥.	-	-	-

श्रोतः पोष्टहार्भेष्ट व्यवस्थापन निर्देशनालय

#### **१७. कृषि इन्जिनियरिङ्ग**

#### १७.१ व्यवसायिक रूपबाट उत्पादित कृषि औजार/उपकरणहरू

क्र.सं.	मेसिनको नाम	मेसिनको काम	किसिम	क्षमता	स्थानीय उत्पादक
9	कोदो चुट्ने र फल्ने मेंसिन	कोदो चुट्ने र फल्ने	खुट्टाले चलाउने विजुलीको मोटरबाट	एक घण्टामा ४० देखि ६० के.जी. सम्म कोदो चुट्न र फल्न सिकने एक घण्टामा ६० देखि ६० के.जी. सम्म कोदो चुट्न र फल्न सिकने	जे.वी. वर्कशप, ग्वार्को, लिलतपुर फोन नं. ९८४१२३९३४६
२	मकै छोड्याउने मेसिन	मकै छोड्याउने	हातले चलाउने	१४ के.जी. प्रति घण्टा	जे.वी. वर्कशप, ग्वार्को, ललितपुर फोन नं. ९८४१२३९३४६
nv	ज्याब सिडर	मकैको बीउ र मल एकै साथ रोप्ने । खनजोत नगरिएको जग्गामा पिक मकै लगाउन सिकने ।	हातले चलाउने	एक घण्टामा १ रोपनी सम्म रोप्न सक्तिने	
8	धानको भार गोड्ने मेसिन	लाइनमा रोपेको धान खेतमा भारलाई उखेली माटोमा नै मिलाइ दिने	हातले चलाउने	एक रोपनी धान खेतमा यस मेसिनको प्रयोगले ४/६ घण्टामा गोड्न सिकने	जे.वी. वर्कशप, ग्वार्को, लिलतपुर फोन नं. ९८४१२३९३४६
X	बीउ सफा गर्ने मेसिन	यस मेसिनबाट रायो, मूला, केराउ, रामतोरिया, भटमास, सिमीको बीउ सफा गर्न सकिने	हातले चलाउने	प्रति घण्टा ६० देखि ८५ के.जी. बिक सफा गर्न सिकने	जेन्यून ईन्जिनियरिङ्ग वर्कशप, ग्वाकों, ललितपुर फोन नं. ९८४१२११२२३
Ę	एइडि कफि पल्पर	कफिको बोक्रा छोडाउने	हातले चलाउने	६० के.जी. प्रतिघण्टा	जे.वी. वर्कशप, ग्वार्को, ललितपुर

					युग्य जायरा ४००।
			खुट्टाले	१०० देखि	फोन नं.
			चलाउने	१२० के.जी.	९८४१२३९३४६
				प्रतिघण्टा	
			विज्लीको	१२० देखि	
			मोटरबाट	१५० के.जी	
				प्रति घण्टा	
૭	थ्रेसर	धान, गँहु चुट्ने	खुट्टाले	६० के.जी.	जेन्यून
			चलाउने	प्रति घण्टा	ईन्जिनियरिङ्ग
				चुट्न सिकने	वर्कशप, ग्वार्को,
					ललितपुर
					फोन नं.
					९८४१२११२२३
5	यूरिया	यूरिया	हातले	१६X१२X६	जे.वी. वर्कशप,
	मोलासिस ब्लक	मोलासिस	चलाउने	से.मी. को	ग्वार्को, ललितपुर
	बनाउने प्रेस	ब्लक बनाउने		ब्लक एकै	फोन नं.
				पटक तिनवटा	९८४१२३९३४६
				बनाउन	
				सकिने	

(श्रोत: कृषि इन्जिनियरिङ्ग महाशाखा, खुमलटार)

#### १८ कृषि बजार

#### १८.१ कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन तथा बजार विकास निर्देशानलयको कार्य तथा सेवा क्षेत्रहरू

#### 9) बजार पूर्वाधार निर्माण तथा सुदृढिकरण

- कृषि थोक बजार, संकलन केन्द्र, हाट बजार तथा खुद्रा बिक्री कक्ष निर्माण, सुधार तथा विकास ।
- शित भण्डार विकास तथा प्रवर्द्धन ।
- > सार्वजनिक नीजि साभेदारीमा कृषि बजार विकास

#### साभोदारीमा बजार पूर्वाधार निर्माण प्रकृयाको विवरण

क्र.सं.	साभोदार निकाय	साभ्जेदारीका लागि न्यूनतम शर्तहरु	प्रस्तावत पेश गर्ने तरीका
q.	<ul> <li>र्कृषक समूह / सहकारी</li> <li>गैरसरकारी संस्था</li> <li>उद्योग वाणिज्य संघ, संगठन</li> <li>संघ / संस्था</li> </ul>	<ul> <li>जग्गाको व्यवस्था (लिखित रुपमा)</li> <li>प्रस्ताबित जग्गामा विवाद नभएको</li> <li>व्यावसायिक उत्पादन क्षेत्र वा शहरी क्षेत्र (खरीदिवकी हुन सक्ने)</li> <li>अर्को पुर्वाधार नभएको वा भएपिन अपर्याप्त</li> <li>माग गर्ने साफेदार निकाय संग केही (किम्तिमा १५%)</li> <li>म्याचिङ्ग फण्ड</li> </ul>	राष्ट्रिय पत्रिकामा प्रकाशित सूचनाको आधारमा उल्लेखित कागजात सहित जिल्ला कृषि विकास कार्यालयमा पेश गर्ने

#### 🗲 सरकारीस्तरबाट निर्माण गरिने कृषि बजार पूर्वाधारहरुको लागि आधारभूत शर्त

- जग्गाको स्वामित्व सरकारी वा सार्वजिनक निकायको नाममा हुनु पर्दछ ।
- कृषि उपज बजार स्थलको व्यवस्था तथा संचालन सम्बन्धी निर्देशिका २०५३ ( संशोधनसिंहत)को आधारमा कृषि बजार सञ्चालक समितिको गठन हुनेछ ।

#### कृषि बजार केन्द्र निर्माणको लागि आवश्यक न्यूनतम क्षेत्रफल र प्राथमिकता प्राप्त पूर्वाधारहरु

क्र.सं.	बजार स्थलको प्रकार	न्यूनतम आवश्यक क्षेत्रफल *		प्राथमिकता प्राप्त पूर्वाधारहरु		
		तराई	पहाड			
٩	थोक बजार	१.५ विगाहा	१ विगाहा	कम्पाउण्ड वाल, एप्रोच रोड, शौचालय, कार्यालय, सूचना केन्द्र, स्टोर∕गोदाम, खानेपानी		
२	खुद्रा बजार	२ कहा	१.५ कहा	स्टल, स्टोर, खानेपानी, शौचालय		
*	संकलन केन्द्र	३ कहा	१.५ कट्ठा	सेड, स्टोर, तौलिने सुविधा, खानेपानी, सूचना-संचार सुविधा		
γ	हाट बजार (संकलन केन्द्र सहितको)	१० कहा	४.५ कहा	सेड, शौचालय, खानेपानी, सूचना-संचार सुविधा		
X	हाट बजार (संकलन केन्द्र बाहेकको)	७ कहा	४ कड्डा	सेड, शौचालय, खानेपानी		

#### २) कृषि उपजको बजार सूचना संकलन, विश्लेषण र प्रवाह

- 🕨 खाद्य सुरक्षा सम्बन्धी सूचना संकलन, विश्लेषण तथा प्रवाह ।
- कृषि उपज बजारको खुद्रा,थोक, सिमावर्तिय खुद्रा मूल्य संकलन, विश्लेषण तथा पवाड ।
- राष्ट्रिय स्तरमा २१ जिल्लाहरुको खुद्रा मूल्य मात्र समावेश पहाडी जिल्लाहरु : १३ - अछाम, भोजपुर, धनकुटा,डोटी, इलाम, जुम्ला, कास्की, काठमाण्डौं, नुवाकोट, पाल्पा, रोल्पा, रामेछाप, सुर्खेत तराई जिल्लाहरु : ८ - कैलाली, बाँके, रुपन्देही, चितवन, धनुषा, भापा,
- 🗲 १६ जिल्ला किष विकास कार्यालयहरुद्वारा थोक मूल्य पाक्षिक रुपमा संकलन

पूर्वाञ्चल : धनक्टा, भापा, मोरङ्ग

मोरङ्ग. पर्सा

पश्चिमाञ्चल : कास्की, पाल्पा, रुपन्देही

मध्यपश्चिमाञ्चल : सुर्खेत, बाँके

सूद्रपश्चिमाञ्चल : डोटी, कैलाली, कन्चनपुर

agribiz.gov.np वेभसाइटमा कृषि व्यवसाय/बजार सम्बन्धी निर्देशिका, कार्यविधि र सुचना पिन प्राप्त गर्न सिकने

#### ३) कृषि वस्तु निर्यात प्रवर्द्धन कार्यक्रम

#### मुख्य सेवाको विवरण र प्रकृया

ऋ.सं.	सेवा क्षेत्र	प्रकृया		
٩.	प्राङ्गारिक कृषि उपज निर्यातका लागि अनुदान	राष्ट्रिय पत्रिका सूचना		
		प्रकाशन भए अनुसार		
₹.	युवा/विदेशबाट फर्केका/स्नातक/बेरोजगारहरुलाई	राष्ट्रिय पत्रिका सूचना		
	निर्यात मूलक कृषि व्यवसाय स्थापना/उत्पादन र	प्रकाशन भए अनुसार		
	निर्यातमा ब्याज अनुदान	बैंकबाट लिईने कार्यको		
		ब्याज अनुदान		

#### ४) लाभ लागत विश्लेषण

<b>क</b> .			उत्पादन( केजी	उत्पादन लागत (रु	कुल आम्दानी	खुद नाफा	आम्दानी खर्चको
न. स.	बाली	जिल्ला	प्रति हे)	प्रति हे)	(रु प्रति हे)	(रु प्रति हे)	अनुपात
	धान		,	,	,		
		भापा	४,३१५	६८,१६४	७५,०९५	६,९३१	9.90
		सुनसरी	४,०१०	६२,२९९	६७,९६७	५६६,८३५	१.०९
9	धान (	सप्तरी	३,७३४	५६,०२५	६१,६८८	५,६६३	9.90
٦	चैते)	बारा	३,९१७	५६,३९०	६५,४११	९,०२१	१.१६
		नवलपरासी	३,९८१	६१,०४१	६४,४२४	३,३८३	१.०६
		सुर्खेत	३,८६५	५४,५४७	६२,१८१	७,६३४	9.98
	उन्नत धान सिंचित	सुनसरी	४,१२५	६७,२२५	७४,९७०	૭,૭૪૪	9.9२
		चितवन	४,०२०	७१,२६९	७३,८१३	२,५४४	9.08
२		दाङ्ग	३,६८२	५८,०८२	६५,६६५	७,५८३	9.93
		नवलपरासी	३,८८६	६८,९२४	७०,३८८	१,४६५	9.02
		कञ्चनपुर	३,७१२	५८,७०४	६४,७०६	६,००२	9.90
	गहुँ						
w	उन्नत गहुँ असिंचित	पाँचथर	३,०५१	५३,९७५	५७,१२०	३,१४४	१.०६
		दार्चुला	२,८८०	६०,९५०	१२३,४१८	६२,६६८	२.०२
		संखुवासभा	२,९८४	४४,०१६	६४,२०८	२०,१९२	१.४६
		दालखा	२,९९२	४४,७६०	५८,०९१	9३,३३9	9.30
		वभाङ्ग	२,९४०	५५,५५४	८९,८७२	३४,२८८	<b>१.६२</b>
8	उन्नत	मोरङ्ग	३,४१२	६०,०३०	६६,२२८	६,१९९	9.90
۰	गहुँ	कपिलवस्तु	३,२८८	५०,१३०	६२,८४०	१२,७१०	१.२५

						कृषि डायर	1 2004
	सिंचित	दाङ्ग	३,२४६	५१,२१५	६२,८८१	99,६६६	<b>१.२३</b>
		कैलाली	३,२६८	५४,५२६	६२,६४३	८,११७	٩.٩٤
		सर्लाही	३,२८९	५२,९५५	६३,१९४	१०,२४०	9.98
	मकै						
		पाँचथर	३,३४६	४२,११९	५३,७७३	११,६५४	१.२८
		भोजपुर	३,२०५	४३,६३२	५१,७७१	<b>८,</b> १३९	9.98
	उन्नत मकै	रामेछाप	३,२५२	४६,७४१	५५,०४२	द,३ <b>०</b> १	৭.৭৯
¥	मक असिंचित	लमजुङ्ग	३,१५२	४५,८६१	४३,६८८	७,८२७	৭.৭७
	जातात्रत	प्यूठान	३,११५	४६,३०३	५०,३०९	४,००६	9.09
		डडेलधुरा	३,२१०	४७,११३	५४,५७९	७,४६६	१.१६
		चितवन	३,६१२	६०,३५८	६१,९६९	१,६१०	9.0३
		सिराहा	३,४१७	४८,१६६	५४,८१२	६,६४६	9.98
	उन्नत	उदयपुर	३,३७२	४७,१७५	५७,६७०	१०,४९५	9. २२
Ę	मकै	सर्लाही	३,३७ <del>८</del>	४८,१८१	५४,७३३	६,४४२	9.98
	सिंचित	रुपन्देही	३,४८९	५२,२९८	६०,१३७	७,८३९	٩.٩٤
		बाँके	३,२९२	५०,७४३	५३,४९१	२,७४८	१.०५
		कञ्चनपुर	३,३०२	४८,६११	५३,२४३	४,६३२	9.90
	आलु						
	उन्नत	रसुवा	१८,८९२	२०७,७६१	३७,८४०	१७०,०७९	<b>१.</b> ८२
૭	आलु						
	असिंचित	मकवानपुर	१९,९२३	२२८,२८७	३९०,४९०	१६२,२०५	9.99
	उन्नत	दाङ्ग	१९,९१०	२१७,०९१	३४६,४३४	१२९,३४३	१.६०
5	आलु						
	सिंचित	उदयपुर	१८,८९७	२१५,३१०	३३०,६९७	११४,३८७	9.48
	काउली						
	उन्नत	भक्तपुर	१७,१६३	१५२,३०६	३४८,४०९	१९६,१०२	२.२९
९	काउली 						
	असिंचित(		05.0340	0.0 11100	277.002	2211 22 6	2.010
	बेमौसम)	धनकुटा	१६,९४१	१०८,५७२	383,907	२३४,३३०	३.१७
9.0	उन्नत	तनहुं	१९,८९०	९३,६२८	२४३,६५२	१५०,०२४	२.६०
90	काउली ( मौसमी)	तारा	29 320	99-8-19	23-19-X	99919	2 00
	बन्दा	बारा	२१,३२०	११८,९८७	२३८,७८४	११८,८९७	२.००
	<b>अन्या</b> उन्नत						
	बन्दा						
	असिंचित						
99	(मौसमी)	काभ्रेपलाञ्चोक	२४,१२६	११८,०८९	३००,३६९	१८२,२८०	२.५४
- ' '	उन्नत	पाल्पा	२५,८४०	99,922	३०७,४९६	२०८,३७४	3.90
	बन्दा		(-1)	,	, , , , ,	. 7, .	
92	सिंचित (						
	मौसमी)	बर्दिया	२३,९१२	द्ध <u>,</u> ४२१	२६३,०३२	१७६,६११	₹.0४
	गाँजर						
0.5	उन्नत	कञ्चनपुर	१४,१२८	७२,८७५	५२४,८५५	४५१,९८०	७.२०
93	गाँजर	नवलपरासी	१४,७९४	द२,३९ <b>०</b>	५५५,०७१	४७२,६८१	६.७०
	1			. , , , ,			1

			1		ı	ı	1
	सिंचित (	सर्लाही	१४,५१३	७५,८०३	२७६,४७३	२००,६६९	३.६५
	मौसमी)	धनकुटा	१४,०५२	७०,९९४	२६९,६७०	१९८,६७६	३.८०
	मूला						
	उन्नत	भक्तपुर	२१,९८०	द२, <u>५</u> २७	३१२,११६	२२९,५९०	३.७ <del>८</del>
98	मूला	नुवाकोट	२४,८५२	७२,८२०	२००,०५९	१२७,२३८	ર. ૭૪
1 °	असिंचित	धनकुटा	२३,९५०	६४,९९४	१९३,९९५	१२९,०००	२.९८
	(मौसमी)	प्यूठान	२३,५८०	६६,८२४	१२२,६१६	५५,७९२	१.८३
	केराउ						
	उन्नत	काभ्रेपलाञ्चोक	१५,८९३	१२८,५४९	३६९,३५३	२४०,८०४	२.८७
0.14	केराउ	उदयपुर	१४,४८१	१०४,३१०	३२२,३१४	२१८,००४	३.०९
१४	सिंचित (	सर्लाही	१६,३३२	९४,१२२	३२३,७००	२२९,५७८	३.४४
	मौसमी)	नवलपरासी	१६,४३५	999,३४9	३२५,७४१	२१४,३९१	२.९३
	टमाटर						
	उन्नत	बाग्लुङ्ग	१९,८७९	९१,१८३	४०१,९५३	३१०,७७०	४.४१
0.5	टमाटर	-					
१६	असिंचित						
	बेमौसमी)	काठमाडौं	२०,१२२	१३४,३८१	४४४,६९६	३१०,३१५	३.३१
	उन्नत	धादिङ्ग	२०,८७७	११३,४१४	२६८,२६९	१५४,७५६	२.३६
ঀ७	टमाटर (						
	मौसमी)	सर्लाही	१८,९१०	द्ध <u>५,</u> १६४	२३२,५९३	१४७,४२९	२. ७३
	भण्टा						
	उन्नत	रौतहट	१९,०४८	१४५,४६२	२४९,५२९	१०४,०६७	<b>१.७</b> २
१८	भण्टा						
12	असिंचित(						
	मौसमी)	कपिलवस्तु	१८,२५६	११२,०१५	२३७,३२८	१२५,३१३	२.१२
	बोडी						
	उन्नत	ललितपुर	२४,३२२	२२७,१४७	३९४,५०३	२६७,३५६	३.१०
१९	बोडी	बैतडी	२३,६९९	११०,९१०	३६३,७८०	२५२,८७०	३.२८
	असिंचित(	_					
	मौसमी)	कपिलवस्तु	२४,८१३	९३,८५४	४५२,८३७	३५८,९८३	४.५२
	करेला						
	उन्नत	सर्लाही	१६,६७७	७४,६४२	३८०,२३६	३०५,५९४	५.०९
२०	करेला ०:०	सुनसरी	१६,३४२	द६,१६२	३७७,५००	२९१,३३८	४.३८
	असिचित(	, ,					
	मौसमी)	काभ्रेपलाञ्चोक	१४,९८२	९४,३३३	३७१,५८१	२७७,२४९	३.९६
	लसुन						
	उन्नत	भक्तपुर	१७,४८३	३२४,०७६	२,४५४,३४०	२,१३०,२६४	७.५७
२१	लसुन	रामेछाप	१७,९३९	३३६,१२८	१,६१९,८३०	१,२८३,७०२	४.८२
	असिंचित(		0-005	2011 0-12	0 1022 7111	0 ×2- 25	
	मौसमी)	नुवाकोट	१८,१९३	३०५,०८७	१,७३३,४५५	१,४२८,३६८	४.६८
	प्याज		0 000	160.003.45	2772.2511	055 00	2.55
55	उन्नत	उदयपुर —	१८,१६२	७४,५४६	२४२,३६५	१६६,८१९	3. 79
२२	प्याज	पसो	१९,२३४	९३,९७४	२४१,७२७	१४७,७५३	२.५७
	असिचित(	सुर्खेत	१८,२६४	७८,६६८	२४३,९४८	१६५,२८०	३.१०

	मौसमी)					"""	
	अदुवा						
	उन्नत	सल्यान	२२,६५२	५२५,९५९	१,०५४,७७०	<b>४</b> ४९, <b>८</b> ११	२.०६
२३	अदुवा	ईलाम	२०,४४५	४९३,९७३	९९७,८४०	५०४,७६७	२.०२
7.2	असिंचित(						
	मौसमी)	धादिङ्ग	२१,२५६	५१५,२१७	१,०१८,३३२	५००,११५	१.९७
	उखु						
		सुनसरी	४,४४८	१२३,२६२	२,१३९,४८८	२,०१६,२२५	१७.३६
28	उन्नत	महात्तरी	४,४५६	११४,८०६	२,१४३,३३६	२,०२७,५३०	१८.५१
40	उखु सिंचित	पर्सा	४,४८९	१२४,०६१	२,१५९,२०९	२,०३४,१४८	१७.४०
	ासायरा	नवलपरासी	४,३१२	१२४,९७०	२,०७४,०७२	१,९४८,१०२	१६.४६

# ५) कृषि थोक बजारहरुको विवरण

क. स	थोक बजारको नाम	जिल्ला	फोन नं.	मोवाइल नं
٩	कालिमाटी फलफूल तथा तरकारी थोक बजार,काठमाडौं	काठमाण्डौ	५१२३१२८/ ५१२३०८६	
२	कृषि उपज थोक बजार, विर्तामोड	भ्रापा	०२३-४०००२/ ४५५०५६	९ <i>=</i> ५२६७९१२५
n	कृषि उपज थोक बजार, धरान	सुनसरी	०२५-५६०१२४	९८४२१३१६१९/ ९८४२०२६०२८
8	कृषि उपज थोक बजार, ढल्केवर	धनुषा	०४१-४६००५८	९८०४८३४८४६
¥	कृषि उपज थोक बजार, बर्दिवास	महोत्तरी	०४४-५३०१७९	
Ę	कृषि उपज थोक बजार, लालबन्दी	सर्लाही	०४६-५०१०४७	९८४४०३२१३७/ ९८४४२०५७०३
૭	कृषि उपज थोक बजार, नवलपुर	सर्लाही	०४६-५७०२२८	९८४४०३४३३४
5	कृषि उपज थोक बजार, चरिकोट	दोलखा	०४९-४२०११३०	९८४४०५९९५६
9	कृषि उपज थोक बजार,सिन्धुलीमाढी	सिन्धुली	०४७-५२०४५४	९८४४०४५५००
90	कृषि उपज थोक बजार नारायणघाट	चितवन	०५६-५७०५७२	९८५५०५६६९१
99	कृषि उपज थोक बजार, धुषा	धादिङ्ग	०१०-४२०१२८	९८०८९८३३०४/ ९८०८६६६९१७
92	कृषि उपज थोक बजार, पोखरा	कास्की	०६१- ५३२५९२	९८५६०२१४१४
93	कृषि उपज थोक बजार, त्रियासी	स्याङजा	०६३-४२०१३०	९८४१३१६८९९/ ९८४१३१७६९९
98	कृषि उपज थोक बजार कावासोती	नवलपरास ी	०७८-५२०१२६	९८५७०४००६९

१४	कृषि उपज थोक बजार, बुटवल	रुपन्देही		९८५७०३१०९४/ ९८४७०२४१६९
१६	कृषि उपज थोक बजार, मदनपोखरा	पाल्पा	०७५-५२०१४४	९८५७०६०२६१
१७	कृषि उपज थोक बजार, कपुरकोट	सल्यान	०८८-४२०१३०	९७५८५००४७८
१८	कृषि उपज थोक बजार, घोराही	दाङ्ग	०८२-४६००२४	९८४७८४९८४६/ ९८४७८४ <u>५</u> ६८७
१९	कृषि उपज थोक बजार लम्ही	दाङ्ग	०८२-५४०५८१	
२०	कृषि उपज थोक बजार, कोहलपुर	बाँके	०८१-५४१८४०	९५५५०२३३४१/ ९५४५०३४०३०
२१	कृषि उपज थोक बजार ,सुर्खेत	सुर्खेत	०८३-४२०३०४	९८४८०४७०६६/ ९८४८२३१४३१
२२	कृषि उपज थोक बजार, अत्तरिया	कैलाली	०९१-४४११२४/ ४२१२२७	

# ६) प्राईभेट वजारहरु

	कृषि उपज बजारको नाम	बजारको प्रकृति	बजारको अध्यक्ष / सदस्यको नाम	जिल्ला	फोन नं.
٩	श्री कम्पलेक्स प्रा.लि., पोखरा	थोक बजार	श्री भालक श्रेष्ठ	कास्की	९८५६०२९८४८
٦.	वल्खु कृषि वजार	थोक बजार ⁄खुद्रा		ललितपुर	९८५१०४५५९१
¥	कृषि वजार,खसी वजार	थोक बजार		काठमाडौं	
٧	कृषि बजार ,नयाँ वानेश्वर	थोक बजार		काठमाडौं	

# १५. बेमौसमी तरकारी उत्पादनको लागि प्लाष्टिक घर

प्रतिकुल मौसममा पिन बिरुवालाई अनुकुल वातावरण सिर्जना गरी बेमौसमी तरकारी उत्पादन गर्न प्लाप्टिक घरको प्रयोग गर्ने गरिन्छ । नेपालमा वर्षा याम (जेठदेखि भदौ मिहनासम्म) वर्षाबाट जोगाउन र हिउँदयाम (मिसरदेखि फाल्गुनसम्म) चिसोबाट बिरुवालाई जोगाउन तराई तथा मध्य पहाडी भागमा प्लाप्टिक घरको प्रयोग गरिदै आएको छ भने उच्च हिमाली भागमा तापक्रम वृद्धि गरि गोलभँडा काँका जस्ता बढी तापक्रम चाहिने तरकारीको उत्पादनको लागि प्लाप्टिक गुमोज प्रयोग गरिदै आएको छ । प्लाप्टिक घरको महत्वलाई विचार गरेर कृषि प्रसार कार्यक्रम कार्यान्वयन निर्देशिका तथा नर्मस्मा तराई, मध्य पहाड तथा उच्च पहाडमा प्लाप्टिक घर निर्माणको मोडेल तथा लागत समेत तोकी ज्यामी र बाँस खर्च बाहेकको तोकिएको लागतमा ५० प्रतिशत अनुदानको कार्यक्रम जिल्लाहरुबाट संचालन गर्न सिकने व्यवस्था गरिएको छ ।

# प्लाष्टिक घर निर्माणको लागि जग्गा छनौट

- कम्तिमा ६ घण्टाभन्दा बढी दैनिक घाम लाग्ने , हावा खेल्ने तर हरी बतास नचल्ने
- कम्तिमा पनि ५ मिटर भन्दा बढी चौडाई भएको जिमन

### प्लाष्टिकको प्रयोग

नेपालमा प्लाष्टिक घरको लागि सामान्यतया सूर्यको पराबैजनी किरणले असर नगर्ने सिल्पाउलिन(Silpaulin) प्लाष्टिकको प्रयोग गरिदै आएको छ तर इजरायल, भारत लगायतका व्यवसायिक तरकारी खेती गर्ने देशमा सूर्यको प्रकाश प्रशस्त छिनें गरी निर्माण गरिएको प्लाष्टिकको प्रयोग गर्ने गरिएको छ ।

नेपालमा सामान्यतया ४५ देखि ९० जि.एस.एम सम्मको पारदर्शी सिल्पाउलिन प्लिष्टिक प्रयोग गर्ने गिरएको छ भने बढी हावा चल्ने र असिना पर्ने ठाउँमा १२० जि.एस.एम सम्मको प्लाष्टिकको प्रयोग गर्ने गिरएको छ । जित बढी जि.एस.एम को प्लाष्टिकको प्रयोग गिरयो त्यित कम सूर्यको प्रकाश विरुवाले पाई उत्पादन घट्ने सम्भावना हुन्छ तसर्थ यिद हावा, हुरी र असिनाको प्रकोप कम छ भने ४५ जि.एस.एम को प्लाष्टिक प्रयोग गर्नु राम्रो हुन्छ । नेपालमा पिन कृषि कार्यको लागि लिक्षत विकसित देशहरुले प्रयोग गर्ने प्लाष्टिक समेत उपलब्ध हुन थालेकोले केही महंगो भएतापिन व्यवसायिक खेतीमा सो प्लाष्टिकको प्रयोगबाट उत्पादन बढाउन सिकने सम्भावना देखिएको छ ।

 प्लाप्टिक घरमा कीराको प्रकोप कम गर्न चारैतिर कीरा निछर्ने साईजको प्वाल भएको सेतो नाईलनको जालीको प्रयोग गर्न सिकन्छ ।

# प्लाष्टिक घरको निर्माण गर्दा ध्यान दिनु पर्ने कुराहरु

- घरको निर्माण गर्दा समुन्द्री सतहबाट उचाई, तापक्रम ,आद्रता, हाबाको बहाबको दिशा तथा लगाउने जातमा बिचार प्-याउन् पर्दछ ।
- समुन्द्री सतहबाट उचाइ कम भएको ठाउँ छ भने सामान्यतया तापक्रम बढी हुने हुँदा घर अग्लो बनाउनु पर्दछ । बढी उचाई भएको ठाउँमा तापक्रम कम हुने हुँदा तापक्रम बढाउन प्लाष्टिक घर होचो बनाउनु पर्दछ । ८०० देखि १९०० मिटर सम्मको उचाईमा धुरी खाँवाको उचाई ४ मी र छेउको खाँबा ३ मिटर, १९०० देखि १४०० सम्म धुरी खाँवा ३.५ र छेउको २.५ मी र १४०० देखि १९०० मी सम्म घुरी खाँबा ३ मी र छेउको खाँबा २ मी कायम गर्दा गोलभेँडा, काँका लगायतका तरकारी सफलतापर्वक बेमौसममा उत्पादन गर्न सिकन्छ ।
- बढी गर्मी हुने ठाउँहरुमा प्लाष्टिक घर निर्माण गर्दा हाबा ओहोर दोहर गर्ने ठाउँ (Ventilation) भएको बनाउनु पर्दछ । यसो गर्दा तापक्रम र आद्रता नियत्रण गर्न सहज भई रोग तथा कीराको प्रकोपलाइ न्युनिकरण गर्न सिकन्छ । अत्याधिक चिसो हुने क्षेत्रमा प्लाष्टिक घर निर्माण गर्दा तापक्रम बढाउन गुमोज आकारको प्लाष्टिक घर निर्माण गर्न पर्दछ ।
- तापक्रम र आद्रता नियन्त्रण गर्न प्लाष्टिक घरको आकार धेरै ठूलो बनाउन हुँदैन ( ठाउँको उपलब्धता अनुसार ५ देखि ६ मी चौडाई र १० देखी २५ मी. लम्बाई भएको घर उपयुक्त हुन्छ )
- प्लाष्टिक घर बनाउँदा उपयुक्त स्लोप मिलाउन आवश्यक हुन्छ अन्यथा प्लाष्टिकमा पानी तथा असिनाले क्षति पुर्याउने सम्भावना हुन्छ ।

# तरकारी बालीको खेती गर्दा ध्यान दिन्पर्ने क्रा

बाह्रै महिना एवं लगातार प्लाष्टिक घर भित्र एउटै तरकारी बालीको खेती गर्दा रोग तथा कीराको प्रकोप बढ्न जानुको साथै माटोको अवस्था पिन बिग्रन जाने हुदाँ एउटा तरकारी बाली लगाएपछि भटामास,बोडी लगायतको कोसेबाली पिरवारको बाली लगाइ फुल फुल्ने अवस्थामा पुगेपछि माटोमा जोतेर छोडिदिन राम्रो हुन्छ । एकचोटि तरकारी लिइसकेपछि चैत्र देखी जेष्ठ महिनाको पानी नपर्ने तथा बढी गर्मी हुने सिजनमा प्लाष्टिक घरको प्लाष्टिक हटाएर सयपत्री फूल वा तोरी रोपी १-१.५ महिनाको भएपछि माटोमा मिलाइ पारदर्शी प्लाष्टिकले ३० देखी ४२

दिनसम्म हावा निछर्ने गरी छोपेमा निमाटोड तथा अन्य माटोमा रहेका कीरा तथा रोगका जीवाणुलाइ नियन्त्रण गर्न सहयोग गर्दछ । प्लाप्टिक घरमा तरकारी लगाउँदा वर्षा याममा गोलभेँडा र हिउँद याममा काँका, जुकेनी लाभदायक देखिएको छ ।

## ६ मिटर चौडाइ र २० मिटर लम्बाईको प्लाष्टिक घर निर्माण गर्दा लाग्ने खर्च

				प्रति ईकाई मुल्य	
क्र.सं.	विवरण	इकाई	परिमाण	रु	जम्मा मुल्य रु
٩	बाँस	घना	३५	२००	७०००
	सिल्पाउलिन प्लाष्टिक	बर्ग			
२	४५ जि.एस.एम	मिटर	१५०	६०	९०००
ą	डोरी	के.जी.	२	900	२००
8	किला	के.जी.	٩	१५०	१५०
ሂ	तार	के.जी.	२	930	२६०
	मोबिल (प्रयोग				
Ę	गरिसकेको) वा अलकत्रा	लिटर	२	χo	900
૭	सामाग्री ढुवानी खर्च	रु		9000	9000
5	मिस्त्रि खर्च				
<b>5</b> .9	दक्ष	जना	X	900	३५००
<b>५</b> .२	अदक्ष	जना	ሂ	300	१५००
	जम्मा खर्च				२२७१०

नोट : प्लाष्टिकको मुल्य जि.एस.एम, अनुसार फरक पर्ने गर्दछ ।

सम्भनुपर्ने कुरा: प्लाष्टिक घर बेमौसमी तरकारी उत्पादनको पूर्वाधार हो यदि बढी उत्पादन तथा आम्दानी लिने हो भने उपयुक्त तरकारीको जातको छनौट, सिफारिस बाली व्यवथापन प्रविधिको अवलम्बन तथा बजारको माग अनुसारको उत्पादन गर्न आवश्यक हुन्छ ।

# २०. प्लाष्टिक पोखरी निर्माण

### परिचय

सिंचाईको सुविधा नपुगेको क्षेत्रहरुमा कम लागतमा वर्षातको पानी संकलन र जिमनमा बगेको भल पानीका साथै घर र गोठ/गुहालीमा परेको आकाशे पानीलाई संकलन गरी कृषकहरुलाई सिंचाई सुविधा उपलब्ध गराउन अनुदान सहयोग दिई कृषक वर्गमा राहत पुऱ्याउन प्लाष्टिक पोखरी निर्माण कार्य गर्न गराउन कृषि विभागले प्लाष्टिक पोखरी निर्माण कार्यविधि तथा नर्मस् २०७० कार्यान्वयनमा ल्याएको छ । प्रति प्लाष्टिक पोखरी २ देखि ३ रोपनी वा सो भन्दा बढी जमीनमा सिंचाई हुने गरी नेपाल सरकारको तर्फबाट प्लाष्टिक सिट र अन्य आवश्यक सामाग्री खरिदको लागि अनुदान सहयोग र उपभोक्ताको तर्फबाट पोखरी निर्माणको लागि खाडल खन्ने लगायत अन्य कामको लागि आवश्यक खर्च उपलब्ध गराई निर्माण गर्न सिकनेछ ।

## छनौट प्रक्रिया

- प्राविधिकको डिजाईन स्टिमेटको आधारमा बढी क्षमताको पोखरी निर्माण गर्न पनि सिकनेछ।
- छनौट भएका आयोजनालाई जिल्ला कृषि विकास कार्यालयले प्लाष्टिक सिट, गटर,
   पाइप तथा अन्य आवश्यक निर्माण सामाग्रीहरु अनुदान स्वरुप उपलब्ध गराउनेछ ।
- इरिगेसन ईन्जिनियरिङ्ग तालिम प्राप्त प्रा.स./ना.प्रा.स.ले स्थलगत सर्भेक्षण गरी लागत स्टिमेट तयार गरी स्वीकृतिको लागि जिल्ला कृषि विकास कार्यालयमा पेश गर्नु पर्नेछ ।
- प्लाष्टिक पोखरी सम्बन्धि अनुदान दिने अधिकार जिल्ला कृषि विकास कार्यालयको रहनेछ ।

### प्राविधिक पक्षहरु

- माटोको किसिम अनुसार प्लाष्टिक पोखरीको आकार निर्धारण गरिन्छ ।
- खाडलमा प्लाष्टिक विछ्याउनु अघि माटोलाई हिल्याई १५ सेन्टीमीटर जित ढुङ्गा रहित लेसिलो माटोले लेपन गर्नु पर्छ ।

- पोखरीमा चाहिने प्लाष्टिकको मोटाई २०० देखि २५० जी.एस्.एम. (Gram per square meter) को सिलपोलिन प्लाष्टिक हुनु पर्नेछ ।
- प्लाष्टिकको रङ्ग निलो हुन् पर्नेछ ।
- पोखरीको माथिल्लो सतहको लम्बाई र चौडाईभन्दा पिंधको लम्बाई र चौडाइ लगभग आधा मिटर कम हुनु पर्दछ
- पोखरीमा पानी भिरएपछि व्यवस्थित निकास दिनका लागि डिलको कुनै स्थानमा
   १५ सेन्टीमीटर गिहरो नाली बनाउनपर्छ ।

### आर्थिक पक्षहरु

- उपभोक्ताले आफ्नै पहलमा रकम नगद वा श्रमदान वा जिन्सी वा तिनै थरीको सहयोगमा इन्जिनियरिङ्ग तालिम प्राप्त प्रा.स. / ना.प्रा.स. वाट लागत स्टिमेट गराई खाडल खन्न् नेंछ ।
- जिल्ला कृषि विकास कार्यालयबाट कृषक समूह/कृषि सहकारी संस्था/उपभोक्ता सिमितिलाई अनुदान सहयोग नगद वा सो वरावरको सामाग्रीहरु (प्लाष्टिक सिट, गटर, पाइप तथा अन्य आवश्यक निर्माण सामाग्रीहरु) उपलब्ध गराउनेछ ।

# ११. पशु स्वास्थ्य

# पशुपंछीको सामान्य तापक्रम, नाडी र श्वास-प्रश्वास गति

जनावर	तापक्रम		नाडी ⁄ मिनट	श्वास	
	से.ग्रे	फरेनहाइट	1	प्रश्वास ⁄ मिनट	
गाई	३८.२-३८.९	909-90२	४०-६०	9 <b>२-</b> 95	
भैंसी	३८.३-३९.९	909-90२	४०-६०	१२ -१८	
घोडा	३८.०-३८.३	900.8 -900.5	30-80	<b>८-</b> 9६	
भेडा	₹ <b>९</b> .४-४०.०	१०३ -१०४	४४-७४	२०-३०	
वाखा	₹ <b>९</b> .४-४०.०	१०३ -१०४	४४-७४	२०-३०	
बंगुर	३७.९-३८.४	१०२ -१०३	६०-७४	२०-३०	
खरायो	३८.०-३८.५	१०१ -१०२	१२३ -३०४	३६-५०	
कुकुर	३८.३-३८.९	१०१ -१०२	९०-१२०	<del>20-80</del>	
विरालो	३८.३-३८.९	१०१ -१०२	900 -970	२०-३०	
कुखुरा	४१.१-४१.७	१०६ -१०७	१२० -१६०	१५ -६०	

# नरोगी र रोगी पशुहरूबीच भिन्नता

क्र.सं.	विवरण	निरोगी पशुहरु	रोगी पशुहरु
٩	पशुको रुप/चाल	राम्रो, सतर्क, फुर्तिलो	भुसिलो, फुर्तिलो नभएको
२	टाउको	उठेको वा ठाडो हुन्छ	भुकेको हुन्छ
æ	आँखा	पुरा खुलेको, चिम्कला	आधा खुलेको, कचेरा लागेको, कोषहरु बढी रातो
४	नाक/मुख	सामान्य	ऱ्याल/सिंगान बगेको
x	पशुलाई बोलाउँदाको प्रतिक्रिया	छिटो प्रतिक्रिया दिन्छ	ढिलो गरी टेर्छ
( <del>s</del>	गोबरको कडापन	सामान्य	बढी कडा वा पातलो, गन्हाउने, रगत मिसिएको
૭	<b>छाला</b>	नरम / सामान्य	खस्रो, रौ ठाडो भएको
5	कान	ठाडो / सामान्य	लत्रेको, कानबाट पीप बगेको
9	थुतुनो	ओसिलो	सुख्खा
90	दानापानीमा रुचि	सामान्य	कम खाने/खाँदैनखाने

99	नाडीको गति	सामान्य (४०-६० प्रति मिनेट)	बढ्ने वा घट्ने
9२	श्वासप्रश्वास	सामान्य (२०-२८ प्रति मिनेट)	श्वास फेर्न अप्ठ्यारो गर्ने ⁄ खोक्ने, गति बढ्ने वा घट्ने
9३	शरिरको तापक्रम	सामान्य (१०२ फरेनहाइट)	प्रायः बढ्ने
98	उग्राउने (पाहुर भिवने)	पाहुर भिनक्छ	पाहुर भिक्दैन

# १९.९ गाई-भैसी

# १. गाईका जातहरु

# क) नेपालमा पाइने स्थानीय जातका गाईहरु

गाईका जात	उत्पत्ति	विशेषताहरु
9. अछामी गाई	यस गाईको उत्पति अछाम जिल्लामा भएको भएता पनि बभाङ्ग, बाजुरा र डोटीमा समेत पाईन्छ।	<ul> <li>संसारको सबैभन्दा सानो मानिएको यस गाईलाई नौमुट्ठे गाई पिन भिनन्छ।</li> <li>यसको रंग कालो देखि सेतो, खैरो, खरानी, टाटेपाटे आदि हुन्छ।</li> <li>शारिरीक तौल १२० देखि १४० के.जी. सम्म भएको यस गाईले दानापानी कम खाने र रोग कम लाग्ने हुन्छ।</li> <li>दैनिक दूध उत्पादन १.४-२ लिटर र बिंढमा ४ लिटर सम्म द्ध दिएको पाईन्छ।</li> </ul>
२. लुलु गाई	यस गाईको उत्पति स्थान मुस्ताङ्ग भएता पनि डोल्पा र मनाङ्गमा समेत पाइन्छ ।	<ul> <li>जुर्रा नभएको, उच्च हिमाली भेगका सुख्खा चिसोमा पनि हुर्कन सक्ने, होचो कद, लामो पुच्छर, छोटा खुट्टा, वाक्ला रौं हुन्छ ।</li> <li>बयस्क भालेको शारिरीक तौल १५० देखि २२५ के.जी सम्म हुन्छ भने माउँको १२० देखि १६० के.जी. हुन्छ ।</li> <li>यसले सरदर दूध उत्पादन १.६ लिटर हुन्छ ।</li> </ul>
३. खैला गाई	यस गाईको उत्पतिसुदूर पश्चिमान्चल क्षेत्रमा भएको पाईन्छ ।	<ul> <li>रिसालु स्वभाव, शिरर बिलयो, जोत्नको लागि उपयुक्त अन्य स्थानिय जातका गाईहरु भन्दा ठुलो शिरर हुने</li> <li>दैनिक दूध उत्पादन सरदर २.५ लिटर दिन्छ ।</li> </ul>
४. याक/नाक		<ul> <li>समुद्र सतहभन्दा ३००० देखि ४५०० मिटर उचाई सम्म सिजलै हुर्कन सक्ने यसको भालेलाई याक र पोथिलाई नाक भनेर चिनिन्छ ।</li> <li>यसको रौ लामा, सिङ्ग तिखो, लामो र बिलयो, अत्यधिक चिसो सहन सक्ने क्षमता भएको,</li> <li>शारिरीक तौल औषत १९३ के.जि. र दैनिक दूध उत्पादन २</li> </ul>

	देखि ३ लिटर हुन्छ
५.चौरी गाई	<ul> <li>नाक र स्थानीय जातको वहरको कसवाट जन्मेको डिम्जो चौरी र याक र स्थानीय गाईको कसवाट जन्मेको लाई उराङ्ग चौरी भनिन्छ ।</li> </ul>
	<ul> <li>शारिरीक तौल २२० के.जी., दैनिक ४ लिटर दुध दिन्छ ।</li> </ul>

# (ख) नेपालमा पाईने उन्नत जातका गाईहरु :

गाईका जात	उत्पत्ति	विशेषताहरु
१। इका जात १. जर्सि गाई:	यसको उत्पति बेलायतको जर्सि टापुमा भएको हो ।	<ul> <li>यो करिव त्रिभुजाकार, रंग प्रायः रातो, खैरो वा कालो, डडाल्नु सिधा, फांचो र थुन ठुला, टाउको विचमा खोप्रो परे जस्तो, अनुहार छोटो र यसको भाले रिसालु हुन्छ ।</li> <li>सांढेको शारिरीक तौल ६७५ कें.जि. र माउको तौल ४५० कें.जि. हुन्छ ।</li> <li>प्रति वेत प्रति जनावर दूध उत्पादन ५००० देखि ६००० लिटर सम्म हुन्छ ।</li> </ul>
२. हॉलिस्टीन फ्रिजियन	यसको उत्पत्ति नेदरल्प्याण्डको फ्रिजल्याण्डमा भएको हो ।	<ul> <li>यो गाई संसारकै सवभन्दा बढी दुध दिने, सेतो, कालो, टाटेपाटे, ढाड अलि क्प्रेको, लामो र सांधुरो मुख, गाई सान्त स्वभावको र सांढे हिंसक स्वभावको हुन्छ ।</li> <li>साढेको शारिरीक तौल १००० के.जी र माउ ६७५ के.जी. सम्म हुन्छ ।</li> <li>दुध उत्पादन प्रति वेत ६५०० देखि ९००० लिटरसम्म भएतापनि ११००० लिटर भन्दा बढी दिएको पनि पाईन्छ ।</li> </ul>
३. ब्राउन स्वीस गाई	यसको उत्पति स्वीजरल्याण्डमा भएको हो ।	<ul> <li>यो गाई खैरो वा कालो रंगको, सुस्त र सोभो हुन्छ । प्रतिकुल मौसम खप्न सक्ने, डांडाकांडामा पिन पाल्न सिकने, गिर्ममा पिन पाल्न सिकने, गिर्ममा पिन पाल्न सिकने,</li> <li>शारिरीक तौल सांढेको ९०० के.जी. र माउको ६२५ के.जी. सम्म</li> <li>हुन्छ ।</li> <li>औसत दुध उत्पादन प्रतिवेत ५५०० लिटरसम्म पाईन्छ । पशु विकास फार्म, जिरी दोलखामा यो जातको गाई पालन गिरएको छ ।</li> </ul>
४. साहिवाल गाई	यसको उत्पत्ति पाकिस्तानको मन्टगोमेरीमा भएको हो ।	<ul> <li>चाकलो निधार, छोटा खुट्ग, छोट्ग सिङ पछाडी फर्केका, निकै ठुलो र लगभग एकतर्फ ढल्केको जुरो तथा माल भएको हुन्छ ।</li> <li>यसको रंग रातो र हल्का खैरो हुन्छ । यो एशियाको राम्रो दुधालु गाई हो । सांढेको तौल ५०० के.जी र माउको तौल ३४० के.जी. हुन्छ ।</li> <li>प्रतिवेत दुध उत्पादन १३४० लिटर हुन्छ ।</li> </ul>
५. रेड सिन्धी	यसको उत्पति	• यसको रंग रातो कालो, वोधो सिङ्ग भएको धेरै ठुलो जुरो तथा

	पाकिस्तानको	माल भएको, दिंडलो शरिर निकै शान्त प्रकृतिको, फांचो ठुलो र
	सिन्धु प्रान्तमा	तल भरेको हुन्छ।
	भएको हो	• सांढेको शारिरीक तौल ४५० के.जी. र माउको ३०० के.जी.
		सम्मको हुन्छ ।
		• औसत दुध उत्पादन प्रतिबेत १५०० देखि २२०० लिटर हुन्छ ।
६. हरियाणा	यसको उत्पत्ति	• यसको रंग सेतो, किसलो र अग्लो शरिर हुन्छ । यसको सांढे
गाई	भारतको	जोत्न र गाडा तान्न उपयुक्त हुन्छ । वयस्क गाईको तौल ५५०
	हरियाणामा	के.जी. हुन्छ ।
	भएको हो।	<ul> <li>प्रतिवेत औषत दूध उत्पादन १२०० लिटर हुन्छ ।</li> </ul>

# २.भैंसीका जातहरुः

# (क) नेपालमा पाईने स्थानीय जातका भैंसीहरु

भैंसीका	उत्पत्ति	विशेषताहरु
जात		
(9) लिमे भैंसी	यसको उत्पत्ति पश्चिमान्चल क्षेत्रको कास्की, स्याङ्गजा, पर्वत, वाग्लुङ्ग तनहुं र लम्जुङ्गमा भएको हो।	<ul> <li>स्थानीय भैसी मध्ये सबैभन्दा सानो जातको भैंसी हो । यसको सिङ्ग धांटीतिर घुमेको हंसिया आकारको हुन्छ ।</li> <li>भैसीको शारिरीक तौल औषत ३१० देखि ३१५ के.जी र यसको प्रतिवेत दूध उत्पादन १०४८ लिटर हुन्छ ।</li> <li>यो भैंसीको संख्या घट्दो क्रममा भएकोले संरक्षणको लागि ध्यान पुऱ्याउन आवश्यक छ ।</li> </ul>
(२) पार्कोटे भैसी	यो जातको भैंसी मध्य पहाड देखि उच्च पहाडमा पाइन्छ।	<ul> <li>यसको रंग कालो हुन्छ । तर किंहकहीं खैरो र हल्का खैरो रंगमा पाइन्छ । अनुहार लाम्चो, टाउको चेप्टो, सिंङ्ग तरवार आकारको र शारिरीरको पछाडी भागितर फर्केको हुन्छ ।</li> <li>दूध उत्पादन प्रतिवेत १००० लिटर हुन्छ ।</li> </ul>
(३) गड्डी भैसी:	यसको उत्पत्ति सुदूर पश्चिमान्चलको पहाडी भेगमा भएको हो ।	<ul> <li>यसको रंग कालो र निधारमा सेतो थोप्ला तारो भएको कहिकतै खैरा र फिक्का रंगको हुन्छ । लामो अनुहार फराकिलो निधार र टाउको, सिङ्ग लामो अर्ध धुमाउरो, पूर्ण विकसित फांचो, दूधका नसा स्पष्ट देखिने हुन्छ ।</li> <li>औषत शारिरीक तौल ४५२ के.जी. र दूध उत्पादन दैनिक ३.५ लिटर पाइन्छ ।</li> <li>यसको संख्या घट्दो अवस्थामा रहेकोले संरक्षणमा ध्यान दिन आवश्यक छ ।</li> </ul>

## (ख) नेपालमा पाईने उन्नत जातहरु भैंसीहरु

भैंसीका	उत्पत्ति	विशेषताहरु
जात		
१. मुर्रा भैंसी	यसको उत्पात्ति भारतको हरियाणामा भएको हो ।	यो निक्खर कालो शरिर, लामो घाटी, छोटा निजकैबाट घुमेका कसिएको सिङ्ग, राम्रो विकसित भएको फांचा लामो पुच्छर र पुच्छरको बीचमा सेतो फुर्को हुन्छ। यसको शारिरीक तौल ४५० देखि ५०० के.जी र प्रतिवेद औषत दुध उत्पादन १५००देखि २५०० लिटर हुन्छ।

### गाईभैसीहरूमा लाग्ने प्रमुख रोगहरू

### 9. खोरेत (Foot and mouth disease)

कारण : विषाणु

#### लक्षणहरू

- यो रोग लाग्दा एकदम बढी ज्वरो (१०४-१०६ डिग्री फरेनहाइट) आउँछ।
- विस्तारै घाँसपात नखाने, भोकाउने हुन्छ ।
- मुख वरिपरि विशेषगरी गिजा र जिब्रोमा स-साना फोकाहरू आउँदछन्।
- यस सँगसँगै खुट्टाको खुरको कापमा पिन फोकाहरू आउँछन् र पशु खुट्टा खोच्याएर हिड्छ र पिछ लङ्गडो हनसक्छ ।
- मुख विरपिर घाउ आउने भएको कारण ऱ्याल चुहाउँछ ।
- यस रोगले ठूला माउहरू भन्दा पाठापाठीलाई बढी असर पुऱ्याउँछ ।
- किहलेकाहीँ खोरेल रोगका कराण थुनेलोको समस्या पिन देखिन्छ ।
- व्याउने माउहरूमा गर्भ तुहिने समस्या देखिन सक्छ ।

#### उपचार:

- क) मुखको घाउलाई १ प्रतिशतको पोटास पानीले सफा गरिदिने वा फिटिकरी पानीले सफा गरिदिने ।
- ख) खुरका घाउलाई पोटास पानीले धोएर हिमैक्स वा लोरेक्जेन मलहम लगाउनु पर्छ वा २ प्रतिशत निलोत्थोले घाउ सफा गर्न सिकन्छ।
- ग) खट्टाको घाउमा फिनेल प्रयोग गर्न पनि सिकन्छ।
- घ) घाउहरुमा अनय जिवाणु प्रवेशगरी सक्रंमण नगरुन भन्नको लागि पशुलाई एन्टीवायोटिक सुई लगाउन सिकन्छ ।

ड) खोरेत देखिइरहने ठाउँमा रोकथामको लागि खोरत विरूद्ध खोप लगाउनुपर्दछ । ६ महिनाको उमेर पुगेपछि पहिलो पटक खोप लगाउने र प्रत्येक वर्ष दोहोऱ्याउने । बढी देखिने ठाउँमा ६-६ महिनाम दोहोऱ्याउने ।

### २.भ्यागुते (Hemorrhagic Septicemia)

कारणः एकप्रकारको जिवाण्

#### लक्षणहरू

- उच्च ज्वरो आउने ।
- घाँटी वरिपरिको भाग तथा जिब्रो सुन्निने ।
- फिज काढ्ने।
- सास फेर्न गाह्रो भई घ्यार घ्यार आवाज निकाल्ने ।
- कहिलेकाही रगत मिसिएको छेर्ने ।

#### रोकथाम र उपचार

- वर्षायाम शुरू हुन् अगाडि प्रत्येक वर्ष पशुलाई खोप लगाउने ।
- रोगको लक्षण देखा परेको छ भने तुरून्त प्राविधिकलाई देखाई उपचार गराउने ।

### ३.चरचरे (Black Quarter)

कारणः एकप्रकारको जिवाणु

#### लक्षणहरू

- उच्च ज्वरो आउने
- विशेषगरी फिलाको मासंपेशी सुन्निने र दुख्ने ।
- छाम्दा शुरूमा तातो हुने र पछि चिसो हुने र दुखाई पिन कम हुने ।
- सुन्निएको ठाउँमा थिच्दा चरचर आवाज आउने ।

#### रोकथाम

- पानी पर्ने समय अगाडी नै गाई वस्तुलाई खोपाउने काम गर्नु पर्दछ । बि.क्यू.
   पोलीभ्यालेण्ट भ्याक्सिन गाई भैंसीमा ५ एम.एल. s/c छाला र पाडा बाच्छालाई ३ एम.एल. सोही तरीकाले दिनु पर्दछ । छ मिहना नाघेको वस्तुलाई सुई दिनु पर्दछ । साथै यो सुई प्रत्येक साल दोहोऱ्याउनु पर्दछ ।
- गिहरो खाडल खनी यो रोगबाट मरेको पशुलाई पुरिदिनुपर्दछ ।

- रोगी पशुलाई छुट्याएर राख्नु पर्दछ ।
- रोगी वस्तुले खाएको खाना पानी एवं घाँस निरोगी वस्तु भाउलाई निदने तथा गोठलाई २% को फर्मालिन भोलले सफा गर्नपर्दछ।
- रोगको आशंका भएको चरन क्षेत्रमा बाच्छा / बाच्छी चराउन् हँदैन ।

### ४.पद्के (Anthrax)

कारणः एकप्रकारको जिवाण्

#### लक्षणहरू:

- धेरैजसो क्नै लक्षण नदेखाई अचानक मर्ने ।
- ज्वरो आउने ।
- सास फेर्न गाह्रो हने।
- आँखा रातो हुने।
- पेट ढाडिने।
- मरेपछि नाक, मुख, मलद्धार आदिबाट नजम्ने रगत बगेको हुन्छ।

#### रोकथाम

- धेरै रोग देखिने ठाउँमा पशु सेवा प्राविधिकको सिफारिसमा खोप लगाउने ।
- मरेका पशुलाई गिहरो खाडल खनेर गाड्ने । याद गरौ पट्केको शंका लागेको पशुलाई कहिल्यै पिन चिरफार गर्नुहुँदैन ।
- रोगी पश्लाई वथानबाट अलग्गै राख्ने।
- रोगीको सम्पर्कमा आएको पश्लाई प्राविधिकको सल्लाहमा उपचार गराउने ।

### ५.थुनेलो (Mastitis)

कारण : यो धेरै कारणहरू हुन सक्छ जस्तै गोठ, पशु र दुहुने मानिसको सरसफाईको कमीले गर्दा विभिन्न, जिवाणुहरू, विषाणुहरू, ढूसी, एक कोषिय परजीवी प्रोटोजोवा कल्चौडो वा शरीरभित्र प्रवेश गरेर।

#### लक्षणहरू

- अचानक थुन र कल्चौडो सुन्निने, कडा, रातो र छाम्दा दुख्ने हुन्छ ।
- दुध विग्रने, पातलो पानीजस्तो आउने, छोक्राहरू आउने र किहलेकाही दूध पुरै नआउने हुन्छ ।

• ज्वरो आउने।

#### रोकथाम:

- दूध दोईसकेपछि एन्टिसेष्टिक जस्तै पोभिडिन आयोडिन मिसाएको भोलमा थुनलाई केहिबेर ड्वाउने ।
- गोठ, पश्, दूध द्ह्ने मानिसको र भाँडोको सरसफाईमा विशेष ध्यान दिने ।
- शंका लागेमा जिल्ला पशु सेवा कार्यालयमा वा पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशालामा दूध जँचाउने ।
- थुनेलोको लक्षण देखिएमा कृषकले पहिला निवग्रेको थुनबाट दूध दुहुने, त्यसपछिमात्र विग्रेको थुनको दुहुने र विग्रेको थुनको दूधलाई खाडलमा अन्यत्र लसपस नगरी गाड्ने। विग्रेको थुनबाट पटक पटक दूध दहेर फ्याक्ने।
- अविलम्ब प्राविधिकलाई बोलाई उपचार गराउने । जथाभावी औषधीको प्रयोगले थुनेलो भन् जटिल बन्न सक्छ ।

### प्रजननसँग सम्बन्धित समस्याहरू

#### ६ बाँभ्रोपन

#### कारणहरू

- व्यवस्थापनमा कमजोरी: समय मिलाएर राँगो साँढे नलगाउनु वा कृत्रिम गर्भाधनको उचित समय नपहिल्याउन् (कराएको ८ देखि १८ घण्टाभित्र लैजान्पर्दछ ।)
- पोषण तत्वको कमी: प्रशस्त हरियो घाँसपात नपाएमा ।
- खिनज तत्वको कमी : विशेष गरी क्याल्सियम, फस्फोरस, फलाम, कोवाल्ट, तामा सेलेनियम जस्ता खिनज बढी महत्वपूर्ण हुन्छ ।
- भिटामिनको कमी: विशेष गरी भिटामिन ए, डि र ई बढी महत्वपूर्ण हुन्छन् ।
- नाम्ले, जुकाको समस्या बढी हुनु ।
- संक्रमण रोगहरूको कारण : जस्तै बुसेलोसिस, ट्राइकोमोनियसिस आदि ।
- प्रजनन् अंगहरूमा खरावी वा संक्रमण ।
- वंशाण्गत कारणहरू ।

#### व्यवस्थापन

कारणपत्ता लगाई सोही अन्सार उपचार गराउन्पर्दछ।

- बेला बेलामा गोवर जचाई नाम्ले, जुकाको औषिध खुवाउने ।
- प्रशस्त हरियो घाँसपातहरू खुलाउने ।
- अन्य अवस्थामा प्राविधिकसँग सल्लाह गरी आवश्यकता अनुसार उपचार गर्ने ।

#### किं डायरी २०७१

### ७ साल अड्कने समस्या

#### कारणहरू:

- शारीरिक कमजोरी
- संक्रामक रोगहरू जस्तै ब्रसेलोसिस, भिव्रियोसिस आदि
- भिटामिन ई. सेलेनियम जस्ता खनिजको कमी
- पाठेघरको संक्रमण

#### व्यवस्थापन

- साल भर्न सहयोग पुऱ्याउन एक्जापर जस्ता औषधिहरू शुरूको १०० मि.लि. र त्यसपछि विहान बेलका ५० मि.लि. २-३ दिनसम्म दिन सिकन्छ ।
- व्याएपछि खस्रो खालका घाँसहरू र अम्रिसोजस्ता घाँसहरू खुवाउँदा साल भर्नि सहयोग पुग्छ ।
- त्यित गर्दा पिन नभ्गरेमा प्राविधिकलाई बोलाई साल भिग्नन लगाउने । यदि पशुलाई ज्वरो आएको छ भने पिहला ज्वरोको उपचार गरेपिछ मात्र साल भिग्नन् वेश हन्छ ।

#### ८ भंडार फर्कने समस्या

#### कारणहरू

- ईस्टोजन तत्व बढी भएको घाँसपात खुवाएमा वा ढुसी परेको दानाहरू खुवाएमा ।
- पाठेघरमा असजिलो भई पशु बढी कनेमा ।
- पशुको पछाडितिरको भाग बढी ओरालो भएमा सहयोगीको रूपमा काम गर्न सक्छ ।
- क्याल्सियम, फोस्फोरसको कमी भएमा वा सन्तुलन विग्रेमा।

#### व्यवस्थापन

 तुरून्त प्राविधिकलाई बोलाई उपचार गर्नुपर्दछ । प्राविधिक नआईन्जेल बाहिर निस्केको भागलाई सफा तथा चिसो राखी राख्नको लागि थोरै पोटास मिसाएको पानी बेला बेलामा छिर्किरहने र बाहिर टाँसिएको फोहोर सफा गरी सफा चिसो कपडाले बेर्ने ।

- यदि धेरै नै भाग बाहिर आएको छ भने फोहोर नलागोस् र संक्रमण नहोस् भन्नाका लागि तल सफा प्लाष्टिक ओछ्याउने र पोटास मिसाएको पानी बेला बेलामा छिर्करहने ।
- प्राविधिकले पाठेघरको बाहिर आएको भागलाई विस्तारै पुनः पहिलाकै स्थानमै फर्काईदिन्छन् ।
- अन्य व्यवस्थापन प्राविधिकको सल्लाह अनुसार गर्ने ।

### ९ बाच्छा बाच्छी अड्कने वा व्याउन नसक्ने समस्या

#### कारणहरू

- बाच्छा बाच्छी ठूलो भएमा।
- वाच्छा वाच्छीको पाठेघरभित्रको बसाई (पोजिसन) निमलेमा ।
- शारीरिक कमजोरीको कारण
- पाठेघरको म्ख पूर्ण रूपमा नख्लेमा ।
- उमेर नप्ग्दै पश् गर्भिणी भएमा।
- बाच्छा बाच्छी भित्रै मरेमा।
- संक्रामक रोगहरू जस्तै ब्रुसेलोसिस आदिको कारण ।
- विभिन्न हार्मोनहरूको कमी तथा असन्तुलन
- पाठेघर बटारिएमा
- बाँधेर पालिएका पशहरूमा पनि यस्तो समस्या आउन सक्छ।
- वंशाण्गत कारणहरू

#### व्यवस्थापन

- व्याउन खोजेको ५-६ घण्टा भित्र व्याउन नसकेमा तुरून्त प्राविधिकलाई बोलाईहाल्नु पर्दछ ।
- प्राविधिकले पाठेघरिभत्र हात हालेर अवस्था पत्ता लगाई आवश्यकता अनुसार उपचार गर्दछन् ।

### १० गर्भ तुहिने समस्या

#### कारणहरू

- संक्रमक रोगहरूको संक्रमण
- सन्तुलित आहाराको कमी
- विषालु घाँसपात, ढूसीजन्य दाना आदि ।

- चोटपटकको कारण
- अदक्ष प्राविधिकले गर्भ जाँच्दा पिन किहलेकाही गर्भ तुहिन सक्छ ।
- उच्च ज्वरो
- गर्भावस्थामा गलत औषधि ख्वाउँदा ।

#### व्यवस्थापन

- गर्भिणी पशुलाई औषधि खुवाउनु पर्दा दक्ष प्राविधिकको सिफारिसमा मात्र खुवाउने
- कारण पत्ता लगाई व्यवस्थापन गर्नपर्दछ ।
- तुिहएको बाच्छा बाच्छी, साल तथा सम्पर्कमा आएका अन्य सोत्तरहरूलाई राम्रोसँग खाडलमा गाइन पर्दछ र माउलाई उपचार गर्नपर्दछ ।

# गाईभैंसीलाई महत्वपूर्ण मानिएका खोप लगाउने बारे तालिका

ऋ. सं.	खोपको नाम	रोगको नाम	उमेर	खोपको मात्रा र खोप दिने ठाँउ	खोपको थप मात्रा (बुस्टर)	नियमित खोप दिने समय	खोप दिने सिजन
٩	एफ.एम.डी भ्याक्सिन ( हेक्टस)	खोरेत	३-८ हप्ता	१० मि.लि. छालामुनि	३ महिनापछि	प्रत्येक ६ महिनामा	भाद्र मसान्त र फागुन
	रक्षा एफ.एम.डी	खोरेत	४ महिना	३ मि.लि. छालामुनि	१ महिनापछि		मसान्त मसान्त
2	एच.एस.ब्रोथ भ्याक्सिन	भ्यागुते	सबै उमेर	४ मि.लि. छालामुनि	६ महिनापछि	वार्षिक	वर्षात शुरु
*	एच.एस.आयल एड्जुभेन्ट	भ्यागुते	सबै उमेर	३ मि.लि. छालामुनि	३ महिनापछि	वार्षिक	हुनु भन्दा अघि
æ	पोलिभ्यालेन्ट वि. क्यु भ्याक्सिन	चरचरे	सबै उमेर	५ मि.लि. छालामुनि	६ महिनापछि	वार्षिक	वर्षात शुरु हुनु भन्दा अघि
8	एच.एस. र वि. भ्याक्सिन	भ्यागुते र चरचरे	सबै उमेर	१ मि.लि. छालामुनि	६ महिनापछि	वार्षिक	वर्षात शुरु हुनु भन्दा अघि
x	एन्थ्राक्स स्पार भ्याक्सिन	पटके रोग	सबै उमेर	१ मि.लि. छालामुनि	६ महिनापछि	वार्षिक	वर्षात शुरु हुनु भन्दा अघि
Ę	टिस्यु कल्चर भ्याक्सिन	गौगोटी	सबै उमेर	१ मि.लि. छालामुनि	-	३-३ वर्षमा	जाडो समयमा
9	टेट-भ्याक	धनुष्टंका र	सबै उमेर	२ मि.लि. छालामुनि	४ हप्तापछि	वार्षिक	कुनै पनि समयमा

# १९.१ कुखुराका प्रमुख रोगहरू

### रानीखेत रोग (New castle disease)

#### लक्षण

- रानीखेत रोगले श्वास प्रणाली र स्नायु प्रणाली प्रभावित भई कुखुराले सास फेर्न कठिनाई महसस गर्दछ ।
- चुच्चो र नाकबाट पानी जस्तो बाक्लो पदार्थ निस्कन्छ ।
- कुखुरा टाउको भटकाउने र घाटी तान्ने गर्दछ ।
- एकै ठाउँमा फनफन घुम्ने पछािड हिड्ने पखेटा र खुट्टाको पक्षघात हुने घाटी बटार्ने हुन्छ ।
- फुल पार्न कम हुन्छ ।
- हरियो रंगको निकै गन्हाउने छेर्दछ ।
- सिउर र लोती पहेंलो हुने र पछि नीलो रंगमा बदलिने गर्दछ ।

#### रोकथामका उपायहरू:

- कुखुरा पालिने खोर वरिपरि सफा गर्नु पर्दछ ।
- तालिका अनुसार खोप लगाउनु पर्दछ ।
- बाहिरी कुखुरा र अरू चराहरू कुखुरा पालन क्षेत्र भित्र आउन दिनुहुँदैन ।
- रोगबाट मरेकालाई पनि पुर्न पर्दछ ।
- भाँडा उपकरण इत्यादि सामान संक्रमणमुक्त राख्नु पर्दछ ।
- चल्लहरूलाई पहिलो हप्ताभित्रै एफ स्ट्रोन भ्यक्सिन लगाइदिनुपर्दछ र चल्लको उमेर द देखि १० हप्ता पुग्दा आरटुबि (R2B) खोप लगाउनुपर्दछ ।

### किसडियोसिस (Coccidiosis)

#### लक्षणहरू:

- बाह्य लक्षणहरूमा धेरै जसो प्वाँख खस्रो हुने, रगतको कमी हुने ।
- दिशामा रगत छेर्ने हुन्छ ।
- सीकल कक्सीडियोसिस्मा मृत्य्दर ५० प्रतिशत सम्म हुन्छ ।
- आन्द्रामा हुने कक्सीडियोसिस्मा शरीर पहेंलो हुने भै छेर्ने हुन्छ ।
- यसमा रगत मिसिएको हुन सक्छ र मृत्यु दर भने ८ देखि १० प्रतिशत सम्म हुन्छ ।

#### रोकथाम र नियन्त्रण

- चिस्यान भएको खोर, सोत्तर र दाना यसका लागि उपयुक्त वातावरण हुने हुँदा बस्ने ठाउँ र दाना सुख्खा हुनु पर्दछ । खास गरेर वर्षातको मौसममा विशेष ध्यान दिनु पर्दछ जुन बेला वातावरण चिस्यान बढी हुन्छ र तापक्रम पिन कक्सीडियाको विकासको लागि अनुक्ल हुन्छ ।
- यदि सोत्तरमा चिस्यान छ भने ५ देखि ७ किलो ग्राम चून प्रति १०० वर्गफिटको क्षेत्रमा छर्नु पर्दछ । यसले चिस्यान कम गरी ताप उत्पन्न गर्दछ जसले यी प्रोटोजोआ मर्दछन् ।

### गम्बोरो रोग (Gumboro/Infectious bursal disease)

#### लक्षणहरू

- रोग लागे पछि, शुरूमा विस्तारै भोकाउँदै जाने ।
- प्वाँख ग्जम्जिएर बस्ने जस्ता लक्षण देखा पर्दछन्।
- टाउको र घाँटी कपकपाउने भै पछि सम्पूर्ण शरीरनै काम्न थाल्छ ।
- यसका साथै ज्वरो आउने, आँखाबाट पानी बग्ने हुन्छ ।
- यस्तो अवस्थामा घाँटी तन्काउने र टाउको केही तल भकाएर बस्छ ।
- पहेंलो रंगको छेर्ने भै मलद्वार विरपिर सली टाँसिएको देख्न सिकन्छ ।
- परानो रोगमा विस्तारै भोक्राउने र दब्लाउने जाने हन्छ।

### रोकथाम र नियन्त्रण

- सर सफाईको विशेष व्यवस्थापन हुन् पर्दछ ।
- क्ख्रालाई गम्बोरो रोग विरूद्ध भ्याक्सीन लगाउन् पर्दछ ।
- दाना पानी दिने भाँडा क्ँडालाई किटाण् रहित बनाउन् पर्दछ ।

### कोलीबेसिलोसिस

- यो रोग ज्नस्कै उमेरका क्ख्राहरूमा देखिन सक्छ ।
- यो रोग व्यवस्थापनमा कमीको कारणले हुने भएकोले व्यवस्थापनमा सुधार गर्नपर्छ।

#### लक्षणहरू:

- दाना खान कम गर्ने र किहलेकाही श्वास फेर्ने किठनाई हुने ।
- उदासिन हुने, सिउर फिक्का हुने ।
- हरियो वा सेतो पातलो सुली छेर्ने ।
- मलद्वारको वरिपरी सुली लतपतिने ।

#### उपचार

• प्राविधिकको सिफारिसमा एण्टिवायोटिक्स औषधीहरू ख्वाउने ।

## कुखुराको सिफारिस खोप तालिका

# १. ब्रोईलर कुखुराको खोप तालिका

उमेर	खोपको नाम	खोप लगाउने तरिका
१ दिन	मरेक्स ⁄ रानीखेत एफ १	नाक, आँखामा
१४ दिनमा	गम्बोरो ईन्टरमिडिएट (जीवित)	नाक, आँखामा
२१ दिनमा	रानीखेत एफ १ वा लासोटा	नाक, आँखामा, पानीमा
२८ दिनमा	गम्बोरो ईन्टरमिडिएट (जीवित)	नाक, आँखामा, पानीमा

- १. यदि ब्रोईलरको प्यारेण्ट स्टकलाई १ दिनको उमेरमा रेस्पिन भ्याक्सिन (मरेक्स विरूद्ध) लगाईएको छ र पुन: रेस्पिन भ्याक्सिनले नै बुस्टर गरिएको छ भने त्यस्ता फार्मबाट उत्पादिन चल्लाहरूलाई एच.भि.टी. भ्याक्सिन दिन पर्दछ।
- २. यदि ब्रोईलरको प्यारेण्ट स्टकलाई १ दिनको उमेरमा रेस्पिन भ्याक्सिन (मेरक्स विरूद्ध) लगाईएको छ र वुस्टर भ्याक्सिन एच.भि.टी. दिईएको भने त्यस्ता फार्मबाट उत्पादित चल्लाहरूलाई रेस्पिन भ्याक्सिन दिनुपर्दछ।

# २. लेयर्स कमर्सियल कुखुराको खोप तालिका

उमेर	रोग	भ्याक्सिनको किसिम	भ्याक्सिनेसन तरिका
१ दिन	मरेक्स	सि.भि. १९८८ वा -१ एस वि-१	छालामा
५-७ दिन	रानीखेत	एफ -१ लासोटा	१ थोपा आँखामा

द- <b>१</b> २ दिन	गम्बोरो	ईण्टरमिडिएट	१ थोपा आँखामा
१८-२० दिन	मरेक्स	एच.भि.टी. फ्रिज हाइड्रेड	छालामा
२४-२६ दिन	गम्बोरो	ईण्टरमिडिएट	पानीमा
२८-३० दिन	आई.वि. रानीखेत	आई.वि. लासोटा	पानीमा
४२ दिन	फाउल पक्स	फाउल पक्स	पखेटामा
४९-५० दिन	रानीखेत आई.वि.	लासोटा आई.वि.	पानीमा
द- <b>१</b> ० हप्ता	रानीखेत आई.वि.	आर. १ वि.	मासुमा
१२-१४ हप्ता	फाउल पक्स	फाउल पक्स	पखेटा (विङ्ग वेभ)
१५ हप्ता	आई.वि.	आई.वि.एच. १२०	पानीमा
१६ हप्ता	रानीखेत	लासोटा / एफ १	पानीमा

उपरोक्त तालिका बमोजिम भ्याक्सिनेसन गरिसके पश्चात अधिकतम उत्पादन अवस्थामा कुखुरा आईसकेपछि प्रत्येक २–२ महिनामा आई.वि. र लासोटा भ्याक्सिन दिदै जानपर्दछ ।

### १९.३ बाखाको जातहरू

### स्थानीय जातका बाखाहरू

नेपालमा मुख्यतया चार जातका स्थानीय बाखाहरू पाल्ने गरेको पाईन्छ । यी स्थानीय जातका बाखाहरू यस प्रकार छन् ।

## क) तराई बाखा

नेपालका तराई क्षेत्रतिर पाईने जातको बाखालाई तराई बाखा भिनन्छ। यो शुद्ध जातको बाखा नभएर भारतीय जातको बाखा जमुनापारीको गुणहरू जस्तै: माथि उठेका नाक, भुण्डिएको लामो कान भएकोले यसलाई जमुनापारीको खच्चड पिन भिनन्छ, यद्यपी यसबारे अध्ययन अनुसन्धान हुनु जरुरी देखिन्छ। यो बाखा मभौला आकारको र विभिन्न रङ्गको भएतापिन प्राय खैरो शिररमा सेतो धर्सो रहेको हुन्छ। यो बाखा दूध तथा मासु दुवैको लागि उपयुक्त मानिन्छ। यसको शारिरीक तौल करिब १८ देखि ३५ किलोग्रामसम्म हुन्छ। सालाखाला १५ महिनाको उमेरमा पहिलो पटक ब्याउने र खरी तथा तराई बाखाको प्रजनन् क्षमतामा धेरै समानताहरू पाईन्छन्।

### ख) खरी/औंले बाखा

मध्यपहाडी प्रदेशमा पाईने बाखालाई पहाडी वा खरी बाखा भन्ने गरिन्छ । विभिन्न सात रङ्गका खरी बाखाहरूमा कालो तथा खैरो रङ्गका बाखाहरू तुलानात्मक रुपमा धेरै पाईन्छन् । प्राय: खरी बाखाहरूमा मध्यम आकारका पछाडी वा माथितिर फर्केका सिङ्ग

हुन्छन् । थोरै बाखाहरू मुडुले पनि पाईएका छन् । खरी बाखाको शारिरीक तौल १५ देखि २५ किलोग्रामसम्म हुन्छ भने बोकाको शारिरीक तौल २५ देखि ३५ किलोग्रामसम्म हुन्छ । यो जातको बाखा सालाखाला १६ महिनाको उमेरमा पहिलो पटक ब्याउने, साधरण अवस्थामा २ वर्षमा ३ पटक व्याउने र प्रति बेत २ वा २ भन्दा बढी पाठापाठी हुर्काउन सक्ने क्षमता भएको हुनाले नेपालको अधिकांश भू-भागमा यो बाखा लोकप्रिय भएको पाईन्छ ।

### ग) सिन्हाल

उच्च पहाडी क्षेत्रमा पाईने यो जातको बाखा बरुवाल वा भ्याङ्गलुङ जातको भेडाको बथानमा चर्न रुचाउने हुन्छ । सिन्हाल जातको बाखा अन्य नेपाली बाखाहरूमध्ये सबैभन्दा ठूलो शरिर भएको बाखा हो । यसको छोटो टाउको, सिधा नाक, चिसो सहन सक्ने क्षमता भएको र यसबाट केही मात्रामा पिश्मना समेत उत्पादन गर्न सिकन्छ । वयस्क बाखाको शारिरीक तौल ३० देखि ३५ किलोग्राम सम्म हुन्छ । सिन्हाल बाखाहरू करीब २ वर्षको उमेरमा पिहलो पटक ब्याउने, साधारणतया वर्षमा एकपटक ब्याउने र एउटै पाठा वा पाठी मात्र पाउने गर्दछ ।

### घ) च्याङ्ग्रा

च्याङग्रा हिमालय पर्वत श्रृंखलाको पछाडिपट्टि सुख्खा, बढी हावा लाग्ने, चिसो र अर्धभूमि जस्तो ठाउँमा पाईन्छ । च्याङग्राले त्यस क्षेत्रमा पाईने ताल्ला भन्ने भारमा पलाएको पात, फूल, जरा र घाँसहरू खाएर जीवन निर्वाह गर्दछन् । च्याङ्ग्रा पश्मिना र नरम खालको न्यानो भुवा उत्पादनको लागि प्रसिद्ध छ । च्याङ्ग्राको शरीर बाक्लो लामो रौंले ढाकेको हुन्छ । रौंको भित्री भागमा मिसना पश्मिना रहेको हुन्छ । यसको सानो तर लामो टाउको, सिधा नाक, साँघुरो थुतुनो र किसलो शरीर तथा बटारिएको सिङ्ग हुन्छ । यिनीहरू अन्दाजी दुई वर्षको उमेरमा पहिलो पटक व्याउने, वर्षमा एकपटक व्याउने र अधिकांशले एक पटकमा एउटा मात्र पाठापाठी पाउने गर्दछन् । वयस्क च्याङ्ग्राबाट वर्षमा ५० देखि २०० ग्राम सम्म पश्मिना उत्पादन हुने गर्दछ । वयस्क च्याङ्ग्राको तौल २५ देखि ३० किलोग्रामसम्म हुन्छ । यसको आफ्नो शारिरीक तौलको ३० प्रतिशत बराबर वजनको भारी बोक्न सक्ने क्षमता हुन्छ ।

### नेपालमा पालिने विदेशी जातका बाखाहरू

### (क) जमुनापारी

जमुनापारी बाखाको रङ्ग एकनासको हुँदैन तर साधारणतया सेतो रङ्ग भएका बाखाहरूमा कहिंकिहाँ गाढा रङ्गको चिन्हहरू हुने गर्दछ । यो जातको बाखाको जिउ ठूलो तथा अग्लो, लामो खुट्टा, नाकको बीच भाग उठेको (सुगानाके) र भूण्डिएको लामा

कानहरू प्रमुख विशेषताहरू हुन् । जमुनापारी बाखाको पहिलो पल्ट ब्याउने उमेर तथा व्याउने अन्तर क्रमशः औषत ७७० दिन तथा ४२८ दिन उल्लेख भएको पाईन्छ ।

### (ख) बारबरी

यसको कान छोटो तथा ठाडो, शिरर सानो, रङ्ग रातो र सेतो रङ्गको टाटेपाटे किसिमको हुन्छ । भट्ट हेर्बा मृग जस्तो देखिने बारबरी जातको बाखा चर्न त्यित मन पराउँदैन । खोरभित्रै पालिने जात भएकोले यो जातको बाखा खासगरी शहरी वा शहरको विरपरीको क्षेत्रमा पालिन्छन् । यो जातको बाखाको सरदर शारिरीक तौल बाखीको २७ देखि ३६ र खिस बोकाको ३२ देखि ४९ किलोग्रामसम्म हुने गरेको पाइन्छ । पिहलो पल्ट ब्याउने औषत उमेर तथा दुई वेत बीचको अन्तर क्रमशः ५८८ दिन तथा २७४ दिन पाईएको छ ।

### (ग) सानन्

दूध उत्पादनको लागि विश्व प्रशिद्ध सानन जातको बाखाको जन्मस्थान स्वीजरल्याण्डको सानन उपत्यका हो । यो जातको बाखा सेतो किम रङ्गको हुन्छ । यसको अनुहार सीधा वा अलि थेप्चिएको र कानहरू ठाडो तथा अगाडीतिर तेर्सिएको हुन्छ । विकसित फाँचो भएकोले यसले प्रतिदिन २ देखि ४ के.जी. सम्म दूध दिन्छ । साधरणतया यो जातको बाखाको सिङ्ग हुँदैन । बोकाको शारिरीक तौल औषतमा ९५ किलोग्राम र बाखीको ६५ किलोग्रामसम्मको हुने गरेको छ ।

### (घ) विटल (Bettle)

यो बाखा हेर्दा जमुनापारीसँग मिल्दोजुल्दो हुन्छ । यो बाखामा सामान्यतया कालो र खैरो रङ्गमा बढी पाइने, नाक उठेको, कान चौडा लामो र घुम्मिएको, चौडा मभौला शरिर जस्ता चारित्रिक विशेषताहरू भएको पाईन्छ । यस जातको बाखाको औषत तौल वयस्क भालेको ५९ के.जी. र वयस्क पोथीको ३५ के.जी. हुन्छ । दुई वर्षमा पहिलो पल्ट ब्याउने र दुई बेत बीचको अन्तर औषतमा एक वर्ष भएको पाईएको छ । सरदर दुई वर्षमा ३ पटक व्याउने र ५० प्रतिशत जुम्ल्याहा पाउने गर्दछ । नेपालको तराई र भावर क्षेत्रमा बँधवा प्रणालीमा यसबाट राम्रो उत्पादन लिन सक्ने देखिन्छ ।

### (ङ) बोयर बाखा (Boer Goat)

विगत केही वर्षदेखि नेपालमा अगुवा कृषकहरूले यो बाखा पालन गर्न थालेका छन् । नेपालको विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रमा यो बाखा पाल्न आवश्यक प्रविधि विकासका लागि नार्कले कृषि अनुसन्धान केन्द्र (बाखा) वन्दिपुरमा २०६५ सालदेखि विस्तृत अध्ययनको थालनी गरेको छ । यो बाखाको छिटो बढ्ने (८०-९० ग्राम प्रतिदिन) गर्दछ । दुई वर्षमा ३ पटक व्याउने र प्रतिवेत दुई पाठापाठी पाउने यस जातका विषेशताहरू हुन् । बाली जान सिजनको प्रभाव कम पर्ने भएकोले बोयर बाखाले बाह्रै महिना पाठापाठी जन्माउन सक्दछ ।

# भेडाबाखाका प्रमुख रोगहरू पी पी आर

#### लक्षणहरू

- १०६ देखि १०८ डिग्री फरेनहाइटसम्मको ज्वरो आउँछ ।
- घाँसपानी खाना छोड्छ र आँखा राता देखिन्छ ।
- गिजा र जिब्रोतिरबाट घाउ आउन शुरू गर्छ र विस्तारै मुखितर र पिन फैलिन सक्छ ।
- छेरौटी लाग्छ ।
- आँखाबाट चिप्राहरू आउने र नाकबाट बाक्लो पहेंलो सिंगान बग्छ ।
- खोकिरहन्छ ।

### रोकथाम

बाखालाई पी.पी. आर मुक्त राख्न खोप लगाउने । शुरूमा ३ महिनाको उमेर पुगेपछि, पहिलो पल्ट खोप लगाउने र वर्षेपिच्छे दोहोऱ्याउने ।

# मुआलो

## रोगका लक्षणहरू

- यो रोग लाग्दा मुख वरिपरि घाउ आउँदछ र पछि पाप्रा बन्दछ ।
- मुखको चेपबाट प्रायः शुरू हुन यस्तो घाउ क्रमशः मुख विरपिर, जिब्रोतिर, कान विरपिर, खुट्टाको छालातिर अण्डकोण, कल्चौडा, सुत आदिको विरपिर समेत यस्ता घाउहरू देखिन्छ।
- मुख विरिपिर घाउ आउने हुँदा घाँसपानी खानमा समस्या आउँछ र पशुहरू क्रमशः
   दब्लाउँदै जान्छ ।
- कहिलेकाँही ३-४ हप्तामा यो घाउ आफैं निको भएर जान्छ ।

#### उपचार

यसको पनि खास उपचार छैन तर घाउ सफा गर्ने एन्टिसेप्टिक औषधि वा एन्टिवायोटिक्स औषधिको प्रयोग गर्ने ।

## १९.८ पशुपंक्षीबाट मानिसमा सर्नसक्ने रोगहरू

### रेविज

#### लक्षणहरू

बौलाहा अवस्थाः कुकुर आक्रमक खालको हुने, निजकको पदार्थहरू टोक्ने, जोडले चपाए जस्तो गर्ने, कराई रहने, स्वरमा परिवर्तन हुने, चिथोर्ने, पुच्छर खुट्टामुनी राखेर हिड्ने, बाटोमा भेटाएका जित सबैलाई टोक्दै भाग्दछ । जिब्रो बाहिर निकाल्ने र धेरै ऱ्याल बगाईरहने हुन्छ ।

लाटो अवस्थाः बौलाहा कुकर लाटो, बोल्न नसक्ने हुन्छन्, कुकुरहरू एउटा कुनामा गएर लुकेर बस्छ । मुखबाट ऱ्याल चुहाई राख्छ । खाना खान छोड्छ र बोलाउँदा पिन नसुन्ने र यस्तो भएको ४ देखि ५ दिन भित्र मर्दछ ।

गाई, भैंसी र अन्य जनावरहरूमा यो रोग लागिसकेपछि विस्तारै खाना बन्द भई छट्पटाउने, विना कारण डुलिरहने, कराउने, उफ्रने, आँखा ठूल्ठूला पारी कान ठाडो पारेर हेर्ने र सिंङ्गले हिर्काउन खोज्छ । रोगले ग्रसित भइसकेपछि बिस्तारै आवाज पिन भिन्न निस्कने हुन्छ । रोगले ज्यादै ग्रस्त पारिसकेपछि जनावरहरू भुईमा लड्ने, मुखबाट ऱ्याल प्रशस्त मात्रामा काढ्ने गर्दछ । अन्तमा, जनावर पक्षघात भएर मर्दछ ।

### रोकथाम

घरपालुवा कुकुर बिरालो आदिलाई रेविजविरूद्ध खोप लगाउनुपर्दछ । पहिलो पटक खोप लगाउँदा ३ महिनाको उमेर कटेपछि लगाउने र प्रत्येक वर्ष दोहोऱ्याउन पर्दछ ।

# वर्डफ्लु

वर्डफलु रोग ईन्फ्लुएन्जा ए नाम गरेको एकप्रकारको विषाणुको माध्यमबाट पंक्षीहरूमा लाग्ने संक्रमक रोग हो । यस रोगबाट विशेष गरी कुखुरा, बट्टाई, टर्की जस्ता पंक्षीहरू बढी सम्वेदनशील हुन्छन् भने हाँस, जंगली चराहरू रोगको लक्षण नदेखाई रोग वाहकको रूपमा देखा पर्न सक्छन् । चराहरूमा यो रोग सर्वप्रथम सन् १८७८ मा पहिचान भएको थियो ।

### यो रोग पंक्षी तथा मानिसमा कसरी सर्दछ?

यो रोग रोगी कुखुरा, संक्रमित सूली, उपकरणहरू, पानी, दाना आदिसँगको प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष सम्पर्कबाट पंक्षीहरूबीच सर्न सक्दछ । त्यसैगरी बसाई सरेर आउने जंगली चराहरू तथा जीवित पंक्षी तथा पंक्षीजन्य सामाग्रीहरूको अवैध कारोवारबाट समेत यो रोग सर्न सक्दछ ।

मानिसमा जिउँदो वा मरेको चराको प्रत्यक्ष सम्पर्कबाट यो रोग गर्न सक्दछ । यस रोगको विषाणु सुलीमा ४ डिग्री सेन्टीग्रेड तापक्रममा कम्तीमा ३० दिनसम्म बाँच्न सक्दछ । त्यसैगरी २२ डिग्री सेन्टीग्रेड तापक्रम भएको तालको पानीमा ४ दिनसम्म र ३० डिग्री सेन्टीग्रेड तापक्रम बाँच्न सक्दछ । तर ६० डिग्री सेन्टीग्रेड तापक्रममा ३० मिनेटमा र ७० डिग्री सेन्टीग्रेड तापक्रममा केही सेकेण्डमै विषाणु मर्ने हुँदा पकाएर खाएको मासु तथा अण्डाबाट यो रोग सर्ने कुनै सम्भावना हुँदैन ।

# वर्डफ्लुका लक्षणहरू

# क्खरामा देखिने लक्षणहरू

असाध्यै तीक्ष्ण प्रकारको अवस्थामा रोगको कुनै लक्षण नदेखाई केही घण्टाभित्रमा शतप्रतिशतसम्म कुखुराहरूको मृत्यु हुनसक्छ । सामान्यतया धेरै कुखुराहरूको मृत्यु भएमा, श्वास प्रश्वास सम्बन्धी गम्भीर लक्षणहरू देखिएमा, टाउको, सिउर र लोती निलो भएमा, खुट्टामा रक्तश्रावहरू देखिएमा, पक्षघात देखिएमा, पातलो छेरेमा, अण्डा उत्पादन अचानक घटेमा, जलजले अण्डा पारेमा वर्डफ्लुको शंका गर्न सिकन्छ ।

यस रोगका कितपय लक्षणहरू कुखुरामा देखिने अन्य श्वासप्रश्वास सम्बन्धी रोगहरू जस्तै रानीखेत, कुखुराको हैजा आदिसँग मिल्न जाने हुँदा धेरै संख्यामा कुखुराहरू बिरामी परेमा अनावश्यक शंका गर्नु भन्दा निजकको पशु सेवा कार्यालयमा तुरून्त खवर गर्नु उपयुक्त हुन्छ।

### मानिसमा देखिने लक्षणहरू

चिकित्सकहरूका अनुसार मानिसमा बर्डफ्लुको संक्रमण भएमा ज्वरो आउने, खोकी लाग्ने, घाँटी दुख्ने, जीउ दुख्ने जस्ता लक्षणहरू देखिन्छन् । केहीमा फोक्सोमा गम्भीर असर पर्न गई निमोनिया पनि हुनसक्छ । यस्तो अवस्थामा रोग घातक बन्न सक्छ ।

# रोग रोकथामको लागि कृषक, नागरिक समाज तथा सर्वसाधारणको भूमिका

यस रोगको रोकथामको लागि कृषक तथा नागरिक समाज तथा सर्वसाधारणको भूमिका समेत महत्वपूर्ण हुन्छ ।

- क्ख्रा खोरहरूमा जैविक स्रक्षाका उपायहरू कडाईका साथ अवलम्बन गर्ने ।
- कुखुरा फार्ममा काम गर्ने व्यक्तिहरूको व्यक्तिगत सरसफाईमा विशेष ध्यान पऱ्याउने ।
- जिउँदो पंक्षीहरूसँग कम लसपस गर्ने ।
- मास् तथा अण्डा राम्रोसँग पकाएर खाने ।
- किंहंकतै अवैध पंक्षी तथा पंक्षीजन्य पदार्थहरूको ओसारपसार भएको थाहा पाएमा सम्बन्धित निकायलाई जानकारी दिने ।
- पंक्षीहरूको असामान्य र ठूलो संख्यामा मृत्यु भएको थाहा पाएमा तुरुन्तै निजकको पशु सेवाका निकाय वा कार्यालयहरूमा खबर गरिदिने ।
- मरेका पंक्षीहरू अलपत्र नफाली राम्रोसँग खाडल खनेर गाड्ने।
- अनावश्यक हल्लाको पछाडि नलागी आधिकारिक निकायको सूचनामा विश्वास गर्ने ।

# स्वाइन फिवर - स्ँगुरको महामारी रोग

स्वाइन फिवर सुक्ष्म विषाणुका कारण बंगुर, सुंगुर जातिमा देखा पर्ने अति संक्रामक महामारी रोग हो। यो रोग नयाँ क्षेत्रमा महामारीको रूपमा फैलिने र मृत्यु दर बढी हुन्छ। तर रोग प्रकोप भइरहने क्षेत्रमा मृत्युदर कम भए पिन प्रजनन समस्या र स्नायु लक्षण देखिन सक्छ। यो रोग दूषित दानापानी र सरसामान आदिको माध्यमबाट रोगी बंगुरबाट स्वस्थ बंगुरमा पिन सर्ने गर्दछ। रोग लागेर निको भएका बंगुरले आजीवन रोगाणु बोकेर बस्ने भएकोले त्यस्ता बथान वा फार्मबाट पाठापाठी किनेर ल्याउँदा रोग सर्न सक्छ।

रोग देखा परेको क्षेत्रमा सबै उमेरका बंगुर एकै पटक बिरामी भई धेरै हताहत भएमा र निम्न लक्षणहरू देखिएमा स्वाइन फिवर लागेको शंका गर्न सिकन्छ ।

 शुरुमा कडा ज्वरो आउने, भोक्य्राएर बस्ने, दानापानी नखाने र एकै ठाउँमा गुच्चमुच्च भएर

बस्ने ।

- बिरामी जनावरको काखी, काछी, कानको पछाडि, पेटको भागमा डाबरा जस्तो प्याजी र कहिलेकाहीँ निलो रङ्गको धब्बा देखिन्छ ।
- पिहला कब्जियत र पिछ छेरौटी लाग्छ ।
- व्याउने जनावरले तुहाउँछ । बराबर रोग प्रकोप भइरहेमा प्रजनन क्षमतामा ह्वास र कमजोर खालका ख्याउटे पाठापाठी जिन्मन्छन् ।
- बिरामी जनावरले मुखबाट फिंज काढ्ने, मुर्छा पर्ने र पक्षघात जस्ता स्नायू लक्षण देखाउँदछ ।

### रोकथाम

- विश्वासिलो, रोगम्क फार्मबाट पाठपाठी ल्याउने ।
- स्वाई फिवर भ्याक्सिन नियमित रुपमा लगाउने ।
- नियमित सरसफाईमा विशेष ध्यान दिने ।

## पश्हरूको लागि केही घरेल् उपचारहरू

(स्रोत: एशिया महादेशमा प्रचलित पशु चिकित्सा)

### १) अरूची

- क) १० ग्राम नून र १० ग्राम ज्वानो सँगै पिँध्ने र यसमा २० ग्राम खुदो मिसाएर पश्लाई दिनह ँदई पटक २-३ दिनसम्म ख्वाउने
- ख) एक चौथाई लिटर मही दिनको दुई पटक २ दिनसम्म खुवाउने ।
- ग) ५०० मि.लि. इमिलीको रसमा १० ग्राम सुकेको हर्रो फूलको धूलो मिसाई बनाएको भोल २०० मि.लि. दिनको एक पटक केही दिनसम्म खवाउने।
- घ) आहारामा परिवर्तन गर्ने ।

### २) ज्वरो आएमा

- क) १०० ग्राम खुदोमा १० ग्राम चिराइतो मिसाई बाक्लो लेदो बनाई पशुको जिब्रो तथा मुखको माथिल्लो भागमा दिनहुँ दुई पटक लगाउने ।
- ख) एक मुट्टी हरियो नीमको पातलाई १ लिटर पानीमा १४ मिनेटसम्म उमाली दिनको २ पटक गरेर खुवाउने ।

ग) एक मुट्ठी इमलीको पात र २५० ग्राम इमली फल आधा बाल्टी पानीमा १५ मिनेटसम्म उमाल्ने र पानीको सट्टामा खान दिने ।

### ३) रूघाखोकी

- क) दुई मुट्टी हरियो इमलीको पातलाई १ लिटर पानीमा ५ मिनेटसम्म उमाल्ने र २०० मि.लि. को दरले दिनको ३ पटक ३ दिनसम्म खान दिने ।
- ख) ५ ग्राम सुकेको बेसारको टुकालाई धूलो पारी त्यसमा थोरै मात्रामा सख्खर मिसाई लेदो पारी दिनको ९ पटक केही दिनसम्म दिने ।
- ग) फलेदोको ५०० ग्राम हरियो पातलाई पिनेर ३००-४०० मि.लि. पानीमा मिसाएर आधा आधा गरी बिहान, बेलुका गरेर ३ दिनसम्म दिने ।
- घ) ५-१० ग्राम सुकेको तुलसीको पातलाई धूलो पारी अलिकित सख्खरमा मिसाई लेदो पारी दिनको २-३ पटक ३ दिनसम्म खान दिने ।

### ४) पखाला लागेमा

- क) १ लिटर पानीमा १ चिया चम्चा नून र ४ चिया चम्चा चिनी घोलेर तयार पारेको भोल दिनको ३-४ पटक खवाउने ।
- ख) चामलको माडमा १ ग्राम अदुवाको धूलो मिसाएर बिरामी पशुलाई दिनको २ पटक ख्वाउने ।
- ग) एक मुट्ठी चियापत्तीलाई १ लिटर पानीमा उमाल्ने, यसलाई छानेर यसमा आधा मुट्ठी अदुवाको धूलो हाल्ने र यो दिनको ३-४ पटक गरेर बिरामी पशुलाई खुवाउने ।

# ५) पेट फुलेमा

- क) १०० मि.लि. जित तोरीको तेल एकैपटकमा ख्वाईदिने ।
- ख) एक चम्चा लुगा धुने पाउडरलाई २०० मि.लि. जित पानीमा घोलेर खुवाई दिने । खाने सोडा पिन यसको लागि प्रयोग गर्न सिकन्छ ।
- सामान्य किसिमबाट हावा भिरएको छ भने दुई वटा केराको पात टुका पारेर दिनहुँ २-३ पटक २ दिनसम्म खुवाउने ।
- घ) पेट साह्रै फुलेको छ भने सफा धारिलो चक्कुले पशुको बाँयापिट्टको भूँडीमा दलो पारेर सो ठाउँमा कृनै नली राखिदिने ।

### ६) कब्जियत भएमा

क) पशुले खान सकेजित केराको पात खान दिने ।

- ख) ५० देखि १०० ग्राम घिउकमारिको पातलाई पिनेर २-३ दिनसम्म खुवाउने ।
- ग) यथेष्ट मात्रामा पानी खान दिने।
- घ) तरल पाराफिन, काँचो आलसको तेल दिनहुँ एक पटक १०० मि.लि. जित १ -२ दिनसम्म ख्वाउने ।

### ७) विष खाएमा

- क) विष खाएको पशलाई १ लिटर द्ध खवाई दिने ।
- ख) १०० ग्राम म्याग्नेसियम सल्फेट ५०० मि.लि. पानीमा मिसाई खवाउने ।
- ग) विष खाएको पशुलाई १ लिटर पाराफिनको तेल वा काँचो आलसको तेल वा क्नै प्राकृतिक वनस्पति तेल ख्वाई दिने ।
- घ) २०० ग्राम काठको खरानीको धूलोलाई ८०० मि.लि. पानीमा मिसाई विष खाएको पश्लाई ख्वाउने ।
- ङ) ४ वटा फुल, २५० ग्राम सख्खर र १०० ग्राम बेसारलाई १०० मि.लि. पानीमा मिसाई तुरून्तै खुवाउने ।

### प्रान्तिक परजीवि

- क) लज्जावती भारको सुकेको पात एक भाग र दुई भाग पानी मिसाएर ४० मि.लि. जित खुवाउने । २-३ हप्ता पछि फोर दोहोऱ्याउने ।
- ख) ५० मि.लि. पानी र अलिकित नून राखी त्यसमा एउटा किम्बुको छिप्पिएको फल राखी कुट्ने र हप्ताको १ पटक ३ हप्तासम्म ख्वाईराख्ने ।
- ग) घाममा सुकाएको छिप्पिएको मेवाका बीउहरू धूलो पारी अलिकति पानीमा मिसाउने र १०० ग्राम जित ६ दिन सम्म दिनहँ १ पटक खवाउने ।

## ९) किर्ना परेमा

- क) २०० ग्राम नून ४ लिटर पानीमा घोलेर यसै भोलले नुहाइदिने ।
- ख) ५० मि.लि. नरिवलको तेल १०० ग्राम गन्धक र ५० ग्राम अदुवा मिसाई तताएर चिसो पार्ने र पशुको जीउ भरी लगाइदिने ।
- ग) ३०० ग्राम सुकेको सुर्तीको पातलाई १ लिटर पानीमा भिजाउने र १ चम्चा हालेर यसलाई ३ घण्टासम्म यथावत राख्ने । ३ घण्टापछि यो भोल पशुको जीउभिर लगाउने ।

## १०) लुतो भएमा

- क) गन्धक धूलोमा अलिकित तेल मिसाई त्यसको लेदो लुतो भएको ठाउँमा लगाउने।
- ख) एक मुट्ठी सुकेको बकाइनोको छिप्पिएको बीउलाई पिनेर त्यसमा अलिकति पानी मिसाई लेदो बनाएर ल्तो भएको ठाउँमा लगाई दिने ।

### ११) खोरेत

- क) खोरेत लागेका पशुहरूलाई शुरूको अवस्थामा १२ वटा केरा खुवाउने र १
   के जी मेथीको पात खान दिने ।
- ख) फिटिकरीले मुख वरिपरिको घाउ सफा गर्ने ।

# १२) खुर कुहिने

- क) पशु आउने जाने बाटोमा एउटा खाडल खनी २/३ लिटर महितेल खाडलमा हाल्ने ।
- ख) २-३ मृष्टी निलोत्थो १ बाल्टी पानीमा घोल्ने र खाडलमा हाल्ने ।
- ग) ३-५ के.जि. हरियो नीमको पातलाई राम्ररी पिनेर खाडलमा हाल्ने ।
- घ) दिनको दुई/तीन पटक पशुलाई त्यसमा हिंडाउने ।

# **१९.५ पशु नश्ल सुधार राष्ट्रिय अभियान कार्यक्रम** (Program of Livestock Breed Improvement)

देशमा भएका स्थानीय कम उत्पादन क्षमता भएका तथा अनुत्पादक गाई भैसीहरुलाई कृत्रिम गर्भाधानको माध्यमद्वारा नश्ल सुधार गरी उत्पादनशील बनाउन पशु सेवा विभागद्वारा प्रस्ताव गरिएको पशु नश्ल सुधार योजना बजेट वक्तब्य मार्फत समेत सम्वोधन भएको कार्यक्रम हो। यसको अविधि ५ वर्षको रहेको छ। यो आ.व. २०६८/६९ बाट शुरु भएको हो। पहिलो वर्षमा सफलता पूर्वक कृत्रिम गर्भाधान सेवा संचालनमा रहेका पाँचवटै विकास क्षेत्रमा पर्ने गरी २५ वटा जिल्लाहरुमा, दोश्रो वर्षमा १० जिल्लाहरु यस वर्षमा ५ जिल्लाहरु गरी जम्मा ४० जिल्लाहरुमा कार्यक्रम संचालनमा रहेको छ।

कार्यक्रमको उद्देश्य : यसको उद्देश्य गाई तथा भैसीमा कृत्रिम गर्भाधान सेवा द्वारा वर्णशंकर बाच्छा बाच्छी तथा पाडा पाडी उत्पादन गरी स्वदेशमा नै उन्नत जातका पशुको आपुर्तिमा वृद्धि गर्ने, कृत्रिम गर्भाधान सेवाको विस्तार गरी दुध तथा मासुको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने र सरकारी, गैरसरकारी तथा निजि क्षेत्रका कृत्रिम गर्भाधान कर्ता, कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र, राष्ट्रिय पशु प्रजनन केन्द्र र पशु प्रजनन कार्यालयहरुको क्षमता अभिवृद्धि गर्न्को साथै दीगो सेवा उपलब्ध गराउने रहेको छ ।

रणनीतिः समुदायमा आधारित दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था, स्थानीय निकाय तथा सरोकारवाला अन्य संघ/संस्था मार्फत सरकारी, निजी साम्फेदारी (PPP) कार्यक्रम अनुरुप सामुदायिक पशु प्रजनन केन्द्रहरु स्थापना गरी सेवा विस्तार गर्ने, कृत्रिम गर्भाधान सेवा विस्तारका लागि राष्ट्रिय पशु प्रजनन केन्द्र तथा पशु प्रजनन कार्यालयहरुको क्षमता अभिवृद्धि गरी आवश्यक तरल नाइट्रोजन र जमेको विर्यको उत्पादन तथा आपूर्ति बढाउने र कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रहरुको संख्यामा बृद्धि गरी ती केन्द्रहरुमा पशु प्रजनन कोष स्थापना गर्नुको साथै नीजि तथा सार्वजनिक सहकार्यमा दिगो रुपमा कार्यक्रमहरु संचालन गर्ने रणनीति रहेकाछन्।

कार्यक्रममा संलग्न सहयोगी निकायहरु: सहकार्यमा सामुदायिक पशु प्रजनन केन्द्र संचालन गर्ने सहकार्य संस्थाहरु (दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था, सामुदायिक वन उपभोक्ता सिमिति, स्थानीय निकाय, गै.स.स., पशुपालन समुह सिमितिहरु), पशु सेवाकेन्द्र/उपकेन्द्र, जिल्ला पशु सेवा कार्यलय, पशु प्रजनन कार्यालय, राष्ट्रिय पशु प्रजनन केन्द्र, क्षेत्रीय पशु सेवा निर्देशनालय, तालिम तथा प्रसार निर्देशनालय, पशु उत्पादन निर्देशनालय सहयोगी निकायहरु हुन्।

कार्यक्रमको अवधि: पशु नश्ल सुधार राष्ट्रिय अभियान कार्यक्रमको अवधि ५ वर्ष (आ.ब. २०६८।०६९ देखि २०७२।०७३ सम्म) को रहेको छ । तत्पश्चात पिन जिल्लामा हाल संचालनमा रहेका र नयाँ थप हुने कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रहरुबाट सेवा प्रवाहलाई निरन्तरता प्रदान गर्नेछ ।

### कार्यक्रम संचालन हुने जिल्लाहरुः

#### १. प्रथम चरण (आ.व. २०६८/०६९)

- (क) पूर्वाञ्चल-मापा, मोरङ्ग, सुनसरी, सप्तरी, सिरहा,
- (ख) मध्यमाञ्चल-धनुषा,महोत्तरी,सर्लाही,बारा,मकवानपुर,चितवन, नुवाकोट, काठमाण्डौ, काभ्रे, रामेछाप
- (ग) पश्चिमाञ्चल- नवलपरासी, रुपन्देही, कपिलबस्तु, तनहुँ, कास्की
- (घ) मध्यपश्चिमाञ्चल- बाँके, बर्दिया, दाङ्ग,
- (ङ) सुदुरपश्चिमाञ्चल- कैलाली, कंचनपुर

### २. दोस्रो चरण (आ.व. २०६९/०७०)

- (क) पूर्वाञ्चल इलाम ।
- (ख) मध्यमाञ्चल- धादिङ्ग, रौतहट, सिन्धुली, पर्सा, ललितपुर, भक्तपुर ।
- (ग) पश्चिमाञ्चल पाल्पा बागलुङ्ग ।
- (घ) मध्यपश्चिमाञ्चल- सुर्खेत ।

#### ३. तेस्रो चरण (आ.व. २०७०/०७१)

- (क) पूर्वाञ्चल उदयपुर र धनकुटा
- (ख) पश्चिमाञ्चल गोरखा, अर्घाखाँची र स्याङ्गजा ।
- ४. चौथो बर्ष (आ.ब. २०७१/७२): जिल्लाहरुको थपघट केन्द्रिय पशु नश्ल सुधार समन्वय समितिले गर्नेछ।
- ५. पाँचौ वर्ष (आ.व. २०७२/७३): जिल्लाहरुको थपघट केन्द्रिय पशु नश्ल सुधार समन्वय समितिले गर्नेछ ।

# कार्यक्रमबाट हुने अपेक्षित प्रतिफल

- कार्यक्रमको लक्ष्य अनुसार बर्षेनी १ लाख कृत्रिम गर्भाधान थप गरी वार्षिक ३ लाख पशुहरुमा कृत्रिम गर्भाधान सेवा पुऱ्याइनेछ र पाँच वर्षपश्चात जम्मा १५ लाख गाई भैसीमा कृत्रिम गर्भाधान गरिनेछ ।
- ५२% औसत गर्भाधान दरले ५०% बाच्छी पाडी जिन्मदा ३,५१,००० वर्णशंकर गाईभैसीको संख्यामा वृद्धि हुनेछ । यसले ८,९५,००० मे.ट. दूध उत्पादनमा वृद्धि ल्याउछ, जुन भण्डै १२% को दरले वार्षिक वृद्धि भएको हुनेछ र ग्रामिण क्षेत्रका कृषकहरुले करीब २६ अर्ब ८५ करोड रकम आम्दानी गर्न सक्नेछन
- त्यसै गिर पाँच वर्षपश्चात कुल उत्पादन हुने ९५ हजार पाडाहरुबाट १७ हजार मे.ट. मासु समेत आपूर्तिमा टेवा पुग्न जाने छ जुन मण्डै हालको कुल राँगो भैसीको मासु उत्पादनमा १०.४७ दरले वृद्धि भएको हुनेछ ।
- मुलुकभित्रै उन्नत वर्णशंकर गाई भैसी स्रोतकेन्द्र स्थापनामा सघाउ पुग्ने छ ।
- कार्यक्रमबाट करीब १०,००० कृषक परिवारको गरीबी न्युनीकरण हुने र खाद्य तथा पोषण सुरक्षामा समेत सहयोग पुग्नेछ भने वाह्य मुलुकहरुबाट आयात हुने दूध तथा दुग्धजन्य पदार्थको आयात प्रतिस्थापन एवं स्वदेशमा स्थापित दुग्धजन्य उद्योगहरुको प्रवर्द्धनमा समेत यथोचित सहयोग पुग्ने छ ।

## १९.६ पशु आहारा विकास राष्ट्रिय अभियान कार्यक्रम (फरेज मिसन)

# पृष्टभुमी

नेपालमा दूध तथा मासुको बढ्दो मागलाई सापेक्षिक रूपमा पूर्ति गर्न पशुपालन क्षेत्रमा व्यवसायीकरण गरी पशुजन्य उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्न पशु नश्ल सुधारका साथसाथै पशु आहारा विकास गरी विस्तृत रूपमा सार्वजनिक/निजि/सहकारी/साभेदारीको माध्यमबाट राष्ट्रिय अभियानको रूपमा संचालन गर्न नेपाल सरकारको आ.व ०७०/५१को वजेट वक्तव्य मार्फत घोषणा गरिएको पशु आहारा विकास राष्ट्रिय अभियान कार्यक्रम आ.व.०७०/भिदेखि संचालनमा आएको छ ।

### उदेश्य:

- क) गुणात्मक पशु आहाराको आपूर्ति गरी दुध तथा मासुको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने ।
- ख) पशुजन्य उत्पादनको उत्पादन लागत घटाई स्वदेशी उत्पादनलाई राष्ट्रिय/अन्तराष्ट्रिय बजारमा प्रतिस्पर्धी बनाउने छ ।
- ग) सरकारी, गैरसरकारी तथा निजी क्षेत्रका घाँसेबाली तथा बीउ उत्पादक व्यवसायिक कृषक/समूह/सिमिति/सहकारी,सामुदायिक पशु आहारा विकास केन्द्र, राईजोवियम तथा बीउ विजन प्रयोगशाला, चरन तथा घाँसेवाली बीउ वृद्धि फार्महरु तथा राष्ट्रिय चरन तथा पशु आहारा केन्द्रको क्षमता अभिवृद्धि, श्रोत केन्द्र सुदृढीकरण र दिगो सेवा प्रदान गर्ने ।

### कार्यक्रमको अवधि

- क) आ.व.०७०/७१ देखि ०७४/७५ सम्म छ वर्षको हुने छ।
- ख) पहिलो छ वर्षको कार्यक्रमको प्रभावकारिताको आधारमा सेवा अविध विस्तार गर्न सिकने छ।

### यस कार्यत्रलमबाट अपेक्षित प्रतिफल

४५००० हेक्टर क्षेत्रफलमा उन्नत घाँस खेती गरी पशु नश्ल सुधार राष्ट्रिय अभियान कार्यक्रम अन्तर्गत उत्पादित उन्नत पश्हरुको लागी आवश्यक आहारा पूर्ति गर्ने ।

# कार्यक्रम लागु हुने स्थान

- क) पिहलो, दोश्रो र तेश्रो चरण गरी छ वर्षको अविधमा पशु नश्ल सुधार राष्ट्रिय अभियान कार्यक्रम लागू भएका जिल्लामा यो कार्यक्रम लागू गिरने छ ।
- ख) प्रत्येक जिल्लामा स्थापित सामुदायिक पशु प्रजनन् केन्द्रहरुलाई सामुदायिक पशु आहारा विकास केन्द्रका रुपमा स्थापित गरी कार्यक्रम संचालन गरिने छ ।
- ग) राष्ट्रिय चरन तथा पशु आहारा केन्द्र, सामुदायिक पशु विकास आयोजना तथा कवुलियती वन तथा पशु विकास कार्यक्रमबा६ स्थापना भएका सामुदायिक घाँस श्रोतकेन्द्रहरुलाई कार्यक्रममा समावेश गरिने छ ।
- ३) नयाँ सामुदायिक पशु आहारा विकास केन्द्र स्थापना गर्दा सम्बन्धित पशु सेवा केन्द्र/उपकेन्द्रको संलग्नतामा उक्त क्षेत्रमा रहेका दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था, घाँस विकास समूह/समिति, कृषि सहकारी संस्था, स्थानीय गैरसरकारी संस्था, स्थानीय निकाय, कृषक समूह/समितिको सहकार्यमा स्थापना गरी संचालन गरिने छ ।

# पशुपालनको निम्ति घाँस खेती

जग्गा हुने कृषकहरूले आफ्ना खेतबारीहरूमा तथा खाली जग्गाहरूमा साथै काम नलाग्ने जग्गाहरूमा र बारीका कान्लाहरूमा पिन घाँस खेती गरी वर्षेभरीको लागि घाँस उत्पादन गर्न सक्दछन् । डाले घाँस, बहुवर्षिय घाँसमा हिउँदे र वर्षे मिलाएर लगाउनु पर्दछ । सामुदायिक जंगलहरूमा समेत व्यवस्थित तरिकाले उन्नत जातका घाँसहरूको खेती गरी आवश्यक घाँस उपलब्ध गराउन सिकन्छ ।

### डाले घाँसहरू

किम्बु, चुलेत्रो, इपिल-इपिल, दुधिलो, भीमल, बडहर, टाँडी, कोइरालो, निमारो आदि ।

# २. बहुवर्षिय घाँसहरू

नेपियर, स्टाइलो, अमृसो, सेटारिया, मोलासेस, पास्पालम, क्लोभर, राइघाँस, कक्सफुट, सुडान, कुड्ज, डिस्मेडियम आदि ।

### ३. हिउँदे घाँसहरू

जै, सानो केराउ, बर्सिम, भेच आदि।

### ४. वर्षे घाँस

टियोसेन्टी, काउपी, बाजा, मकै, भट्मास आदि।

# एक वर्षे घाँस उत्पादन प्रविधि

यस्तो प्रकारको घाँस वर्षै पिच्छे लगाइरहनु पर्छ । नेपालमा लगाउन सिकने र पशुको लागि उपयुक्त घाँसहरूमा वर्षिम, जै, सर्गम, टियोसेन्टी, केराउ, बाजा, भटमास, बोडी पर्दछन् । घाँस लगाउँदा कोसा लाग्ने र नलाग्ने घाँसहरू मिलाएर लगाएमा माटोको उर्वरा शक्ति कायम रहनुको साथै पशुलाई आवश्यक पर्ने प्रोटिन, कार्वोहाइड्रेडको अनुपात पिन जान्छ ।

### क) हिउँदे घाँस उत्पादन

उपयुक्त एक वर्षे हिउँदे घाँसमा बर्सिम, जै, केराऊ, भेच आदि पर्दछन् । यी भुईघाँसहरू लगाउँदा मिश्चित तरिकाले लगाउन सिकन्छ । मिश्चित खेती गर्दा माथि उल्लेख गरे अनुसार माटोको उर्वरा शक्ति समेत बाँच्न जान्छ । हिउँदे घाँसको बीउलाई असोजदेखि मंसिरसम्म छरी हिउँदको समयमा प्रयोग गर्न सिकन्छ ।

### ख) वर्षे घाँस उत्पादन

एक वर्षे घाँसमा भट्टमास, मकै, मकैचरी, जोआर, बाजरा, बोडी आदि पर्दछन् । वर्षे घाँसका बीउलाई सामान्यतया वर्षा याममा घाँसको रूपमा प्रयोग गर्न सकिन्छ ।

# बहुवर्षे घाँस उत्पादन प्रविधि

यस्तो प्रकारको घाँस एक पटक लगाएपछि वर्षीसम्म घाँस उत्पादन गर्न सिकन्छ । यस्तो घाँस हैसियत विग्रिएको सार्वजनिक चरन, सामुदायिक वन, खोलाको वगर, खेतवारीको

डील कान्ला आदिमा लगाउन सिकन्छ । पशुको लागि उपयुक्त बहुवर्षिय घाँसहरूमा नेपीयर, स्टाइलो, अमृसो, राई ग्रास, सेतो क्लोभर, ज्वाइन्ट भेच, पास्पालम, मोलासेस, सेटारिया, कक्सफुट, कुड्जु, ग्लाइसिन, सेन्ट्रोसिमा, सिराट्रो, डेस्मोडियम, ल्यावल्याव आदि हुन् । यसरी सामान्यतया वर्षे घाँसलाई फागुन-चैत्रमा छरिन्छ भने, हिउँदेघाँसलाई आश्विन कार्तिकमा छरिन्छ । बीउको आकार मकैको दाना जस्तो छ भने प्रति हेक्टर ४०-५० के.जी. सम्म वीउ लाग्छ । वर्षिमको बीउ जस्तो छ भने २०-२५ के.जी. सम्म लाग्छ । पहाडी र जिमन खेतीको लागि प्रयोग गर्ने ठाउँमा बहुवर्षे घाँस खेतीमा जोड दिनपर्छ ।

### मिश्रीत खेती

घाँस खेती गर्दा मिश्रीत तरिकाले गर्दा एकातिर माटोको उर्वरा शक्ति बढ्छ भने अर्कोतिर पशुलाई पौष्टिक तत्व पनि पर्याप्त प्राप्त हुन्छ । जस्तै, हिउँदे मिश्रीत खेतीः जै र भेज, जै र सानो केराउ । वर्षेः टियोसेन्टी र बोडी, मकै र बोडी, मकै र भट्टमास आदि ।

# ११. खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग

### उद्देश्य

- खाद्य वस्तुहरूको उत्पादनस्तरदेखि बिक्री/वितरणसम्म शुद्धता कायम गरी उपभोक्ताहरूको हकहीतको संरक्षण गर्न गुण नियन्त्रण सेवा परिचालन गर्ने ।
- दाना ऐन, २०३३ लाई क्रियाशील गराई स्वस्थ्य एवं स्तरयुक्त दाना आपूर्तिमा वृद्धि ल्याई पशुपालन व्यवसायमा टेवा प्ऱ्याउने ।
- खाद्य प्रशोधन संरक्षण तथा प्याकेजिङ्ग र पोष्ट हार्भेष्ट प्रविधिहरूको विकास, अनुशरणीय अनुसन्धान एवं परामर्श सेवा तथा तालिम मार्फत कृषिजन्य खाद्य व्यवसाय एवं प्रशोधन उद्योगको प्रवर्द्धनगर्ने ।
- पोषणयुक्त खाद्य वस्तुहरूको पहिचान, पोषकतत्व विश्लेषण, परिकार विकास र पोषण शिक्षाजस्ता कार्यक्रमहरू संचालन गरी जनताको पोषणस्तर बढाउन सहयोग पुऱ्याउने ।

### कार्य क्षेत्र

## क) खाद्य गुणनियन्त्रण

- नेपालमा ७५ वटै जिल्लामा खाद्य ऐन/नियमावली क्रियाशील गर्ने र गुण नियन्त्रण प्रणालीसँग सम्बद्ध पक्षहरूको बीच समन्वय गरी खाद्य गुण नियन्त्रण कार्यक्रम प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने ।
- खाद्य वस्तुहरूको न्यूनतम अनिवार्य गुणस्तर लागू गर्दै जाने ।
- दाना तथा दानाजन्य वस्तुको स्तरीय उत्पादन बढाउन दाना ऐनलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने ।
- खाद्य वस्तुको ग्रेडस्तर निर्धारण गरी श्रेणीकरण तथा प्रमाणीकरण गर्ने व्यवस्था लागू गरी स्तरयुक्त उत्पादनमा जोड दिने ।
- खाद्य वस्तुहरूको उत्पादनमा स्वास्थ्य एवं गुणात्मक सुधार ल्याई डब्लू िट.ओ.को अवधारणा अनुरूप Sanitary and Phyto-Sanitary/Technical Barrier to Trade को स्तरअनुसार आन्तिरिक उपभोगमा सुधार र बाह्य बजारमा प्रतिस्पर्धा गर्नसक्ने तुल्याउने ।

- स्थानीय निकाय तथा नगरपालिकाहरूका जाँचकीहरुलाई खाद्य निरीक्षण तालिम दिई ग्ण नियन्त्रण सेवा संचालनमा प्रभावकारीता ल्याउने ।
- वर्तमान केन्द्रीय प्रयोगशालाको विश्वासनियता अभिवृद्धि गर्दै निजी प्रयोगशालाको भूमिकालाई समेत आवश्यकतान्सार सिक्रय गराउँदै लैजाने ।

### ख) खाद्य प्रविधि विकास तथा तालिम

- फलफूल तथा तरकारीजन्य, खाद्यान्न, माछा मासु तथा दूध एवं दुग्ध पदार्थमा आधारित व्यावसायिकस्तरको प्रविधि प्याकेजहरूको विकास एवं पहिचान गरी प्रविधि परामर्श तथा प्रचार/प्रसार गर्ने ।
- आधुनिक प्रशोधन प्रविधि जस्तैः बायो-टेक्नोलोजी, सोलार-ड्रायर, कूल-चेम्बर तथा
   By Products हरूको सदुपयोग सम्बन्धी उपयुक्त प्रविधिहरूको विकास एवं विस्तार गर्ने ।
- फलफूलजन्य पदार्थहरूको ढुवानी तथा Self life अध्ययन, स्न्याकस फुड्सको Self life तथा भण्डारण अध्ययन र प्याकेजिङ्ग मेटेरियल्सहरूको स्तर एवं उपयोगिता अध्ययन गरी प्रविधि प्रोफाईल तयार गर्ने ।
- फलफूल, खाद्यान्न, माछा, मासु र दूध तथा दुग्ध पदार्थसम्बन्धी प्रविधि प्याकेजहरूमा आधारित सीप विकास (स्वरोजगारमूलक) तालिमहरू प्रदान गरी संभाव्यता उद्यमी व्यवसायी विकास गरी खाद्य औद्योगीकरणमा टेवा प्ऱ्याउने ।

### ग) खाद्य पोषण

- दुर्गम पहाड तथा तराईमा बस्ने जनजाती र समुदायमा विद्यमान रहेको पोषण स्थितिबारे सर्भेक्षण/अध्ययन गर्ने ।
- कृषिजन्य खाद्य वस्तुहरूको पौष्टिक तत्व पिहचान गरी खाद्यतत्व तालिका निर्माण गर्ने ।
- सस्तो बाल आहार परिकार तथा स्कूल जाने स-साना बाल बालिकाहरूको खाजाको लागि परिकारहरूको विकास गर्नुका साथै खाद्य पोषण शिक्षाको प्रचार प्रसार गरी कुपोषण न्यूनीकरण गर्न सघाउ पुऱ्याउने ।

कृषि डायरी २०७१ STANDARD HEIGHT AND WEIGHT OF MEN AND WOMEN

Height	Men	Women	Maximum weight one may
Feet /Inches	Kg	Kg	reach
5'		51 - 54	
5'1"		52 - 55	Upto the age of 30 years 10%
5'2"	56 - 60	53 - 57	above standard
5'4"	59 - 64	56 - 60	
5'5"	61 - 62	58 - 61	
5'6"	69 - 65	61 - 65	Between 30-35 years Standard
5'7"	64 - 69	62 - 67	is optimum weight
5'8"	66 - 71	64 - 69	
5'9"	68 - 73	66 - 70	
5'10"	69 - 74	67 - 71	
5'11"	71 - 76	69 - 74	Above 35 years weight should
6'	73 - 79		be 10 % below standard
6'1"	75 - 81		be 10 % below standard
6'2"	78 - 84		]
6'3"	80 - 86		

# विभिन्न पौष्टिक तत्वहरूको दैनिक आवश्यकता तालिका

	शारीरिक			<del></del>			भिटामिन ए	
समुह	तौल किलो ग्राम	क्यालोरी	प्रोटिन (ग्राम)	चिल्लो वस्तु ग्राम	क्यालसियम मिलिग्राम	फलाम मि.ग्रा.	रेटिनोल माइको ग्राम	केरोटिन माइको ग्राम
स्वास्नी मानिस	५०						६००	२४००
सामान्य काम		१,८७६	χo	२०	४००	O M		२४००
मध्यम काम		२,२२४	χo		४००	a O		२४००
भारी काम		२९२५	५०		४००	३०		२४००
गर्भवती	*8	·\$00	9X	३०	9000	३८	६००	२४००
दुध खुवाउने		·xx0	·2X	४४	9000	a O	९५०	३८००
<b>काखे बच्चा</b> ०-६ महिना	४.६	१०४ प्रति किलो तौल	२.०५ प्रति किलो		५००		३५०	१,२००
<b>૭-</b> ૧૨	હ	९४ प्रति किलो तौल	१.६५ प्रति किलो		५००		३५०	9,२००

# खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग र अन्गर्तका क्षेत्रीय खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण कार्यालयहरूबाट सर्वसाधारणहरूले देहायवमोजिमका सेवा पाउँछन् ।

- खाद्य उद्योग स्थापनाका लागि नि:शुल्क परामर्श सेवा
- खाद्य पोषणसम्बन्धी विभिन्न विषयमा नि:शुल्क परामर्श सेवा
- कृषिजन्य उत्पादन वा खाद्य पदार्थको प्रयोगशाला विश्लेषण सेवा
- खाद्य प्रविधि, प्रशोधन, संरक्षणका बारेमा नि:शुल्क तालिम
- खाद्य गुण नियन्त्रण, एस पी एस, खाद्य पदार्थको राष्ट्रिय तथा अन्तरराष्ट्रिय गुणस्तरबारे जानकारी

## **23** SOME IMPORTANT FORMULAE

### **Fertilizer Dose Calculation**

• Kilogram per Hectare = 
$$\frac{R \times L}{N} \times 100$$

○ Kilogram per Ropani = 
$$\frac{R \times L}{N} \left( \frac{100}{20} \right)$$

○ Kilogram per Katha = 
$$\frac{R \times L}{N} \left( \frac{100}{30} \right)$$

Where

R = Recommended dose of fertilizers

L = Land area

N = Nutrient content in fertilizer materials

### **Seeds Purity and Germination**

$$TV = \frac{G \times P}{100}$$

TV = True value

G = Germination capacity

P = Purity

• Seed Germination % =  $\frac{Number \text{ of seeds germinated}}{Number \text{ of seed sput for germination}} \times 100$ 

• Amount of seed required (kg) = 
$$\frac{seed \text{ rate (kg/ha)x Area in sq.m.}}{\text{% germination x \% filled grains}}$$

• Grain yield 
$$(Y) = \frac{\text{Grain wt.}}{\text{Area}}$$

Adjusted Grain Yield (Weight) = A x Y

Where 
$$A = \frac{100 - M}{86}$$

Where M = moisture contained in percentage of grain weight (usually taken at 14% in rice)

### Live Weight Estimation

o Cattle / Buffalo

Live weight (lbs) = 
$$\frac{(girth \text{ inch})^2 \text{ x body length (inch)}}{300}$$

In kg (LW) = 1.74 x body length (cm) + 1.05 x girth (cm) - 71.1

Goat

$$LW (Kg) = \frac{\left(girth \ cm\right)^2 \ x \ body \ length \ (cm)}{10,500}$$

o Sheep

LW (Kg) = 
$$\frac{\text{(girth cm)}^2 \text{ x body length (cm)}}{12,000}$$

### **Dry Matter (Animal Nutrition)**

$$\circ \% DM = \frac{Dry \ weight}{Wet \ weight} \ x \ 100$$

$$\circ \text{ \% Moisture} = \frac{Wet \ weight - Dry \ weight}{Wet \ weight} \ x \, 100$$

$$\bullet \qquad \text{Digestibility of nutrient} = \frac{Kg \text{ nutrient eaten - } Kg \text{ in faeces}}{Kg \text{ nutrient eaten}} \times 100$$

• Protein efficiency ratio (PER) = 
$$\frac{\text{Weight gain (gm)}}{\text{Protein intake (gm)}}$$

• Biological value (BV) = 
$$\frac{\text{Re tained Nitrogen}}{\text{Absorbed Nitrogen}} \times 100$$

### किष डायरी २०७१

• Net protein utilization (NPU) = 
$$\frac{\text{Re tained Nitrogen}}{\text{Intake of N}} \times 100$$

Degradability of dietary protein =1-  $\frac{Dietary protein entering duodenum}{Dietary protein entering duodenum}$ Total dietaryproteinintake

### **Pesticide Application Formulae**

WP required (kg) = 
$$\frac{\% \text{ a.i. desired } x \text{ specified spray volume (liters)}}{\% \text{ a.i. in WP}}$$

Liters of EC required = \frac{\% a.i. desired x specified spray volume (liters)}{\}

% a.i.in commercial EC

Weight of WP, dust or =  $\frac{\text{Recommended} \text{rate}(\text{kg/ha}) \times \text{Area}(\text{ha}) \times 100}{\text{% a i in WP dust or granules}} \text{ or}$ % a.i.in WP, dustor granules granules required (Kg)

=  $\frac{\text{Re commended rate (kg/ha)}}{\text{Re commended rate (kg/ha)}} \times \text{Area (sq.m.)}$ Weight of WP, dust or % a.i.in WP, dust or granules x 100 granules required (Kg)

Re commended rate (kg/ha)x Area (ha) x 100 Liters EC required % a.i.in commerical EC

Recommended rate (kg/ha) x Area (sq m) Liters EC required % a.i. in commercial EC x 100

Where, WP = Wettable Powder

EC = Emulsifiable Concentrate

a.i. = Active Ingredient

### Valuation of cost and benefits of a project

Annual Depreciation of Capital Equipment

$$D = \frac{a - b}{c}$$

Where, a = Original cost

b = Junk value

c = Expected life of asset ( useful years ).

Depreciation (Sinking Fund Method)

$$D = \frac{R(C-S)}{(1+R)^N - 1}$$

Where, D = Rate of depreciation per year R = Rate of interest on accumulated fund C = Total cost of machine

S = Scrap value

N = No. of years of life of machine

• Discounting Income 
$$PV = \frac{q}{(1+r)^n}$$

Where. Pv = Present Value of the future amount

q = Amount to be spent at a future date

r = Rate of interest

n = Number of years in future when money is to be spent

Net Present Value (NPV) = 
$$\sum_{t_1}^{t_n} \frac{Bt - Ct}{(1+i)^t}$$

Where,  $B_t$  = Benefits in each year (benefits at year t)

 $C_t$  = Costs in each year or at year t t = 1.2,....n (number of years)

i = Interest rate or discount rate

Internal Rate of Return (IRR) = Li + 
$$\frac{(Hi - Li)NPVatLi}{NPVatLi - NPVatHi}$$

Where Hi = higher discount rate Li = Lower discount rate.

### रुपान्तरण तालिका

### नाप

१ से.मी.	=	१० मि.मी.	१ फूट	=	१२ इन्च
१ मीटर	=	१०० से.मी.		=	३०.४८ से.मी.
	=	३९.३७ इञ्च	१ गज	=	३ फूट
१ कि.मी.	=	१००० मीटर		=	९१.४४ से.मी.
१ इञ्च	=	२.४५ से.मी.	१ माइल	=	१७६० गज
					१.६ कि.मी.
_					८ फर्लाङ

### जीन

ताल				
१ ग्राम =	१००० मि.ग्रा.	१ मे. टन	=	१० क्विन्टल
१ कि.ग्रा. =	१००० ग्राम	१ मन	=	३७.३२ कि.ग्रा.
=	२.२ पाउण्ड		=	४० सेर
१ पाउण्ड =	१६ औंस	१ धार्नी	=	२.२७ कि.ग्रा.
१ औंस =	२८.३४ ग्राम		=	५ पाउण्ड
१ क्विन्टल =	१०० कि.ग्रा	१ सेर	=	४ पाउ

### आयतन

१ म्री

१ लिटर = १००० मि.लि. १ पाथी = ४५४६ मि.ली.

= 0.२२ ग्यालन = ४.५ लिटर = २० ग्यालन = ८ माना

= ९०.९ लिटर

### क्षेत्रफल

१ हेक्टर = १०,००० व.मी. १ धुर = १८२.२५ वर्ग फीट

= २.४७ एकड १ कट्टा = २० धुर = १.४८ विघा १ विघा = २० कट्टा

= १९.६६ रोपनी= १३.३१ रोपनी

= ३० कट्टा १ एकड = ०.४ हेक्टर

४३५६० वर्ग फीट

१ रोपनी = ५४७६ बर्ग फिट द रोपनी

= ५०८.५ वर्ग मीटर

१६ आना

१ आना = १६ दाम

१ दाम = ४ पैसा

### तापक्रम

१ सेन्टिग्रेड = (फरेनहाईट -३२)×०.५४५६
 फरेनहाइट = (सेन्टीग्रेड ×१८) + ३२

### मलखाद

१ किलो नाइट्रोजन = ४.८ किलो चिनी मल

२.२ किलो यूरिया मल

१ किलो फस्फोरस = ६.३ किलो सिंगल सुपर फस्फेट

२.२ किलो ट्रिपल सुपर फस्फेट

१ किलो पोटास = १.७ किलो म्यूरेट अफ पोटास

= २.१ किलो सल्फेट अफ पोटास

### अन्य

१ पि. पि.एम = १ मिलिग्प्रम प्रति लिटर

= १ ग्राम प्रति १००० लिटर

= ०.०००१ प्रतिशत

१ प्रतिशत = १००० पि. पि.एम

= १० ग्राम प्रति लिटर

१ ग्राम प्रति लिटर = १००० पि. पि.एम

= ०.१ प्रतिशत

१ ग्राम प्रति १००० लिटर = १ पि. पि.एम

०.०००१ प्रतिशत

१ चिया चम्चा = ८० थोपा

= ५ मिलिलिटर

9 टेबुल ( ठूला) चम्चा = ३ चिया चम्चा

= १५ मिलिलिटर

१ कप = १६ ठूलो चम्चा

= ८ औंस (१/२ पिन्ट)

स्प्रेत : तरकारी खेती , ज्ञान कुमार श्रेष्ठ

# २८. फलफूल विरुवाहरूको सरकारी मूल्य सूची

विभिन्न फलफूल विरुवाहरूको सरकारी मूल्य सूची (मिति २०६७/१/२१ को नेपाल सरकार सिचव स्तिरिय निर्णय अनुसार २०६७/४/१ बाट लागू हुने गरी)

# (क) फलफूलको कलमी विरुवा

ऋ.सं.	फलफूलको किसिम	उमेर (वर्ष)	उचाई (फिट)	संसोधित मुल्य (रु.)
٩	स्याउ	२	२–३	२५
२	नासपाती	9–२	२–३	રપ્ર
ą	आरु	9–२	१.५-३	२०
8	आरुवखडा	9–२	٩.٤-३	२०
x	चेरी	9–२	٩.٤-३	२०
६	खुर्पानी	9–२	٩.४–२.४	२०
૭	कागजीवदाम	9–२	9–२	२०
5	हलुवावेद	9–२	٩.५-२.५	२८
9	कटुस	9–२	9–२	<b>३</b> 0
90	ओखर (दाते ओखर)	9–२	9-2	₹O
99	पिकानट (चुच्चे ओखर	9–२	9–२	<b>३</b> 0
92	लप्सी	9–२	5-8	<b>३</b> 0
93	अंगुर (कलमी)	٩	٩.५-२.५	२०
98	फ्लावरिंग पिच	9–२	9.乂–३	२०
9٤	अंगुर (कटिंग)	٩	٩.५-२.५	90
१६	अंजिर (कटिग)	٩	٩.५-२.५	90
ঀ७	हेजलनट (कटिंग)	٩	٩.४–२.४	90
१८	अनार (कटिंग)	9–२	१.५-२	90
98	स्ट्रवेरी (रनर पोली व्याग)	३-६ महिना	३-४ महिना	¥
२०	किवि (कलमी)	9–२	9–२	₹O
२१	किवि (कटिंग)	9–२	9–२	90
२२	स्न्तला	9–२	9.4-2.4	२४
२३	ज्नार	9–२	9.4-2.4	२४
२४	कागती	9–२	٩	२४
२५	निबुवा	9-2	9–२	२४
२६	भोगटे	9–२	9–२	२४
२७	चाक्सी	9–२	9–२	२४
२८	विमिरो	9-2	9-7	२४
२९	किन्नो	9–२	٩.५-२.५	२४
30	म्न्तला	9–२	०.७५-१.५	₹ <b>¥</b>

				च्याच जानरा १००।
39	आंप (अम्रपाली,	9–२	9.५–३	६०
	मल्लिका)			
३२	आंप (अन्य जात)	9–२	٩.५–३	<b>३</b> О
३३	लिचि	9-7	9–२	२४
38	केरा (सकर्स)	٩	9–२	90
३५	भुइकटहर (जरावाला	६ महिना	०.७४-१.४	X
	संकर्स)			
३६	अम्बा	9-7	٩.४-२.४	٩٤
३७	अमला	9–२	9–२	१८
३८	एभोकाडो	9–२	9.५–३	રપ્ર
३९	सपोटा	9–२	२	१८
४०	लौकाट	9–२	9–२	१८
४१	जैतुन (ओलिभ) कलमी	9–२	9–२	२४
४२	जैतुन (ओलिभ) कटिङ्ग	9–२	9–२	90
४३	फेजुवा	9–२	9–२	5
४४	रुखकटहर कलमी	9–२	१.५–३	२४

# (ख) विभिन्न फलफूलको विजु विरुवा

सि.नं.	फलफूलको	उमेर (वर्ष)	उचाई	संसोधित मुल्य (रु.)
	<b>कि</b> सिम		फिट)	
٩	दाँते ओखर	२–३	9-7	२०
२	चुच्चे ओखर	9–२	१–२.५	२०
Ą	कागजीवदाम	9–२	9.4-2.4	२०
8	कटुस	२	9.4-2.4	२०
ሂ	सुन्तला	9–२	9.4-2.4	92
Ę	कागती	9–२	٩-٩.٤	92
9	निवुवा	9–२	9-7	92
5	चाक्सी	9–२	٩-٩.٤	92
9	रुखकटहर	٩	9-7	92
90	नरिवल	9–२	9-7	χο
99	मेकाडेमियानट	9–२	9-7	२०
97	एभोकाडो	9–२	9-7	914
93	सुपारी	9–२	9-7	9×
१४	काजु	9–२	9.4-2.4	90
94	मेवा	६ महिना	٩-٩.٤	२
१६	मेवा (हाइब्रिड)	६ महिना	٩-٩.٤	X
ঀ७	अमला	9–२	9-7	X
१८	सरीफा	9–२	9-2	Х
98	काफल	9–२	9–२	X

२०	कफी (पोलि ब्याग)	८ महिना देखि १ वर्ष	9-2	90
२१	अम्बा	9–२	9–२	X
२२	बयर	9–२	9–२	X
२३	बेल	9-2	9-2	X

### (ग) फलफूलको सायनस्टीक

सि.नं.	फलफूलको किसिम	उमेर (वर्ष)	लम्बाई ( फिट)	संसोधित मुल्य (रु.)
9	स्याउ /नासपाती /अंगुर / सुन्तला /जुनार / किन्नो/ भोगटे	٩	٩	R
3	आरु / आरुवखडा / खुर्पानी / कागजी वदाम	٩	٩	q
ą	दाते ओखर/लप्सी	٩	૦.७૪	m ·
X	हलुवावेद / चुच्चे ओखर	٩	٩	m
x	कागती	٩	o. <del>1</del> – 9	٩
Ę	मुन्तला	٩	٥.٤	m

# (घ) फलफूलको रुटस्टक विरुवा

सि.नं.	फलफूलको	उमेर (वर्ष)	उचाई (	संसोधित मुल्य (रु.)
	<b>कि</b> सिम		फिट)	
٩	स्याउ	9-7	१.५–२.५	х
२	हाडे ओखर	9–२	9–२	Х
ą	हलुवावेद	9-7	9–२	X
8	कुइन्स (कटिंग	9–२	9–२	Х
X	अंगुर (कटिंग)	9–२	9–२	Х
Ę	आरु	9-7	<b>૧.</b> ૫–૨.૫	X
૭	मयल	9–२	9–२	Х
5	तिनपाते सुन्तला	9-7	٩-٩.٤	X
9	लप्सी	٩	<b>٩.</b> ሂ–२.ሂ	X
90	सिट्रेन्ज	२	٩-٩.٤	X
99	आंप	9-7	9-2	r <del>s</del>
92	किवि	٩	٩-٩.٤	X
9३	जैतुन (ओलिभ )	٩	9-9.ሂ	X

# टिस्युकल्चर प्रविधिबाट उत्पादित फलफूलको बिरुवा

सि.नं.	फलफूलको किसिम	उमेर (वर्ष)	उचाई (फिट)	संसोधित मुल्य (रु.)
٩	केरा	९ महिना	-	9%
२	स्ट्रबेरी	९ महिना	-	90
ą	सुन्तला/जुनार (कलमी)	१-२ वर्ष	٩.५–२.५	२४
8	तीनपाते	9-२ वर्ष	१-१.५	१४

# (च) पोलिब्यागमा भएका बिरुवा

पोलिब्यागमा तयार गरिएका जुन सुकै बिरुवाको लागि प्याकिङ्ग चार्ज नलिई बिरुवाको मूल्यमा ३० प्रतिशत मूल्य थप गरि बिक्ती बितरण गर्ने ।

# १५. सरकारी फार्म/केन्द्रमा उत्पादित तरकारी बीउको मूल्य-सूचि

(मिति २०६७/४/३१ मा निर्धारण गरिएको)

ऋ.सं.	तरकारी	जात	प्रति के.जी	.मूल्य (रु.)
			मूल बीउ	उन्नतं बीउ
٩	काउली	काठमाण्डौ स्थानिय	9५४०	७२०
		स्नेाबल १६	१५४०	७२०
		किबो जाइन्ट	१५४०	500
		दिपाली	१५४०	૭૧૪
		ज्यापू	२०००	9000
२	बन्दा	सबै जात (O.P.)	9000	૭૧૪
æ	ब्रोकाउली	सबै जात (O.P.)	१५४०	<b>৩</b> ৭
8	ग्याँठकोपी	व्हाईट भियाना	१५४०	૭૧૪
ሂ	मूला	मिनो अर्लि	५००	300
		चालिस दिने/चेतकी	५००	<b>300</b>
		प्यूठाने रातो	५००	<b>300</b>
		व्हाईट नेक	५००	300
		टोकिनासी	500	६००
Ę	सलगम	पर्पलटप	५००	२५०
		काठमाण्डौ रातो	६००	२५०
و	गाजर	न्यू कुरोडा	9800	9000
		नान्टीस	9800	६५०
7	चुकन्दर	स्थानिय	१५००	२००
9	चम्सुर	स्थानिय	१५००	१५०
90	पालुङ्गो	पाटने	9000	२५०
		हरियो	9000	२००
99	रायो	मार्फा चौडा पात	१५००	६००
		खुमल चौडा पात	9000	300
		खुमल रातो पात	9000	300
		मनकामना	9000	хоо
		ताङ्गुवा	9000	300
		बालाजु लोकल	9000	300
92	स्वीसचार्ड	सुसाग	७३५	300
93	जिरीको साग	ग्रेट लेक	७३५	२००
१४	बकुल्ला	स्थानिय	५००	२००
१४	लहरे सिमी	त्रिशुली	५००	300
		चौमासे	५००	\$00
१६	भयाङ्गे सिमी	कन्टेण्डर	५००	२००
		प्रोभाईडर	χοο	२००

				कृषि डायरी २०
ঀ७	तने बोडी	खुमल तने / सर्लाही तने	χοο	200
१८	केराउ	आर्केल	хоо	१५०
		एन.एल.पि.	хоо	१५०
		सिक्किम लोकल	χοο	300
१९	स्कवास	ग्रे जुिकनी	3000	१५००
२०	काँक्रो	भक्तपुर स्थानिय/कुसुले	५०००	3000
२१	घिरौला	कान्तिपुरे /पुसा चिल्लो	3000	२१५०
२२	चिचिण्डो	स्थानिय	२०००	१५००
२३	करेला	कोयम्बटुर लङ्ग	3000	१५००
		पुषा दोमौसमी	3000	१२००
२४	फर्सि	स्थानिय	२०००	१२००
२५	लौका	स्थानिय	3000	२०००
		पि.एस.पि.एल.	3000	१५००
२६	कुभिण्डो	स्थानिय	२०००	१२००
२७	तरबुजा	सुगर बेबी	3000	१५००
२८	खरबुजा	स्थानिय	3000	१५००
२९	पिरो खुर्सानी	सबै जात (O.P.)	3000	२०००
		अकबरे	६०००	४४००
30	भेंडे खुर्सानी	क्यालिफोर्निया वण्डर	९०५०	४१००
39	भण्टा	सबै जात (O.P.)	9,900	१५००
३२	गोलभेंडा	मनप्रेकस	९७००	२०००
		सबै जात (O.P.)	९७००	३५००
		हाइब्रिड र्सिजना		१०५०००
33	रामतोरिया	सबै जात (O.P.)	६००	\$00
३४	मेथि	कसुरी	9000	800
		स्थानिय	9000	800
<b>३</b> ५	धनिया	स्थानिय	५००	<b>३</b> 00
३६	सुप	स्थानिय	900	800
३७	प्याज	रेड क्रियोल	२०००	११००
		नासिक रेड	9000	५००
		नासिक ५३	9000	800
		एग्री फाउण्ड डार्क रेड	२०००	9000
३८	कुरिलो	मेरी वाशिङ्गटन स्थानिय	8000	२०००
३९	चाइनिज बन्दा	सबै जात (O.P.)	9000	६००
४०	आलुको बीयाँ	टि.पि.एस.	-	२५०००
४१	अदुवा	सबै जात	-	900
४२	बेसार	सबै जात	-	900
४३	अलैंची	सबै जात	_	२५००

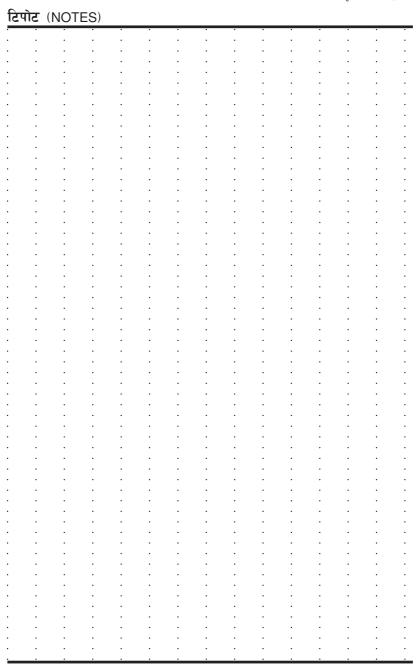
# टिपोट (NOTES)

टिपो	ਟ (N	OTE	S)										
:						•			•				
									•				
										•	•		
						•			•				
									•				
													•
					•			•	•				
									•				
										•		•	
									•				
									•		•		
:							-						
						•				•	•		
			•		•				•	•	•		
				· ·	•				•		•		· ·
						•				•			
						· ·	· ·		•	· ·			· ·
		· ·											
	•									•			

# टिपोट (NOTES) ২৩২

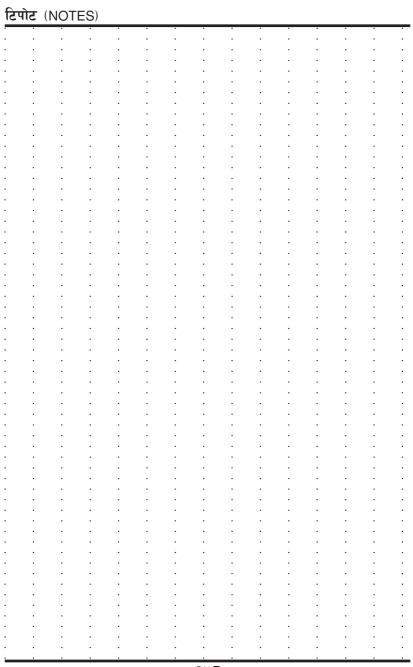
टिपोट	. (N	OTES	S)						•		` •	
		•	•		•			•				
			•							•		
											•	
		•			•	•		•			•	
				•	•							
			•		•	•		•			•	
				•	• •	· ·	,					
		•										
					•							
												· ·
						· ·						
			•									
				•	• •							
		•	•		•	•					•	
				•	•						•	
										•		
					•					•		
		•						•		-		
										· ·		

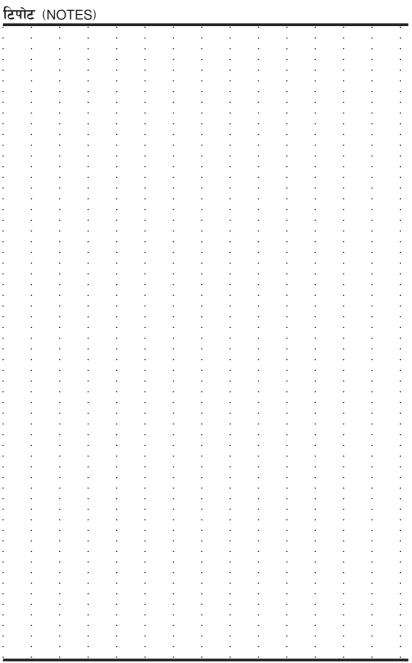
# टिपोट (NOTES)

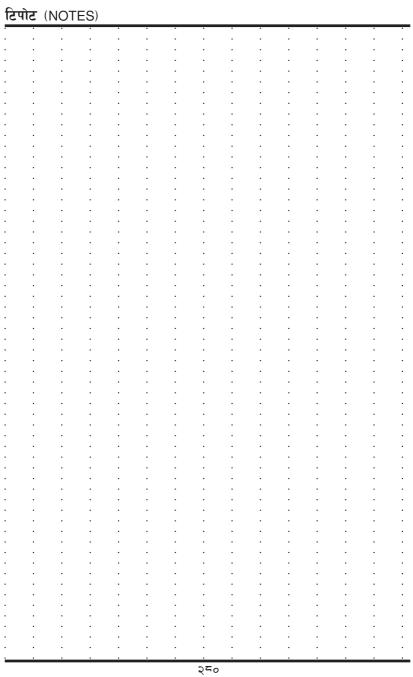


# टिपोट (NOTES)

टिपोट	(NOT	ES)									
		•			•	•					
· ·				•	•						
											:
				•				•	•		
											·
											:
· ·											
							•	•			
		·	·			÷			·		
· ·						:					:
· ·						:					
			•			·			•		
				•			•				
											:
· ·											:
					•						
		·		•	·	·					·
· ·											:
· ·											:
		•	•			·					·
					•		•		•		
· ·			•		•				•		
· ·								•			
		_									

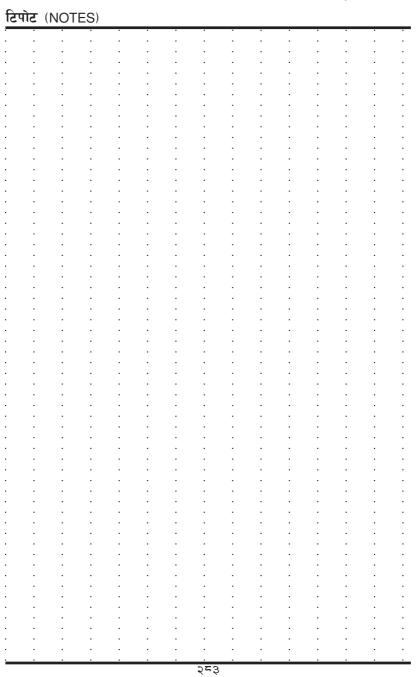


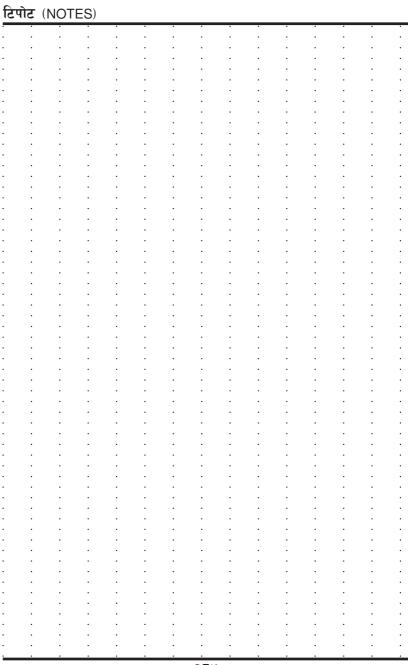




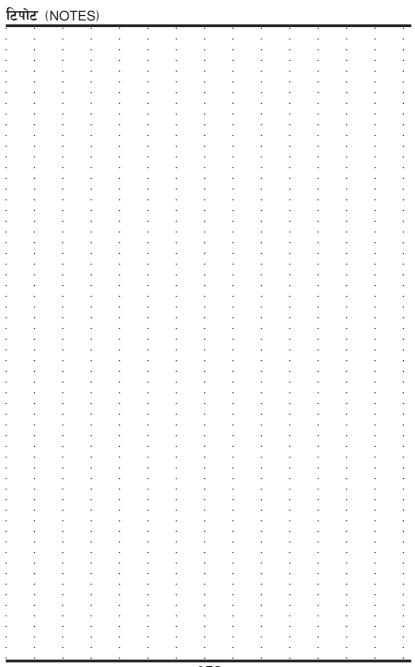
टिपो	टिपोट (NOTES)													
:			•											
	•													
									•	•			•	
					-	•				•				
									•					
									•					
						•			•	-				
	•													
			•					•		•				
									•				•	
										•				
	•												•	
						•			•	-			•	
			•			•		•		•				•
						•								
						•								
	•	•			•	•		•	•	•				•
								•	•	•				
	•					•			•					
:														
	•													
	•	•	•	•		·	. 59		•	•	•		•	_

टिपोट	टिपोट (NOTES)													
	•	•												_
				•		•				•	•			
	-					•								
		•						•	•			•		
		•		•	•	•				•	•			
			•	· ·		•				•				
		•						•	•			•		
		•							•			•		
				· ·						· ·	· ·			
		•						-	•			•	•	,
		•							•			•		
		•							•			•		
						•								
						•								
	•							•				•		,
												•		
•				· ·						•	· ·		· ·	
:												•		
				•					•	•	•			
·	· 					· 								_





टिपोट	(N	OTES	S)						•		` •	
		•	•		•			•	•			
: :												
· ·			•		•			•	•			
· · ·			· ·							· ·		
: :												
					• •				•	•		
								•				
						•		•	•	, ,	•	
			· ·		• •				•			
			· ·							· ·		
						•			•		•	
			· ·					•	•	, ,		
				•			•		•	•	•	
									•			
: :			•			•		•	•		•	
· · ·			· ·						•		• •	
: :									•			
· · ·			· ·			•			• ·		•	
												-

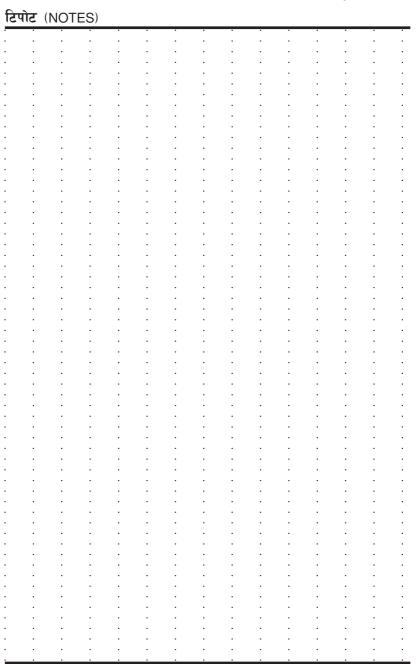


टिपं	ोट (	NOT	ES)											,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
:	·	:		·	:	·	:	·		·	:		:	·
					•		•							
										:				
														:
		•										•		
			:	:										
												•		
			:					:						
							•			•				
								:						
			:											
														:
	•							•						
			÷					·						
			•		•		•		•					
			÷											
								:						
							•	•	•	•				
	•	•	•	•	•		•	•	•			•	•	
					·									
	:													:
	•						•		•	•				

टिपो	ट (1	TON	ES)											
		·	·	·		·	·	·		·	·	•	·	·
:								:						
•	:						•	•						
	:													
:	:													
								•						
			•		•	:	•	•	•	•	•	•		•
					·		•	•						
	:						•	•						:
	:	•						•						
	:	:												
•	•	•			•		•	•	•			•		
			:											
		•												:
							:				:			
	:							•				•	•	
	:	:				:					:			
	:	•				•								· ·
							२८९							

टिपोट	(NOTE	S)										
				:								-
· ·						:						
	•					:		•				:
						:		•				
										•		
					·		•	•			•	
: :												
: :						:						
	•					:						:
							•	•		•	•	
					·							
: :	•					:						
						:						:
· ·												:
	•					•	•				•	
: :					•							
: :						:						:
						:			:			
· ·			:			:	:		:	:		
: :												:
				:	·							
												:
· ·		: :			:	:	•		:	•		·

२९१



टिपोट	(N	OTES	S)						•		` •	
		•	•		•			•				
: :			•							•		
		•	•		•			•				
: :												
					•					•		
					•			•		•	•	
		•	•		•	•		•			•	
		•			•					•		
											•	
		•			•	•					•	
		•			•		· ·	•				
: :		•	•	•	•		•				•	
					•							
: :					•	•		•				
										•		
					• •		· ·					
: :											•	
										· ·		

टिपोट	(NC	TES	S)								-	
								•	•			
				•								
								•				
			•						•		•	
	•						•			· ·		
								•	•			
								• •	•			
	:					•			•			
							•			· ·		
	•					•		· ·	•			
									•			
	:								•			
								· ·				
: :												
									•			
: :												
	:				•	•		•	•			
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•								•	· ·		
· ·												
	•					· ·						

टिपोट (NOTES)	
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	: :
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	· ·

टिपोट	(N	OTES	S)									
					,							_
		•				•	•	•				
			•	•				•	•			
		•				•					•	
				•		•		•				
		•	•			•		•				
			•	•				•				
						•						
		•				•		•				
											•	
		•	•			•		•				
										. ,		
		•	•			•		•				

टिपोट	(N	OTES	S)										
						•							_
							•		•			· ·	
									•				
											 ,		
							•						
												· ·	
									•				
		•				•			•				
						•			•			· ·	
		•				•			•			· ·	
												· ·	
									•				
											 ,		
									•				
		•				•	•		•			· ·	
: :									•				
			•	•	•		•			•			
		· ·				· ·	·	· ·	· ·	· 		· ·	

309